उत्तर प्रदेश शासन

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

NIPUN BHARAT

LLF Language and Learning foundation
Strong Foundation, Stronger Future

3
कक्षा

आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका
(भाषा)
सत्र 2022–2023

इस संदर्शिका में अलग–अलग आइकन (icon) और रंगों का संकेत के रूप में उपयोग किया गया है, जिनके माध्यम से आप दी गई जानकारियों को समझ और पहचान सकते हैं।

शिक्षक संदर्शिका के मुख्य संसाधन

- शिक्षण योजना
- वार्षिक ट्रैकर
- साप्ताहिक आकलन ट्रैकर
- सावधिक आकलन ट्रैकर

शिक्षण योजनाओं से संबंधित आइकन

- सप्ताह
- शिक्षण उद्देश्य
- समय
- तैयारी
- शिक्षक के लिए बिंदु
- बच्चों के लिए प्रश्न/निर्देश
- मौखिक भाषा विकास
- डिकोडिंग
- पठन
- लेखन कार्य
- पोस्टर पर कार्य
- शिक्षक द्वारा चर्चा
- बच्चों के अनुभव पर चर्चा/बातचीत
- लोगोग्राफिक पठन
- डिकोडिंग से संबंधित गतिविधियाँ
- सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव
- बिग बुक पर कार्य
- ध्वनि जागरूकता पर कार्य
- शिक्षण–प्रक्रिया की समीक्षा

कार्यपुस्तिका से संबंधित आइकन

- पाठ
- साप्ताहिक पुनरावृत्ति
- साप्ताहिक आकलन : मैंने सीख लिया
- गृहकार्य
- ग्रीष्म अवकाश : पाठ
- सावधिक आकलन
- सावधिक पुनरावृत्ति
- इकाई आकलन : (1–4)
- इकाई पुनरावृत्ति (1–4)
- कार्यपुस्तिका ट्रैकर

आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका
कक्षा 3

सीखने–सिखाने के अनुभवों में विविधता एवं रोचकता !

इस अकादमिक सत्र में हम शिक्षण योजनाओं को काम में लेते हुए कक्षा–कक्ष में उपलब्ध विभिन्न शिक्षण अधिगम सामग्रियों और कार्यपुस्तिका पर बच्चों के साथ कार्य करेंगे......

344 शिक्षण योजनाएं	3 ट्रैकर	144 पाठ कार्यपुस्तिका में

......ताकि हमारे सभी बच्चे लक्षित दक्षताओं को निपुणता एवं समय से प्राप्त कर सकें।

उत्तर प्रदेश शासन

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

NIPUN BHARAT

LLF Language and Learning foundation
Strong Foundation, Stronger Future

मुख्य संरक्षण : श्री दीपक कुमार, आई. ए. एस., प्रमुख सचिव (बेसिक शिक्षा), उत्तर प्रदेश शासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

संरक्षण : श्रीमती अनामिका सिंह, आई. ए. एस., महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश

निर्देशन : डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समन्वयन : श्री आनंद कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं प्रभारी, गुणवत्ता, समग्र शिक्षा
डॉ. प्रदीप जायसवाल, प्रवक्ता (शोध), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
श्री पी. एम. अन्सारी, राज्य सलाहकार, गुणवत्ता, समग्र शिक्षा

विशेष सयोग : श्री रमेश चंद्र एवं श्री अरविन्द सिंह, लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन
देबेत्रि सेनगुप्ता एवं शिवम् रावल, सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन
सुश्री जूही निझावन, कंसलटेंट

समीक्षा : श्री आशुतोष दुबे, प्राचार्य, एस.आई.ई., प्रयागराज
श्रीमती रिचा शुक्ला, प्राचार्य, राज्य हिंदी संस्थान, वाराणसी

लेखन मंडल : डॉ. अमरजीत (शोध प्रवक्ता, राज्य हिंदी संस्थान, उ.प्र., वाराणसी), मोहम्मद कसीम फ़ारूक़ी, (राज्य शिक्षा संस्थान प्रयागराज), श्री मनीष कुमार यादव (प्रवक्ता, डायट सिद्धार्थनगर), श्री अमित कुमार (प्रवक्ता, डायट सीतापुर), श्री ज्ञान बहादुर पासी (प्रवक्ता, डायट गोंडा), श्री मृदुल शर्मा (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय बाबूगढ़, सकराया, मथुरा), सुश्री कुहु बैनर्जी (प्रधान अध्यापिका, प्राथमिक विद्यालय अटकोहना, नकहा लखीमपुर खीरी), श्रीमती रागिनी गुप्ता (प्रधानाध्यापिका, अभिनव प्राथमिक विद्यालय ककोरगहना, करंजाकला जौनपुर), श्री हृदयेश गोस्वामी (सहायक अध्यापक, पूर्व माध्यमिक विद्यालय नैनवारा, ललितपुर), श्री अनुज प्रताप पाण्डेय (सहायक अध्यापक, प्राथमिक विद्यालय हाजीपट्टी बडराव, मऊ), सुश्री रीना वर्मा सहायक (अध्यापिका, प्राथमिक विद्यालय धरमपुर, सीतापुर), सुश्री अर्चना यादव (सहायक अध्यापिका, प्राथमिक विद्यालय बैडीअलीपुर, कानपुर नगर), श्रीमती अनिता कुशवाहा (प्रधानाध्यापिका, प्राथमिक विद्यालय खग जोत द्वितीय, बलरामपुर), श्री आकाश तिवारी (प्राथमिक विद्यालय भदीड़-2, मऊ), लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन अकादमिक समूह - हिना परवीन, श्री मनोज कुमार गुप्ता, श्री विशाल कश्यप, श्री बिपिन कुमार पाण्डेय, श्री संजीव श्रीवास्तव, सुश्री ऋचा ज्योति, सुश्री अनुराधा जैन, सुश्री सुप्रिया घोष

प्रुफ-रीडर : श्री राजेश यादव (एस.आर.जी. कानपुर नगर)

लेआउट : श्री कौस्तुभ खरे

ग्राफिक्स : रामा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली एवं ज़की अब्बास, नई दिल्ली

आभार : शिक्षक संदर्शिका के विकास में विभिन्न संस्थाओं की पाठ्य-सामग्री/साहित्य का उपयोग किया गया है। हम उन सभी के प्रति आभारी हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक :

संस्करण : प्रथम संस्करण

शिक्षा सत्र : 2022-23

मुद्रित प्रतियों की संख्या :

अंत पृष्ठ के कागज का विशिष्टीकरण : प्रयुक्त कागज मिल सेन्चुरी पल्प एण्ड पेपर्स वर्जिन पल्प युक्त कागज बैम्बू अथवा वुड बेस्ड (Bamboo or wood based) के अतिरिक्त अन्य एग्रो बेस्ड (Agro based) अर्थात बगाज पर आधारित एवं क्रीम लेड एण्ड क्रीमवोब पेपर 70 जी.एस.एम. भार तथा आकार 50.8 सेमी. X 76.2 सेमी. का है। कागज की ब्राइटनेस न्यूनतम 80 प्रतिशत, वन मिनट कोब टेस्ट अधिकतम औसत 22, ब्रेकिंग लेन्थ क्रॉस डायरेक्शन 1700, मशीन डायरेक्शन 2500, ओपेसिटी न्यूनतम-85 प्रतिशत एवं रजिस्टेन्ट टू फेदरिंग-टू पास द टेस्ट, टियर इन्डेक्स सी.डी. 40 एवं एम.डी. 3.5 है। प्रयुक्त होने वाला कागज में अन्य विशिष्टियां बी.आई.एस. कोड-1848 (चौथा पुनरीक्षण) के अनुसार है। पुस्तकों में प्रिण्ट साइज : 15.9 सेमी. X 22.1 सेमी., ट्रिम साइज : 1841 सेमी. X 24.13 सेमी. है।

उत्पादन : पाठ्य पुस्तक विभाग, शिक्षा निदेशालय (बेसिक), उ.प्र.
© उत्तर प्रदेश शासन

संदेश

घर और समाज से शुरू हुई अनौपचारिक शिक्षा विद्यालय में औपचारिक और व्यवस्थित हो जाती है। प्राथमिक शिक्षा बच्चों के विकास की बुनियाद होती है। यह मजबूत बुनियाद बच्चों को एक सशक्त नागरिक के रुप में तैयार करती है और ऐसे बच्चे आगे चलकर एक प्रगतिशील एवं विकसित समाज का सृजन करने में महत्त्वपूर्ण एवं सक्रिय योगदान देते हैं।

उत्तर प्रदेश में 'मिशन प्रेरणा' कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम से राज्य में प्राथमिक कक्षाओं के शिक्षण को एक नई दिशा मिली है। 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' भी बुनियादी शिक्षा के महत्व को रेखांकित करती है। बुनियादी शिक्षा और कौशलों के महत्व को दृष्टि में रखते हुए भारत सरकार द्वारा देशव्यापी 'निपुण भारत मिशन' की शुरुआत की गयी है।

विगत दो वर्षों में कोविड महामारी ने बच्चों की शिक्षा, विशेष रुप से प्राथमिक शिक्षा के समक्ष अनेक चुनौतियाँ खड़ी की हैं, जिसके कारण बच्चों के अधिगम की क्षति हुई है। बच्चों की अधिगम क्षति को दूर कर, कक्षा के अनुसार निर्धारित शिक्षण संबंधी परिणामों को सुनिश्चित कराना एक बड़ी चुनौती है। इस परिप्रेक्ष्य में कार्ययोजना तैयार करायी गयी है। इस कार्ययोजना द्वारा आगामी वर्षों में बच्चों को सामाजिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाते हुए, उनकी अधिगम क्षति को पूरा करने का प्रयास किया जायेगा। इससे सभी बच्चे आयु और कक्षा के अनुरूप निर्धारित दक्षताएँ प्राप्त कर पायें। इस कड़ी में कक्षा 1 से 3 के बच्चों के लिए 'कार्यपुस्तिकाओं' और शिक्षकों के लिए 'शिक्षक संदर्शिकाओं' का विकास कराया गया है।

बच्चों को केंद्र में रखकर तैयार की गयी ये संदर्शिकाएँ एवं कार्यपुस्तिकाएँ शिक्षकों को नई शिक्षण विधियों, गतिविधियों आदि से परिचित करायेंगी औरं बच्चों को अभ्यास के विविध अवसर प्रदान करेंगी।

भाषा की कार्यपुस्तिकाएँ मुख्य रूप से 'संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति' एवं गणित की कार्यपुस्तिकाएँ मुख्य रूप से (अनुभव, भाषा, चित्र, संकेत / प्रतीक) के सिद्धांतों पर तैयार की गयी हैं। कार्यपुस्तिकाओं में गतिविधियों एवं अभ्यास कार्यों को क्रमशः सरल से कठिन के क्रम में रखा गया है, ताकि बच्चे सतत् रूप से सीखते हुए वांछित दक्षताओं को हासिल कर पाएँ। आकलन की भी सम्यक व्यवस्था की गई है, जिसमें साप्ताहिक और सावधिक आकलन के द्वारा एक तरफ शिक्षक बच्चों के सीखने की गति पर दृष्टि बनाए रख पाएंगे। वहीं आवश्यकता पड़ने पर अपनी शिक्षण विधि में भी बदलाव कर पाएंगे।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि ये शिक्षक संदर्शिकाएँ बच्चों और शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगी। इनके द्वारा न केवल बच्चों के सीखने की शक्ति को पूरा किया जा सकेगा, बल्कि सीखने को गति प्रदान करते हुए प्राथमिक शिक्षा की नींव को सुदृढ़ किया जा सकेगा। ये संदर्शिकाएँ शिक्षा के वृहत्तर लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होंगी।

शुभकामनाओं के साथ!

अप्रेल – 2022

डॉ0 (सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह)
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
उ0प्र0, लखनऊ

वार्षिक ट्रैकर (2022–2023)

अकादमिक सत्र 2022–23 में 32–35 सप्ताह होंगे, जिनमें कम से कम 22 सप्ताह शिक्षण कार्य के लिए होंगे। भाषा के लिए प्रत्येक दिन 3 कालांश हैं। पहले और तीसरे कालांश में शिक्षण योजना के अनुसार कक्षा में शिक्षण कार्य करें। दूसरे कालांश में शिक्षण योजना के साथ–साथ कार्यपुस्तिका के पाठों पर भी कार्य करें। प्रत्येक दिन के कार्य के बाद, इस ट्रैकर को भरें। इससे आपको यह नियमित रूप से पता चलता रहेगा कि अभी तक कितना कार्य हो पाया है।

साप्ताहिक शिक्षण कार्य की शुरुआत और समाप्ति के दिनांक भरें।

सप्ताह 1 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

कालांश: 1, 2, 3

सावधिक आकलन एवं रेमेडियल/पुनरावृत्ति कार्य की शुरुआत और समाप्ति के दिनांक भरें।

सप्ताह 9 एवं 18 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13

प्रत्येक दिन की शिक्षण योजना पर कार्य करने के बाद इस ट्रैकर के संबंधित गोले में सही का निशान लगाएं। अध्याय 'साप्ताहिक शिक्षण योजना', 'दैनिक शिक्षण योजना' और 'आकलन एवं पुनरावृत्ति' में अकादमिक सत्र के शिक्षण कार्य पर विस्तार से चर्चा की गई है। इन अध्यायों एवं शिक्षण योजनाओं को ध्यान से पढ़ें।

सप्ताह 1 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 4 5 6

सप्ताह 2 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 4 5 6

सप्ताह 3 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 4 5 6

सप्ताह 4 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 4 5 6

सप्ताह 5 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 4 5 6

सप्ताह 6 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 4 5 6

सप्ताह 7 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 4 5 6

सप्ताह 8 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 4 5 6

सप्ताह 9

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13

सप्ताह 10

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 11

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 12

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 13

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 14

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 15

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 16

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 17

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 18

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13

सप्ताह 19

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 20

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 21

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 22

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

संदर्शिका का उपयोग

बुनियादी भाषा से संबंधित सीखने के सिद्धांत

निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों को केंद्र में रखकर इस संदर्शिका को बनाया गया है। यह बच्चों में विकासात्मक लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारा मार्गदर्शन करेगा।

14 दक्षताएं

पूरे वर्ष के साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्य

अकादमिक वर्ष 2022–23 में मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन और लेखन के लक्षित दक्षताओं को साप्ताहिक एवं दैनिक शिक्षण उद्देश्य में विभाजित किया गया है।

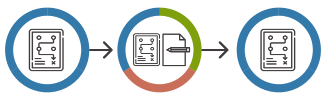

साप्ताहिक एवं दैनिक शिक्षण योजना

प्रभावी शिक्षण कार्य के लिए प्रत्येक कालांश हेतु दैनिक शिक्षण योजना दी गई है। ये शिक्षण योजनाएं कक्षा में उपलब्ध सभी शिक्षण अधिगम सामग्रियों और लक्षित दक्षताओं के आधार पर बनाई गई हैं। प्रत्येक शिक्षण योजना के शिक्षण उद्देश्य निर्धारित हैं और समय के साथ इन उद्देश्यों एवं कार्य करने की रणनीतियों की जटिलता बढ़ती गई है।

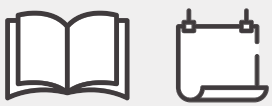

शिक्षण अधिगम सामग्री और कक्षा प्रबंधन

प्रभावी शिक्षण कार्य के लिए आवश्यक शिक्षण अधिगम सामग्रियों को विद्यालय स्तर पर उपलब्ध कराया गया है जिनमें पाठ्यपुस्तक, चित्र चार्ट, कविता/कहानी पोस्टर, सहज आदि सम्मिलित हैं। दी गई शिक्षण योजनाओं और गतिविधियों में इन्हें पूर्ण रूप से उपयोग में लाया गया है।

बच्चों के सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में अभिभावकों की भूमिका

कक्षा में बच्चों द्वारा किए गए कार्यों का घर पर अभ्यास करने और अभिभावकों की भूमिका पर इस संदर्शिका में चर्चा की गई है। साप्ताहिक गृहकार्य और व्यवधान के प्रबंधन के लिए अभिभावकों के साथ संवाद के लिए दिशा निर्देश भी दिए गए हैं।

संदर्शिका का उपयोग

हर सप्ताह की शुरूआत में

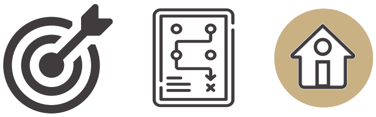

- साप्ताहिक शिक्षण योजना के उद्देश्यों को पढ़ें।
- शिक्षण योजनाओं में दी गई संबंधित शिक्षण सामग्री को पहले से तैयार रखें।
- बच्चों द्वारा किए पिछले सप्ताह के गृहकार्य को जाँचें।

हर सप्ताह के अंत में

- प्रत्येक बच्चे की प्रगति को समझें व कठिनाइयों को चिन्हित कर उनपर आगामी सप्ताह में कार्य की योजना बनाएँ।
- साप्ताहिक गृहकार्य के लिए बच्चों को निर्देश दें और अभिभावकों के साथ संवाद करें।
- साप्ताहिक आकलन ट्रैकर में प्रत्येक बच्चे द्वारा लाए गए अंकों को दर्ज करें और रेमेडियल कार्य/पुनरावृत्ति शिक्षण पर कार्य करें।

हर दिन की शुरूआत में

- शिक्षण योजना या गतिविधि के अनुसार कालांश से पहले तैयारी करें।
- आवश्यक शिक्षण सामग्री लेकर कक्षा में प्रवेश करें।

हर दिन के अंत में

- प्रतिदिन बच्चों की कार्यपुस्तिका की जांच करें और जरूरी मार्गदर्शन दें।
- बच्चों द्वारा कार्यपुस्तिका ट्रैकर भरा जाना सुनिश्चित करें।
- दैनिक कार्य पूरा होने पर वार्षिक ट्रैकर भरें।

सावधिक आकलन : सप्ताह 9 और 18 में

- कार्यपुस्तिका में सावधिक आकलन प्रपत्र के माध्यम से सभी बच्चों के साथ पहले दो दिनों में आकलन करें।
- प्रत्येक बच्चे द्वारा प्राप्त अंकों को सावधिक आकलन ट्रैकर में दर्ज करें।
- क्रमशः सावधिक रेमेडियल /पुनरावृत्ति शिक्षण पर कार्य करें।

व्यवधान प्रबंधन की रणनीतियां

- अभिभावकों को बच्चों के दैनिक रूप से घर पर पढ़ाई के लिए प्रेरित करें।
- अभिभावकों और बच्चों के साथ नियमित रूप से संवाद करते रहें।
- व्यवधान के बाद इकाई आकलन एवं पुनरावृत्ति पर निर्धारित रणनीति के अनुसार कार्य करें।

विषय सूची

वार्षिक ट्रैकर - 2–3

आप अपने साप्ताहिक एवं दैनिक कार्य में प्रगति को समझने एवं दूसरों के साथ साझा करने के लिए इस वार्षिक ट्रैकर का उपयोग करें।

संदर्शिका का उपयोग - 4–5

यहाँ आप इस संदर्शिका के सभी भागों के मुख्य बिन्दुओं का संक्षिप्त विवरण पढ़ सकते हैं।

निपुण भारत और मिशन प्रेरणा - 8–9

निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों को केंद्र में रखकर इस संदर्शिका को बनाया गया है। यह बच्चों में विकासात्मक लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारा मार्गदर्शन करेगा।

बुनियादी भाषा सीखने–सिखाने के सिद्धांत - - - - - - - - - - - - - - - 10–12

प्रारंभिक कक्षाओं के बच्चों के साथ सीखने–सिखाने के मूलभूत सिद्धांतों को इस अध्याय में प्रस्तुत किया गया है। पूरी अकादमिक योजना के निर्माण में इन सिद्धांतों को ध्यान में रखा गया है, जो प्रभावशाली शिक्षण कार्य के लिए महत्वपूर्ण है।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव - 13–14

बुनियादी भाषा की दक्षताओं पर कार्य करने के साथ–साथ सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव के महत्वपूर्ण पहलुओं पर इस अध्याय में बातचीत की गई है। शिक्षण योजनाओं के निर्माण में भी इसका ध्यान रखा गया है।

अकादमिक शिक्षण योजना - 15–25

वार्षिक योजना से दैनिक शिक्षण योजना तक की रूपरेखा को इस संदर्शिका में प्रस्तुत किया गया है। यह आपको लक्षित दक्षताओं और शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने में नियमित रूप से मदद करेगा। इस अकादमिक सत्र में सतत् आकलन को (साप्ताहिक एवं सावधिक) शिक्षण योजनाओं में एकीकृत किया गया है।

2022–23 **वार्षिक शिक्षण योजना** -17

सप्ताह दिन **साप्ताहिक एवं दैनिक योजना** - - - - - - - - - - - - - - - - - - 18–19

①②③ **भाषा शिक्षण पर कार्य** - 20–21

आकलन एवं पुनरावृत्ति - 22–25

शिक्षण अधिगम सामग्री और संबंधित रणनीतियाँ - - - - - - - - - 26–261

इस भाग में भाषा शिक्षण के लिए उपयोग में आने वाली सभी शिक्षण सामग्रियों का विवरण दिया गया है। इस संदर्शिका की शिक्षण योजनाओं में इन शिक्षण सामग्रियों को उपयोग में लेते हुए, किस प्रकार चरणबद्ध तरीके से कार्य किया जाना है, इस पर विस्तृत चर्चा की गई है।

1 2 3 **कालांशों की रणनीतियां** - 26–28

दैनिक शिक्षण योजना - 36–261

व्यवधान प्रबंधन की रणनीतियां - - - - - - - - - - - - - - - - - - 262–263

इस भाग में संभावित व्यवधानों को ध्यान में रखते हुए कुछ रणनीतियां दी गई हैं। व्यवधान के प्रबंधन के लिए अभिभावकों के साथ मिलकर बच्चों के सीखने को निरंतर रूप से जारी रखने पर बल दिया गया है।

कक्षा प्रबंधन एवं प्रिंट रिच वातावरण - - - - - - - - - - - - - - - 264–267

बच्चों के सक्रिय प्रतिभाग के लिए सौहार्दपूर्ण और भयरहित वातावरण आवश्यक है। इस भाग में कक्षा प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई है जो दैनिक रूप से आपको कक्षा संचालन में मदद करेगा। इसके साथ ही कक्षा में उपलब्ध प्रिंट सामग्रियों को किस प्रकार बच्चों के सीखने की प्रक्रिया से जोड़ सकते हैं, इस पर भी बातचीत की गई है।

अभिभावकों की भूमिका - 268–269

इस अध्याय में बच्चों के दैनिक शिक्षण कार्य में अभिभावक किस प्रकार नियमित रूप से सहयोग कर सकते हैं, इस पर चर्चा की गई है।

आकलन ट्रैकर

इस भाग में बच्चों के आकलन/अवलोकन के लिए ट्रैकर दिए गए हैं। ये ट्रैकर आपको अपने कार्य और बच्चों की प्रगति की जानकारी को व्यवस्थित रूप से रखने में मदद करेंगे।

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 1 - - - - - - - - - - - - - - - - - 270–273

सावधिक आकलन ट्रैकर 1 - - - - - - - - - - - - - - - - - 274–275

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 2 - - - - - - - - - - - - - - - - 276–279

सावधिक आकलन ट्रैकर 2 - - - - - - - - - - - - - - - - - 280–281

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 3 - - - - - - - - - - - - - - - - 282–283

निपुण भारत और मिशन प्रेरणा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान मिशन की स्थापना की गई है। इस मिशन के तहत हमारे विद्यालयों में ऐसा अनुकूल वातावरण बनाने पर जोर दिया गया है, जिसमें बच्चों की बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के सीखने को सुनिश्चित किया जा सके। इसके अंतर्गत, हमें मिलकर यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चा ग्रेड–3 के बाद पठन, लेखन और संख्या ज्ञान कौशल की अपेक्षित शिक्षण–क्षमताओं को प्राप्त कर ले। यह मिशन 3 से 9 वर्ष की आयु के बच्चों की अधिगम आवश्यकताओं पर केन्द्रित है। इस मिशन को निपुण भारत (आधारभूत साक्षरता और गणना में कुशलता के लिए राष्ट्रीय पहल) का नाम दिया गया है।

2026–27 : निपुण भारत मिशन का लक्ष्य

निपुण भारत मिशन के अंतर्गत कुछ दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की योजना है। इन दीर्घकालिक लक्ष्यों को 2026–27 तक प्राप्त करने के लिए देश भर में 'मिशन मोड' में काम किया जाएगा। निपुण भारत कार्यक्रम के वृहत्तर लक्ष्यों को नीचे देखा जा सकता है:

समझ के साथ पढ़ना

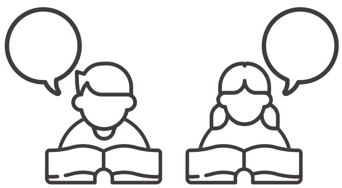

बुनियादी साक्षरता के महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है 'समझ के साथ पढ़ना'। बच्चा जब किसी पाठ को पढ़कर उसका अर्थ समझने लगे तब माना जाता है कि वह समझ के साथ पढ़ रहा है। समझ के साथ पढ़ने के लिए कुछ बेहद जरुरी चरण होते हैं जैसे, ध्वनि जागरूकता, वर्ण पहचान, डिकोडिंग और पठन। इन पर योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाना आवश्यक है।

लिखना

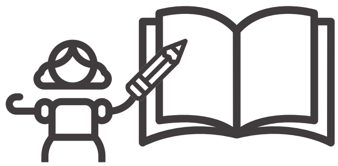

समझ के साथ पढ़ने के साथ ही लिखने के कौशल का विकास भी बुनियादी साक्षरता के महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है। समझ के साथ लिखने का कौशल विकसित करने के लिए बच्चों को क्रमशः उभरता लेखन, देखकर लिखना, साझा लेखन, रचनात्मक लेखन आदि चरणों से गुजरना होगा।

बुनियादी गणितीय संक्रिया

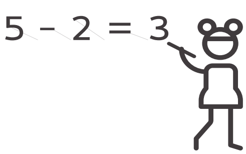

बुनियादी गणित में संक्रियाओं की समझ एक महत्वपूर्ण घटक है। जोड़, घटाव, गुणा और भाग केवल संख्याओं का अमूर्त उपयोग नहीं है। इन संक्रियाओं का अनुप्रयोग दैनिक जीवन में व्यापक रूप में होता है। ये संक्रियाएं विषयवस्तु के विश्लेषण, वर्णन और जीवन के संदर्भ में सरल समस्याओं की व्याख्या और समाधान के लिए उपयोगी हैं।

जीवन के बुनियादी कौशल

निपुण भारत मिशन के अंतर्गत केवल बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान पर ही ध्यान केंद्रित नहीं किया गया है बल्कि बच्चों को विद्यालय और घर में ऐसा माहौल देना प्रस्तावित है जिससे वो जीवन जीने के कुछ बुनियादी कौशल भी हासिल कर पाएं। इसके लिए बच्चों को सामाजिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाने की गतिविधियाँ की जाएंगी।

बुनियादी शिक्षा के लिए सीखने के परिणामों के विकासात्मक लक्ष्य

निपुण भारत के अंतर्गत तीन विकासात्मक लक्ष्य भी दिए गए हैं :

बच्चे अच्छा स्वास्थ्य और तंदरुस्ती बनाए रखें

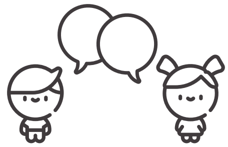

बच्चे प्रभावी संचारक बनें

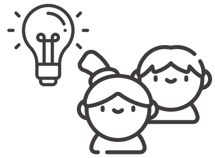

बच्चे विकसित शिक्षार्थी बनें और अपने परिवेश से जुड़ें

निपुण भारत मिशन का उद्देश्य

निपुण भारत मिशन के दीर्घकालीन वृहत्तर लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु कुछ उद्देश्य रखे गए हैं, इन उद्देश्यों पर काम करते हुए निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

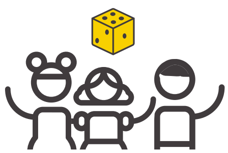

खेल, खोज और गतिविधि–आधारित शिक्षण

शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षा प्रशासकों का क्षमतावर्धन

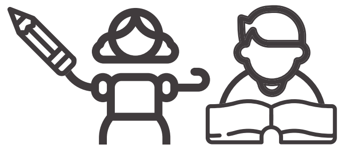

बच्चों को स्वतंत्र रूप से समझ के साथ पढ़ने और लिखने के योग्य बनाना

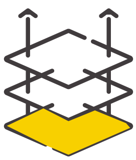

आजीवन सीखने की एक मज़बूत नींव बनाना

बच्चों की परिचित/घर/मातृभाषा (भाषाओं) में शिक्षण सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करना

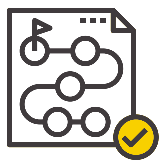

सभी विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को बेहतर करने के लिए सतत आकलन करना

निपुण भारत एवं मिशन प्रेरणा

हमारे प्रदेश में कक्षा 1–3 में 'मिशन प्रेरणा' के अंतर्गत कार्य किया जा रहा था। अब से हम निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों पर कार्य करेंगें एवं आकादमिक सत्र 2025–2026 तक इन लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करेंगे।

इस शिक्षक संदर्शिका में हम भाषा से संबंधित उद्देश्यों, गतिविधियों और शिक्षण अधिगम सामग्री के उपयोग पर विस्तार से बात करेंगें।

बुनियादी भाषा सीखने के सिद्धांत

बच्चे कैसे सीखते हैं?

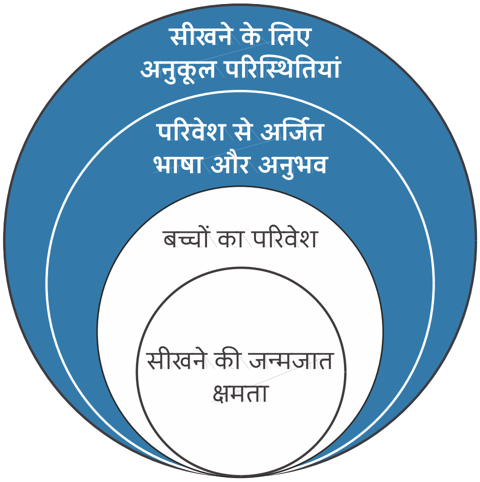

बच्चों में सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। जन्मजात क्षमता के साथ–साथ सीखने के लिए अनुकूल एवं उत्साहजनक परिवेश का होना भी ज़रूरी है। ये दोनों घटक : 'जन्मजात क्षमता' एवं 'बच्चों का परिवेश' साथ मिलकर बच्चों के अनुभव और समझ को गढ़ते हैं।

बच्चे अपनी इस समझ और अनुभव को स्वाभाविक रूप से अपने हाव–भाव के द्वारा और घर की भाषा में सहजता से अभिव्यक्त करते हैं। इसलिए, यह कथन कि बच्चे जब पहली बार विद्यालय आते हैं तो वो खाली तख्ती की तरह नहीं होते हैं, बिलकुल सही है। बच्चे जब पहली बार विद्यालय आते हैं तो अपने साथ अपने घर की भाषा में समृद्ध मौखिक समझ लेकर आते हैं।

बच्चों के सीखने में विद्यालयों की भूमिका

ऐसे में अगर हम विद्यालयों में बच्चों के परिवेश, उनके अभी तक के अनुभव, समझ और उनके घर की भाषा के लिए जगह बनाते हैं और उनका प्रोत्साहन करते हैं तो उनके 'सीखने के अनुभव' और 'गति' को बल मिलता है। इसके साथ ही, इस तरह के अनुकूल वातावरण बच्चों में आत्मविश्वास और सीखने के प्रति रुचि एवं उत्साह को विकसित करते हैं।

सीखने की प्रक्रिया

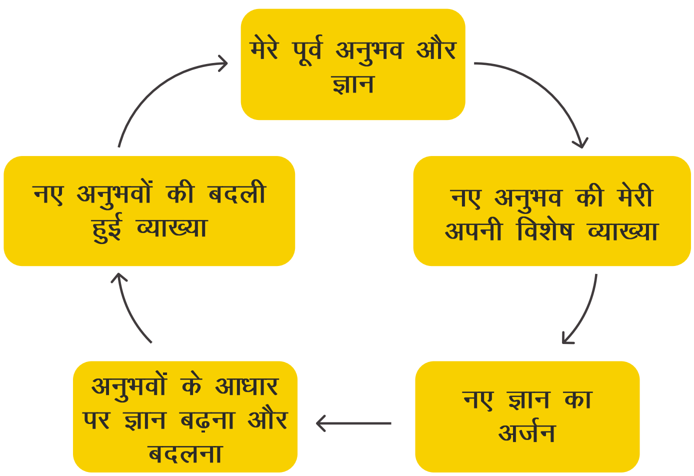

सीखना एक सतत् प्रक्रिया है – यह बच्चों के लिए उतनी ही स्वाभाविक एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जितनी कि बड़ों के लिए। इस प्रक्रिया में सीखने वाले (बच्चे) सक्रिय तौर पर नए अनुभवों को ग्रहण करते एवं गढ़ते हैं। वे नए अनुभवों को अपने मस्तिष्क में व्यवस्थित करके नए विचारों को बनाते हैं। इस तरह, नए अनुभव, उनके पहले के (संबंधित) अनुभवों से जुड़ते हैं और उनकी समझ को बढ़ाते एवं समृद्ध करते हैं या इन नए अनुभवों के कारण पहले के अनुभवों की समझ में बदलाव या संशोधन होता है।

हम शिक्षकों को सीखने की इस प्रक्रिया को याद रखना चाहिए ताकि हम हमेशा सजग रहें कि हम अपने सिखाने के तरीकों, बच्चों को अभ्यास के लिए दिए जाने वाले मौकों, शिक्षण अधिगम सामग्री, बच्चों को दिए जा रहे प्रोत्साहन एवं सीखने में आ रही कठिनाई की पहचान कर, आवश्यकतानुसार दी जाने वाली मदद द्वारा लक्षित दक्षताओं को हासिल करने में बच्चों की मदद कर पाएं। इससे बच्चे अपने पुराने अनुभव और समझ को समृद्ध कर पाएंगे या उनमें संशोधन कर, बिलकुल नए अनुभव और समझ की रचना कर पाएंगे, जो उनके आगे के सीखने की यात्रा में उपयोगी सिद्ध होगा।

सीखने–सिखाने के कुछ सामान्य सिद्धांत

सीखने–सिखाने के कुछ सामान्य सिद्धांत हैं जो कक्षा–कक्ष में बच्चों के सीखने में प्रभावी होते हैं। शिक्षक कक्षा में इन सिद्धांतों को अपनाकर कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया को और बेहतर बना सकते हैं।

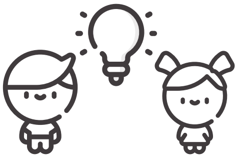

1. सभी बच्चे सीख सकते हैं : सभी बच्चों में मस्तिष्क की बनावट एक जैसी होती है, इस कारण भी बच्चे सीखने की लिए समान रूप से तैयार होते हैं। यह ज़रूर है कि कुछ बच्चों को दूसरे बच्चों की तुलना में थोड़े अधिक सहयोग एवं अभ्यास की आवश्यकता हो सकती है। यह प्रायः इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें सीखने के कितने मौके मिले या नियमित रूप से मिलते हैं और इस दौरान क्या बच्चे सक्रिय रूप से सहभाग कर पाते हैं।

2. कक्षा में बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभव का उपयोग करना : अगर हम कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया को बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों से जोड़ दें तो कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया में जहाँ एक तरफ बच्चों की समझ को मान्यता एवं जगह मिलती है, वहीं दूसरी तरफ, कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया रोचक हो जाती है। बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों को कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया में जोड़ने से उनकी अभिव्यक्ति के अवसर बढ़ जाते हैं जो सीखने के लिए बहुत ही आवश्यक है।

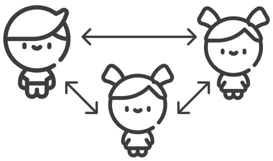

3. बच्चों को सहपाठियों के साथ सीखने के अवसर देना : कक्षा– कक्षीय प्रक्रिया केवल शिक्षक केन्द्रित नहीं होनी चाहिए। बच्चे अपनी उम्र के साथियों से ज्यादा सहज होते हैं और उनके साथ जुड़कर आसानी से नई बातें सीख सकते हैं। ऐसे में अगर योजनाबद्ध तरीके से बच्चों को उनके सहपाठियों से/के साथ सीखने के अवसर दिए जाएं तो इसके परिणाम बेहतर होंगे।

4. सीखने में बच्चों की मदद करना : शिक्षक शिक्षण प्रक्रिया में सबसे ज़्यादा समय एक मार्गदर्शक की भूमिका में रहें तो बच्चों को खुद से कार्य या अभ्यास करने के बहुत सारे अवसर मिलते हैं। इस मार्गदर्शन के दौरान शिक्षकों को बच्चों के कार्य का अवलोकन करना चाहिए और बच्चों को समस्या आने पर ज़रूरत के हिसाब से शिक्षकों को उनकी मदद करनी चाहिए।

5. कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाना : यह जरुरी है कि कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया सौहार्दपूर्ण वातावरण में हो। इसके लिए शिक्षक कक्षा की शुरुआत में गीत/कविता/खेल आदि करवा सकते हैं। शिक्षकों और बच्चों के बीच, बच्चों और बच्चों के बीच संबंध जितने सहज होंगे, सीखने की प्रक्रिया उतनी ही रोचक और बेहतर परिणाम देने वाली होगी।

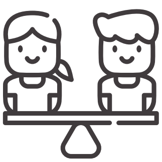

6. सीखने की प्रक्रिया में सभी बच्चों का जुड़ाव सुनिश्चित करना : एक शिक्षक के तौर पर हमारी शिक्षण प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए जिससे सभी बच्चे सीख सकें। इसके लिए बच्चों के अनुभव और अधिगम स्तर को देखते हुए उन्हें समूहों में बाँटा जा सकता है और शिक्षण की अलग–अलग रणनीतियां बनाई जा सकती हैं।

7. सोचने की प्रक्रिया के मौके और प्रोत्साहन देना : कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया के दौरान हमारी शिक्षण रणनीति कुछ ऐसी होनी चाहिए जिसमें बच्चों को थोड़ा रुककर सोचने के मौके मिलें। साथ ही, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें सोचने और कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया में सहभागिता के दौरान नियमित रूप से प्रोत्साहन मिले।

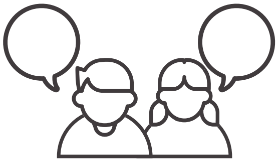

8. बच्चों के घर की भाषा का उपयोग एवं समृद्ध और विस्तृत बातचीत के अवसर देना : प्रारंभिक कक्षाओं के बच्चे सबसे ज्यादा अपने घर की भाषा में सहज होते हैं और इसके साथ ही इस भाषा में वे मौखिक रूप से बहुत सारा चिंतन संबंधी कार्य करते हैं। इसलिए, उनके घर की भाषा एवं इस चिंतन कौशल का उपयोग कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया में एक संसाधन के रूप में करना चाहिए। बच्चों को बातचीत के जितने अवसर मिलेंगे, वे भाषायी रूप से उतने ही बेहतर बनेंगे। साथ ही, उनमें अभिव्यक्ति–क्षमता और कल्पना–शक्ति का भी विकास होगा।

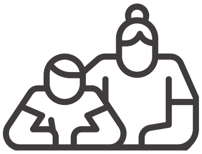

9. सतत् आकलन : कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया को बेहतर करने के लिए सतत् आकलन बहुत आवश्यक है। सतत् आकलन के द्वारा शिक्षक यह पता लगा सकते हैं कि कौन–सा बच्चा अभी किस स्तर पर है और उसके लिए कौन–सी शिक्षण रणनीति ज्यादा कारगर होगी।

10. सामाजिक और भावनात्मक विकास पर काम : अनेक शोध इस बात की पुष्टि करते हैं कि अगर बच्चे सामाजिक और भावनात्मक रूप से मजबूत हैं तो उनका संज्ञानात्मक विकास भी अच्छा होता है। ऐसे में, हमें बच्चों के सामाजिक और भावनात्मक विकास के अलग–अलग पहलुओं पर भी काम करते रहना होगा। सामाजिक और भावनात्मक विकास पर विस्तृत चर्चा इस संदर्शिका में आगे की जा रही है।

बच्चों को मदद देने की प्रक्रिया

सीखने में बच्चों को दी जाने वाली 'मदद' की भूमिका महत्वपूर्ण है। किसी भी नए कौशल या दक्षताओं पर कार्य करने के दौरान, बच्चों को शिक्षक द्वारा आदर्श रूप में निर्देश दिए जाते हैं या/और दक्षताओं का प्रदर्शन किया जाता हैं। इसके बाद, शिक्षक बच्चों के साथ–साथ लक्षित दक्षताओं का अभ्यास करते हैं और बच्चों को आपस में भी अभ्यास करने के भरपूर मौके देते हैं। जब बच्चे आपस में अभ्यास कर रहे होते हैं तब शिक्षक उनके कार्य का अवलोकन करते हैं और आवश्यकतानुसार मदद एवं मार्गदर्शन करते हैं। फिर, धीरे–धीरे शिक्षक बच्चों को स्वतंत्र रूप से लक्षित दक्षताओं के अभ्यास के मौके देते हैं। इस प्रकार की मदद की प्रक्रिया पूरी शिक्षण योजना एवं शिक्षण प्रक्रिया में महत्वपूर्ण होती है।

संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति

इस पद्धति के अंतर्गत भाषा की कक्षा में बच्चों के साथ दैनिक रूप से मौखिक भाषा विकास, पठन, लेखन और डिकोडिंग पर व्यवस्थित रूप से शिक्षण कार्य किया जाता है। यह संतुलन लक्षित दक्षताओं और बच्चों की वैयक्तिक आवश्यकताओं की भिन्नताओं पर आधारित होता है। इन भिन्नताओं को ध्यान में रखते हुए कक्षा में विविध प्रकार की स्तरानुकूल गतिविधियाँ और शिक्षण सामग्रियों को सम्मिलित किया जाता है। 'निपुण भारत' दस्तावेज में भाषा शिक्षण पर कार्य करने के लिए संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति के उपयोग पर बल दिया गया है। इस वर्ष के अकादमिक सत्र में इस बात का ध्यान रखा गया है और शिक्षण रणनीति एवं शिक्षण योजनाओं को इस पद्धति के अनुसार बनाया गया है।

व्यवस्थित डिकोडिंग

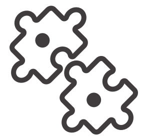

व्यवस्थित डिकोडिंग की चर्चा निपुण भारत मिशन में की गई है। इसमें दो प्रकार की प्रक्रियाएँ साथ–साथ चलती हैं : वर्ण/अक्षर की ध्वनि को पहचानना और ध्वनियों को आपस में जोड़कर एक साथ उच्चारित करना (ब्लेंडिंग)। इसके अंतर्गत एक खास वर्ण/मात्रा समूह के साथ डिकोडिंग की शुरुआत की जाती है। ये वर्ण/मात्रा समूह ऐसे होते हैं जिनसे बहुत सारे शब्द बन पाएँ। बच्चे सीखे गए वर्ण/मात्राओं की मदद से शब्द पढ़ना शुरू कर देते हैं। आगे, वे नए वर्ण/मात्राओं को भी सीखते रहते हैं तथा उनसे बनने वाले शब्दों को पढ़ने का अभ्यास कर रहे होते हैं। कुछ वर्ण/मात्राएँ सीख लेने के बाद, उन्हें संबंधित वर्ण/मात्राएँ से बने वाक्य और छोटे पाठ पढ़ने के लिए दिए जाते हैं। व्यवस्थित डिकोडिंग की यह प्रक्रिया बच्चों को प्रवाह एवं समझ के साथ पढ़ने में मदद करती है।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

बच्चों के साथ कक्षा–कक्ष में काम शुरू करने से पहले, आइए देखते हैं कि सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव में कौन–कौन से घटक शामिल हैं।

1. लक्ष्य तय करना

बच्चे स्वयं या शिक्षकों और अभिभावकों की मदद से यह तय कर पाएँ कि उन्हें किसी निश्चित समय में क्या करना है और उसके लिए क्या–क्या उपाय किए जा सकते हैं।

2. व्यवहार में संतुलन रखना

व्यवहार में संतुलन रखना भी एक महत्वपूर्ण आयाम है। इसमें एक–दूसरे के साथ समानुभूति का व्यवहार रखना, अपनी भावनाओं को कैसे, कब तथा कितना व्यक्त करना है इस पर ध्यान दिया जाता है।

3. सूचनाओं को समझना और निर्णय लेना

सूचनाओं की समझ और उसके आधार पर निर्णय लेने का कौशल भी इसमें सम्मिलित है। इनके आधार पर समाज सम्मत निर्णय के कौशलों का विकास किया जाता है।

4. बेहतर संबंध का निर्माण करना

एक सामाजिक प्राणी के रूप में हम एक–दूसरे से कैसे बेहतर संबंध बनाकर रखें, टीम में कैसे काम करें जैसे आयाम भी सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव के हिस्से हैं।

कक्षा 1 से 3 में सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव की रणनीतियां

इस अकादमिक सत्र में सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव की गतिविधियों पर काम करने की योजना बनाई गई है। भाषा की कक्षाओं में कराई जाने वाली कुछ प्रमुख गतिविधियों का विवरण निम्नवत है :

अभिव्यक्ति के अवसर बढ़ाने वाली गतिविधियाँ (जैसे–अभिनय या रोल प्ले, कविता, कहानी, खेल गतिविधि आदि) : प्रत्येक सप्ताह एवं दैनिक रूप से बच्चों को इस प्रकार की गतिविधियों को करने के अवसर मिलेंगे।

भावनाओं को पहचानने की गतिविधियाँ : हम कुछ ऐसी गतिविधियों को बच्चों के साथ करेंगे जिनसे बच्चे अपने अंदर की भावनाओं को पहचान सकें, जैसे – वे कब गुस्सा होते हैं? कब उन्हें खुशी, दुःख या मायूसी का अनुभव होता है? इसके साथ ही, उन्हें इन भावनाओं पर बात करने के मौके दिए जाएंगे।

भावनाओं को व्यक्त करने वाली गतिविधियाँ : इन गतिविधियों से बच्चे अपनी भावनाओं को दूसरों को सामने रख पाएंगे। इसमें मुख्य रूप से ऐसी गतिविधियाँ हैं जिनमें खुशी, गम, गुस्सा आदि को अभिव्यक्त करने पर काम होता है।

नियम बनाने संबंधी गतिविधियाँ : कक्षा–कक्ष में कैसा व्यवहार होना चाहिए, एक दूसरे के साथ कैसा व्यवहार होना चाहिए, सहयोग, भरोसे से संबंधित गतिविधियाँ इसमें सम्मिलित हैं।

कक्षा–कक्षा में सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव पर कार्य की योजना

भाषा के कालांशों में सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव की गतिविधियों पर नियमित एवं व्यवस्थित रूप से कार्य किया जाना प्रस्तावित है। दैनिक एवं साप्ताहिक शिक्षण योजनाओं में इस पर चरणबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा।

कालांशः 1 2 3

5 – 7 मिनट

प्रतिदिन

- कालांश की शुरुआत में **5–7 मिनट** शिक्षक कविता/कहानी/मौखिक खेल द्वारा बच्चों को सहज करेंगे ताकि बच्चे आगे की गतिविधियों में उत्साह के साथ सक्रिय रूप से सहभागिता करें।

कालांशः 1 2 3

40 मिनट

दिवस 1 एवं 4

- 20 मिनट का समय गतिविधि के लिए होगा, जिसमें हम मौखिक भाषा विकास के साथ–साथ बच्चों द्वारा भावनाओं की पहचान, उन्हें व्यक्त करने, खुद को अभिव्यक्त करने जैसे मुद्दों पर काम करेंगे।
- 10–15 मिनट के समय में संबंधित रचनात्मक लेखन कार्य पर काम किया जाएगा।

साप्ताहिक एवं दैनिक शिक्षण योजना में सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव से संबंधित बातें एवं गतिविधियाँ सम्मिलित हैं।

अधिगम क्षति

अधिगम क्षति और उसको कम करने की आवश्यकता

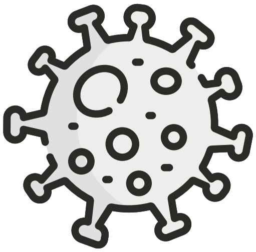

कोरोना महामारी के कारण वर्ष 2020 के मार्च माह से ही विद्यालयों में पठन–पाठन का कार्य प्रभावित रहा है, इसकी वजह से बच्चों में अधिगम की क्षति हुई है। यह क्षति सिर्फ अधिगम तक ही सीमित नहीं रही है, बल्कि इस दौरान कुछ बच्चों ने अपने परिजनों/प्रियजनों को भी खोया है। बच्चों पर मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इस दौरान हुए अधिगम क्षति के कुछ कारक निम्न हैं :

- विद्यालय बंद होने के कारण कक्षाएं सुचारू रूप से नहीं चल सकीं।
- बच्चों को शिक्षकों का पर्याप्त मार्गदर्शन व सहयोग नहीं मिल सका।
- कोविड से पूर्व प्राप्त दक्षताओं को बच्चे भूल गए।
- उम्र के अनुसार दक्षताओं में कमी पाई गई।
- बच्चे अपनी भावनाओं और मनोभावों को व्यक्त कर पाने में असमर्थ रहे आदि।

बुनियादी भाषा में हुई अधिगम क्षति

कोरोना काल में बच्चों के अधिगम पर हुए प्रभाव को समझने के लिए कई शोध हुए हैं, जो हमें लंबे समय तक विद्यालय के बंद रहने के दौरान हुए अधिगम क्षति का आकलन कर, क्षति के स्तर को समझने में मदद करते हैं। इससे संबंधित उदाहरण नीचे हैं :

45% बच्चों ने सामान्य विषयों जैसे, विद्यालय, घर पर अपने अनुभव साझा करने की क्षमता को खो दी है।

67% बच्चों ने लिखित सामग्री देखकर शब्द को पूरा करने की क्षमता खो दी है।

46% बच्चों ने दिए गए चित्र को देखकर लिखित रूप में कुछ व्यक्त कर पाने की क्षमता खो दी है।

50% बच्चों ने कविता सुनकर मौखिक रूप से उससे संबंधित उत्तर देने की क्षमता खो दी है।

(स्रोत 1)

कक्षा 3

शोध के आँकड़े और निष्कर्ष एक ऐसी अकादमिक योजना की आवश्यकता की ओर इशारा करते हैं, जिसमें हम चरणबद्ध तरीके से बच्चों के साथ काम करते हुए उन्हें अपेक्षित अधिगम–स्तर तक ले जाएँ। अधिगम क्षति को पाटने के लिए सामान्य तौर पर हम रेमेडियल योजना के सहयोग से एक तय समय के लिए बच्चों के साथ कार्य करते हैं। परंतु कोरोना महामारी के कारण विशेष परिस्थिति सामने आई है जिसके लिए हमें विशेष योजना बनानी होगी, जो क्षति को पाटने के साथ–साथ बच्चों को कक्षा–स्तर पर आने में मदद करें। **(स्रोत 2 और 3)**

इस शिक्षक संदर्शिका में हम 2 वर्षीय अकादमिक योजना (2022–24) की बात कर रहे हैं जिसके क्रियान्वयन से अधिगम क्षति को पाटते हुए हम बच्चों में बुनियादी कौशलों के विकास पर कार्य कर पाएंगे। इस विशेष योजना में जिन दक्षताओं को केंद्र में रखकर कार्य किया जाएगा, उन्हें प्रेरणा सूची से लिया गया है। सत्र 2022–23 में पिछले और वर्तमान कक्षा के बुनियादी दक्षताओं पर कार्य किया जाएगा, जिन्हें बच्चों द्वारा ग्रहण करना एवं उसमें महारत प्राप्त करना महत्वपूर्ण है। सत्र 2023–24 में बच्चों के अधिगम–स्तर को आगे बढ़ाया जाएगा ताकि वे कक्षा–स्तर पर कार्य करने के लिए तैयार हो सकें। अकादमिक सत्र 2022–23 की लक्षित दक्षताओं का विवरण अगले पृष्ठ पर दिया गया है।

स्रोत 1- azimpremjiuniversity.edu.in/field-studies-in-education/loss-of-learning-during-the-pandemic
स्रोत 2- https://blogs.worldbank.org/education/getting-back-learning-key-policy-actions-reopening-schools
स्रोत 3- https://www.the74million.org/a-better-equation-new-pandemic-data-supports-acceleration-rather-than-remediation-to-make-up-for-covid-learning-loss/

2022–2023 के लिए लक्षित दक्षताएँ

एक शिक्षक के तौर पर आप यह बेहतर जानते और समझते हैं कि कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य बच्चों में कुछ दक्षताओं का विकास करना होता है। ये दक्षताएं विषयवार अलग–अलग होती हैं और कक्षावार क्रमिक रूप से आगे बढ़ती हैं। कक्षा 3 में भाषा शिक्षण में किन मुख्य दक्षताओं का विकास किया जाना अपेक्षित है, इस अध्याय में इस पर चर्चा करेंगे। कक्षा 3 में भाषा की मुख्य अधिगम दक्षताओं को नीचे दी जा रही सूची में देखा जा सकता है :

दक्षताएं 2022–2023

मौखिक भाषा विकास

- कहानी सुनने के बाद कहानी पर चर्चा में अपनी प्रतिक्रिया दे पाना।
- कहानी सुनकर घटनाओं को क्रम से सुना पाना।
- टायर–2 के शब्दों (जैसे– ईमानदारी, उदारता आदि) के अर्थ समझना और बातचीत में घर की भाषा में उपयोग कर पाना।
- चित्र कहानी को हाव–भाव और शब्दावली का उपयोग करते हुए अपनी भाषा में कहानी के रूप में सुना पाना।

डिकोडिंग

- शब्द की प्रथम और अंतिम ध्वनि को बदलकर नया शब्द बना पाना।
- 3–5 वर्ण/अक्षर वाले शब्द प्रवाह के साथ पढ़ पाना।
- 4–5 सरल वाक्यों वाले पाठ को प्रवाह से पढ़ पाना।
- 40–50 शब्द वाले पाठ को प्रवाह के साथ पढ़ पाना।

पठन

- कहानी की किताबों को देखकर पाठ के बारे अनुमान लगाना और कुछ शब्दों को पहचान पाना।
- 6–8 सरल वाक्यों (50–60) वाले पाठ को पढ़ना और सीधे तथ्य वाले प्रश्नों के उत्तर दे पाना।
- पाठ पढ़कर सीधे सरल निष्कर्ष वाले प्रश्नों के उत्तर दे पाना।
- पाठ को पढ़कर पुनः अपने शब्दों में सुना पाना।

लेखन

- पाठ से जुड़े प्रश्नों के उत्तर एक सरल वाक्य में लिख पाना।
- अपने अनुभव, विचार या किसी चित्र के बारे में 1–2 वाक्य लिख पाना।

→ **91 शिक्षण उद्देश्य**

इन दक्षताओं को अकादमिक सत्र में प्राप्त करने के लिए शिक्षण योजनाएं बनाई गई हैं जो इस शिक्षण संदर्शिका में दी गई हैं। इन शिक्षण योजनाओं में विभिन्न गतिविधियों एवं शिक्षण सामग्रियों को काम में लिया गया है, जो क्रमिक रूप से बच्चों को लक्षित दक्षताओं को प्राप्त करने में मदद करेंगी। प्रत्येक शिक्षण योजना किसी निर्धारित शिक्षण उद्देश्य पर आधारित हैं। जैसा कि हमने पहले भी बात की है कि ये शिक्षण योजनाएं 'संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति' पर आधारित हैं, अतः मौखिक भाषा, डिकोडिंग, पठन एवं लेखन पर साथ–साथ कार्य किया जाएगा।

वार्षिक शिक्षण योजना

अकादमिक सत्र 2022–23 में मौखिक भाषा, डिकोडिंग, पठन एवं लेखन की दक्षताओं पर साथ–साथ कार्य किया जाएगा ताकि बच्चे निर्धारित कौशल एवं दक्षताओं में निपुणता हासिल कर पाएँ। नीचे, अलग–अलग सप्ताह समूहों में किन दक्षताओं पर कार्य किया जाना है, इसे प्रदर्शित किया जा रहा है :

शिक्षण योजनाएं | कार्यपुस्तिका

सप्ताह	साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्य	पृष्ठ संख्या (शिक्षण योजनाएं)	पृष्ठ संख्या (कार्यपुस्तिका)
सप्ताह 1–4	• विद्यालय की तैयारी की गतिविधियां • सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव एवं मौखिक भाषा विकास की गतिविधियां • ध्वनि जागरूकता पर कार्य, 5 वर्णों की पहचान एवं ब्लेंडिंग पर कार्य • बिग बुक के द्वारा पठन (ग्रीष्म अवकाश कार्य)	36 - 92	13 - 50
सप्ताह 5–8	• कहानियों एवं कविताओं के द्वारा मौखिक भाषा विकास और सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव पर काम एवं एवं इससे संबंधित रचनात्मक लेखन • 10 वर्णों और 2 मात्राओं से बने शब्द पढ़ना एवं सरल वाक्यांश पठन • 10–12 शब्दों वाले सरल वाक्यांश और वाक्य पठन • बिग बुक की सहायता से पठन कार्य	93 - 135	51 - 78
सप्ताह 9	सावधिक आकलन • सप्ताह 1 से सप्ताह 8 तक सिखाई गई सभी दक्षताओं का आकलन एवं अवलोकन • आकलन एवं अवलोकन के आधार पर रेमेडियल कार्य / पुनरावृत्ति की योजना	136	79 - 84
सप्ताह 10–14	• कविता, कहानी सुनकर, चित्र पर चर्चा करना एवं इससे संबंधित रचनात्मक लेखन • 20 वर्णों और 3 नई मात्राओं की पहचान • 12–15 शब्दों वाले सरल पाठों को पढ़ना एवं इन पर आधारित प्रश्नों का उत्तर 1–2 शब्दों में दे पाना • देखकर एवं सुनकर लिखना (श्रुतलेख)	137 - 189	85 - 119
सप्ताह 15–17	• चित्र कहानी पोस्टर एवं अनुभव पर चर्चा एवं इससे संबंधित रचनात्मक लेखन • 12 वर्णों और 5 नई मात्राओं की पहचान • 25–30 शब्दों वाले 4–5 वाक्यों वाले सरल पाठों को पढ़ना एवं इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर कुछ शब्दों एवं 1 वाक्य में दे पाना • मार्गदर्शन में पठन एवं स्वतंत्र पठन	192 - 222	120 - 140
सप्ताह 18	सावधिक आकलन • सप्ताह 1 से सप्ताह 17 तक सिखाई गई सभी दक्षताओं का आकलन एवं अवलोकन • आकलन एवं अवलोकन के आधार पर रेमेडियल कार्य / पुनरावृत्ति की योजना	223	141 - 146
सप्ताह 19–22	• चित्र कहानी पोस्टर एवं अनुभव पर चर्चा एवं इससे संबंधित रचनात्मक लेखन • 1 नई मात्रा की पहचान, 40–50 शब्दों तक के सरल पाठों को पढ़ना एवं इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर कुछ शब्दों एवं 1 वाक्य में दे पाना • मार्गदर्शन में पठन एवं स्वतंत्र पठन	224 - 261	147 - 174

साप्ताहिक एवं दैनिक योजना

साप्ताहिक योजना को 3 चरणों में बाँटा गया है। 1. दक्षताओं का शिक्षण 2. पुनरावृत्ति 3. आकलन एवं आगामी योजना के अंतर्गत रेमेडियल या पुनरावृत्ति पर कार्य। यह प्रक्रिया मुख्य रूप कालांश 2 का हिस्सा है।

दिन	कालांश 1	कालांश 2	कालांश 3	विवरण	ट्रैकर
1 2 3 4				• कालांश 1 एवं 3 में शिक्षण योजना के अनुसार कार्य किया जाएगा। • कालांश 2 में प्रत्येक सप्ताह के पहले चार दिनों में नए कौशलों एवं दक्षताओं पर कार्य किया जाएगा। इसके लिए शिक्षण योजनाओं, संबंधित शिक्षण सामग्री और कार्यपुस्तिका के पाठों पर कार्य किया जाएगा।	वार्षिक ट्रैकर कार्यपुस्तिका ट्रैकर
5				• कालांश 1 एवं 3 में शिक्षण योजना के अनुसार कार्य किया जाएगा। • कालांश 2 में सप्ताह के पहले चार दिनों में सिखाई गईं दक्षताओं, जैसे : वर्ण/ मात्रा पहचान, शब्द/वाक्य पठन पर पूरी कक्षा के साथ पुनरावृत्ति पर कार्य किया जाएगा।	
6				• कालांश 1 में शिक्षण योजना के अनुसार कार्य किया जाएगा। • कालांश 2 में सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर बच्चों के साथ आकलन पर कार्य किया जाएगा। आकलन के आधार पर रेमेडियल/पुनरावृत्ति पर कार्य किया जाएगा। • बच्चों को गृहकार्य भी दिया जाएगा।	साप्ताहिक आकलन ट्रैकर
सावधिक आकलन सप्ताह				• सप्ताह 9 एवं 18 में सावधिक आकलन/ अवलोकन पर कार्य किया जाएगा। आकलन के आधार पर रेमेडियल/पुनरावृत्ति पर कार्य किया जाएगा।	सावधिक आकलन ट्रैकर

कालांश 1 एवं 3 में नियमित रूप से कार्य होगा। इस संदर्शिका में इन तीनों कालांशों से जुड़ी शिक्षण योजनाएँ दी गई हैं। शिक्षक साप्ताहिक रूप से 2 ट्रैकर भरेंगे : वार्षिक ट्रैकर एवं साप्ताहिक आकलन ट्रैकर। बच्चे प्रतिदिन कार्यपुस्तिका ट्रैकर भरेंगे।

मौखिक भाषा विकास ① ② ③	डिकोडिंग ① ② ③	पठन ① ② ③
लक्षित दक्षताओं एवं शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षण सामग्री को उपयोग में लेते हुए शिक्षण योजना के अनुसार कार्य।	लक्षित दक्षताओं एवं शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षण सामग्री को उपयोग में लेते हुए शिक्षण योजना के अनुसार कार्य। इस कालांश में कार्यपुस्तिका के पाठों पर भी कार्य होगा।	लक्षित दक्षताओं एवं शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षण सामग्री को उपयोग में लेते हुए शिक्षण योजना के अनुसार कार्य।
लक्षित दक्षताओं एवं शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षण सामग्री को उपयोग में लेते हुए शिक्षण योजना के अनुसार कार्य।	दक्षताओं एवं शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षण सामग्री उपयोग में लेते हुए शिक्षण योजना के अनुसार कार्य। इस कालांश में कार्यपुस्तिका के पुनरावृत्ति की पाठों पर कार्य होगा।	लक्षित दक्षताओं एवं शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षण सामग्री को उपयोग में लेते हुए शिक्षण योजना के अनुसार कार्य।
लक्षित दक्षताओं एवं शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षण सामग्री को उपयोग में लेते हुए शिक्षण योजना के अनुसार कार्य।	लक्षित दक्षताओं एवं शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षण सामग्री को उपयोग में लेते हुए शिक्षण योजना के अनुसार कार्य। इस कालांश में कार्यपुस्तिका के आकलन (मैंने सीख लिया) पर कार्य। सप्ताह के अंत में बच्चों को गृहकार्य के पाठ करने का निर्देश दिया जाएगा।	

अकादमिक सत्र 2022–2023 में दो सावधिक आकलन की योजना है : सप्ताह 9 एवं 18 में

इसमें डिकोडिंग एवं मौखिक भाषा में सिखाए गए सभी दक्षताओं का आकलन या अवलोकन किया जाएगा। अध्याय 'आकलन एवं पुनरावृत्ति' के 'सावधिक आकलन' से संबंधित खंड में इस पर विस्तृत चर्चा की गई है। साथ ही, सप्ताह 9 एवं 18 की शिक्षण योजना को आधार बनाकर कार्य करें ।

भाषा शिक्षण पर कार्य

कहानी पोस्टर

इस अकादमिक सत्र में कुल 5 कहानी पोस्टर दिए गए हैं। मुख्य रूप से इन्हें मौखिक भाषा विकास के कालांश में उपयोग में लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त इनका उपयोग कालांश 2 में भी प्रस्तावित है। शिक्षण योजनाओं में इसका विवरण है।

कविता पोस्टर

इस अकादमिक सत्र में कुल 5 कविता पोस्टर दिए गए हैं। मुख्य रूप से इन्हें मौखिक भाषा विकास के कालांश में उपयोग में लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त इनका उपयोग कालांश 2 में भी प्रस्तावित है। शिक्षण योजनाओं में इसका विवरण है।

बिग बुक

बच्चों को प्रिंट से परिचित कराने एवं उन्हें पठन की प्रक्रिया से जोड़ने के लिए अकादमिक सत्र के शुरुआती 8 सप्ताहों में बिग बुक पर कार्य किया जाएगा। इस पर कैसे कार्य करना है, इसका विवरण शिक्षण योजनाओं में है।

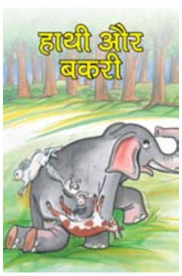

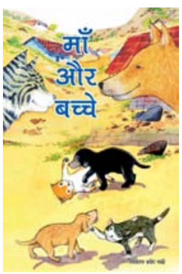

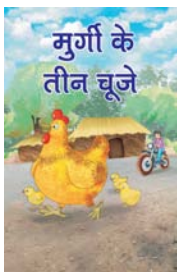

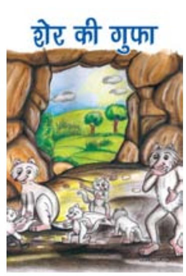

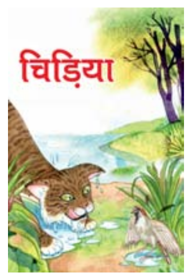

चित्र चार्ट

चित्र चार्ट के माध्यम से बच्चों के साथ चर्चा की जाएगी ताकि उनकी मौखिक अभिव्यक्ति मुखर हो सके। ये चार्ट अलग–अलग विषयों पर बने हैं और बच्चों के संदर्भ एवं परिवेश से जुड़े हैं। इनका उपयोग शुरूआती 10 सप्ताहों में किया जाएगा।

चित्र कहानी पोस्टर

इस अकादमिक सत्र में कुल 5 चित्र कहानी पोस्टर को मौखिक भाषा विकास की गतिविधियां करने में उपयोग में लिया जाएगा। इन पर सत्र के आखिरी कुछ सप्ताहों में (सप्ताह 17 –22) में कार्य किया जाएगा।

पाठ्यपुस्तक

इस अकादमिक सत्र में पाठ्यपुस्तक का उपयोग मुख्य रूप से मौखिक भाषा विकास और पठन के लिए किया जाएगा। कालांश 2 में भी वर्ण और मात्रा की पहचान के लिए इसे उपयोग में लिया जाएगा।

सहज

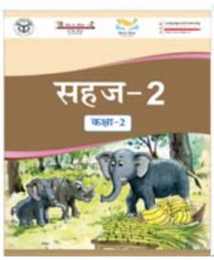

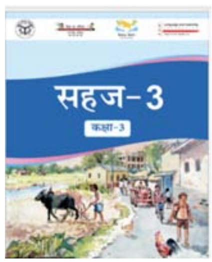

कक्षा 1 से लेकर 3 तक में पठन के लिए 'सहज' का उपयोग किया जाएगा, 'सहज' की कहानियों का उपयोग मौखिक भाषा विकास एवं पठन की गतिविधियों के लिए भी किया जाएगा।

आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका (2020-21)

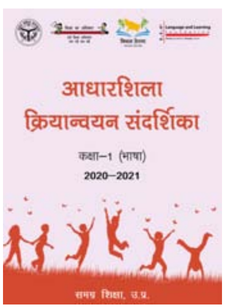

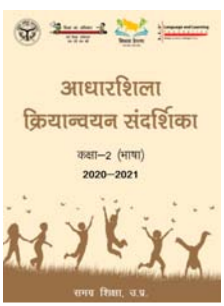

इस सत्र में कहानियों, कविताओं, खेलों पर कार्य करने के लिए **'आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका (2020–21)'** में उपलब्ध संग्रह को उपयोग में लिया जाएगा। पाठ योजना में इससे संबंधित चर्चा की गई है।

इन शिक्षण सामग्रियों का उपयोग कब और किस प्रकार से करना है, यह शिक्षण योजनाओं में सम्मिलित है। इसलिए, प्रतिदिन शिक्षण कार्य करने के एक दिन पहले, संबंधित शिक्षण योजनाओं को अवश्य पढ़ लें। यह आपकी शिक्षण प्रक्रिया को सुदृढ़ करेगी एवं बच्चे इन गतिविधियों में सक्रिय रूप से हिस्सा ले पाएंगे।

आकलन एवं पुनरावृत्ति

आकलन अपने आप में कोई अलग प्रक्रिया नहीं हैं, बल्कि यह शिक्षण कार्य का ही अभिन्न अंग हैं। सीखने को सुनिश्चित करने के लिए दक्षता के अनुसार सतत आकलन करना शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाता है। आकलन शिक्षण के उद्देश्य पर आधारित महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसे नियमित और योजनाबद्ध रूप से किया जाना आवश्यक है।

आकलन के उद्देश्य

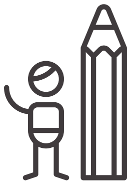

1. बच्चों की प्रगति को जानना

हर बच्चे के सीखने की गति अलग–अलग होती है। कक्षा के किस बच्चे ने क्या सीख लिया और क्या छूट गया है, इसे तय करने में आकलन हमारी मदद करता है। निश्चित अंतराल में किया गया आकलन व्यवस्थित तौर पर बच्चों के सीखने के स्तरों के विश्लेषण में सहायता करता है।

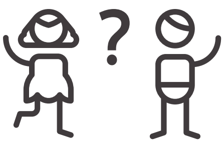

2. सीखने में आ रही कठिनाइयों को जानना

बच्चों की अवधारणाओं को समझने या किसी भी अवधारणा के अनुप्रयोग में आ रही कठिनाइयों को जानने में सतत आकलन बहुत ही प्रभावी होता है। आकलन के दृष्टिकोण से आपके द्वारा पूछे गए प्रश्न और बच्चों द्वारा किए संवाद सामान्य भूल को उजागर करते हैं।

3. बच्चों की मदद के लिए प्रभावी रणनीतियां बनाना

सुनियोजित आकलन शिक्षण प्रक्रिया को बेहतर बनाने का कार्य करता है। यह शिक्षण कार्य की तैयारी एवं योजना बनाने में मदद करता है और बच्चों की आवश्यकता के अनुसार उनके लिए प्रभावी रणनीति बनाने में भी मार्गदर्शन करता है।

4. आगे की शिक्षण योजना बनाना

आकलन आगे की शिक्षण कार्ययोजना के लिए संदर्भ बिंदु की तरह है। आकलन बच्चों के लिए उनकी आवश्यकता के अनुसार शिक्षण योजना में बदलाव के विकल्प ढूँढने में मदद करता है।

आकलन और शिक्षण को एक समग्र और एकीकृत प्रक्रिया के रूप में देखना, अधिगम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण है।

- आप यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को सीखने के लिए न्यूनतम आवश्यक समय और अभ्यास के उचित अवसर मिलें।
- बच्चों की उपलब्धियों को जाँचते रहें और विश्लेषण के माध्यम से यह देखें कि कितने बच्चे लक्षित स्तर पर हैं और कितने बच्चे लक्षित स्तर से पीछे हैं।
- बच्चों को होने वाली कठिनाइयों को चिह्नित कर, लक्षित स्तर तक लाने के लिए उचित रणनीतियों का निर्धारण करें।
- शिक्षण प्रक्रिया में आवश्यकता के अनुसार बदलाव और नई–नई गतिविधियों को योजना में शामिल करें।

2022–23 की आकलन प्रक्रिया

इस अकादमिक सत्र में 2 प्रकार के आकलन हैं : साप्ताहिक एवं सावधिक। इस पर आगे एक–एक करके बात की जा रही है।

साप्ताहिक आकलन

हर सप्ताह : दिवस 6

सावधिक आकलन

सप्ताह 9 और 18

साप्ताहिक कार्ययोजना

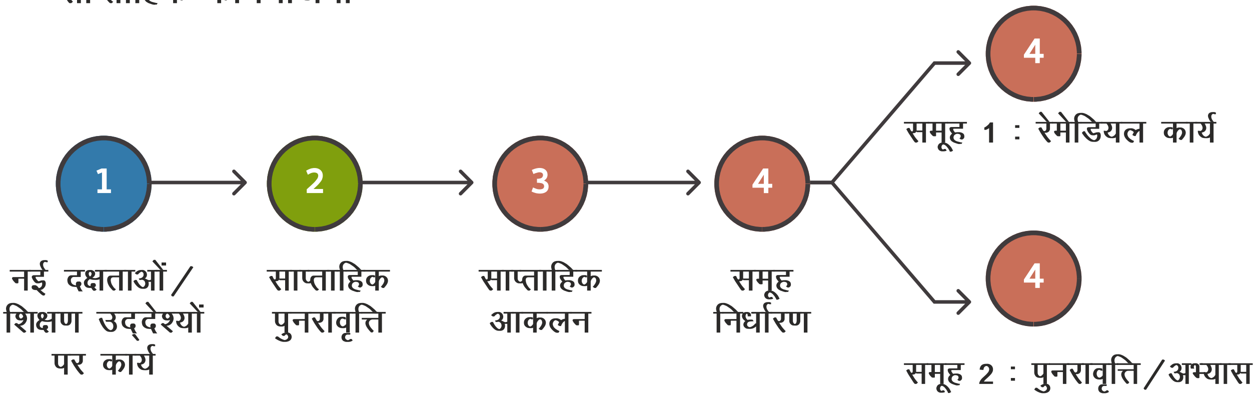

1. नई दक्षताओं/शिक्षण उद्देश्यों पर कार्य

हर सप्ताह
दिवस 1–4

कालांश
1 2 3

- सप्ताह के पहले चार दिनों में हम बच्चों के साथ नई दक्षताओं/शिक्षण उद्देश्यों पर कार्य करेंगे। इसके लिए हम हर सप्ताह से संबंधित शिक्षण योजनाओं को लेते हुए कार्य करेंगे।
- यह कार्य सभी कालांशों में योजनानुसार चलता रहेगा।

कालांश 2 डिकोडिंग से संबंधित कार्य किया जाएगा और शिक्षण योजना के साथ–साथ कार्यपुस्तिका का उपयोग होगा। कार्यपुस्तिका के प्रत्येक सप्ताह के पहले चार दिनों के लिए दिया गया पाठ नई दक्षताओं के शिक्षण के लिए है। इन पाठों के पृष्ठ नीले रंग के हैं।

2. साप्ताहिक पुनरावृत्ति

हर सप्ताह
दिवस 5

कालांश
1 2 3

- साप्ताहिक पुनरावृत्ति का कार्य प्रत्येक सप्ताह के 5 वें दिन रखा गया है। यह कार्य दूसरे कालांश में किया जाएगा। इसके लिए शिक्षण योजना और कार्यपुस्तिका को उपयोग में लेते हुए कार्य किया जाएगा। इस दौरान, कालांश 1 एवं 3 में नई दक्षताओं/ शिक्षण उद्देश्यों पर कार्य होगा।
- साप्ताहिक पुनरावृत्ति में आप इस सप्ताह में सिखाए गए वर्णों के साथ–साथ पहले सिखाए गए वर्णों और मात्राओं को सम्मिलित करते हुए पुनरावृत्ति का कार्य करवाएंगे। इससे बच्चों के सीखने के बेहतर परिणाम देखे जा सकते हैं। पुनरावृत्ति में वर्ण स्तर की गतिविधि के साथ–साथ ब्लेंडिंग, शब्द पठन, वाक्य पठन की गतिविधियों को सम्मिलित किया जाएगा। यह कार्य 'संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति' के अंतर्गत 'व्यवस्थित डिकोडिंग' के उद्देश्यों पर आधारित होगा जिसका उल्लेख निपुण भारत मिशन दस्तावेज में किया गया है। इस पर हमने पहले भी चर्चा की है।

कार्यपुस्तिका में प्रत्येक सप्ताह के पाँचवें दिन के लिए दिया गया पाठ, पुनरावृत्ति का है। इस पाठ का पृष्ठ हरे रंग का है।

3. साप्ताहिक आकलन और अवलोकन

हर सप्ताह
दिवस 6

कालांश:
1 2 3

- डिकोडिंग से संबंधित दक्षताओं के साप्ताहिक आकलन का मुख्य उद्देश्य बच्चों द्वारा सीखी गई दक्षताओं को जानना और उन बच्चों को पहचानना है जो संबंधित दक्षताओं को हासिल नहीं कर पाए हैं।
- साथ–साथ उन बिन्दुओं को चिह्नित करना है जहाँ कक्षा के अधिकतर बच्चों को कठिनाई हो रही है और फिर से इन दक्षताओं का शिक्षण करना है।
- इस कार्य के लिए प्रत्येक सप्ताह के दिवस 6 में कालांश 2 एवं 3 में कार्य किया जाएगा। इस दौरान, आकलन के बाद जिन बच्चों ने लक्षित दक्षता प्राप्त नहीं की है, उनके साथ योजनाबद्ध तरीके के कार्य किया जाना है।

कार्यपुस्तिका के प्रत्येक सप्ताह के छठे दिन 'मैंने सीख लिया' दिया गया है। इस पृष्ठ का रंग लाल है। आकलन के बाद इस संदर्शिका के अंत में दिए गए साप्ताहिक आकलन ट्रैकर में बच्चों द्वारा लाए गए अंक को सप्ताहवार एवं नियमित रूप से दर्ज करना है।

प्रतिदिन

कालांश:
1 2 3

इसके अलावा नियमित रूप से **मौखिक भाषा विकास** की दक्षताओं/शिक्षण उद्देश्यों का अवलोकन भी किया जाना प्रस्तावित है, लेकिन इसके लिए आप कोई एक निश्चित दिन या सप्ताह तय न करें बल्कि इसको अपने दैनिक शिक्षण योजना में सम्मिलित करें और जो बच्चे लक्षित दक्षताओं को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं उनको प्रोत्साहित करें और अलग से भी आवश्यकतानुसार शिक्षण योजना बनाएं।

4. समूह निर्धारण : रेमेडियल एवं पुनरावृत्ति/अभ्यास कार्य

हर सप्ताह
दिवस 6

कालांश:
1 2 3

आकलन के आधार पर शिक्षकों को बच्चों के सीखने के कई स्तर मिलेंगे, शिक्षक बच्चों को सीखी गईं दक्षताओं के विश्लेषण के आधार पर दो समूहों में बांटे:

समूह 1 : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं।

समूह 2 : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने 50% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

समूह 1 : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने 50% से कम अंक लाए हैं

- इन बच्चों के साथ आप आवश्यकतानुसार 'वर्ण/शब्द पठन' के स्तर पर कार्य करें। इसके लिए साप्ताहिक आकलन प्रपत्र में दी गई अभ्यास कार्य की जगह को उपयोग में लाएं।
- **वर्ण स्तर पर कार्य** : वर्णो/अक्षरों की पहचान दोबारा करवाना, वर्णों/अक्षरों को शब्दों में ढूँढ़कर गोला लगवाना, ग्रिड से वर्ण/अक्षर पहचान पर कार्य, कॉपी पर वर्णों को लिखना एवं अतिरिक्त गृहकार्य देना
- **शब्द पठन स्तर पर कार्य** : वर्णो/अक्षरों को जोड़कर शब्द पढ़ने का अभ्यास करवाना, वर्णो/अक्षरों को जोड़ कर कर शब्द पढ़ना और लिखना

समूह 2 : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने 50% से अधिक अंक लाए हैं

- समूह 2 के बच्चे 'मैंने सीख लिया' में दिए गए अभ्यास पर खुद से कार्य करेंगे। इसके साथ वे स्वतंत्र रूप से पठन पर भी कार्य कर सकते हैं। जब आप समूह 1 के बच्चों के साथ कार्य कर रहे हों तब कक्षा के बाकी बच्चों को उनकी दक्षता के अनुसार स्वतंत्र पठन, लेखन, कार्यपुस्तिका और पाठ्यपुस्तक में कार्य करने दें।

सावधिक आकलन प्रक्रिया

सप्ताह 9 एवं 18

22 सप्ताह की शिक्षण योजना में दो बार सावधिक आकलन किया जाएगा। पहला आकलन 9वें सप्ताह में और दूसरा आकलन 18वें सप्ताह में किया जाना है । इसे आंतरिक प्रक्रिया के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसका उद्देश्य भी बच्चों को कक्षा स्तर की दक्षताओं को हासिल करने में मदद करना है।

सावधिक आकलन ⟶ सावधिक पुनरावृत्ति - >

3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 ...

1. सावधिक आकलन एवं समूह निर्धारण

दिवस 1–3

कालांश: 1 2 3

सावधिक आकलन के सप्ताहों में, पहले एवं दूसरे दिन, कार्यपुस्तिका से सावधिक आकलन के पृष्ठों पर बच्चों के साथ कार्य किया जाएगा। यह कार्य प्रत्येक बच्चे के साथ व्यक्तिगत रूप से किया जाना है।

बच्चों द्वारा लाए गए अंकों को सावधिक आकलन के लिए बने ट्रैकर पर दर्ज करना होगा और समूह निर्धारण करना होगा।

- **समूह 1** : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं।
- **समूह 2** : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने 50% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

3 तीसरे दिन इन दोनों समूहों के साथ किस प्रकार से कार्य करना है, आप इसकी योजना बनाएंगे।

मौखिक भाषा विकास से संबंधित अवलोकन कार्य तीसरे दिन से शुरू करें और यह कार्य शिक्षण प्रक्रिया के अंतर्गत ही करें।

2. सावधिक रेमेडियल एवं पुनरावृत्ति/अभ्यास कार्य

दिवस 4–13

कालांश: 1 2 3

4 सावधिक पुनरावृत्ति पर चौथे दिन से लेकर अगले 8–10 दिनों में कार्य किया जाना है। साप्ताहिक आकलन की ही भाति यहाँ भी दो समूह बनाकर कार्य किया जाना है। इसके लिए पिछले पृष्ठ के खंड 'समूह निर्धारण : रेमेडियल एवं पुनरावृत्ति/अभ्यास कार्य' को दोबारा पढ़ें।

13 सावधिक पुनरावृत्ति के पाठों को दोनो समूहों (समूह 1 एवं 2) के बच्चों के लिए आवश्यकता के अनुसार उपयोग में लाएं।

मौखिक भाषा विकास से संबंधित अवलोकन पर कार्य कालांश 1 में करते रहें और जिन बच्चों को अधिक मदद की आवश्यकता है, उन्हें कक्षा की गतिविधियों में सहभाग करने के पर्याप्त मौके दें।

सप्ताह 9 एवं 18 के लिए बनी शिक्षण योजनाओं को अवश्य पढ़ें और सावधिक आकलन, रेमेडियल एवं पुनरावृत्ति/अभ्यास कार्य करें।

कालांशों की रणनीतियां

अब हम यह जानने और समझने की कोशिश करेंगे कि किस तरह भाषा के तीनों कालांशों में काम होगा और उन कालांशों में काम करने के लिए किन–किन शिक्षण अधिगम सामग्रियों का उपयोग किया जाएगा। हम यहाँ यह भी चर्चा करेंगे कि इन अधिगम सामग्रियों से संबंधित कौन–सी गतिविधियाँ कक्षा में करवाई जाएंगी एवं प्रत्येक कालांश में मुख्य रूप से किन–किन अधिगम दक्षताओं के विकास पर काम किया जाना प्रस्तावित है।

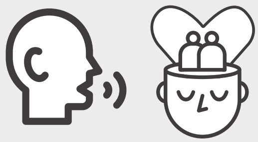

मौखिक भाषा विकास और सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

कालांश : 1 2 3

भाषा शिक्षण के प्रथम कालांश में मौखिक भाषा विकास से संबंधित दक्षताओं/लक्ष्यों को आधार बनाकर कार्य किया जाएगा। इस दौरान, बच्चों को मौखिक भाषा विकास के अंतर्गत अपने विचारों को एक–दूसरे के साथ साझा करने, सोचने, अनुमान लगाने, अपने विचार पर आधारित तर्क करने, किसी अन्य के विचार पर तर्क सहित सहमति या असहमति व्यक्त करने, आदि के मौके दिए जाएंगे। इसके साथ ही, सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव से संबंधित गतिविधियों पर भी कार्य किया जाएगा।

पाठ्यपुस्तक : आप भाषा शिक्षण की पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' के पाठ एवं कविताएं मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँगे तथा उस पर आधारित मौखिक चर्चा बच्चों के साथ योजनानुसार करें।

चित्र चार्ट पर कार्य : आप चित्र चार्ट के माध्यम से बच्चों के साथ चर्चा करेंगे ताकि उनकी मौखिक अभिव्यक्ति मुखर हो सके। ये चार्ट अलग–अलग विषयों पर बने हैं और बच्चों के संदर्भ एवं परिवेश से जुड़े हैं।

कविता पोस्टर पर कार्य : आप विद्यालय में उपलब्ध कविता पोस्टर के माध्यम से बच्चों के साथ कविता को हाव–भाव के साथ गाएं तथा इनसे संबंधित अन्य गतिविधियां करवाएं, जैसे– तुकांत शब्दों की पहचान एवं निर्माण, लोगोग्रफिक शब्दों की पहचान आदि।

अनुभव आधारित कार्य : इस गतिविधि के अंतर्गत आप बच्चों के साथ उनके पूर्व अनुभवों पर चर्चा करेंगे। ऐसी चर्चा के माध्यम से बच्चों को अपने जीवन से जुड़ी घटनाओं को सिलसिलेवार तरीके से अपने सहपाठियों के साथ साझा करने में मदद मिलती है। अनुभव पर चर्चा के लिए चयनित विषय सरल, परिवेशीय एवं परिचित होंगे।

कहानी पोस्टर पर कार्य : आप विद्यालय में उपलब्ध कहानी पोस्टर के माध्यम से बच्चों को कहानी सुनाने के साथ–साथ कहानी के बारे में अनुमान लगाने, कहानी के अंत के बारे में विचार करने, चिंतन करने और कहानी के पात्रों के स्थान पर खुद को रखकर सोच पाने के मौके दें।

चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य : चित्र कहानी पोस्टर की मदद से आप कक्षा में विभिन्न गतिविधियाँ करवा सकते हैं जैसे– कहानी के चित्रों/घटनाक्रम पर बातचीत एवं बच्चों को समूह में बाँटकर कहानी निर्माण का कार्य। इसके साथ–साथ संबंधित लेखन कार्य भी करवाएं। इसके बारे में सप्ताह 16 से 21 के कालांश 1 की शिक्षण योजनाओं में विस्तार से चर्चा की गई है।

स्थानीय गीत/कविता/कहानी पर कार्य : बच्चों को अपने परिवेश से जुड़ी और सुनी हुई कविता/गीत/कहानी को सुनने और उसे अपने शब्दों में सुनाने के साथ–साथ उसके पात्रों को बदलकर सुनाना बहुत रोचक लगता है। इस कार्य के लिए आप बच्चों के परिवेश से जुड़े गीत/कविता/कहानी आदि का उपयोग कर सकते हैं।

इसके लिए आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका–कक्षा 1,2 एवं 3 (2020–21) का उपयोग भी किया जा सकता है।

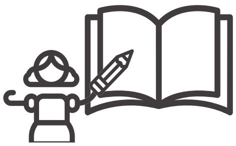

संबंधित लेखन कार्य : आप मौखिक भाषा विकास से संबंधित किसी भी गतिविधि को करवाने के पश्चात संबंधित लेखन कार्य बच्चों को दें, जिसे बच्चे अपनी कॉपी में करेंगे। यह कार्य रचनात्मकता से जुड़ा होगा।

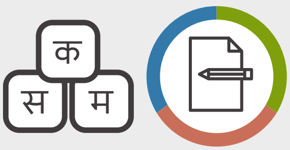

कालांश: ① **②** ③

सत्र 2022–23 में भाषा के द्वितीय कालांश में हम बच्चों के साथ डिकोडिंग (वर्ण/मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द एवं वाक्य पठन) के अभ्यास से संबंधित गतिविधियाँ करेंगे। इसके लिए बच्चों के साथ डिकोडिंग पर आधारित व्यवस्थित शिक्षण कार्य शिक्षकों के द्वारा कक्षा में किया जाएगा। व्यवस्थित डिकोडिंग पर हमने अध्याय 'बुनियादी भाषा सीखने के सिद्धांत' पर बातचीत की है।

हमें इस कालांश में यह नियमित रूप से सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि सिखाए गए वर्णों/अक्षरों और मात्राओं पर बच्चों को अभ्यास के पर्याप्त मौके मिलें।

इस सत्र में हम प्रत्येक सप्ताह में सिखाए गए वर्ण/मात्रा की पहचान और इन्हें जोड़कर पढ़ने के अभ्यास से जुड़ी खेल गतिविधियों को भी कक्षा–कक्ष अभ्यास में शामिल करेंगे। कार्यपुस्तिका के अलावा शिक्षक बच्चों की कॉपी का उपयोग भी कर सकते हैं, जिससे बच्चों की डिकोडिंग कौशल पर मजबूत और अर्थपूर्ण पकड़ बन सके।

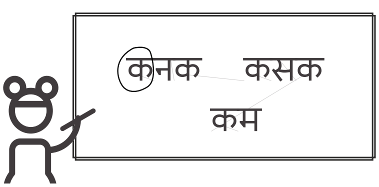

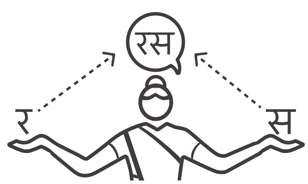

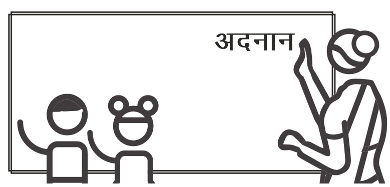

पठन पर कार्य

कालांश: 1 2 **3**

सत्र 2022–23 में भाषा के तृतीय कालांश में पठन कौशलों पर कार्य किया जाएगा। पठन कौशलों को समृद्ध करने के लिए इस सत्र में बिग बुक एवं 'सहज' की मदद से कार्य किया जाएगा। इस कालांश में बच्चों के साथ आदर्श पठन, साझा पठन, मार्गदर्शन में पठन एवं स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाएगा।

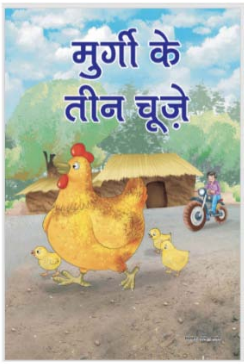

बिग बुक से पठन पर कार्य : बिग बुक कहानी की एक बड़ी पुस्तक होती है जिसके फॉन्ट और चित्र सामान्य पुस्तकों की तुलना में बड़े होते हैं। इसका उपयोग मुख्य रूप से शुरुआती कक्षाओं के बच्चों में पढ़ने के प्रति रुचि, प्रिंट चेतना और लिखित पाठ को सुनकर समझने की दक्षताओं को विकसित करने के लिए किया जाता है । आप बिग बुक के साथ अनेक प्रकार की रोचक गतिविधियाँ कर सकते हैं, जैसे– कहानी पढ़कर सुनाना, शीर्षक, चित्रों और कहानी से संबंधित अनुमान लगाना और समझ विकसित करना, साझा (साथ–साथ) पठन के अनुभव देना, लोगोग्रफिक पठन करना आदि। इसकी सहायता से बच्चों से विभिन्न प्रकार के प्रश्नों पर चर्चा की जा सकती है। जैसे– कहानी के घटनाक्रम से संबंधित बच्चों के अनुभव, चरित्रों के हाव–भाव एवं उनकी विशेषता, कहानी के शीर्षक एवं कहानी के बीच का संबंध इत्यादि।

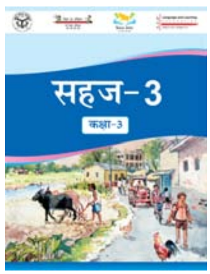

'सहज' से पठन पर कार्य : 'सहज' पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से कहानी सुनाकर पढ़ना, मार्गदर्शन में पठन एवं स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाएगा। इन पर किस प्रकार कार्य किया जाना है, इसका विवरण संबंधित शिक्षण योजनाओं में है।

स्वतंत्र पठन के अवसर : अकादमिक सत्र की शुरुआत से ही बच्चों को आप नियमित रूप से स्वतंत्र रूप से पढ़ने के मौके दें। इसके लिए शिक्षण योजना के अंतर्गत कुछ समय और प्रक्रिया प्रस्तावित की गई है। **लेकिन, यदि आपको अलग से समय मिले तो बच्चों को स्वतंत्र पठन के अवसर अवश्य दें।**

आप ध्यान दें कि इन सभी गतिविधियों एवं शिक्षण अधिगम सामग्री पर किस प्रकार चरणबद्ध तरीके से कार्य करना है, यह शिक्षण योजनाओं में विस्तार से दिया गया है। कक्षा में शिक्षण प्रक्रिया का क्रियान्वयन करने के पहले आप संबंधित शिक्षण योजना को पढ़ें और जरूरी तैयारी भी करें। सभी शिक्षण योजनाएं निश्चित शिक्षण उद्देश्यों से जुड़ी हुई है और अकादमिक सत्र के लक्षित दक्षताओं को प्राप्त करने में सहायक होंगीं।

दैनिक शिक्षण योजना

इस भाग में हम यह समझने की कोशिश करेंगे कि शिक्षण योजना क्या होती है एवं इसकी जरुरत क्यों है; प्राथमिक कक्षाओं में (विशेष रूप से कक्षा 1–3) भाषा की शिक्षण योजना बनाते समय हमें किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए; एक दिन की भाषा की शिक्षण योजना में भाषा के किन–किन घटकों पर मुख्य रूप से काम किया जाना है, आदि। साथ ही, यहाँ हम यह भी समझेंगे कि इस शिक्षक संदर्शिका में दी गई शिक्षण योजनाओं में क्या है और इन पर कैसे कार्य किया जाना प्रस्तावित है।

शिक्षण योजना की जरूरत

विद्यालय में होने वाली शिक्षण प्रक्रिया में बच्चों को एक निश्चित समय पर निर्धारित दक्षताएं सिखानी होती हैं। इस प्रकार का कार्य हो पाए, इसके लिए एक क्रमबद्ध योजना की जरुरत होती है। इसके अंतर्गत प्रत्येक दिन के हर कालांश को ध्यान में रखकर एक ऐसी योजना बनाई जानी चाहिए जिससे यह स्पष्ट हो सके कि किस दिन, किस कालांश में कौन–सी गतिविधि एवं अधिगम शिक्षण सामग्री को उपयोग में लेते हुए कार्य किया जाएगा एवं बच्चे इन शिक्षण प्रक्रियाओं से किन शिक्षण उद्देश्यों/दक्षता को निपुणता से हासिल कर पाएंगे।

इसके अतिरिक्त प्राथमिक कक्षाओं में भाषा की शिक्षण योजना बनाते समय बच्चों की भाषायी विविधता एवं शैक्षिणक स्तर में भिन्नता को भी ध्यान में रखकर शिक्षण रणनीतियां तय की जानी चाहिए।

इस अकादमिक सत्र के प्रत्येक दिन के तीनों कालांशों के लिए शिक्षण योजनाएँ दी गई हैं जिनमें से कुछ विस्तृत शिक्षण योजनाएँ हैं और कुछ संक्षिप्त शिक्षण योजनाएँ। आइए, इन पर हम थोड़ी और बातचीत करते हैं।

दो तरह की शिक्षण योजनाएँ

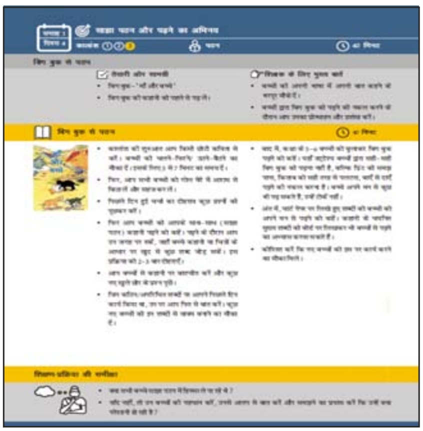

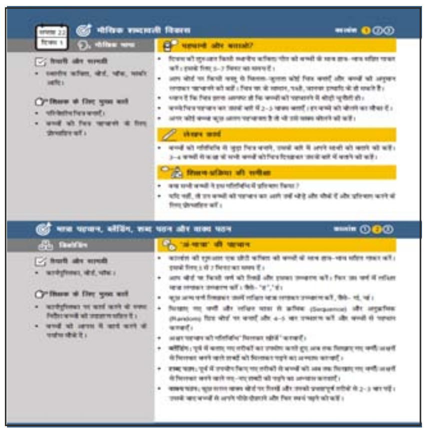

विस्तृत शिक्षण योजना

- किसी भी नई दक्षता/अधिगम शिक्षण सामग्री पर कार्य करने के दौरान
- गतिविधियों पर कार्य करने की चरणबद्ध रणनीति या प्रक्रिया का विस्तृत विवरण

संक्षिप्त शिक्षण योजना

- पहले से सीखी गई दक्षताओं/अधिगम शिक्षण सामग्री पर कार्य करने के दौरान
- गतिविधियों पर कार्य करने की चरणबद्ध रणनीति या प्रक्रिया का संक्षेप में विवरण

अगले कुछ पृष्ठों में विस्तृत एवं संक्षिप्त शिक्षण योजना पर बातचीत की गई है।

विस्तृत शिक्षण योजना

किसी भी नई दक्षता या नई शिक्षण सामग्री पर कार्य करने के पहले सप्ताह में विस्तृत शिक्षण योजना दी गई है। इससे आपको चरणबद्ध तरीके से किस प्रकार कार्य करना है, इसकी जानकारी प्राप्त होगी। शिक्षण योजना और शिक्षण सामग्री को काम में लेते हुए किस प्रकार के प्रश्न पूछे जा सकते हैं, किस प्रकार के निर्देश दिए जा सकते हैं, इनका विस्तृत विवरण इन शिक्षण योजनाओं में आपको पढ़ने को मिलेगा।

आइए, एक नमूने द्वारा हम यह समझें कि विस्तृत शिक्षण योजना के कितने खंड हैं और इनसे हमें क्या जानकारी मिलेगी।

शिक्षण योजना की समझ

- सप्ताह, दिवस एवं समय
- कालांश एवं लक्षित उद्देश्य
- गतिविधि से संबंधित पूर्व तैयारी एवं सामग्री
- गतिवधि से संबंधित मुख्य बातें

सप्ताह 1 | दिवस 5

अलग-अलग तरह की ध्वनियों की पहचान

कालांश ① ② ③ | डिकोडिंग | 40 मिनट

गतिविधि : 'चली-चली'

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कहानी, कागज की गेंद, कार्यपुस्तिका।
- कहानी का चयन पहले से कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे खेल गतिविधि में हिस्सा लें।
- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के लिये बच्चों को उदाहरण सहित निर्देश दें।

गतिविधि

- चरणबद्ध तरीके से गतिविधि की प्रक्रिया
- स्पष्ट निर्देश एवं उदाहरण

ध्वनि जागरूकता | 20-25 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी स्थानीय कहानी से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- बच्चों को बताएँ कि आप उनमें से किसी एक को एक गेंद देंगे और ताली बजाएँगे। जब तक ताली बजती रहेगी, तब तक बच्चे गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे।
- आप जब ताली बजाना बंद करेंगे, उस वक्त गेंद जिस बच्चे के हाथ में होगी, उसे आप बोलेंगे:

"रेल चली, रेल चली" (बच्चे पीछे-पीछे दोहराएँगे- "रेल चली, रेल चली।")

- आप फिर बोलें-

"कैसे चली, कैसे चली ?" (बच्चों को रेल की आवाज निकालनी है और कहना है, "छुक-छुक छुक-छुक")

- इसी प्रकार से आप अन्य/परिचित यातायात के साधनों का नाम बोलें और इस गतिविधि को आगे बढ़ाएँ।
- आगे आप मोटर, बाइक, बस, हवाई जहाज आदि की आवाज से इस अभ्यास को करवाएँ।

संबंधित लेखन कार्य

- 'कौशल संबंधित लेखन' या 'रचनात्मक लेखन'
- अवलोकन एवं बच्चों को मदद देने के लिए बिंदु

लेखन कार्य | 10-15 मिनट

- सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के पाठ-5 पर कार्य करने को कहें।
- बच्चों को कार्यपुस्तिका पर कार्य करने से संबंधित निर्देश दें। हो सकता है कि आपको एक से अधिक बार भी निर्देश देने पड़ें।
- जब बच्चे कार्यपुस्तिका पर कार्य कर रहें हो तो कक्षा में घूम-घूम कर उनके कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- बच्चों द्वारा किए कार्य को दिखाने को कहें और उनकी प्रशंसा करें।

पाठ-5

शिक्षक द्वारा समीक्षा

- अपनी शिक्षण प्रक्रिया पर आत्मचिंतन
- आगे की रणनीति तय करना
- बच्चों के व्यक्तिगत एवं सामूहिक कठिनाइयों का अवलोकन

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

कार्यपुस्तिका के पाठ

- प्रत्येक सप्ताह के दिवस 1 से 4 तक, कालांश 2 में कार्यपुस्तिका के पाठों पर बच्चों द्वारा कार्य

संक्षिप्त शिक्षण योजना

किसी भी शिक्षण सामग्री या दक्षता पर कुछ समय (प्रायः 1 सप्ताह) तक कार्य कर लेने के बाद संक्षिप्त शिक्षण योजनाओं को उपयोग में लाया जाएगा। इन संक्षिप्त शिक्षण योजनाओं में प्रत्येक बिंदु पर विस्तृत विवरण नहीं होगा मगर आप कक्षा में पहले की ही तरह चरणबद्ध तरीके से कार्य करेंगे। इनमें आपको साधारण रूप से वो सारी जानकारियाँ मिलेंगी जो विस्तृत शिक्षण योजना में होती हैं।

सप्ताह एवं दिवस

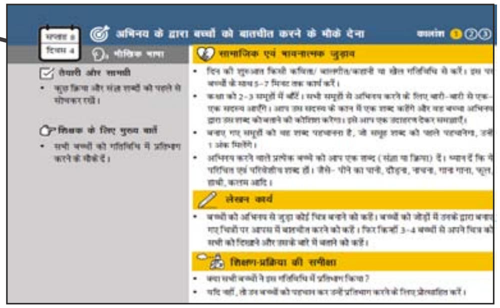

कालांश : 1 2 3

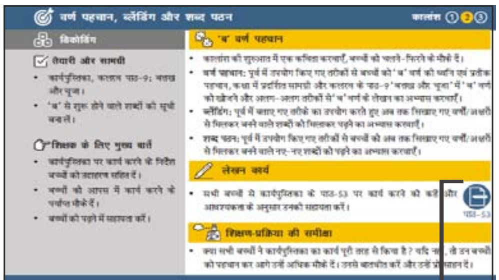

कालांश : 1 2 3

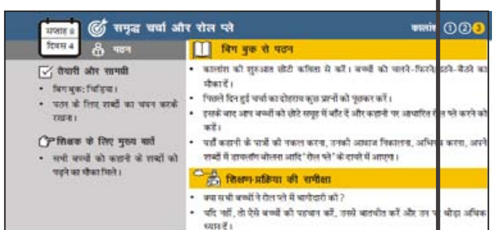

कालांश : 1 2 3

कालांश 1, 2 एवं 3

- गतिविधि का नाम एवं उद्देश्य, तैयारी और सामग्री और शिक्षक के लिए मुख्य बातें
- गतिविधि की चरणबद्ध संक्षिप्त प्रक्रिया
- शिक्षक द्वारा समीक्षा

कार्यपुस्तिका के पाठ

- प्रत्येक सप्ताह के दिवस 1 से 4 में, कालांश 2 में कार्यपुस्तिका के पाठों पर बच्चों द्वारा कार्य

दिवस 5 पुनरावृत्ति

कालांश : 1 2 3

कालांश 2 में सप्ताह के हर पाँचवें दिन पुनरावृत्ति का कार्य किया जाएगा। इस कालांश से संबंधित शिक्षण योजना एवं कार्यपुस्तिका के पाठ हरे रंग के हैं।

विस्तृत पाठ योजना

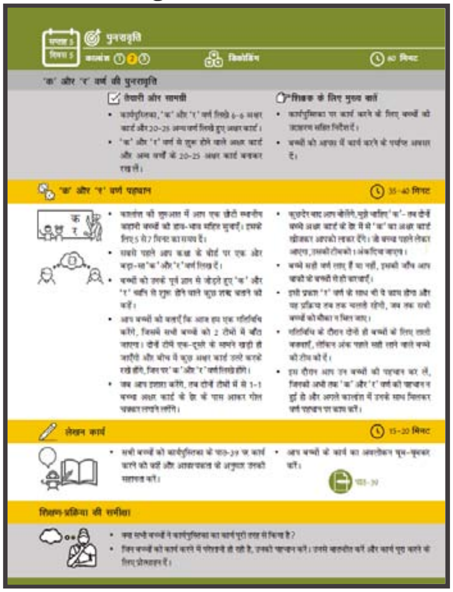

संक्षिप्त पाठ योजना

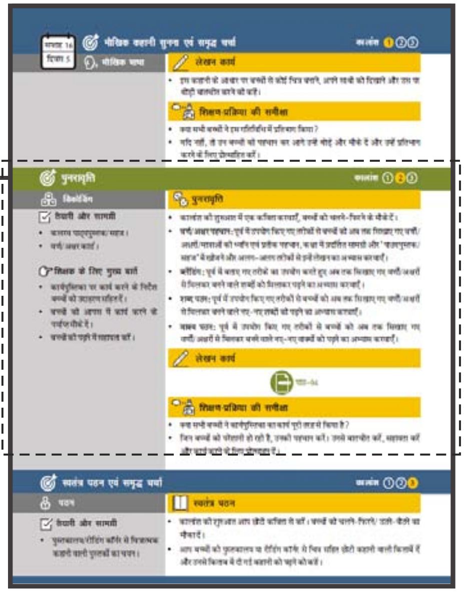

कार्यपुस्तिका : पुनरावृत्ति पाठ

- कार्यपुस्तिका के 'पुनरावृत्ति' पाठ पर साधारणतः सप्ताह के पाँचवें दिन कार्य किया जाना है।
- यह पुनरावृत्ति सप्ताह के पहले 4 दिन सिखाई गई दक्षताओं पर आधारित है।

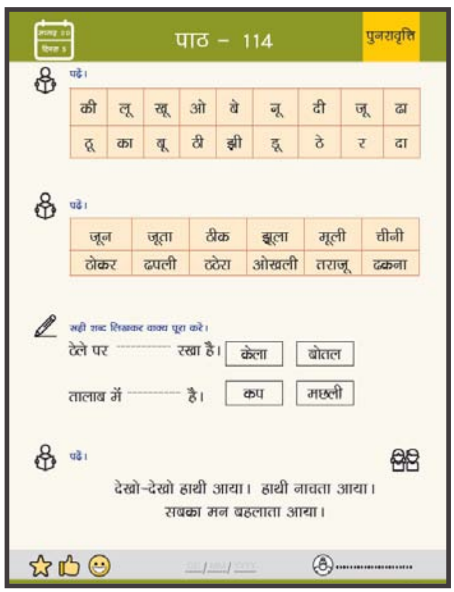

दिवस 6

साप्ताहिक आकलन

कालांश : 1 2 3 क स म

कालांश 2 एवं 3 में सप्ताह के हर छठे दिन बच्चों के साथ आकलन पर कार्य किया जाएगा। इस दिन, इन दोनों कालांशों की शिक्षण योजना को एक साथ ही दिया गया है। इसलिए, आपको विस्तृत एवं संक्षिप्त शिक्षण योजना, दोनों में ही देखने को मिलेगा। साप्ताहिक आकलन से संबंधित शिक्षण योजना एवं कार्यपुस्तिका के कार्यपत्रक (मैंने सीख लिया) लाल रंग के हैं।

विस्तृत पाठ योजना

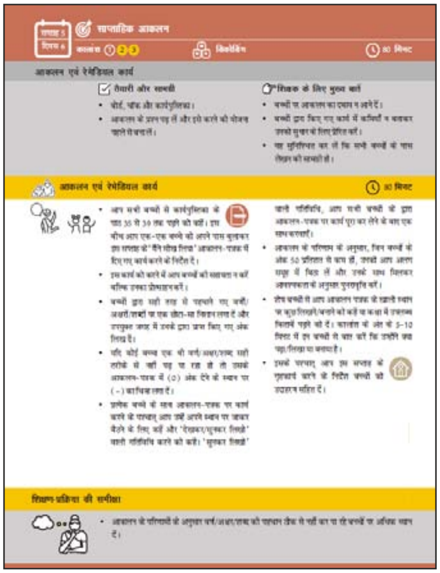

संक्षिप्त पाठ योजना

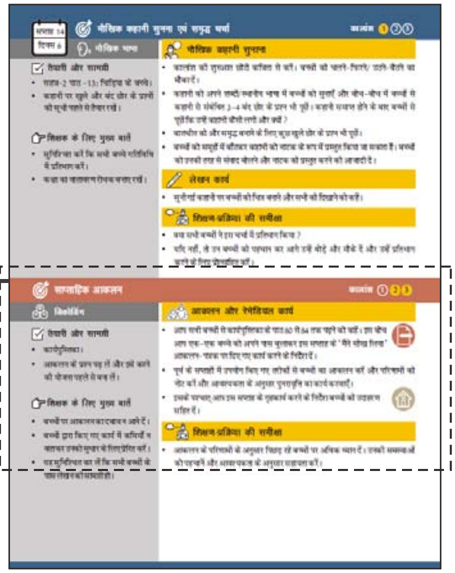

साप्ताहिक आकलन : मैंने सीख लिया

- वर्ण/अक्षर पहचान एवं शब्द पठन से संबंधित आकलन सभी बच्चों के साथ व्यक्तिगत रूप से करवाना
- 'सुनकर लिखो' अभ्यास कक्षा स्तर पर करवाना

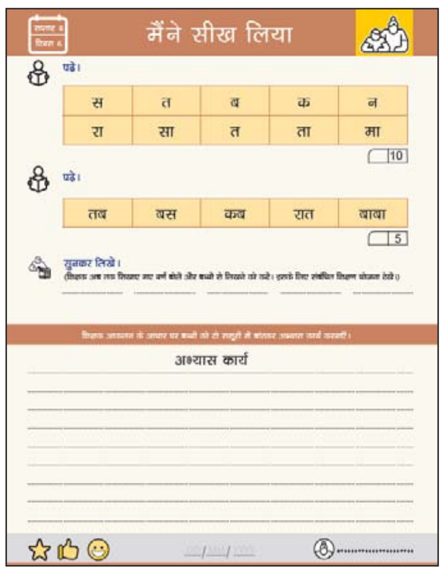

समूह 1 एवं 2 के बच्चों के साथ कार्य

- आकलन के अंकों के आधार पर समूह निर्धारण :

  समूह 1 के बच्चों के साथ रेमेडियल कार्य

  समूह 2 के बच्चों के साथ पुनरावृत्ति एवं अभ्यास कार्य

सावधिक आकलन

सप्ताह 9, 18

अकादमिक सत्र में दो सावधिक आकलन की योजना है – सप्ताह 9 एवं 18 में।

- इसके लिए आप अध्याय 'आकलन एवं पुनरावृत्ति' के 'सावधिक आकलन' से संबंधित खंड को ध्यान से पढ़ें।
- साथ ही, सप्ताह 9 एवं 18 की शिक्षण योजना को आधार बनाकर कार्य करें।

दिवस 1 एवं 2

कालांश 1 2 3

सावधिक आकलन (मैंने सीख लिया)

- डिकोडिंग से संबंधित आकलन के लिए दिवस 1 एवं 2 में तीनों कालांशों का प्रयोग करें।
- वर्ण/अक्षर पहचान एवं शब्द पठन से संबंधित आकलन सभी बच्चों के साथ व्यक्तिगत रूप से करें।
- 'सुनकर लिखो' अभ्यास कक्षा स्तर पर करवाएं।
- जब आप यह कार्य कर रहे हों तब दूसरे बच्चों को पुस्तकालय की किताबों से अपनी कॉपी में अभ्यास करने को कहें।
- व्यक्तिगत आकलन के साथ–साथ बच्चों द्वारा प्राप्त किए गए अंक सावधिक आकलन ट्रैकर में दर्ज करें।

दिवस 3 :

कालांश 1 2 3   1 2 3

सावधिक आकलन ट्रैकर एवं आगामी योजना

- **मौखिक भाषा विकास** से संबंधित अवलोकन, दोहराव एवं अभ्यास पर कार्य दिवस 3 से शुरू करें और जब तक रेमेडियल/पुनरावृत्ति पर कार्य चल रहा है, इस पर भी कार्य करते रहें।
- **डिकोडिंग** से संबंधित आकलन में बच्चों द्वारा लाए गए अंकों के आधार पर समूह निर्धारित करें। **समूह 1** में वे बच्चे आएंगे जिन्होंने 50% से कम अंक लाए हैं। इन बच्चों द्वारा लाए गए अंकों पर गोला लगाएं। **समूह 2** में वे बच्चे आएंगे जिन्होंने 50% से ज्यादा अंक लाए हैं।

दिवस 4 से 12

कालांश 1 2 3   1 2 3

रेमेडियल कार्य एवं पुनरावृत्ति/अभ्यास कार्य

- **मौखिक भाषा विकास** से संबंधित अवलोकन, दोहराव एवं अभ्यास पर कार्य करते रहें।
- **डिकोडिंग** के अंतर्गत **समूह 1** के बच्चों के साथ अगले 8–10 दिनों में रेमेडियल कार्य करें और उनकी अतिरिक्त सहायता करें।
- **समूह 2** के बच्चों के साथ अगले 8–10 दिनों में पुनरावृत्ति एवं अभ्यास कार्य करवाएं।

गृहकार्य और ग्रीष्म अवकाश

डिकोडिंग पर साप्ताहिक रूप से कार्य करने के साथ–साथ बच्चे गृहकार्य भी करेंगे और ग्रीष्म काल के अवकाश के दौरान भी सीखने–सिखाने की प्रक्रिया से लगातार जुड़े रहेंगे।

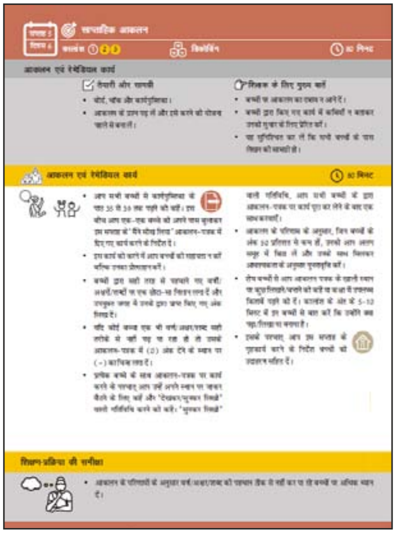

गृहकार्य

- प्रत्येक सप्ताह के छठे दिन के दूसरे कालांश की शिक्षण योजना में गृहकार्य से संबंधित निर्देश दिए गए हैं।
- कार्यपुस्तिका में कुल 20 पाठ गृहकार्य के लिए हैं।
- सावधिक आकलन 1 एवं 2 के दौरान गृहकार्य के लिए कोई भी पाठ नहीं दिया गया है।
- प्रत्येक सप्ताह के पहले दिन की शिक्षण योजना पर कार्य करने से पूर्व बच्चों से गृहकार्य संबंधी बातचीत करें।
- दिन समाप्त होने तक सभी बच्चों के गृहकार्य की जाँच करें और आवश्यक सुझाव भी दें।
- इसके बारे में अभिभावकों से भी बातचीत करें। इस पर हमने अध्याय 'अभिभावकों की भूमिका' में चर्चा की है।

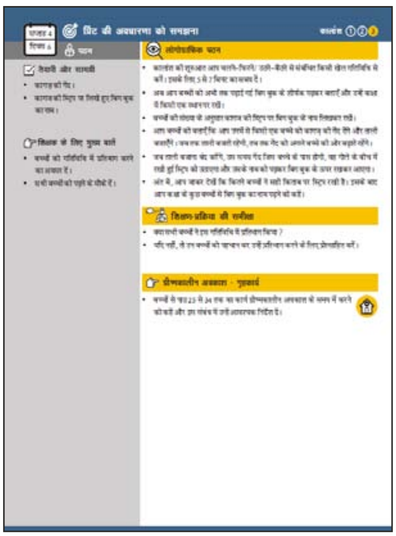

ग्रीष्म अवकाश

- सप्ताह 4 के छठें दिन के तीसरे कालांश की शिक्षण योजना में ग्रीष्म अवकाश से संबंधित निर्देश दिए गए हैं।
- कार्यपुस्तिका में कुल 10 पाठ ग्रीष्म अवकाश के कार्य के लिए हैं।
- सप्ताह 5 की शिक्षण योजना पर कार्य करने से पूर्व बच्चों से ग्रीष्म अवकाश के कार्य से संबंधित बातचीत करें।
- दिन समाप्त होने तक सभी बच्चों के ग्रीष्म अवकाश के कार्य की जांच करें और आवश्यक सुझाव भी दें।
- इसके बारे में अभिभावकों से भी बातचीत करें। इस पर हमने अध्याय 'अभिभावकों की भूमिका' में चर्चा की है।

सप्ताह 1
दिवस 1

बच्चों को एक-दूसरे के नामों से परिचित करवाना

कालांश 1 2 3 | मौखिक भाषा | 40 मिनट

क्रिया के साथ परिचय देना

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चार्ट पेपर।
- स्थानीय कविता का चयन पहले से कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- बच्चों को अपनी भाषा में आपस में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

20–25 मिनट

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट दें।
- इसके बाद बच्चों को अपना परिचय दें और अभिवादन के तौर पर कोई क्रिया करें। जैसे- नमस्ते करना, ताली बजाना, तितली की तरह हाथ हिलाना आदि। बच्चों से भी वह क्रिया दोहराने के लिए कहें।
- अब बच्चों से कहें कि वे भी एक-एक करके अपना नाम बताएँ और साथ में कोई (नई) क्रिया करें। जैसे- कमर पर हाथ रखकर हिलना, अपनी सभी उँगलियाँ हिलाना आदि।
- जब कोई बच्चा अपना नाम बताते हुए कोई क्रिया करे तो दूसरे बच्चों से भी उस क्रिया को दोहराने के लिए कहें।
- जब बच्चे अपना नाम बता रहे हों तब आप चार्ट पेपर पर उनका नाम लिखते जाएँ। बच्चों के नामों को इतने बड़े-बड़े अक्षरों में लिखें कि इन्हें कक्षा में सभी जगहों से पढ़ा जा सके।
- यह सुनिश्चित करें कि इस गतिविधि के अंत तक सभी बच्चों ने अपना नाम और एक नई क्रिया साझा कर ली हो।
- बच्चों के नाम वाला चार्ट कक्षा-कक्ष में बच्चों की ऊँचाई के अनुसार ऐसी जगह चिपकाएँ जिसको बच्चे आसानी से देख सकें।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

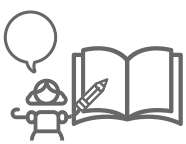

- आप सभी बच्चों से अपनी पसंद का कोई भी चित्र बनाने को कहें।
- आप बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए 3-5 मिनट का समय दें।
- फिर, किन्ही 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया?
- यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें। उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 1
दिवस 1

अलग-अलग ध्वनियों की पहचान

कालांश ① **②** ③ | डिकोडिंग | 40 मिनट

जानवरों की आवाज को पहचानना

तैयारी और सामग्री

- कागज की एक गेंद, कार्यपुस्तिका।
- परिवेशीय एवं परिचित जानवरों के नामों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को कार्यपुस्तिका में कार्य करने के निर्देश उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के मौके दें और प्रोत्साहित करें।

ध्वनि जागरूकता

20–25 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- बच्चों को बताएँ कि आप उनमें से किसी एक बच्चे को एक गेंद देंगे और ताली बजाएँगे। जब तक ताली बजती रहेगी तब तक बच्चे गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे। आप जब ताली बजाना बंद करेंगे उस समय गेंद जिस बच्चे के हाथ में होगी उसे आप किसी जानवर का नाम बोलेंगे।
- बच्चे को उस जानवर की आवाज निकलनी होगी। बाकी सभी बच्चे भी वो आवाज निकालेंगे।
- ध्यान दें कि आप जिन जानवरों के नामों का चयन करें वे परिवेशीय हों या ऐसे हों जिनके बारे में बच्चे जानते हों। शुरुआत में आप भी 1–2 जानवरों की आवाज निकालकर बताएँ।
- इसी प्रकार इस प्रक्रिया को करते रहें जब तक कि सभी बच्चों मौके नहीं मिल जाएँ।
- अंत में सभी बच्चों से सामान्य बातचीत भी करें। जैसे बच्चों ने उस जानवर को कहाँ देखा है? वह क्या खाता है?, किस रंग का होता है? आदि।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

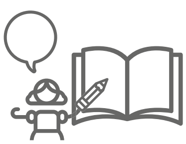

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ- 1 पर कार्य करने को कहें।
- बच्चों को कार्यपुस्तिका पर कार्य करने से संबंधित निर्देश दें। हो सकता है कि आपको एक से ज्यादा बार भी निर्देश देने पड़ें।
- जब बच्चे कार्यपुस्तिका पर कार्य कर रहे हों तो कक्षा में घूम-घूम कर उनके कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- बच्चों से किए कार्य को दिखाने को कहें और उसकी प्रशंसा करें।

पाठ–1

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

प्रिंट से परिचय

कालांश ① ② ③ | पठन | 40 मिनट

बिग बुक से पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: 'शेर की गुफा'।
- बिग बुक की कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- सभी बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

बिग बुक से पठन

40 मिनट

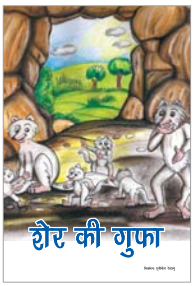

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- इसके बाद बिग बुक 'शेर की गुफा' का मुख्य पृष्ठ सभी बच्चों को दिखाएँ। आप इस प्रकार से खड़े हों कि बिग बुक का मुख्य पृष्ठ बच्चों की ओर हो।
- अब आप बच्चों से बिग बुक के मुख्य पृष्ठ में दिख रहे चित्र और कहानी के शीर्षक के बारे में बातचीत करें एवं अनुमान लगाने को कहें। आप प्रश्न कर सकते हैं–
  - आपको यहाँ क्या-क्या दिख रहा है?
  - आपको क्या लगता है इस कहानी में क्या होगा? आदि।
- इसी प्रकार बिग बुक के सभी पृष्ठों को एक-एक करके पलटते जाएँ और पृष्ठों पर बने चित्रों के आधार पर बच्चों से कहानी का अनुमान लगाने को कहें।
- फिर, आप कहानी को उचित हाव-भाव, उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ पढ़ें। पढ़ते समय प्रत्येक पृष्ठ के शब्दों पर बाई से दाई ओर उँगली रखें।
- बिग बुक से पूरी कहानी को इसी प्रकार पढ़कर सुनाएँ। आप सभी पृष्ठों को धीरे से पलटें और बच्चों को यह समझने का मौका दें कि किताब को बाई से दाई ओर पढ़ते हैं और आगे पढ़ने के लिए पृष्ठ को पलटते हैं।
- आप बिग बुक का आदर्श रूप से पठन कम से कम 2-3 बार करें।
- इस दौरान बच्चों को यह भी समझने का मौका दें कि इस किताब के हर पृष्ठ पर जो चित्र बने हैं, वे कहानी में जो हो रहा है, उससे संबंधित है।
- अंत में, बच्चों द्वारा चित्रों पर जो अनुमान लगाए गए थे, उन पर बातचीत करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3 | मौखिक भाषा | 40 मिनट

अपने परिवार के बारे में चर्चा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता।
- चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अनुभव पर चर्चा के अपने उदाहरण को सरल रखें।
- बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें और यदि कोई बच्चा नहीं बोल पा रहा हो तो उसे बोलने के लिए प्रेरित करें।

अनुभव पर चर्चा - परिवार

20–25 मिनट

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट दें।
- सभी बच्चों को एक गोल घेरे में बिठा लें ताकि वे एक-दूसरे को आसानी से देख सकें।
- आप सभी बच्चों को बताएँ कि आज हम सभी अपने परिवार के बारे में बातचीत करेंगे।
- बच्चों से उनके परिवार से जुड़े अनुभव सुनने से पहले आप उदाहरण के लिए अपने अनुभव बताएँ। जैसे: आपके घर में कौन-कौन हैं? वे क्या कार्य करते हैं? कितनी उम्र है? घर के सदस्यों की पसंद-नापसंद क्या है? आपको अपने परिवार में कौन सा सदस्य सबसे अच्छा लगता/लगती है और क्यों? आदि।
- आप उदाहरण द्वारा अपने परिवार से संबंधित अपने अनुभव बताएँ। फिर, बच्चों को एक-एक करके अनुभव पर चर्चा के लिए कहें और अन्य बच्चों को ध्यान से सुनने को कहें।
- अनुभव सुनाने के दौरान यदि बच्चे अपनी तरफ से नए बिन्दुओं को जोड़ते हैं, तो उनका प्रोत्साहन करें। सभी बच्चों को कम से कम 2 से 3 वाक्य बोलने के लिए प्रेरित करें।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

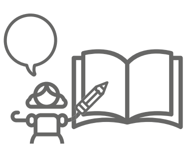

- सभी बच्चों से अपने परिवार के किसी भी सदस्य का चित्र बनाने के लिए कहें। यहाँ चित्र बनाने का उद्देश्य आढ़ी-टेढ़ी रेखाओं को खींचकर/बनाकर अपने मन की बात को अभिव्यक्त कर पाना है।
- बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्र को अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूम कर उनकी आपस की बातचीत को सुनें।
- फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों से सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।
- बच्चों के द्वारा जैसा भी चित्र बनाया गया हो उसकी प्रशंसा करें। कक्षा की किसी दीवार में बच्चों के कार्य को लटका /चिपका दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में समान रूप से भाग लिया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

सप्ताह 1
दिवस 2

अलग-अलग ध्वनियों की पहचान

कालांश ① ② ③ | डिकोडिंग | 40 मिनट

पक्षियों की आवाज को पहचानना

तैयारी और सामग्री

- कागज की एक गेंद, कार्यपुस्तिका।
- परिवेशीय एवं परिचित पक्षियों के नामों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को कार्यपुस्तिका में कार्य करने के निर्देश उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के मौके दें और प्रोत्साहित करें।

ध्वनि जागरूकता

20-25 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- बच्चों को बताएँ कि आप उनमें से किसी एक बच्चे को एक गेंद देंगे और ताली बजाएँगे। जब तक ताली बजती रहेगी तब तक बच्चे गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे।
- आप जब ताली बजाना बंद करेंगे उस वक्त गेंद जिस बच्चे के हाथ में होगी उसे आप किसी पक्षी का नाम बोलेंगे। उन्हें उस पक्षी की आवाज निकालनी होगी। बाकी सभी बच्चे भी वह आवाज निकालेंगे।
- ध्यान दें कि आप जिन पक्षियों के नामों का चयन करें वे परिवेशीय हों या ऐसे हों जिनके बारे में बच्चे जानते हों। शुरुआत में आप भी 1-2 पक्षियों की आवाज निकालकर बताएँ।
- इसी प्रकार इस प्रक्रिया को करते रहें जब तक कि सभी बच्चों को मौके नहीं मिल जाएँ।
- अंत में सभी बच्चों से सामान्य बातचीत भी करें। जैसे- बच्चों ने उन पक्षियों को कहाँ देखा है? वे क्या खाते हैं?, किस रंग के होते हैं? आदि।

लेखन कार्य

10-15 मिनट

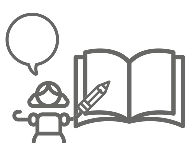

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-2 पर कार्य करने को कहें।
- बच्चों को कार्यपुस्तिका पर कार्य करने से संबंधित निर्देश दें। हो सकता है कि आपको एक से ज्यादा बार भी निर्देश देने पड़ें।
- जब बच्चे कार्यपुस्तिका पर कार्य कर रहे हों तो कक्षा में घूम-घूम कर उनके कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- बच्चों से किए कार्य को दिखाने को कहें और उसकी प्रशंसा करें।

पाठ-2

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 1
दिवस 2

आदर्शवाचन एवं लोगोग्राफिक पठन

कालांश ① ② ③ | पठन | 40 मिनट

बिग बुक से पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: 'शेर की गुफा'।
- चार्ट, मार्कर

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- साझा पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

40 मिनट

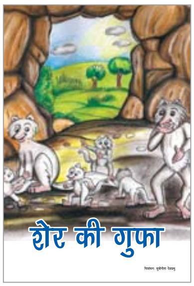

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर करें। जैसे–
  - कल हमने कौन-सी कहानी पढ़ी थी?
  - कहानी में क्या हुआ था?
  - कहानी का क्या नाम था? आदि।
- फिर, आप कहानी को कम से कम 2 बार आदर्श रूप से, पूरे हाव-भाव, उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ पढ़ें। पढ़ते समय प्रत्येक पृष्ठ के शब्दों पर बाई से दाई ओर उँगली रखें।
- कहानी पढ़ने के दौरान आए कठिन या अपरिचित शब्दों का अर्थ बच्चों के परिवेश एवं संदर्भ से जोड़कर बताएँ। इन शब्दों का उदाहरण सरल वाक्यों में दें और बच्चों को भी इन शब्दों से वाक्य बनाने को कहें।
- फिर, आप दोबारा कहानी पढ़ें। इस बार बच्चों से आपके साथ-साथ कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगहों पर रुकें जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ।
- आप कहानी पर आधारित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे–
  - आपको क्या किसी जानवर से डर लगता है? किस से और क्यों?
  - यदि आप शेर की जगह होते तो क्या करते?
- अंत में, आप कहानी के कुछ मुख्य शब्दों जैसे– शेर, सियार, सियारिन, गुफा, बंदर आदि को चार्ट पर लिखें और इन्हें 3-4 बार पढ़ें और बच्चों से इन शब्दों के पठन का अभ्यास करवाएँ।
- आप चार्टपेपर पर इन शब्दों को बड़े आकार में लिख दें और कक्षा की किसी दीवार पर लटका /चिपका दें, जहाँ से सारे बच्चे इसे देख सकें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे आपके साथ-साथ पढ़ पा रहे थे?
- यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 1
दिवस 3

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3 | मौखिक भाषा | 40 मिनट

अपने परिवार के बारे में चर्चा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता।
- चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अनुभव पर चर्चा के अपने उदाहरण को सरल रखें।
- बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें और यदि कोई बच्चा नहीं बोल पा रहा हो तो उसे बोलने के लिए प्रेरित करें।

अनुभव पर चर्चा

20–25 मिनट

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट दें।
- सभी बच्चों को एक गोल घेरे में बिठा लें ताकि वे एक-दूसरे को आसानी से देख सकें।
- पिछले दिन के अनुभव पर चर्चा के बिन्दुओं को दोहराएँ। इसके लिए किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने अनुभव को फिर से साझा करने को कहें। ज़रूरत पड़ने पर आप उनकी सहायता करें।
- इसके बाद, परिवार से संबंधित अनुभव पर चर्चा के लिए नए बिन्दुओं को जोड़ते हुए अपने अनुभव बच्चों के साथ साझा करें। जैसे- घर के कामों को करने में कौन किसकी सहायता करता है। आप किसकी सहायता करते हैं और कैसे? कौन आपकी सहायता करता है और किन कामों को करने में। किन कामों को करने के लिए आप अपने घर के लोगों से सलाह लेते हैं या घर के लोग आपकी सलाह लेते हैं, आदि।
- इसके बाद एक-एक करके सभी बच्चों से ऊपर दिए गए बिंदुओं पर उनके अनुभव बताने को कहें और अन्य बच्चों से ध्यान से सुनने को कहें।
- कुछ तर्क, अनुमान और कल्पना आधारित प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं, जैसे यदि एक दिन के लिए आपके पिताजी/माताजी की जगह आपको रखा जाए तो आप क्या क्या करेंगे?
- बच्चों से उनके परिवार में से उनके पसंद के किसी सदस्य का अभिनय करने को भी कह सकते हैं।
- अनुभव सुनाने के दौरान यदि बच्चे अपनी तरफ से नए बिन्दुओं को जोड़ते हैं, तो उनका प्रोत्साहन करें।
- सभी बच्चों को कम से कम 2 से 3 वाक्य बोलने के लिए प्रेरित करें।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

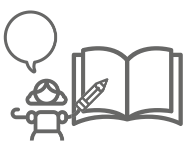

- सभी बच्चों से अपने परिवार के सबसे पसंदीदा सदस्य का चित्र बनाने के लिए कहें। यहाँ चित्र बनाने का उद्देश्य आड़ी-टेढ़ी रेखाओं को खींचकर/बनाकर अपने मन की बात को अभिव्यक्त कर पाना है।
- बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्र को अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूम कर उनकी आपस की बातचीत को सुनें।
- फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों से सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।
- बच्चों के द्वारा जैसा भी चित्र बनाया गया हो उसकी प्रशंसा करें। कक्षा की किसी दीवार पर बच्चों के कार्य को लटका /चिपका दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लिया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

सप्ताह 1
दिवस 3

अलग-अलग ध्वनियों की पहचान

कालांश 1 2 3 | डिकोडिंग | 40 मिनट

वाहनों की आवाज को पहचानना

तैयारी और सामग्री

- कागज की एक गेंद, कार्यपुस्तिका।
- साधारण वाहनों के नामों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को कार्यपुस्तिका में कार्य करने के निर्देश उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के मौके दें और प्रोत्साहित करें।

ध्वनि जागरूकता

20–25 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- बच्चों को बताएँ कि आप उनमें से किसी एक बच्चे को एक गेंद देंगे और ताली बजाएँगे। जब तक ताली बजती रहेगी तब तक बच्चे गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे।
- आप जब ताली बजाना बंद करेंगे उस वक्त गेंद जिस बच्चे के हाथ में होगी उसे आप उन्हें किसी वाहन का नाम बतायेंगे। उन्हें उस वाहन की आवाज निकालनी होगी। बाकी सभी बच्चे भी वो आवाज निकालेंगे।
- ध्यान दें कि आप जिन वाहनों के नामों का चयन करें वे साधारण हों और ऐसे हों जिनके बारे में बच्चे जानते हों। शुरुआत में आप भी 1–2 वाहनों की आवाज निकालकर बताएँ।
- इसी प्रकार इस प्रक्रिया को करते रहें जब तक कि सभी बच्चों को मौके नहीं मिल जाएँ।
- अंत में सभी बच्चों से सामान्य बातचीत भी करें। जैसे–
  - बच्चों ने उस वाहन को कहाँ देखा है?
  - क्या उन्होंने इन वाहनों से कभी यात्रा की है और कब? आदि।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

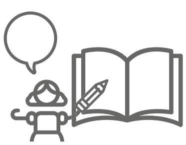

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-3 पर कार्य करने को कहें।
- बच्चों को कार्यपुस्तिका पर कार्य करने से संबंधित निर्देश दें। हो सकता है कि आपको एक से ज्यादा बार भी निर्देश देने पड़ें।
- जब बच्चे कार्यपुस्तिका पर कार्य कर रहे हों तो कक्षा में घूम-घूम कर उनके कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- बच्चों से किए कार्य को दिखाने को कहें और उसकी प्रशंसा करें।

पाठ–3

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 1
दिवस 3

साझा पठन एवं लोगोग्राफिक पठन

कालांश ① ② ③ | पठन | 40 मिनट

बिग बुक से पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: 'शेर की गुफा'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- साझा पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

40 मिनट

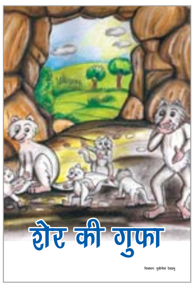

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर और सरल चर्चा के द्वारा करें।
- फिर, आप कहानी को 1 बार आदर्श रूप से, पूरे हाव-भाव, उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ पढ़ें। पढ़ते समय प्रत्येक पृष्ठ के शब्दों पर बाईं से दाईं ओर उँगली रखें।
- इसके बाद बच्चों से आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगहों पर रुकें जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ।
- आप बच्चों से कहानी पर थोड़ी और बातचीत करें और खुले छोर के प्रश्न पूछें। बातचीत के लिए प्रश्न कुछ इस तरह से हो सकते हैं, जैसे-
  - इस कहानी में आगे क्या हुआ होगा?
  - यदि आपको कोई गुफा मिले तो आप क्या करेंगे?
- अंत में, पिछले दिन जो शब्द चार्टपेपर पर आपने लिखे थे, बच्चों को उन्हें पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। आप इन शब्दों को बोर्ड पर भी लिख सकते हैं और कक्षा के 6-7 अलग-अलग बच्चों से इन्हें पढ़ने को बोल सकते हैं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे आपके साथ-साथ पढ़ पा रहे थे?
- यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

बच्चों को एक-दूसरे की पसंद जानने के मौके मिलना

कालांश 1 2 3 | मौखिक भाषा | 40 मिनट

गतिविधि : क्या-क्या अच्छा लगता है?

तैयारी और सामग्री

- कागज की गेंद।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

20–25 मिनट

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट दें।
- सभी बच्चों को एक गोल घेरे में बिठा लें ताकि वे एक-दूसरे को आसानी से देख सकें।
- बच्चों को बताएँ कि आप किसी एक बच्चे को कागज की एक गेंद देंगे। जिसके पास भी कागज की गेंद होगी, उनको अपने मनपसंद खाने की चीज के बारे में बताना होगा और फिर गेंद अगले साथी की ओर बढ़ानी होगी ।
- अपनी मनपसंद खाने की चीज के बारे में बात करने के दौरान वे इन बिन्दुओं पर बात कर सकते हैं–
  - मनपसंद खाने की चीज का नाम ?
  - कब-कब और कहाँ खाते हैं ?
  - कौन बनाता है ?
  - किसके साथ मिलकर खाते हैं ?
  - इसे बनाने का तरीका क्या है ?
  - इससे जुड़ी कोई यादें, आदि ।
- गतिविधि की शुरुआत आप स्वयं से करें और अपनी मनपसंद खाने की चीज के बारे में उपरोक्त बिन्दुओं पर बात करें। इससे बच्चों को पता चलेगा कि इस विषय पर वे क्या-क्या बोल सकते हैं ।
- सभी बच्चों को बारी-बारी से अपनी बात कहने का मौका दें और जरूरत पड़ने पर उन्हें अपनी बात कहने में सहायता करें।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

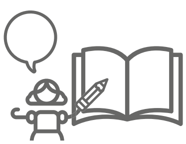

- सभी बच्चों से अपनी पसंद की किसी खाने की चीज का चित्र बनाने के लिए कहें।
- बच्चों को उनके द्वारा बनाए गए चित्र को अपने साथी को दिखाने को कहें और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूम कर उनकी आपस की बातचीत को सुनें।
- फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों से सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे अपने मन की बात सहजता से कह पा रहे हैं ?
- यदि नहीं तो इन बच्चों की पहचान करें और इनसे अलग में थोड़ी बातचीत करें। आप समझने का प्रयास करें कि इन्हें क्या असुविधा हो रही है।

सप्ताह 1
दिवस 4

अलग-अलग ध्वनियों की पहचान

कालांश ① **②** ③ | डिकोडिंग | 40 मिनट

विभिन्न आवाजों को पहचानना

तैयारी और सामग्री

- कागज की एक गेंद, कार्यपुस्तिका।
- परिवेशीय एवं परिचित चीजों (सजीव/निर्जीव) के नामों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को कार्यपुस्तिका में कार्य करने के निर्देश उदाहरण सहित दें।
- बच्चो को आपस में मिलकर कार्य करने के मौके दें और प्रोत्साहित करें।

ध्वनि जागरूकता

20–25 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी तुकांत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- बच्चों को बताएँ कि आप उनमें से किसी एक को एक गेंद देंगे और ताली बजाएँगे। जब तक ताली बजती रहेगी तब तक बच्चे गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे।
- आप जब ताली बजाना बंद करेंगे उस समय गेंद जिस बच्चे के हाथ में होगी उसे आप बोलेंगे–

बोलो तुमने क्या देखा? (बच्चे से किसी भी चीज (सजीव/निर्जीव) का नाम लेने को कहें।) बच्चा जिस भी चीज का नाम लेगा, आप उसे उसकी आवाज निकालने को कहें। जैसे–

बोलो टेबल कैसे बोला?

- कक्षा के सभी बच्चों से इस आवाज को 2 बार दोहराने को कहें।
- इस गतिविधि की इसी तरह आगे बढ़ाएँ और यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को कम-से-कम 1 मौका अवश्य मिले।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

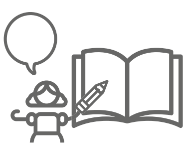

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-4 पर कार्य करने को कहें।
- बच्चों को कार्यपुस्तिका पर कार्य करने से संबंधित निर्देश दें। हो सकता है कि आपको एक से ज्यादा बार भी निर्देश देने पड़े।
- जब बच्चे कार्यपुस्तिका पर कार्य कर रहे हों तो कक्षा में घूम-घूम कर उनके कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- बच्चों से किए कार्य को दिखाने को कहें और उसकी प्रशंसा करें।

पाठ–4

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 1
दिवस 4

साझा पठन एवं पढ़ने का अभिनय

कालांश ① ② ③ | पठन | 40 मिनट

बिग बुक से पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: 'शेर की गुफा'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- बच्चों द्वारा बिग बुक को पढ़ने की नकल करने के दौरान आप उनका प्रोत्साहन और प्रशंसा करें।

बिग बुक से पठन

40 मिनट

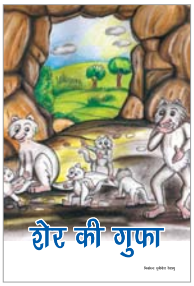

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहरान कुछ प्रश्नों को पूछकर करें।
- फिर आप बच्चों से आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगहों पर रुकें जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ।
- आप बच्चों से कहानी पर बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें।
- जिन कठिन/अपरिचित शब्दों पर आपने पिछले दिन कार्य किया था, उन पर आप फिर से बात करें। कुछ नए बच्चों को इन शब्दों से वाक्य बनाने का मौका दें।
- बाद में, कक्षा के 5-6 बच्चों को बुलाकर बिग बुक पढ़ने को कहें। यहाँ उद्देश्य बच्चों द्वारा बिग बुक सही-सही पढ़ना नहीं है बल्कि प्रिंट को समझ पाना, किताब को सही तरह से पलटना, बाएँ से दाएँ पढ़ने की नकल करना है। बच्चे अपने मन से कुछ भी पढ़ सकते हैं, उन्हें टोकें नहीं।
- आखिर में चार्टपेपर पर लिखे हुए शब्दों को बच्चों से पढ़ने को कहें। इन शब्दों को बोर्ड पर लिखकर भी बच्चों से इनको पढ़ने का अभ्यास करवा सकते हैं। कोशिश करें कि नए बच्चों को इस पर कार्य करने का मौका मिले।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे साझा पठन में हिस्सा ले रहे थे?
- यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उनसे अलग से बात करें। समझने का प्रयास करें कि उन्हें क्या परेशानी हो रही है?

सामान्य निर्देशों को समझना

कालांश 1 2 3 | मौखिक भाषा | 40 मिनट

खेल- 'जो मैं कहूँ'

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कहानी।
- कहानी का चयन पहले से कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में हिस्सा लें।

सामान्य निर्देशों को समझना

20–25 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कहानी से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से खड़ा कर लें और सहज कर लें।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम 'जो मैं कहूँ' खेल खेलेंगे। इस खेल में आप बच्चों को कुछ निर्देश देंगे और सभी को उसके अनुसार प्रतिक्रिया देना /कार्य करना होगा।
- आप बच्चों को निर्देश दें–
  - जब मैं 1 बोलूँ तो आपको अपने स्थान पर खड़े रहकर 1 ताली बजानी हैं। बच्चों को ऐसा करने के लिए थोड़ा समय दें।
- कुछ समय बाद आप बोलें–
  - जब मैं बोलूँ 2 तो आपको अपनी जगह पर धीरे से कूदना है।
- इसी तरह आप आगे नए-नए निर्देश जोड़ें और बच्चों को उसके अनुसार प्रतिक्रिया देने/ क्रिया करने को कहें।
- आखिर में बच्चों से थोड़ी बातचीत करें कि उन्हें यह गतिविधि कैसी लगी। जो बच्चे प्राय: कम बोलते हैं, उन्हें बोलने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

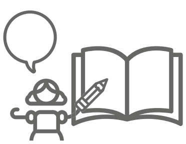

- सभी बच्चों से अपनी पसंद का कोई भी चित्र बनाने के लिए कहें।
- बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्र अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूम कर उनकी आपस की बातचीत को सुनें।
- फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों से सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे आपका निर्देश समझ पा रहे थे ?
- यदि नहीं तो इन बच्चों की पहचान करें, इन पर ध्यान दें और समझने का प्रयास करें कि उन्हें क्या परेशानी हो रही है।

सप्ताह 1
दिवस 5

अलग-अलग ध्वनियों की पहचान

कालांश ① **②** ③ | डिकोडिंग | 40 मिनट

खेल - चली-चली

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कहानी, कागज की एक गेंद, कार्यपुस्तिका।
- कहानी का चयन पहले से कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यह सुनिश्चित करें की सभी बच्चे खेल गतिविधि में हिस्सा लें।
- बच्चों को कार्यपुस्तिका में कार्य करने के निर्देश उदाहरण सहित दें।

ध्वनि जागरूकता

20–25 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी स्थानीय कहानी से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- बच्चे को बताएँ कि आप उनमें से किसी एक बच्चे को एक गेंद देंगे और ताली बजाएँगे। जब तक ताली बजती रहेगी तब तक बच्चे गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे।
- आप जब ताली बजाना बंद करेंगे उस समय गेंद जिस बच्चे के हाथ में होगी उसे आप बोलेंगे:

‘रेल चली, रेल चली,’ (बच्चे पीछे-पीछे दोहराएंगे- ‘रेल चली रेल चली।’)

- आप फिर बोलें-

‘कैसे चली, कैसे चली?’ (बच्चों को रेल की आवाज निकालनी है और कहना है, ‘छुक-छुक छुक-छुक’।

- इसी प्रकार से आप अन्य/ परिचित यातायात के संसाधनों का नाम बोलें और इस गतिविधि को आगे बढ़ाएँ।
- आगे आप मोटर, बाइक, बस, हवाई जहाज आदि की आवाज से इस अभ्यास को करवाएँ।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

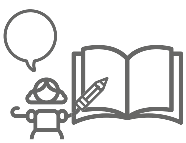

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-5 पर कार्य करने को कहें।
- बच्चों को कार्यपुस्तिका पर कार्य करने से संबंधित निर्देश दें। हो सकता है कि आपको एक से ज्यादा बार भी निर्देश देने पड़े।
- जब बच्चे कार्यपुस्तिका पर कार्य कर रहे हों तो कक्षा में घूम-घूम कर उनके कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- बच्चों से किए कार्य को दिखाने को कहें और उसकी

पाठ-5

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

शब्दों को आकृति के रूप में पढ़ना

कालांश ① ② ③ | पठन | 40 मिनट

गतिविधि : मेरा नाम

तैयारी और सामग्री

- चार्टपेपर, मार्कर।
- एक चार्टपेपर पर बच्चों के नाम बड़े-बड़े अक्षरों में लिखकर पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में हिस्सा लेने का मौका दें।
- सभी बच्चों को अपना नाम पहचानने के लिए सहायता करें और प्रोत्साहन दें।

लोगोग्राफिक पठन

40 मिनट

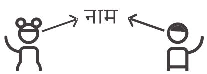

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- आप एक-एक कर सभी बच्चों का नाम बुलाएँ और उन्हें खाने में क्या पसंद है, ऐसी किसी एक चीज का नाम बोलने को कहें और क्यों पसंद है उन्हें यह भी बताने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चों का नाम बोर्ड पर लिखें और उनके पसंदीदा खाने के नाम का चित्र बनाएँ।
- यह प्रक्रिया आप एक-एक कर सभी बच्चों के साथ करें।
- फिर, किसी भी बच्चे का नाम लें और उसका नाम बोर्ड पर कहाँ लिखा है यह पहचानने को कहें। यह प्रक्रिया सभी बच्चों के साथ किसी भी क्रम में करें।
- आखिर में जिस चार्टपेपर पर आपने बच्चों का नाम लिखा है उसे कक्षा में चिपका/लटका दें। इसे ऐसी जगह पर लगाएँ कि सभी बच्चे इसे देख सकें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया ?
- कम प्रतिभागिता करने वाले बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सामान्य निर्देशों को समझना

कालांश ① ② ③ | मौखिक भाषा | 40 मिनट

खेल- 'बात सुनो भई बात सुनो'

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कहानी।
- कहानी का चयन पहले से कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे खेल गतिविधि में हिस्सा लें।

सामान्य निर्देशों को समझना

20–25 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कहानी से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम 'बात सुनो भई बात सुनो' खेल खेलेंगे। इस खेल में आप बच्चों को कुछ निर्देश देंगे और सभी को उसके अनुसार प्रतिक्रिया देना /कार्य करना होगा।
- आप बच्चों को निर्देश दें–
- सारे बच्चो बात सुनो, मिलजुलकर एक गोला बनाओ। बच्चों को ऐसा करने के लिए थोड़ा समय दें।
- इसी तरह आप आगे नए-नए निर्देश जोड़ें और बच्चों को उसके अनुसार प्रतिक्रिया देने/ क्रिया करने को कहें। जैसे – सारे बच्चो बात सुनो, जल्दी से एक लाइन बनाओ।
- आगे आपके द्वारा दाएँ से बाएँ चलना, बाएँ से दाएँ चलना, कूदना इत्यादि निर्देश दिए जा सकते हैं।
- आखिर, में बच्चों से थोड़ी बातचीत करें कि उन्हें यह गतिविधि कैसी लगी। जो बच्चे प्राय: कम बोलते हैं, उन्हें बोलने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

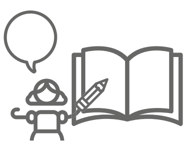

- सभी बच्चों से अपनी पसंद के किसी फूल का चित्र बनाने के लिए कहें।
- बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्र अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूम कर उनकी आपस की बातचीत को सुनें।
- फिर किन्हीं 3-4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे आपका निर्देश समझ पा रहे थे ?
- यदि नहीं तो इन बच्चों की पहचान करें, इन पर ध्यान दें और समझने का प्रयास करें कि उन्हें क्या परेशानी हो रही है।

सप्ताह 1
दिवस 6

अलग-अलग ध्वनियों की पहचान

कालांश ① **②** ③ | डिकोडिंग | 40 मिनट

खेल: 'सुनो-सुनो अब ये बताओ'

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कहानी, कागज की एक गेंद, कार्यपुस्तिका।
- कहानी का चयन पहले से कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर सभी बच्चों के कार्य का अवलोकन करें।
- यदि सुधार के बिन्दु हों तो उन पर सकारात्मक रूप से सुझाव दें और उनका प्रोत्साहन करें।

ध्वनि जागरूकता

20–25 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप किसी कहानी को स्थानीय/बच्चों की भाषा में सुनाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- बच्चों को बताएँ कि आप उनमें से किसी एक को एक गेंद देंगे और ताली बजाएँगे। जब तक ताली बजती रहेगी तब तक बच्चे गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे।
- आप जब ताली बजाना बंद करेंगे उस समय गेंद जिस बच्चे के हाथ में होगी उसे आप बोलेंगे- 'सुनो सुनो अब ये बताओ, चीं-चीं-चीं-चीं कौन है करता?) (बच्चे बोलेंगे- 'चीं-चीं-चीं-चीं चिड़िया करती।')
- आप बच्चों को 1-2 उदाहरण द्वारा समझाएँ कि उन्हें कैसे जवाब देना है।
- आप अलग-अलग चीजों (सजीव/निर्जीव) द्वारा इस गतिविधि को आगे बढ़ाएँ। जैसे- टर्र- टर्र- टर्र-टर्र, खटपट-खटपट, चर-चर-चर-चर, आदि।
- इस गतिविधि के लिए आप किसी भी आवाज को केंद्र में रखकर कार्य कर सकते हैं और बच्चे भी अपनी कल्पना से किसी भी चीज (सजीव/निर्जीव) का नाम ले सकते हैं।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

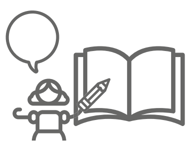

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ- 6 पर कार्य करने को कहें। (पाठ–6)
- बच्चों को कार्यपुस्तिका पर कार्य करने से संबंधित निर्देश दें। हो सकता है कि आपको एक से ज़्यादा बार भी निर्देश देने पड़ें।
- जब बच्चे कार्यपुस्तिका पर कार्य कर रहे हों तो कक्षा में घूम-घूम कर उनके कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य को दिखाने को कहें और उसकी प्रशंसा करें।
- इसके पश्चात आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। सप्ताह भर के कार्य को देखें और उनको हो रही असुविधा को समझने और उन्हें आवश्यक सहायता देने की योजना बनाएँ।

सप्ताह 1
दिवस 6

शब्दों को आकृति के रूप में पढ़ना।

कालांश ① ② ③ | पठन | 40 मिनट

गतिविधि : मेरा नाम

तैयारी और सामग्री

- कागज, मार्कर।
- कागज की बहुत सारे स्ट्रिप बनाएँ, हर स्ट्रिप पर अलग-अलग बच्चों के नाम बड़े-बड़े अक्षरों में लिखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- शिक्षक सभी बच्चों को गतिविधि में हिस्सा लेने का मौका दें।
- सभी बच्चों को अपना नाम पहचानने के लिए सहायता करें और प्रोत्साहन दें।

लोगोग्राफिक पठन

40 मिनट

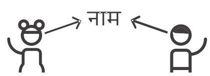

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- आप ज़मीन पर उन कागज की स्ट्रिप को फैला दें जिन पर बच्चों के नाम लिखे हैं।
- अब आप एक-एक कर सभी बच्चों का नाम बुलाएँ और उन्हें अपने नाम वाली स्ट्रिप को ढूँढने को कहें और साथ ही अपने किसी दोस्त का नाम बताने को कहें। इस दौरान सभी बच्चों को एक-दूसरे की बात सुनने को कहें।
- यदि बच्चों को अपने नाम की स्ट्रिप को ढूँढने में परेशानी हो रही है तो उनकी सहायता करें।
- आप बच्चों से अपना स्ट्रिप अपने साथ लेकर अपनी जगह पर बैठने को कहें।
- आखिर में सभी बच्चों से अपना चित्र अपनी कॉपी में बनाने को कहें और स्ट्रिप से देखकर अपना नाम भी लिखने को कहें।
- यहाँ बच्चे किसी भी तरह से (आढ़े-टेढ़े) लिख सकते हैं। बच्चों ने जो भी चित्र बनाया हो और जैसे भी अपना नाम लिखा है, उसे स्वीकार करें और उनका प्रोत्साहन करें।
- आप बच्चों को उनके नाम की स्ट्रिप अपने साथ घर ले जाने दे सकते हैं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे अपना नाम पहचान पाए थे?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले 1-2 दिन में उन्हें अपने नाम की पहचान करने के मौके देने का प्रयास करें।

कक्षा में बोलने और बात कहने के सलीके को समझना।

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- इस गतिविधि के लिए आवश्यक सामग्री पहले से तैयार रखें।
- अखबार, पेंट/रंग, इंक स्टैम्प, चार्टपेपर पर पेड़ की आकृति बनी हुई।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे इस गतिविधि में खुद को सहज महसूस करें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- गतिविधि की शुरुआत किसी कविता/बालगीत/कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 5-7 मिनट तक कार्य करें।
- आप बच्चों से चर्चा करें कि हम सब साथ में कार्य कर रहे हैं तो क्या कर सकते हैं, जिससे सभी की बातों को बराबरी से सुना जाए, सुरक्षित तरीके से कक्षा में व्यवहार किया जा सके और किसी भी दूसरे को हमारी बातों से बुरा ना लगे। सारी बातचीत इन तीनों बिंदुओं के इर्द-गिर्द बुनी जाए। बच्चों को अपने पीछे-पीछे निम्नलिखित वादों को दोहराने के लिए कहें :
  - मैं वादा करता/करती हूँ कि जब दूसरे बोल रहे होंगे तो मैं ध्यान से सुनूँगा/सुनूँगी।
  - मैं वादा करता/करती हूँ कि किसी भी गतिविधि के दौरान मैं अपनी बारी आने का इंतज़ार करूँगा/करूँगी।
  - मैं वादा करता/करती हूँ कि जब मुझे कुछ बोलना होगा तो पहले मैं अपना हाथ उठाऊँगा/उठाऊँगी।
- अब बच्चे अपने वादों की निशानी के रूप में पेड़ पर बारी-बारी से अपने अँगूठे की छाप बनाएँ। इसके लिए बच्चों को पेंट/ इंक स्टैम्प में अपने अँगूठों को डुबोकर/डालकर उन्हें पेड़ की आकृति वाले चार्ट पर छाप बनाने में सहायता दें। थोड़ी ही देर में उनके फिंगर प्रिंट्स पेड़ की पत्तियों जैसी दिखने लगेंगी।
- यह सुनिश्चित करें कि बच्चे अपने कपड़े या कक्षा को गंदा ना करें।
- इस गतिविधि में आप भी हिस्सा लें और पेड़ पर अपने वादों की छाप छोड़ें।
- अंत में चार्ट को कक्षा में चिपका/लटका दें।
- जब भी बच्चे इन वादों से हट कर कार्य करें, तो उन्हें उनके द्वारा किए गए वादों को याद कराते हुए, सुरक्षित एवं सौम्य तरीके से व्यवहार करने के लिए प्रेरित करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से अपनी पसंद का कोई चित्र बनाने को कहें।
- बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्र अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूम कर उनकी आपस की बातचीत को सुनें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- जो बच्चे गतिविधि में भाग नहीं ले रहे हैं, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

तुकांत शब्दों पर कार्य

कालांश: ① ② ③ डिकोडिंग 40 मिनट

तुकांत शब्द पहचानना व बनाना

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका–1 (2020–21)।
- तुकांत वाली छोटी कविताओं का चयन कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- तुकांत शब्दों को समझने के लिए बच्चों को पर्याप्त उदाहरण दें।
- बच्चों को कार्यपुस्तिका में कार्य करने के निर्देश उदाहरण सहित दें।

ध्वनि जागरूकता — 20–25 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप चलने–फिरने/उठने–बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- बच्चों को एक छोटी सी स्थानीय एवं प्रचलित कविता (4–6 पंक्ति) पूरे हाव–भाव और उतार चढ़ाव के साथ सुनाएँ।
- बच्चों का ध्यान कविता में आ रहे मिलते–जुलते शब्दों/तुकांत शब्दों पर केन्द्रित करें।
- आप इसी प्रकार से 3–4 छोटी–छोटी कविताओं से ये गतिविधि करवाएँ।
- आप आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा–1 (2020–21) पृष्ठ संख्या–25 से कविताएँ ले सकते हैं।
- आप इन कविताओं में से एक–एक कर कुछ शब्द बोलें और बच्चों को कविता से ही इसके तुकांत शब्दों की पहचान कर बताने को कहें।
- शुरुआत में आपको कुछ उदाहरण देने पड़ सकते हैं।

लेखन कार्य — 10–15 मिनट

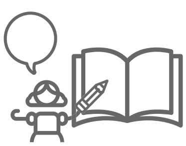

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ–7 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- कक्षा में घूम–घूम कर बच्चों के कार्य का अवलोकन करें।

पाठ–7

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने गतिविधि में प्रतिभागिता की और कार्यपुस्तिका पर कार्य किया?
- जिन बच्चों को कार्यपुस्तिका पर कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'हाथी और बकरी'
- शिक्षक बिग बुक की कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- सभी बच्चों की बातों को ध्यान से सुने और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- बिग बुक 'हाथी और बकरी' का मुख्य पृष्ठ सभी बच्चों को दिखाएँ और बिग बुक के मुख्य पृष्ठ में दिख रहे चित्र और कहानी के शीर्षक के बारे में बातचीत करें एवं अनुमान लगाने को कहें।
- बिग बुक के सभी पृष्ठों को एक-एक करके पलटते जाएँ और बच्चों से पृष्ठों पर बने चित्रों के आधार पर कहानी का अनुमान लगाने को कहें। बिग बुक का आदर्श रूप से पठन (उचित हाव-भाव, उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ) कम से कम 2-3 बार करें।
- बच्चों को यह भी समझने का मौका दें कि इस किताब के हर पृष्ठ पर जो चित्र बने हैं, वे कहानी में जो हो रहा है उससे संबंधित हैं। अंत में, बच्चों द्वारा चित्रों पर जो अनुमान लगाए गए थे, उन पर बातचीत करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या बच्चों ने कहानी समझी है? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

चित्र के बारे में अपनी भाषा में बात करना

कालांश 1 2 3 | मौखिक भाषा | 40 मिनट

चित्र पर चर्चा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र चार्ट: बाजार।
- चित्र चार्ट: बाजार को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें ।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिसका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

चित्र पर चर्चा - चित्र चार्ट बाजार

20-25 मिनट

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट दें।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र चार्ट देखने के लिए कहें।
- सभी बच्चे चित्र को देख पायें इसके लिए आप घूम कर सबको चित्र एक बार पुन: दिखाएँ ।
- इसके बाद आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/ घटनाओं/गतिविधियों के बारे में सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न पूछें। जैसे-
  - यह चित्र कहाँ का है?
  - चित्र में क्या हो रहा है?
- आप ऐसे 8-12 सवाल पूछ सकते हैं और हर प्रश्न पर 3-4 बच्चों की प्रतिक्रियाएँ ले सकते हैं। आप यह भी सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को कम-से-कम 2 बार बोलने के मौके अवश्य मिले हों।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों से खुले छोर (कल्पना, अनुमान, अनुभव, तर्क आधारित) वाले कुछ और प्रश्न करें। जैसे:
  - चित्र में जो गाय दिख रही है वो किसकी होगी?
  - क्या आप बाजार जाते हैं? किसके साथ जाते हैं, वहाँ क्या करते हैं?
- आप ऐसे 8-12 सवाल पूछ सकते हैं और हर प्रश्न पर 3-4 बच्चों की प्रतिक्रियाएँ ले सकते हैं।
- आप सभी बच्चों के उत्तरों को स्वीकार कर उनका प्रोत्साहन करें। बच्चों को अपने घर (क्षेत्रीय/मातृभाषा) की भाषा में बोलने के पर्याप्त मौके दें।

लेखन कार्य

10-15 मिनट

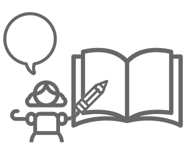

- आप बच्चों से चित्र पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें।
- आप बच्चों को उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर जोड़ों में आपस में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए 3-5 मिनट का समय दें।
- फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस चर्चा में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

तुकांत शब्दों पर कार्य

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।
- ऐसे 20–30 सरल, परिचित एवं परिवेशीय शब्दों का चयन जिससे बच्चे तुकांत शब्द बना सकें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चो को आपस में मिलकर कार्य करने के मौके दें और प्रोत्साहित करें।

गतिविधिः बोलो-बोलो, कौन है मिलता?

- कालांश की शुरुआत चलने-फिरने/ उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें।
- सभी बच्चों को गोल घेरे में बिठाएँ और बताएँ कि आप उनमें से किसी एक बच्चे को एक गेंद देंगे और ताली बजाएँगे। जब तक ताली बजती रहेगी तब तक बच्चे गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे।
- आप जब ताली बजाना बंद करेंगे उस समय गेंद जिस बच्चे के हाथ में होगी उसे बोलेंगे– बोलो–बोलो कौन है मिलता, गुब्बारे से कौन है मिलता? (बच्चे को गुब्बारे से कोई भी मिलता जुलता शब्द (अर्थपूर्ण या अर्थहीन) बनाने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप पहले 2–3 उदाहरण अवश्य दें।)
- हर एक शब्द पर 2–3 बच्चों से प्रतिक्रिया लें और इस गतिविधि को 20–30 शब्दों के साथ करवाएँ। सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को कम से कम 2–3 बार बोलने का मौका मिले।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ–8 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ–8

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- जिन बच्चों को गतिविधि करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

आदर्श वाचन एवं लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'हाथी और बकरी', चार्टपेपर।
- कहानी से बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों का चयन, कहानी के मुख्य शब्दों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- साझा/लोगोग्राफिक पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर करें। और कहानी को कम से कम 2 बार आदर्श रूप से और पूरे हाव-भाव, उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ शब्दों पर उँगली रखते हुए पढ़ें।
- एक बार फिर से कहानी पढ़ें। इस बार बच्चों को आपके साथ-साथ कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगहों पर रुकें जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2–3 बार दोहराएँ और कहानी पर आधारित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- अंत में, आप कहानी के कुछ मुख्य शब्दों को बोर्ड पर लिखें और इन्हें 3–4 बार पढ़ें और बच्चों से भी इन शब्दों के पठन का अभ्यास करवाएँ। इन शब्दों को बड़े-बड़े अक्षरों में चार्टपेपर पर लिखकर कक्षा की किसी दीवार पर उचित ऊँचाई पर लटका /चिपका दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या बच्चों ने कहानी समझी है? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 2
दिवस 3

चित्र के बारे में अपनी भाषा में बात करना

कालांश 1 2 3 | मौखिक भाषा | 40 मिनट

चित्र पर चर्चा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र चार्ट: बाजार।
- चित्र चार्ट: बाजार को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिसका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

चित्र पर चर्चा : चित्र चार्ट - बाजार

20–25 मिनट

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट दें।
- सभी बच्चों को एक गोल घेरे में बिठा लें ताकि वे एक-दूसरे को आसानी से देख सकें। पिछले दिन की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और नए बंद छोर और खुले छोर के प्रश्नों को पूछें।
- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान आप यह सुनिश्चित करें कि आप अधिक से अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछ रहे हैं।
- आप प्रश्न पूछें और बच्चों से जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें। आप बच्चों को यह निर्देश दें कि दोनों ही बच्चों को (प्रश्न का उत्तर) क्या लगता है, इस पर बात करनी है।
- जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो तब आप किन्हीं 2-3 बच्चों को अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें।
- कोशिश करें कि हर बच्चे को 1-2 बार पूरी कक्षा में अपने उत्तर को साझा करने के मौके मिले हों।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

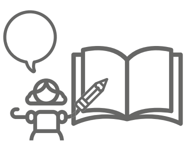

- आप बच्चों से चित्र चार्ट पर हुई चर्चा से जुड़ा चित्र बनाने को कहें।
- बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्र को अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूम कर उनकी आपस की बातचीत को सुनें।
- फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।
- बच्चों के द्वारा जैसा भी चित्र बनाया गया हो उसकी प्रशंसा करें। कक्षा की किसी दीवार पर बच्चों के कार्य को लटका/चिपका दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस चर्चा में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और उन्हें हो रही परेशानी को समझने और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करने की योजना बनाएँ।

तुकांत शब्दों पर कार्य

कालांश ① **②** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कागज की गेंद, कार्यपुस्तिका।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के मौके दें और प्रोत्साहित करें।
- गतिविधि के अंत तक यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को कम से कम 1-2 बार बोलने का मौका मिले।

गतिविधि: मेरा जैसा किसका नाम?

- कालांश की शुरुआत चलने-फिरने/ उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें।
- सभी बच्चों को गोल घेरे में बिठा लें और कहें - (उदाहरण)
- मेरा नाम मोहन, मेरे जैसा किसका नाम? (कक्षा में यदि आपके नाम से मिलता-जुलता किसी बच्चे का नाम होगा तो उसे हाथ उठाकर कहना होगा: 'मेरा नाम सोहन, आपके जैसा मेरा नाम।')
- अब आप कागज की गेंद को बच्चों के बीच घुमाएँ और ताली बजाएँ। जब तक ताली बजती रहेगी तब तक बच्चे गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे। जब आप ताली बजाना बंद करेंगे उस समय गेंद जिस बच्चे के हाथ में होगी उसे कहना होगा- (उदाहरण): 'मेरा नाम रीना, मेरे जैसा किसका नाम?'। इसी प्रक्रिया के अनुसार गतिविधि को आगे बढ़ाएँ।
- यदि किसी नाम से मिलता जुलता नाम कक्षा के किसी बच्चे का न हो तो उन्हें किसी दूसरे मिलते-जुलते नाम (अर्थपूर्ण या अर्थहीन) को बताने को कहें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-9 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-9

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है? जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

साझा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश ① ② **③**

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'हाथी और बकरी'।
- साझा पठन के लिए कहानी के उन बिन्दुओं का चयन करें, जहाँ बच्चे शब्द जोड़ पाएँ।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- साझा/लोगोग्राफिक पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहरान कुछ प्रश्नों को पूछकर और सरल चर्चा के द्वारा करें और फिर कहानी को 1 बार आदर्श रूप से पूरे हाव-भाव, उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ पढ़ें।
- इसके बाद बच्चों से आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगहों पर रुकें जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ।
- आप बच्चों से कहानी पर थोड़ी और बातचीत करें और खुले छोर के प्रश्न पूछें। बातचीत के लिए प्रश्न कुछ इस तरह से हो सकते हैं, जैसे-
- इस कहानी में आगे क्या हुआ होगा?, यदि तुम बकरी की जगह होते तो क्या करते?
- अंत में, पिछले दिन जो शब्द चार्टपेपर पर आपने लिखे थे, बच्चों से उन्हें पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे साथ में नहीं पढ़ पा रहे तो उन बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 2
दिवस 4

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- झोला, कक्षा कक्ष में उपलब्ध अलग-अलग सामग्री।
- गतिविधि के चरणों को भली प्रकार समझ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों के परिवेश से जुड़ी वस्तुएँ ही झोले में रखें।
- बच्चों को अपनी बात कहने में सहायता करें।

खेल : झोले से वस्तुएं निकालकर उसके बारे में बताना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने से के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत को पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप किसी झोले/बैग में अलग-अलग चीजें डाल लें। ये आस-पास, कक्षा में, या घर में उपलब्ध चीजें हो सकती हैं। जैसे- गिलास, पेन, मोबाइल, पेंसिल, शार्पनर, किताब, कोई उपलब्ध सब्जी आदि। झोले में कम-से-कम उतनी चीजें हों जितनी कक्षा में उपस्थित बच्चों की संख्या हो।
- अब एक-एक बच्चे को बुलाएँ और उनसे झोले में से एक चीज निकालने को कहें। फिर वह बच्चा उस चीज के बारे में 2-3 वाक्य बोलेगा। ये वाक्य उस चीज के बारे में हो सकते हैं, उससे जुड़े हुए उनके या किसी और के अनुभवों के बारे में हो सकते हैं।

लेखन कार्य

- हर बच्चे ने जो भी वस्तु निकाली हो, उसका चित्र बनाने को कहें और उसके बारे में कक्षा में सभी को बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चों को कक्षा में अपनी बात कहने में झिझक या असुविधा हो रही है तो आप उनसे अलग से बातचीत करें और इसके पीछे के कारण को समझने का प्रयास करें।

तुकांत शब्दों पर कार्य

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।
- 10-15 सरल, परिचित एवं परिवेशीय शब्दों का चयन जिससे बच्चे तुकांत शब्द बना सकें।

गतिविधि : लड़ी बनाओ

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी तुकांत वाली कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप बच्चों को छोटे-छोटे समूह (5-10 बच्चों का समूह) में बाँटें। बच्चों को निर्देश दें कि आप एक शब्द बोलेंगे और बच्चों को अपने-अपने समूह में बारी-बारी से उस शब्द से मिलता-जुलता शब्द बनाना है। उन्हें इसके उदाहरण दें।
- एक शब्द बोलने के बाद आप समूह कार्य के लिए 1-2 मिनट का समय दें। इस दौरान आप बारी-बारी से समूह कार्य का अवलोकन भी करें। यदि किसी समूह या कुछ बच्चों को सहायता की ज़रूरत हो, तो आप उनकी सहायता भी करें। इस गतिविधि को 10-15 सरल एवं परिचित शब्दों के साथ करें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को कार्यपुस्तिका में कार्य करने के निर्देश उदाहरण सहित दें।
- बच्चो को आपस में मिलकर कार्य करने के मौके दें और प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-10 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार से उनकी सहायता करें।

पाठ-10

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- जिन बच्चों को कार्यपुस्तिका पर कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

साझा पठन एवं पढ़ने का अभिनय

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'हाथी और बकरी'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- बच्चों द्वारा बिग बुक को पढ़ने की नकल करने के दौरान आप उनका प्रोत्साहन और प्रशंसा करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर करें। फिर बच्चों से आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगहों पर रुकें जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ।
- आप बच्चों से कहानी के चित्रों पर बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें। जिन कठिन/अपरिचित शब्दों पर आपने पिछले दिन कार्य किया था, उन पर आप फिर से बात करें। कुछ नए बच्चों को इन शब्दों से वाक्य बनाने का मौका दें।
- बाद में, कक्षा के 5-6 बच्चों को बुलाकर बिग बुक पढ़ने को कहें। यहाँ उद्देश्य बच्चों द्वारा बिग बुक को सही-सही पढ़ना नहीं है बल्कि प्रिंट को समझ पाना, किताब को सही तरह से पलटना, बाएँ से दाएँ पढ़ने की नकल करना है। बच्चे अपने मन से कुछ भी पढ़ सकते हैं, उन्हें टोकें नहीं ।
- आखिर में चार्टपेपर/बोर्ड पर लिखें हुए शब्दों को बच्चों से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे साझा पठन में हिस्सा नहीं ले रहे हों तो उन बच्चों की पहचान करें और उनसे अलग से बात करें और समझने का प्रयास करें कि उन्हें क्या परेशानी हो रही है?

सप्ताह 2
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3 | मौखिक भाषा | 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक पाठ 2 'मुर्गा और लोमड़ी'।
- पाठ 2 'मुर्गा और लोमड़ी' को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

20-25 मिनट

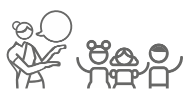

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट दें।
- सभी बच्चों को एक गोल घेरे में बिठा लें ताकि वे एक-दूसरे को आसानी से देख सकें।
- 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक से पाठ 2 'मुर्गा और लोमड़ी' कहानी अपने शब्दों में बच्चों को सुनाएँ। आप अपनी तरफ से भी कहानी में कुछ जोड़ या घटा (पात्र या घटना) सकते हैं।
- आप बच्चों को पूरे हाव-भाव और आवाज में उतार-चढ़ाव के साथ स्थानीय भाषा में कहानी सुनाएँ। बीच-बीच में आप बच्चों से कहानी से संबंधित सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। जैसे-
  - मुर्गा किसके डर से पेड़ पर बैठ था ?
  - पशु-पक्षियों में क्या हो गया था ? आदि
- इन प्रश्नों की संख्या पूरी कहानी में से 3-4 ही रखें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों ?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें। जैसे-
  - आप यदि मुर्गे की जगह होते तो लोमड़ी को भगाने के लिए क्या उपाय सोचते ?
  - शिकारी कुत्ते लोमड़ी के साथ क्या करते ? आदि।
- खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है। इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर देखने से बचें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

10-15 मिनट

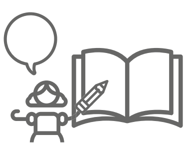

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने को कहें।
- बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्र अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूम कर उनकी आपस की बातचीत को सुनें।
- फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे ?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है।

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कागज की गेंद, कार्यपुस्तिका।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चो को आपस में मिलकर कार्य करने के मौके दें और प्रोत्साहित करें।
- गतिविधि के अंत तक यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को कम से कम 1-2 बार बोलने का मौका मिले।

गतिविधि : लड़ी बनाओ

- कालांश की शुरुआत छोटी तुकांत वाली कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- बच्चों को छोटे-छोटे समूह में (5-10 बच्चे) बाँटें और निर्देश दें कि हर समूह से एक-एक बच्चा बारी-बारी से आएगा और एक शब्द बोलेगा। सभी समूहों को पिछले दिन की ही तरह अपने-अपने समूहों में इस शब्द से मिलते जुलते शब्द बोलने हैं। आप इसके लिए बच्चों को एक उदाहरण भी दे सकते हैं।
- किसी बच्चे द्वारा एक शब्द बोलने के बाद आप बच्चों को समूह कार्य के लिए 1-2 मिनट का समय दें। इस दौरान आप बारी-बारी से समूह कार्य का अवलोकन भी करें। यदि किसी समूह या कुछ बच्चों को सहायता की आवश्यकता हो, तो आप उनकी सहायता भी करें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-11 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-11

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- जिन बच्चों को कार्यपुस्तिका में कार्य करने में परेशानी हो रही है। उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

शब्दों को आकृति के रूप में पढ़ना

कालांश ① ② ③ पठन 40 मिनट

गतिविधि : मेरी कक्षा

तैयारी और सामग्री

- चार्टपेपर।
- एक चार्टपेपर पर कक्षा-कक्ष के सामान्य संसाधनों के नाम को बड़े अक्षरों में लिखकर पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- शिक्षक सभी बच्चों को गतिविधि में हिस्सा लेने का मौका दें।
- सभी बच्चों को कक्षा के संसाधनों के नाम पहचानने के लिए सहायता करें और प्रोत्साहन दें।

लोगोग्राफिक पठन

40 मिनट

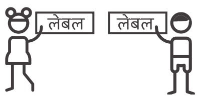

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- आप एक-एक करके कक्षा के 10-15 बच्चों का नाम बुलाएँ और उन्हें कक्षा में दिख रही वस्तुओं का नाम बताने को कहें। जैसे- बोर्ड, टेबल, कुर्सी, दरवाजा आदि।
- इस दौरान आप, बच्चों ने जिन चीजों के नाम बोले हैं, उन्हें बोर्ड पर लिखें।
- फिर, किसी भी बच्चे का नाम लें और उसे बोर्ड पर लिखे कक्षा-कक्ष के संसाधनों के नाम में से किसी भी एक चीज का नाम बोलें और वह बोर्ड पर कहाँ लिखा है, उसे पहचानने को कहें। यह प्रक्रिया सभी बच्चों के साथ किसी भी क्रम में करें।
- आखिर में जिस चार्टपेपर पर आपने कक्षा-कक्ष के सामान्य संसाधनों के नाम को लिखा है उसे कक्षा में चिपका/लटका दें।
- चार्टपेपर ऐसी जगह पर लगाएँ कि सभी बच्चे इसे देख सकें। आप खाली समय में बच्चों को इस चार्टपेपर पर लिखे नामों की पहचान करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया?
- यदि नहीं तो ऐसे बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 2
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ 4 'तालाब में चाँद'।
- पाठ 4 'तालाब में चाँद' को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक के पाठ 4 'तालाब में चाँद' कहानी अपने शब्दों में स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें। खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है, इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर देखने से बचें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

तुकांत शब्दों की पहचान

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के मौके दें और प्रोत्साहित करें।

ध्वनि जागरूकता

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी तुकांत वाली कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- दिवस 1 से 5 तक में की गई किसी भी गतिविधि को बच्चों के साथ फिर करवाएँ। आप अपने मन से भी तुकांत शब्दों को केंद्र में रखकर कोई गतिविधि करवा सकते हैं।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ- 12 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- इसके पश्चात आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

पाठ-12

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- जिन बच्चों को कार्यपुस्तिका में कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

शब्दों को आकृति के रूप में पढ़ना

कालांश ① ② ③ पठन 40 मिनट

गतिविधि : मेरी कक्षा

तैयारी और सामग्री

- कागज, मार्कर।
- कागज की बहुत सारे स्ट्रिप बनाएँ, हर स्ट्रिप पर कक्षा-कक्ष के सामान्य संसाधनों के नाम बड़े अक्षरों में लिखकर पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- शिक्षक सभी बच्चों को गतिविधि में हिस्सा लेने का मौका दें।
- सभी बच्चों को कक्षा के संसाधनों के नाम पहचानने के लिए सहायता करें और प्रोत्साहन दें।

लोगोग्राफिक पठन

40 मिनट

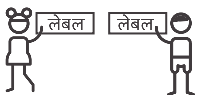

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- आप ज़मीन पर उन कागज की स्ट्रिप को फैला दें जिन पर कक्षा-कक्ष के संसाधन के नाम लिखे हैं।
- अब आप एक-एक कर सभी बच्चों का नाम बुलाएँ और उन्हें कोई भी एक स्ट्रिप उठाने और उसमें हुए लिखे हुए नाम को पहचानने को कहें।

  यदि बच्चों को स्ट्रिप पर लिखे हुए नाम को पढ़ने में परेशानी हो रही है तो उनकी सहायता करें।
- आखिर में सभी बच्चों को कक्षा-कक्ष में उपलब्ध किन्हीं 3 चीजों का चित्र बनाने को कहें और दीवार पर लटके/चिपके उनके नामों को पहचानकर, लिखने को कहें।
- यहाँ बच्चे किसी भी तरह से (आढ़े-टेढ़े) लिख सकते हैं। बच्चों ने जो भी चित्र बनाया हो और जैसे भी लिखा है, उसे स्वीकार करें और उनका प्रोत्साहन करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे कक्षा-कक्ष के संसाधनों के नाम को पहचान पाए थे?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले 1-2 दिन में उन्हें इन नामों की पहचान करने के मौके देने का प्रयास करें।

कहानी पर चर्चा और शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कहानी पोस्टर– पतंग और बकरी।
- बंद और खुले छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार करें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- जब बच्चे कहानी सुना रहे हों तो उनकी कमियाँ ना बताते हुए, उनका प्रोत्साहन करें।

कहानी पोस्टर पर कार्य

- कालांश की शुरुआत आप किसी कविता/बालगीत को हाव–भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5–7 मिनट का समय दें।
- अब आप बच्चों को कहानी पोस्टर 'पतंग और बकरी' दिखाएँ और कहानी के शीर्षक का अनुमान लगाने और चित्रों के माध्यम से कहानी के बारे में अनुमान लगाने के लिए कहें।
- फिर आप बच्चों को आवाज में उतार–चढ़ाव और हाव–भाव के साथ मौखिक रूप से 2 बार कहानी सुनाएँ। इस दौरान बच्चों का ध्यान बनाए रखने के लिए कुछ बंद छोर के प्रश्नों को पूछें।
- इसके बाद कहानी के बारे में उनकी राय पूछें कि उन्हें कहानी में क्या अच्छा लगा और क्यों? बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।
- इसके बाद कक्षा के 1–2 बच्चों से कहानी सुनाने को कहें।

लेखन कार्य

- बच्चों से कहानी से संबंधित कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहे। बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। किन्ही 2–3 बच्चों से अपने चित्रों कक्षा को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया?
- जिन बच्चों ने प्रतिभागिता की है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

वर्ण पहचान

कालांश ① **②** ③ | डिकोडिंग | 60 मिनट

‘क’ वर्ण पहचान

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड, चाक, ‘पंखुड़ी’: पाठ 2: मुर्गा और लोमड़ी, कार्यपुस्तिका।
- ‘क’ से शुरू होने वाले कुछ सरल शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

‘क’ वर्ण पहचान पर कार्य

35–40 मिनट

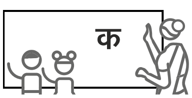

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- ‘क’ से बनने वाले किसी परिचित शब्द (जैसे- कलश) की आवाज़ों को तोड़कर-जोड़कर बोलें। उदाहरण: (कलश – /क/ /ल/ श/), (/क/ /ल/ /श/ – कलश) और बच्चों का ध्यान पहली आवाज़ पर केन्द्रित करें। 2-3 स्थानीय शब्दों के साथ भी इसे दोहराएँ।
- ‘कलश’ को बोर्ड पर लिखें और उसकी पहली आवाज के प्रतीक पर गोला लगाएँ।
- फिर ‘क’ को अलग से बोर्ड पर बड़े आकार में लिखें और 3-4 बार इसका उच्चारण करें। बच्चों से ‘क’ की आवाज से शुरू होने वाले कुछ और शब्दों को पूछें। इसके लिए आप कक्षा के उन बच्चों को हाथ उठाने को भी कह सकते हैं जिनका नाम ‘क’ से शुरू होता है। इन शब्दों को बोर्ड पर बारी-बारी से लिखें। कुछ दूसरे बच्चों को बुलाकर इन शब्दों के ‘क’ वर्ण पर गोला लगवाएँ।
- कुछ नए बच्चों को बुलाएँ और कक्षा में प्रदर्शित प्रिंट सामग्रियों में ‘क’ वर्ण ढूँढ़ने को कहें।
- फिर, 5-7 बच्चों के छोटे-छोटे समूह बना दें और ‘पंखुड़ी’: पाठ 2 – मुर्गा और लोमड़ी (पृष्ठ संख्या 11-12) पर ‘क’ वर्ण पहचानकर गोला लगाने को कहें। सभी बच्चे अपनी-अपनी किताब में यह कार्य करेंगे। जब बच्चे यह कार्य कर रहे हों, तब आप घूम-घूम कर उनके कार्य का अवलोकन करें।
- अब अलग-अलग तरीकों द्वारा बच्चों से ‘क’ वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ (कार्यपुस्तिका में कार्य करने से पहले)। जैसे- अपनी उँगली से हवा में लिखना, ज़मीन या रेत पर लिखना, आदि।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

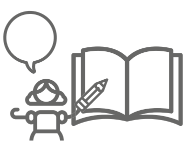

- सभी बच्चों कार्यपुस्तिका से पाठ-13 पर कार्य करने को कहें और आवश्यक सहायता करें
- आप बच्चों के कार्य का अवलोकन घूम-घूम कर करें।

पाठ-13

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभागिता की और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रिंट से परिचय

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'माँ और बच्चे'।
- बिग बुक की कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- सभी बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- बिग बुक का मुख्य पृष्ठ सभी बच्चों को दिखाएँ और बिग बुक के मुख्य पृष्ठ में दिख रहे चित्र और कहानी के शीर्षक के बारे में बातचीत करने एवं अनुमान लगाने को कहें।
- बिग बुक के सभी पृष्ठों को एक-एक करके पलटते जाएँ और बच्चों से पृष्ठों पर बने चित्रों के आधार पर कहानी का अनुमान लगाने को कहें। बिग बुक का आदर्श रूप से पठन (उचित हाव-भाव, उतार- चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ) कम से कम 2-3 बार करें।
- बच्चों को यह भी समझने का मौका दें कि इस किताब के हर पृष्ठ पर जो चित्र बने हैं, वे कहानी में जो हो रहा हैं उससे संबंधित है। अंत में, बच्चों द्वारा चित्रों पर जो अनुमान लगाए गए थे उन पर बातचीत करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है? यदि नहीं तो ऐसे बच्चों की पहचान करें, जिनको कहानी समझ में न आई हो और अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 3
दिवस 2

चित्र के बारे में अपनी भाषा में बात करना

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र चार्ट: घर परिवार।
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिसका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र चार्ट देखने के लिए कहें। आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/ घटनाओं/ गतिविधियों के बारे में सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न पूछें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों से खुले छोर (कल्पना, अनुमान, अनुभव, तर्क आधारित) वाले कुछ और प्रश्न करें।
- बच्चों को अपने घर (क्षेत्रीय/मातृभाषा) की भाषा में बोलने के पर्याप्त मौके दें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों से जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभागिता नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

वर्ण पहचान

कालांश ① ② ③ | डिकोडिंग | 60 मिनट

'क' वर्ण पहचान

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड, चॉक, सहज 3: पाठ-2 सर्र सर्र सर्र, कार्यपुस्तिका।
- 'क' से शुरू होने वाले कुछ सरल शब्दों की सूची बना कर रख लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'क' वर्ण पहचान

35-40 मिनट

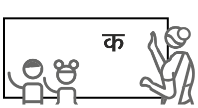

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी से स्थानीय कविता बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- कक्षा के सभी बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और स्वयं भी बैठें।
- आप किसी परिचित शब्द (जैसे- कल) की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें। जैसे (/क/ /ल/) = कल (कल = (/क/ /ल/) और पहली आवाज /क/ को अलग करें। इस प्रक्रिया को 3-4 सरल एवं परिचित शब्दों के साथ करें।
- आप 'कल' को बोर्ड पर लिखें और उसकी पहली आवाज के प्रतीक पर घेरा लगाएँ।
- फिर 'क' को अलग से बोर्ड पर बड़े आकार में लिखें और 3-4 बार इसका उच्चारण करें। 6-7 बच्चों से उनके ऐसे किसी एक दोस्त का नाम बोलने को कहें जिनका नाम 'क' से शुरू होता हों और इन नामों को बोर्ड पर लिखें। फिर कुछ बच्चों को बुलाकर इन शब्दों के 'क' वर्ण पर गोला लगवाएँ। आप भी कुछ ऐसे नाम बोर्ड पर लिखें जिनमें 'क' आता हो।
- आज कुछ नए बच्चों को मौका दें, जिन्हें पहले दिन कम मौके मिले थे या मौके नहीं मिले थे।
- कुछ अन्य बच्चों को बुलाएँ और कक्षा में प्रदर्शित प्रिंट सामग्रियों में 'क' वर्ण ढूँढने को कहें।
- फिर 5-7 बच्चों के छोटे छोटे समूह बना दें और सहज 3: पाठ-2 सर्र सर्र सर्र (पृष्ठ संख्या 2-3) में 'क' वर्ण को खोजकर गोला लगाने को कहें। सभी बच्चे अपनी-अपनी किताब में यह कार्य करेंगे। जब बच्चे यह कार्य कर रहे हों, तब आप घूम-घूम कर उनके कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।
- अब अलग-अलग तरीकों द्वारा बच्चों से 'क' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ (कार्यपुस्तिका में कार्य करने से पहले)। जैसे- अपनी उँगली से हवा में लिखना, ज़मीन या रेत पर लिखना, आदि।

लेखन कार्य

10-15 मिनट

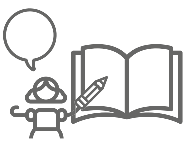

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका से पाठ-14 पर कार्य करने को कहें और आवश्यक सहायता करें।
- आप बच्चों के कार्य का अवलोकन घूम-घूमकर करें।

पाठ-14

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभागिता की और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

आदर्श वाचन एवं लोगोग्राफिक पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'माँ और बच्चे'।
- कहानी से बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों का चयन, कहानी के मुख्य शब्दों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- साझा/लोगोग्राफिक पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर करें। कहानी को कम से कम 2 बार आदर्श रूप से, पूरे हाव-भाव, उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ शब्दों पर उँगली रखते हुए पढ़ें।
- एक बार फिर से कहानी पढ़ें। इस बार बच्चों को आपके साथ-साथ कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगहों पर रुकें जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ और कहानी पर आधारित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- अंत में, आप कहानी के कुछ मुख्य शब्दों को बोर्ड पर लिखें और इन्हें 3-4 बार पढ़ें। बच्चों से इन शब्दों के पठन का अभ्यास करवाएँ। इन शब्दों को बड़े-बड़े अक्षरों में चार्टपेपर पर लिख दें और कक्षा की किसी दीवार पर उचित ऊँचाई पर लटका /चिपका दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या बच्चों ने कहानी समझी है? यदि नहीं तो ऐसे बच्चों की पहचान करें, जिनको कहानी समझ में न आई हो और अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 3
दिवस 3

चित्र के बारे में अपनी भाषा में बात करना

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र चार्ट: घर परिवार।
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिसका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव सहित गाएँ।
- सभी बच्चों को एक गोल घेरे में बिठा लें और पिछले दिन की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें। चर्चा को आगे बढ़ाएँ और नए बंद छोर और खुले छोर के प्रश्नों को पूछें।
- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान आप यह सुनिश्चित करें कि आप अधिक से अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछ रहे हैं।
- आप प्रश्न पूछें और बच्चों से जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें। आप बच्चों को निर्देश दें कि दोनों ही बच्चों को (प्रश्न का उत्तर) क्या लगता है, इस पर बात करनी है।
- जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो तब आप किन्हीं 2-3 बच्चों से अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें। कोशिश करें कि हर बच्चे को 1-2 बार पूरी कक्षा में अपने उत्तर साझा करने के मौके मिले हों।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चित्र पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों से जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3–4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया ?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस चर्चा में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और उन्हें हो रही परेशानी को समझने और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करने की योजना बनाएँ।

वर्ण पहचान

कालांश ① ② ③ | डिकोडिंग | 60 मिनट

'र' वर्ण पहचान

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड, चाक, 'पंखुड़ी': पाठ 9 : वाराणसी की यात्रा, कार्यपुस्तिका।
- 'र' से शुरू होने वाले कुछ सरल शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'र' वर्ण पहचान

35–40 मिनट

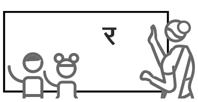

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी से स्थानीय कविता बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- 'र' से शुरू होने वाले किसी परिचित शब्द (जैसे- रजनी) की आवाज़ों को तोड़कर-जोड़कर बोलें। उदाहरण: (रजनी – /र/ /ज/ नी/), /र/ /ज/ नी/– रजनी) और बच्चों का ध्यान पहली आवाज़ पर केन्द्रित करें। 2-3 अन्य शब्दों के साथ भी इसे दोहराएँ।
- 'रजनी' को बोर्ड पर लिखें और उसकी पहली आवाज के प्रतीक पर गोला लगाएँ।
- फिर 'र' को अलग से बोर्ड पर बड़े आकार में लिखें और 3-4 बार इसका उच्चारण करें। बच्चों से 'र' की आवाज से शुरू होने वाले कुछ और शब्दों को पूछें। इसके लिए आप कक्षा के उन बच्चों से हाथ उठाने को भी कह सकते हैं जिनका नाम 'र' से शुरू होता है। इन शब्दों को बोर्ड पर बारी-बारी से लिखें। कुछ दूसरे बच्चों को बुलाकर इन शब्दों के 'र' वर्ण पर गोला लगवाएँ।
- कुछ नए बच्चों को बुलाएँ और कक्षा में प्रदर्शित प्रिंट सामग्रियों में 'र' वर्ण ढूँढने को कहें।
- फिर 5-7 बच्चों के छोटे-छोटे समूह बना दें और 'पंखुड़ी': पाठ 9: वाराणसी की यात्रा (पृष्ठ संख्या 34) में 'र' वर्ण को खोजकर गोला लगाने को कहें। सभी बच्चे अपनी-अपनी किताब में यह कार्य करेंगे। जब बच्चे यह कार्य कर रहें हों, तब आप घूम-घूम कर उनके कार्य का अवलोकन करें।
- अब अलग-अलग तरीकों द्वारा बच्चों से 'र' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ (कार्यपुस्तिका में कार्य करने से पहले)। जैसे- अपनी उँगली से हवा में लिखना, ज़मीन या रेत पर लिखना आदि।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

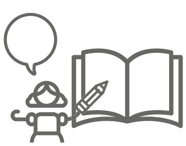

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-15 पर कार्य करने को कहें और आवश्यक सहायता करें।
- आप बच्चों के कार्य का अवलोकन घूम-घूमकर करें।

पाठ-15

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साझा पठन और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'माँ और बच्चे'।
- साझा पठन के लिए कहानी के उन बिन्दुओं का चयन करें, जहाँ बच्चे शब्द जोड़ पाएँगे।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- साझा पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर और सरल चर्चा के द्वारा करें और कहानी को 1 बार आदर्श रूप से पूरे हाव-भाव, उतार- चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ पढ़ें।
- इसके बाद बच्चों को आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगहों पर रुकें जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ।
- आप बच्चों से कहानी पर थोड़ी और बातचीत करें और खुले छोर के प्रश्न पूछें। अंत में, पिछले दिन जो शब्द चार्टपेपर पर आपने लिखे थे, बच्चों को उन्हें पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे आपके साथ-साथ पढ़ पा रहे थे? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 3
दिवस 4

अपने दोस्त के बारे में अच्छे विचार साझा करना।

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कागज की गेंद।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को बोलने के लिए प्रोत्साहित करें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- गतिविधि की शुरुआत किसी कविता/बालगीत/कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 5-7 मिनट तक कार्य करें।
- आप बच्चों को बताएँ कि इस गतिविधि में सभी बच्चे अपने किसी एक दोस्त की एक अच्छी बात सभी को बताएँगे।
- बच्चों को यह भी बताएँ कि कागज की गेंद उस बच्चे की हाथ में रहेगी जो बच्चा अपने किसी दोस्त के बारे में अच्छी बात बता रहा है। फिर वो किसी भी दूसरे बच्चे की तरफ गेंद उछालेगा और अब उस बच्चे को अपने किसी दोस्त की अच्छी बात को बताना होगा।
- इसके लिए सबसे पहले आप सभी बच्चों के बारे में (एक समूह की तरह, व्यक्तिगत रूप से नहीं) कुछ अच्छी बातें करें। जैसे- मुझे आप लोगों के बारे में यह एक बात सबसे अच्छी लगती है कि आप सब अपना कार्य समय से पूरा करते हैं आदि।
- यह बातचीत तब तक चलेगी जब तक सभी बच्चों को अपनी बात कहने का मौका नहीं मिल जाता।
- आप इस बात का विशेष ध्यान रखें कि इस गतिविधि में यदि किसी या कुछ बच्चों के बारे में कोई बातचीत नहीं हुई है तो अंत में उनके बारे में अवश्य ही बातचीत करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से अपने किसी दोस्त का चित्र बनाने, उसको सभी को दिखाने और उसके बारे में 1–2 बातें बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- बच्चों को गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। जिन बच्चों को गतिविधि में भाग लेने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

वर्ण पहचान

कालांश ① ② ③ | डिकोडिंग | 60 मिनट

'र' वर्ण पहचान

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड, चाक, सहज 3: पाठ-7 'गौरेया फुर्र', कार्यपुस्तिका।
- 'र' से शुरू होने वाले कुछ सरल शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'र' वर्ण पहचान

35-40 मिनट

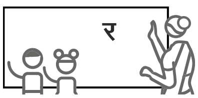

- कालांश की शुरुआत आप एक छोटी स्थानीय कहानी बच्चों के साथ हाव-भाव सहित सुनाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप कक्षा के सभी बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और स्वयं भी बैठें।
- आप किसी परिचित शब्द (जैसे- रतन) की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें। जैसे (/र/ /त/ /न/) - रतन (रतन - (/र/ /त/ /न/) और पहली आवाज /र/ को अलग करें। इस प्रक्रिया को 3-4 सरल एवं परिचित शब्दों के साथ करें।
- आप 'रतन' को बोर्ड पर लिखें और उसकी पहली आवाज के प्रतीक पर घेरा लगाएं।
- फिर 'र' को अलग से बोर्ड पर बड़े आकार में लिखें और 3-4 बार इसका उच्चारण करें। 6-7 बच्चों से उनके किसी एक ऐसे दोस्त का नाम बोलने को कहें जिसका नाम 'र' से शुरू होता हों और इन नामों को बोर्ड पर लिखें। फिर कुछ बच्चों को बुलाकर इन शब्दों के 'र' वर्ण पर गोला लगवाएँ। आप भी अपने कुछ मित्रों के नाम बोर्ड पर लिखें जिनमें 'र' आता हो।
- आज कुछ नए बच्चों को मौका दे, जिन्हें पहले दिन कम या मौके नहीं मिले थे।
- कुछ अन्य बच्चों को बुलाएँ और कक्षा में प्रदर्शित प्रिंट सामग्रियों में 'र' वर्ण ढूँढने को कहें।
- फिर 5-7 बच्चों के छोटे छोटे समूह बना दें और सहज 3: पाठ-7 'गौरेया फुर्र' में 'र' वर्ण को खोजकर गोला लगाने को कहें। सभी बच्चे अपनी-अपनी किताब में यह कार्य करेंगे। जब बच्चे यह कार्य कर रहें हों, तब आप घूम-घूम कर उनके कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।
- अब अलग-अलग तरीकों द्वारा बच्चों से 'र' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ (कार्यपुस्तिका में कार्य करने से पहले)। जैसे- अपनी उँगली से हवा में लिखना, ज़मीन या रेत पर लिखना, आदि।

लेखन कार्य

10-15 मिनट

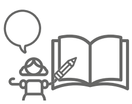

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-16 पर कार्य करने को कहें और आवश्यक सहायता करें।
- आप बच्चों के कार्य का अवलोकन घूम-घूमकर करें।

पाठ-16

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साझा पठन एवं पढ़ने का अभिनय

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'माँ और बच्चे'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- बच्चों द्वारा बिग बुक को पढ़ने की नकल करने के दौरान आप उनका प्रोत्साहन और प्रशंसा करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहरान कुछ प्रश्नों को पूछकर करें। फिर बच्चों को आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगहों पर रुकें जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ।
- आप बच्चों से कहानी पर बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें। जिन कठिन/अपरिचित शब्दों पर आपने पिछले दिन कार्य किया था, उन पर आप फिर से बात करें। कुछ नए बच्चों को इन शब्दों से वाक्य बनाने का मौका दें।
- बाद में, कक्षा के 5-6 बच्चों को बुलाकर बिग बुक पढ़ने को कहें। अंत में चार्टपेपर/बोर्ड पर लिखे हुए शब्दों को बच्चों से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे साझा पठन में हिस्सा ले पा रहे थे? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उनसे अलग से बात करें और समझने का प्रयास करें कि उन्हें क्या परेशानी हो रही है?

सप्ताह 3
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ 16 'घुमक्कड़ तारक'।
- पाठ 16 'घुमक्कड़ तारक' को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- 'पंखुड़ी' से पाठ 16 'घुमक्कड़ तारक' कहानी अपने शब्दों में / स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें। खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है। इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर देखने से बचें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि उन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

वर्ण पहचान

कालांश ① ② ③ | डिकोडिंग | 60 मिनट

गतिविधि : पहले लाओ - टीम जिताओ

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, 'क' और 'र' वर्ण लिखे 3-3 अक्षर कार्ड, और 20-25 अन्य वर्ण लिखे हुए अक्षर कार्ड।
- 'क' और 'र' वर्ण से शुरू होने वाले 3-3 अक्षर कार्ड और अन्य वर्णों के 20-25 अक्षर कार्ड बनाकर रख लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'क' और 'र' वर्ण पहचान - पुनरावृत्ति

35-40 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप एक छोटी स्थानीय कहानी बच्चों के साथ हाव-भाव सहित सुनाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- सबसे पहले आप कक्षा के बोर्ड पर एक ओर बड़े आकार में 'क' और 'र' अक्षर लिख दें।
- फिर आप बच्चों को उनके पूर्व ज्ञान से जोड़ते हुए 'क' और 'र' ध्वनि से शुरू होने वाले कुछ शब्द बताने को कहें।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम एक गतिविधि करेंगे जिसमे सभी बच्चों को 2 टीमों में बाँटा जाएगा। दोनों टीमें एक-दूसरे के सामने खड़ी हो जाएँगी। और बीच में कुछ अक्षर कार्ड उलटे करके रखे होंगे। जिन पर कुछ वर्ण लिखे होंगे।
- जब आप इशारा करेंगे तब दोनों टीमों में से 1-1 बच्चा अक्षर कार्ड के ढेर के पास आकर गोल चक्कर लगाने लगेंगे।
- कुछ देर बाद आप बोलेंगे मुझे चाहिए 'क', तब दोनों बच्चे अक्षर कार्ड के ढेर में से 'क' का अक्षर कार्ड खोज कर आपको लाकर देंगे। जो बच्चा पहले लेकर आएगा उसकी टीम को 1 अंक दिया जाएगा।
- बच्चे सही वर्ण लाए हैं या नही इसकी जाँच शिक्षक बाकी के बच्चों से ही करवाएँ।
- इसी प्रकार 'र' वर्ण के साथ भी ये कार्य होगा और यह प्रक्रिया तब तक चलती रहेगी जब तक सभी बच्चों को मौका न मिल जाए।
- गतिविधि के दौरान सही कार्ड लाने वाले सभी बच्चों के लिए ताली बजवाएँ लेकिन अंक पहले सही लाने वाले बच्चे की टीम को मिलेगा।
- इस दौरान शिक्षक उन बच्चों की पहचान कर लें जिनको अभी तक 'क' और 'र' वर्ण की पहचान न हुई हो और अगले कालांश में उनके साथ मिलकर वर्ण पहचान पर कार्य करें।

लेखन कार्य

10-15 मिनट

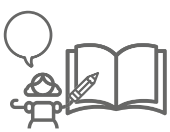

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-17 पर कार्य करने को कहें और आवश्यक सहायता करें
- आप बच्चों के कार्य का अवलोकन घूम-घूमकर करें।

पाठ-17

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शब्दों को आकृति के रूप में पढ़ना

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- चार्टपेपर, मार्कर।
- एक चार्टपेपर पर अब तक उपयोग में लाई गई बिग बुक (शेर की गुफा, हाथी और बकरी और माँ और बच्चे) के मुख्य शब्दों को लिख लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- शिक्षक सभी बच्चों को गतिविधि में हिस्सा लेने का मौका दें।
- सभी बच्चों को लिखित शब्दों को पहचानने में सहायता करें और प्रोत्साहन दें।

लोगोग्राफिक पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और अब तक उपयोग में लाई गई बिग बुक (शेर की गुफा, हाथी और बकरी और माँ और बच्चे) बच्चों को दिखाएँ और उनके शीर्षक, मुख्य पात्रों के नाम एक-एक करके बच्चों से पूछें, बच्चों के द्वारा बताए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखते जाएँ।
- फिर, किसी भी बच्चे का नाम लें और उसे बोर्ड पर लिखे शब्दों में से कोई एक शब्द बोलें और वह शब्द बोर्ड पर कहाँ लिखा है, बच्चे से पहचानने को कहें। यह प्रक्रिया सभी बच्चों के साथ किसी भी क्रम में करें।
- अंत में जिस चार्टपेपर पर आपने बिग बुक के मुख्य शब्दों को लिखा है उसे कक्षा में चिपका/लटका दें। इसे ऐसी जगह पर लगाएँ जहाँ से सभी बच्चे इसे आसानी से देख सकें। खाली समय में बच्चों को इस चार्टपेपर पर लिखे नामों की पहचान करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे गतिविधि में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

सप्ताह 3
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ 5 – साहसी सीमा।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों की 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक से पाठ-5 'साहसी सीमा' कहानी अपने शब्दों में / स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछे कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें। खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है। इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर देखने से बचें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि उन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

साप्ताहिक आकलन

कालांश 1 2 3 | डिकोडिंग | 80 मिनट

आकलन और रेमेडियल कार्य

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड, चॉक, कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

80 मिनट

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 13 से 17 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक में दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- इस कार्य को करने में आप बच्चों की सहायता न करें बल्कि उनका प्रोत्साहन करें।
- बच्चों द्वारा सही तरह से पहचाने गए वर्णों/ अक्षरों/ शब्दों पर एक छोटा सा निशान लगा दें और उपयुक्त जगह में उनके द्वारा प्राप्त किए गए अंक लिख दें।
- यदि कोई बच्चा एक भी वर्ण/अक्षर/शब्द सही तरीके से नहीं पढ़ पा रहा हो तो उसके आकलन-पत्रक में (0) अंक देने के स्थान पर (-) का चिन्ह लगा दें।
- प्रत्येक बच्चे के साथ आकलन-पत्रक पर कार्य करने के पश्चात आप उन्हें अपने स्थान पर जाकर बैठने के लिए कहें और 'देखकर/सुनकर लिखो' वाली गतिविधि करने को कहें। 'सुनकर लिखो' वाली गतिविधि, आप सभी बच्चों के द्वारा आकलन-पत्रक पर कार्य पूरा कर लेने के बाद एकसाथ करवाएँ।
- आकलन के परिणाम के अनुसार जिन बच्चों के अंक 50% से कम हों, उनको आप अलग समूह में बिठा लें और उनके साथ मिलकर आवश्यकतानुसार पुनरावृत्ति करें।
- शेष बच्चों से आप आकलन पत्रक के खाली स्थान पर कुछ लिखने/बनाने को कहें या कक्षा में उपलब्ध किताबें पढ़ने को दें। कालांश के अंत के 5-10 मिनट में इन बच्चों से बात करें कि उन्होंने क्या पढ़ा/लिखा या बनाया है।
- इसके पश्चात आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार वर्ण/अक्षर/शब्द की पहचान ठीक से नहीं कर पा रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 4
दिवस 1

विद्यालय के माहौल में सहज करना एवं शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी', पाठ- 8 'अगर पेड़ भी चलते होते' - कविता।
- अलग-अलग श्रेणियों (थीम) से जुड़े नामों का चयन, पाठ-8 की कविता को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- बच्चों को अपनी भाषा में अलग-अलग श्रेणियों से जुड़े नामों को बताने के लिए प्रोत्साहित करें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव : गतिविधि: ओला-ओला बम का गोला

- 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक, पाठ- 8 से 'अगर पेड़ भी चलते होते' कविता पूरे हाव-भाव और उतार-चढ़ाव के साथ करवाएँ।
- आप बच्चों से गोले में बैठने को कहें और 'ओला-ओला' बोलें। बच्चे आपके बाद 'बम का गोला' बोलेंगे। फिर, आप 'मैंने बोला- सब्जियाँ' बोलें। इसके बाद बच्चों से बारी-बारी से सब्जियों के नाम बोलने को कहें।
- यह गतिविधि आप अलग-अलग श्रेणियों के साथ करें। जैसे- फलों/ जानवरों/ पक्षियों के नाम, लाल/नीले रंगों की चीजें, रसोई/बाजार/खेत की चीजें आदि।

लेखन कार्य

- आप सभी बच्चों से अपनी पसंद की किसी भी सब्जी का चित्र बनाने को कहें। आप बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें। किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र को सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- जिन बच्चों ने गतिविधि में हिस्सा नहीं लिया, उन्हें थोड़े और मौके दें और अगले कालांश से उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका।
- 'न' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'न' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- 'न' से बनने वाले 3-4 परिचित शब्दों की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें और बच्चों का ध्यान पहली ध्वनि पर केन्द्रित करें। फिर 'न' को बोर्ड पर लिखें और 3-4 बार इसका उच्चारण करें। बच्चों से 'न' की आवाज से शुरू होने वाले कुछ और शब्दों को पूछें, बोर्ड पर लिखें और कुछ दूसरे बच्चों को बुलाकर इन शब्दों के 'न' वर्ण पर गोला लगवाएँ।
- कुछ नए बच्चों को बुलाएँ और कक्षा में प्रदर्शित प्रिंट सामग्रियों में 'न' वर्ण ढूँढने को कहें। फिर बच्चों के छोटे समूह बना दें और पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पाठ 13 'सीख' में 'न' वर्ण को खोजकर गोला लगाने को कहें।
- अलग-अलग तरीकों से 'न' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 18 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-18

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रिंट से परिचय

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'मुर्गी के तीन चूज़े'।
- शिक्षक बिग बुक की कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- सभी बच्चों की बातों को ध्यान से सुने और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- बिग बुक का मुख्य पृष्ठ सभी बच्चों को दिखाएँ और बिग बुक के मुख्य पृष्ठ में दिख रहे चित्र और कहानी के शीर्षक के बारे में बातचीत करने एवं अनुमान लगाने को कहें।
- बिग बुक के सभी पृष्ठों को एक-एक करके पलटते जाएँ और बच्चों से पृष्ठों पर बने चित्रों के आधार पर कहानी का अनुमान लगाने को कहें। बिग बुक का आदर्श रूप से पठन (उचित हाव-भाव, उतार- चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ) कम से कम 2-3 बार करें।
- बच्चों को यह भी समझने का मौका दें कि इस किताब के हर पृष्ठ पर जो चित्र बने हैं, वे कहानी में जो हो रहा है उससे संबंधित है। अंत में, बच्चों द्वारा चित्रों पर जो अनुमान लगाए गए थे उन पर बातचीत करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या बच्चों ने कहानी समझी है? यदि नहीं तो ऐसे बच्चों की पहचान करें जिनको कहानी समझ में नहीं आई। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 4
दिवस 2

चित्र के बारे में अपनी भाषा में बात करना

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र चार्ट: खेल।
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिसका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

चित्र पर चर्चा - चित्र चार्ट : खेल

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र चार्ट देखने के लिए कहें। आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/ घटनाओं/ गतिविधियों के बारे में सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न पूछें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों से खुले छोर (कल्पना, अनुमान, अनुभव, तर्क आधारित) वाले कुछ और प्रश्न करें।
- बच्चों को अपने घर (क्षेत्रीय/मातृभाषा) की भाषा में बोलने के पर्याप्त मौके दें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों से जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3–4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

वर्ण पहचान

कालांश 1 **2** 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका।
- 'म' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'म' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- 'म' से बनने वाले 3–4 परिचित शब्दों की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें और बच्चों का ध्यान पहली ध्वनि पर केन्द्रित करें। फिर 'म' को बोर्ड पर लिखें और 3–4 बार इसका उच्चारण करें। बच्चों से 'म' की आवाज से शुरू होने वाले कुछ और शब्दों को पूछें, बोर्ड पर लिखें और कुछ दूसरे बच्चों को बुलाकर इन शब्दों के 'म' वर्ण पर गोला लगवाएँ।
- कुछ नए बच्चों को बुलाएँ और कक्षा में प्रदर्शित प्रिंट सामग्रियों में 'म' वर्ण ढूंढने को कहें। फिर बच्चों के छोटे समूह बना दें और पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पाठ 13 'सीख' में 'म' वर्ण खोजकर गोला लगाने को कहें।
- अलग-अलग तरीकों से 'म' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 19 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ–19

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

आदर्श वाचन और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 **3**

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'मुर्गी के तीन चूज़े'।
- कहानी से बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों का चयन, कहानी के मुख्य शब्दों का चयन।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर करें। कहानी को कम से कम 2 बार आदर्श रूप से, पूरे हाव-भाव, उतार- चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ शब्दों पर उँगली रखते हुए पढ़ें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- साझा पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

- एक बार फिर से कहानी पढ़े। इस बार बच्चों को आपके साथ-साथ कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगहों पर रुकें जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ और कहानी पर आधारित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- अंत में, आप कहानी के कुछ मुख्य शब्दों को बोर्ड पर लिखें और इन्हें 3-4 बार पढ़ें। बच्चों से इन शब्दों के पठन का अभ्यास करवाएँ। इन शब्दों को बड़े-बड़े अक्षरों में लिख दें और कक्षा की किसी दीवार पर उचित ऊँचाई पर लटका/चिपका दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या बच्चों ने कहानी समझी है ?, यदि नहीं तो ऐसे बच्चों की पहचान करें जिनको कहानी समझ में नहीं आई। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 4
दिवस 3

चित्र के बारे में अपनी भाषा में बात करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र चार्ट: खेल।
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिसका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

चित्र पर चर्चा - चित्र चार्ट : खेल

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव सहित गाएँ।
- सभी बच्चों को एक गोल घेरे में बिठा लें और पिछले दिन की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें। चर्चा को आगे बढ़ाएँ और नए बंद छोर और खुले छोर के प्रश्नों को पूछें।
- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान आप यह सुनिश्चित करें कि आप अधिक से अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछ रहे हैं।
- आप प्रश्न पूछें और बच्चों से जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें। आप बच्चों को यह निर्देश दें कि दोनों ही बच्चों को (प्रश्न का उत्तर) क्या लगता है, इस पर बात करनी है।
- जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो तब आप किन्हीं 2-3 बच्चों से अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें। कोशिश करें कि हर बच्चे को 1-2 बार पूरी कक्षा में अपने उत्तर को साझा करने के मौके मिले हों।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया ?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस चर्चा में प्रतिभाग नहीं पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और उन्हें हो रही परेशानी को समझने और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करने की योजना बनाएँ।

पुनरावृत्ति

कालांश ① **2** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका।
- वर्ण/अक्षर कार्ड।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएं।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक/सहज में इनको खोजने और अलग-अलग तरीकों से इनको लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** अब तक बताए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाला कोई शब्द बोर्ड पर बॉक्स में तोड़कर लिखें। जैसे – | क | ल |
- सभी वर्णों/अक्षरों को मिलाकर एक साथ एक शब्द/इकाई के रूप में पहले 3-4 बार पढ़ें। जैसे-'कल' और उसके बाद बच्चों से दोहराने को कहें।
- इसी प्रकार अब तक सिखाए गए वर्णों/मात्राओं से मिलकर बनने वाले कुछ और सरल शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। इसके लिए कार्यपुस्तिका में आज के पाठ से भी कुछ उदाहरण लिए जा सकते हैं।
- फिर बच्चों को 4-5 छोटे समूहों में बाँट दें और अब तक सिखाए गए वर्ण/अक्षर के कुछ कार्ड दें। बच्चों से उन कार्डों को मिलाकर नए शब्द बनाने और पढ़ने को कहें। यहाँ निरर्थक शब्द भी स्वीकार किये जा सकते हैं।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 20 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-20

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साझा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'मुर्गी के तीन चूज़े'।
- साझा पठन के लिए कहानी के उन बिन्दुओं का चयन करें, जहाँ बच्चे शब्द जोड़ पाएँ।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- साझा/लोगोग्राफिक पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर और सरल चर्चा के द्वारा करें। कहानी को 1 बार आदर्श रूप से पूरे हाव-भाव, उतार- चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ पढ़ें।
- इसके बाद बच्चों से आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगहों पर रुकें जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ।
- आप बच्चों से कहानी पर थोड़ी और बातचीत करें और खुले छोर के प्रश्न पूछें। अंत में, पिछले दिन जो शब्द चार्टपेपर में आपने लिखे थे, बच्चों से उन्हें पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे आपके साथ-साथ नहीं पढ़ पा रहे हों तो उन बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 4
दिवस 4

कहानी पर चर्चा और शब्दावली विकास

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक, कहानी पोस्टर- 'भालू और मदारी'।
- बंद और खुले छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार करें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- जब बच्चे कहानी सुना रहे हों तो उनकी कमियाँ ना बताते हुए, उनका प्रोत्साहन करें।

कहानी पोस्टर पर कार्य

- कालांश की शुरुआत आप 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या-61 पर दी कविता 'मीठे बोल' को हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- अब आप बच्चों को कहानी पोस्टर 'भालू और मदारी' दिखाएँ और कहानी के शीर्षक का अनुमान लगाने और चित्रों के माध्यम से कहानी के बारे में अनुमान लगाने के लिए कहें।
- फिर आप बच्चों को आवाज में उतार-चढ़ाव और हाव-भाव के साथ मौखिक रूप से 2 बार कहानी को सुनाएँ। इस दौरान बच्चों का ध्यान बनाए रखने के लिए कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।
- इसके बाद कहानी के बारे में उनकी राय पूछें कि उन्हें कहानी में क्या अच्छा लगा और क्यों? बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।
- इसके बाद कक्षा के 1-2 बच्चों से कहानी सुनाने को कहें।

लेखन कार्य

- बच्चों से कहानी से संबंधित कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहे। बच्चों से जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। किन्हीं 2-3 बच्चों से अपने चित्र कक्षा को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया? जिन बच्चों ने कम प्रतिभाग किया है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- सहज 3 पाठ 2 'सर्र सर्र सर्र', वर्ण/अक्षर कार्ड, कार्यपुस्तिका।
- 'स' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'स' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ। बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- 'स' से बनने वाले 3-4 परिचित शब्दों की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें और बच्चों का ध्यान पहली ध्वनि पर केन्द्रित करें। फिर 'स' को बोर्ड पर लिखे और 3-4 बार इसका उच्चारण करें। बच्चों से 'स' की आवाज से शुरू होने वाले कुछ और शब्दों को पूछें, बोर्ड पर लिखें और कुछ दूसरे बच्चों को बुलाकर इन शब्दों के 'स' वर्ण पर गोला ढूँढनें।
- कुछ नए बच्चों को बुलाएँ और कक्षा में प्रदर्शित प्रिंट सामग्रियों में 'स' वर्ण ढूंढने को कहें। फिर बच्चों के छोटे समूह बना दें और सहज 3 पाठ 2 'सर्र सर्र सर्र' में 'स' वर्ण को खोजकर गोला लगाने को कहें।
- अलग-अलग तरीकों से 'स' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** अब तक बताए गए वर्णो/अक्षरों से बनने वाला कोई शब्द बोर्ड पर बॉक्स में तोड़कर लिखें। जैसे –

क	म

- सभी वर्णो/अक्षरों को मिलाकर एक साथ एक शब्द/इकाई के रूप में पहले 3-4 बार पढ़ें। जैसे –'कम' और उसके बाद बच्चों से दोहराने को कहें।
- इसी प्रकार अब तक सिखाए गए वर्णो से मिलकर बनने वाले कुछ और सरल शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। इसके लिए कार्यपुस्तिका में आज के पाठ से भी कुछ उदाहरण लिए जा सकते हैं।
- फिर बच्चों को 4-5 छोटे समूहों में बाँट दें और अब तक सिखाए गए वर्ण के कुछ कार्ड दें। बच्चों से उन कार्डो को मिलाकर नए शब्द बनाने और पढ़ने को कहें। यहाँ निरर्थक शब्द भी स्वीकार किये जा सकते हैं।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 21 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-21

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साझा पठन एवं पढ़ने का अभिनय

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'मुर्गी के तीन चूज़े'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- बच्चों द्वारा बिग बुक को पढ़ने की नकल करने के दौरान आप उनका प्रोत्साहन और प्रशंसा करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर करें। फिर बच्चों से आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगहों पर रुकें जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ।
- आप बच्चों से कहानी पर बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें। जिन कठिन/अपरिचित शब्दों पर आपने पिछले दिन कार्य किया था, उन पर आप फिर से बात करें। कुछ नए बच्चों को इन शब्दों से वाक्य बनाने का मौका दें।
- बाद में, कक्षा के 5-6 बच्चों को बुलाकर बिग बुक पढ़ने को कहें। अंत में चार्टपेपर/बोर्ड पर लिखे हुए शब्दों को बच्चों से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे साझा पठन में हिस्सा ले पा रहे थे? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें। उनसे अलग से बात करें और समझने का प्रयास करें कि उन्हें क्या परेशानी हो रही है?

सप्ताह 4
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पृष्ठ संख्या-31 'खरगोश और हाथी'।
- 'पंखुड़ी' पृष्ठ संख्या-31 पर दी गई कहानी 'खरगोश और हाथी' को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- 'पंखुड़ी' के पृष्ठ संख्या-31 पर दी गई कहानी 'खरगोश और हाथी' अपने शब्दों में स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें। खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है। इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर देखने से बचें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

पुनरावृत्ति

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, पाठ्यपुस्तक/सहज, अक्षर कार्ड (वैकल्पिक)।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक/सहज में उनको खोजने और अलग-अलग तरीकों से उनको लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** अब तक बताए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाला कोई शब्द बोर्ड पर बॉक्स में तोड़कर लिखें। जैसे –

न	र

- सभी वर्णों/अक्षरों को मिलाकर एक साथ एक शब्द/इकाई के रूप में पहले 3-4 बार पढ़ें। जैसे-'नर' और उसके बाद बच्चों से दोहराने को कहें।
- इसी प्रकार अब तक सिखाए गए वर्णों से मिलकर बनने वाले कुछ और सरल शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। इसके लिए कार्यपुस्तिका में आज के पाठ से भी कुछ उदाहरण लिए जा सकते हैं।
- फिर बच्चों को 4-5 छोटे समूहों में बाँट दें और अब तक सिखाए गए वर्ण के कुछ कार्ड दें। बच्चों से कार्डों को मिलाकर नए शब्द बनाने और पढ़ने को कहें। यहाँ निरर्थक शब्द भी स्वीकार किये जा सकते हैं।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 22 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-22

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शब्दों को आकृति के रूप में पढ़ना

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- चार्टपेपर, मार्कर।
- एक चार्टपेपर पर स्कूल से जुड़े सरल एवं सामान्य शब्द, जैसे: कक्षा, बस्ता, किताब, कापी, पेंसिल, रंग, थाली, कटोरी, पानी, शौचालय आदि लिख लें।

लोगोग्राफिक पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और स्कूल से जुड़े कुछ शब्द एक-एक करके बच्चों से पूछें, बच्चों द्वारा बताए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखते जाएँ।
- फिर, किसी भी बच्चे का नाम लें और उसे बोर्ड पर लिखे शब्दों में से कोई एक शब्द बोलें और वह बोर्ड पर कहाँ लिखा है, उसे पहचानने को कहें। यह प्रक्रिया सभी बच्चों के साथ किसी भी क्रम में करें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- शिक्षक सभी बच्चों को गतिविधि में हिस्सा लेने का मौका दें।

- अंत में जिस चार्टपेपर पर आपने स्कूल से जुड़े शब्दों को लिखा है उसे कक्षा में चिपका/लटका दें। इसे ऐसी जगह पर लगाएँ जहाँ से सभी बच्चे इसे आसानी से देख सकें। खाली समय में बच्चों को इस चार्टपेपर पर लिखे नामों की पहचान करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे इस प्रक्रिया में हिस्सा ले पा रहे थे?
- यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उनसे अलग से बात करें और समझने का प्रयास करें कि उन्हें क्या परेशानी हो रही है?

सप्ताह 4
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कहानी सहज-3'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को सहज-3 से पाठ 7 'गौरैया फुर्र' कहानी अपने शब्दों में / स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें। खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है। इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर देखने से बचें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 18 से 22 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक में दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- इस कार्य को करने में आप बच्चों की सहायता न करें बल्कि उनका प्रोत्साहन करें।
- बच्चों द्वारा सही तरह से पहचाने गए वर्णों/ अक्षरों/ शब्दों पर एक छोटा सा निशान लगा दें और उपयुक्त जगह में उनके द्वारा प्राप्त किए गए अंक लिख दें।
- यदि कोई बच्चा एक भी वर्ण/अक्षर/शब्द सही तरीके से नहीं पढ़ पा रहा हो तो उसके आकलन-पत्रक में (0) अंक देने के स्थान पर (-) का चिन्ह लगा दें।
- प्रत्येक बच्चे के साथ आकलन-पत्रक पर कार्य करने के पश्चात आप उन्हें अपने स्थान पर जाकर बैठने के लिए कहें और 'देखकर/सुनकर लिखो' वाली गतिविधि करने को कहें। 'सुनकर लिखो' वाली गतिविधि, आप सभी बच्चों के द्वारा आकलन-पत्रक पर कार्य पूरा कर लेने के बाद एकसाथ करवाएँ।
- आकलन के परिणाम के अनुसार जिन बच्चों के अंक 50% से कम हों, उनको आप अलग समूह में बिठा लें और उनके साथ मिलकर आवश्यकतानुसार पुनरावृत्ति करें।
- शेष बच्चों से आप आकलन पत्रक के खाली स्थान पर कुछ लिखने/बनाने को कहें या कक्षा में उपलब्ध किताबें पढ़ने को दें। कालांश के अंत के 5-10 मिनट में इन बच्चों से बात करें कि उन्होंने क्या पढ़ा/लिखा या बनाया है।
- इसके पश्चात आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार वर्ण/अक्षर/शब्द की पहचान ठीक से नहीं कर पा रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें।

ग्रीष्मकालीन अवकाश गृहकार्य

- बच्चों को पाठ 23 से 32 तक का कार्य ग्रीष्मकालीन अवकाश के समय में करने को कहें। इस सम्बन्ध में आप बच्चों को आवश्यक निर्देश दें।

सप्ताह 5
दिवस 1

एक-दूसरे के बारे में जानना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कागज की गेंद

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- आप ध्यान रखें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- कालांश की शुरुआत किसी कविता/बालगीत/कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 5-7 मिनट तक कार्य करें।
- बच्चों को बताएँ कि आप उनमें से किसी एक बच्चे को एक गेंद देंगे। जिसके पास भी कागज की गेंद होगी, उनको तीन से पाँच वाक्यों में अपने बारे में बताना होगा और फिर गेंद को अगले साथी को देना होगा।
- अपने बारे में बात करने के दौरान वे इन बिन्दुओं पर बात कर सकते हैं: अपने परिवार, अपने दोस्त, पसंदीदा गाना, खेल, कार्टून, त्योहार आदि।
- बाकी बच्चों को गौर से सुनने के लिए कहें। यदि किसी अन्य बच्चे की पसंद-नापसंद भी वैसी ही है तो उन्हें कहें कि वे अपना हाथ उठाएँ और ज़ोर से कहें 'बिलकुल मेरी तरह'।
- आप उदाहरण के तौर पर अपने बारे में बात करें और जो चीजें बच्चों को पसंद या नापसंद हों, उसमें वे 'बिलकुल मेरी तरह' बोलें । इससे बच्चों को इस गतिविधि को कैसे करना है, यह समझ में आएगा ।
- सभी बच्चों को बारी-बारी से मौका दें और जरूरत पड़ने पर उन्हें बात कहने में सहायता करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से गतिविधि से संबंधित कोई भी चित्र बनाने को कहें। बच्चे बनाये गए चित्रों को सभी को दिखाएँ और उस पर चर्चा करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, पाठ्यपुस्तक/सहज, अक्षर कार्ड (वैकल्पिक)।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएं।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक/सहज में उनको खोजने और अलग-अलग तरीकों से उनको लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 33 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-33

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रिंट से परिचय

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'चिड़िया'।
- आप बिग बुक की कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- बिग बुक का मुख्य पृष्ठ सभी बच्चों को दिखाएँ और बिग बुक के मुख्य पृष्ठ में दिख रहे चित्र और कहानी के शीर्षक के बारे में बातचीत करने एवं अनुमान लगाने को कहें।
- बिग बुक के सभी पृष्ठों को एक-एक करके पलटते जाएँ और पृष्ठों पर बने चित्रों के आधार पर बच्चों से कहानी का अनुमान लगाने को कहें। बिग बुक का आदर्श रूप से पठन (उचित हाव-भाव, उतार- चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ) कम से कम 2-3 बार करें।
- अंत में आप, बच्चों द्वारा चित्रों पर जो अनुमान लगाए गए थे, उन पर बातचीत करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या बच्चों ने कहानी समझी है? यदि नहीं तो ऐसे बच्चों की पहचान करें जिनको कहानी समझ नहीं आई। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 5
दिवस 2

चित्र के बारे में अपनी भाषा में बात करना

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट: बरसात, 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक : पृष्ठ संख्या-नं 15 पर दी गई कविता (बादल)।
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक : पृष्ठ संख्या-15 पर दी गई कविता (बादल) को पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र चार्ट देखने के लिए कहें। बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/ घटनाओं/ गतिविधियों के बारे में सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न पूछें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों से खुले छोर (कल्पना, अनुमान, अनुभव, तर्क आधारित) वाले कुछ और प्रश्न करें।
- बच्चों को अपने घर (क्षेत्रीय/मातृभाषा) की भाषा में बोलने के पर्याप्त मौके दें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिसका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

वर्ण/अक्षर की पहचान

कालांश 1 **2** 3 | डिकोडिंग | 60 मिनट

'आ' मात्रा की पहचान

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, पर्चियां।
- बच्चों की संख्या के अनुसार पर्चियां तैयार कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'आ' की मात्रा पर कार्य

35-40 मिनट

क	का
र	रा
न	ना
म	मा
स	सा

(क्रमिक ग्रिड)

क	का	स
मा	र	रा
न	ना	सा
सा	रा	म
का	म	ना

(अनुक्रमिक ग्रिड)

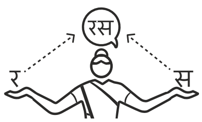

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे- 'न', 'ना'। (ध्यान दें कि अभी हम बच्चों से 'आ की मात्रा' की अवधारणा पर बात नहीं करेंगे, जैसे 'क' और आ की मात्रा 'ा' - 'का'। बल्कि हम केवल मात्रा के लगने से ध्वनि में होने वाले परिवर्तन पर बच्चों का ध्यान आकर्षित करेंगे। मात्रा की अवधारणा पर हम 10वें सप्ताह में बातचीत करेंगे।)
- कुछ अन्य वर्ण लिख कर उसमे लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे क, का, र, रा।
- सिखाए गए वर्णों और लक्षित मात्रा से क्रमिक (Sequence) ग्रिड बोर्ड पर बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करें।
- इसी प्रकार एक अनुक्रमिक (Random) ग्रिड बोर्ड पर बनाकर बच्चों से वर्ण एवं अक्षर की पहचान करने को कहें।
- अक्षर पहचान की गतिविधि 'मिलकर खोजें' करवाएँ। इसके लिए आप अभी तक सिखाए वर्णों और अक्षरों (वर्णों और मात्रा से मिलकर बने) की 2-2 पर्चियां बना लें, बच्चों को गोल घेरे में खड़ा करें और पर्चियां बीच में रख दें।
- बच्चों से 1-1 पर्ची उठाने को कहें और अपने ऐसे साथी को खोजने को कहें जिसके पास उसी अक्षर की पर्ची हो। जोड़ीदार मिलने के बाद बच्चों से उस अक्षर को कक्षा कक्ष में प्रदर्शित सामग्री में खोजने को कहें।
- अब अलग-अलग तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों में 'आ' की मात्रा लगाकर बनने वाले अक्षरों का लेखन अभ्यास करवाएँ। (जिस प्रकार आपने वर्णों के साथ कार्य किया था।)
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

15-20 मिनट

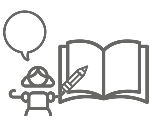

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 34 पर कार्य करने को कहें और आवश्यक सहायता दें।
- आप बच्चों के कार्य का अवलोकन घूम- घूमकर करें।

पाठ-34

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

आदर्श पठन एवं लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'चिड़िया', चार्टपेपर।
- कहानी से बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों का चयन, कहानी के मुख्य शब्दों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- साझा पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर करें। कहानी को कम से कम 2 बार आदर्श रूप से, पूरे हाव-भाव, उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ शब्दों पर उँगली रखते हुए पढ़ें।
- एक बार फिर से कहानी पढ़ें। इस बार बच्चों को आपके साथ-साथ कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगहों पर रुकें जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ और कहानी पर आधारित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- अंत में, आप कहानी के कुछ मुख्य शब्दों को बोर्ड पर लिखें और इन्हें 3-4 बार पढ़ें। बच्चों से इन शब्दों के पठन का अभ्यास करवाएँ। इन शब्दों को बड़े-बड़े अक्षरों में चार्टपेपर पर लिख दें और कक्षा की किसी दीवार पर उचित ऊँचाई पर लटका /चिपका दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या बच्चों ने कहानी समझी है? यदि नहीं तो ऐसे बच्चों की पहचान करें जिनको कहानी समझ नहीं आई। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 5
दिवस 3

चित्र के बारे में अपनी भाषा में बात करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक पाठ 3 'बादल किसके काका', चित्र चार्ट: बरसात।
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिसका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक पाठ 3 में दी गई कविता 'बादल किसके काका' पूरे हाव-भाव सहित गाएँ।
- सभी बच्चों को एक गोल घेरे में बिठा लें और पिछले दिन की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें। चर्चा को आगे बढ़ाएँ और नए बंद छोर और खुले छोर के प्रश्नों को पूछें।
- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान आप यह सुनिश्चित करें कि आप अधिक से अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछ रहे हैं।
- आप प्रश्न पूछें और बच्चों से जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें। आप बच्चों को यह निर्देश दें कि दोनों ही बच्चों को (प्रश्न का उत्तर) क्या लगता है, इस पर बात करनी है।
- जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो तब आप किन्हीं 2-3 बच्चों से अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें। कोशिश करें कि हर बच्चे को 1-2 बार अपने उत्तर को साझा करने के मौके मिले हों।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से बरसात के दिन का चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3–4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लिया ?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और उन्हें हो रही परेशानी को समझने और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करने की योजना बनाएँ।

वर्ण/अक्षर की पहचान

कालांश ① ② ③ | डिकोडिंग | 60 मिनट

'आ' मात्रा की पहचान

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'आ' की मात्रा पर कार्य

35–40 मिनट

क	का
र	रा
न	ना
म	मा
स	सा

(क्रमिक ग्रिड)

क	का	स
मा	र	रा
न	ना	सा
सा	रा	म
का	म	ना

(अनुक्रमिक ग्रिड)

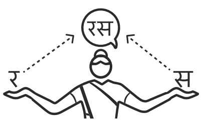

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- फिर आप वर्ण मात्रा से लक्षित क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड क्रमशः बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करके दिखाएँ। वर्ण-मात्रा से बने इस ग्रिड से पहले आप वर्ण अक्षर पढ़ें और बच्चों को अपने बाद बोलने को कहें। (ध्यान दें कि अभी हम बच्चों से मात्रा की अवधारणा पर बात नहीं करेंगे, जैसे 'क' और 'आ की मात्रा' (ा) - 'का'। बल्कि हम केवल मात्रा के लगने से ध्वनि में होने वाले परिवर्तन पर बच्चों का ध्यान आकर्षित करेंगे। मात्रा की अवधारणा पर हम 10वें सप्ताह में बातचीत करेंगे।)
- कुछ बच्चों को बारी बारी से बुलाएँ और बोर्ड पर बनी ग्रिड में से आपके द्वारा बताए गए वर्ण/अक्षर को पहचान कर बताने को कहें।
- फिर आप बोर्ड पर 'का' और 'ना' लिख दें और बच्चों से 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक के पाठ 3 'बादल किसके काका' में इनको खोजकर गोला लगाने को कहें।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व की कक्षाओं में पठन-पाठन की प्रक्रिया के दौरान चार्ट पर/शब्द दीवार पर लिखे गए शब्दों की तरफ बच्चों का ध्यान आकर्षित करवाएँ और कुछ शब्दों को उच्चारित करें/पढ़ें।
- इसके पश्चात, अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले 4-5 परिचित सरल शब्दों को बोर्ड पर लिखें और इनको एक साथ पढ़ें और फिर बच्चों को दोहराने को कहें। (ध्यान दें कि यहाँ हम वर्णों/अक्षरों को मिलाकर नहीं बल्कि एक साथ एक शब्द/इकाई के रूप मे पढ़ेंगे।) इसके लिए कार्यपुस्तिका में आज के पाठ से भी कुछ उदाहरण लिए जा सकते हैं।
- इसके बाद बच्चों से 3-4 सरल शब्द देखकर/सुनकर लिखने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

15–20 मिनट

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 35 पर कार्य करने को कहें और आवश्यक सहायता दें।
- आप बच्चों के कार्य का अवलोकन घूम-घूमकर करें।

पाठ-35

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साझा पठन एवं लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'चिड़िया'।
- साझा पठन के लिए कहानी के उन बिन्दुओं का चयन करें, जहाँ बच्चे शब्द जोड़ पाएँ।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- साझा पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर और सरल चर्चा के द्वारा करें और कहानी को 1 बार आदर्श रूप से पूरे हाव-भाव, उतार- चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ पढ़ें।
- इसके बाद बच्चों को आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगहों पर रुकें जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ।
- आप बच्चों से कहानी पर थोड़ी और बातचीत करें और खुले छोर के प्रश्न पूछें। अंत में, पिछले दिन आपने जो शब्द चार्टपेपर पर लिखे थे, बच्चों से उन्हें पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे आपके साथ-साथ पढ़ पा रहे थे ? यदि नहीं तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें तब उन पर थोड़ा ज्यादा ध्यान दें।

सप्ताह 5
दिवस 4

बच्चे विद्यालय में खुशी व आनंद महसूस करें

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- गतिविधि के लिए पर्याप्त स्थान।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- आप ध्यान रखें की गतिविधि के दौरान किसी भी बच्चे को चोट ना लगे।
- सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- कालांश की शुरुआत किसी कविता/बालगीत/कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 5-7 मिनट तक कार्य करें।
- सभी बच्चों को एक घेरे में बैठने को कहें और आप स्वयं भी बैठें।
- इस घेरे में से किसी एक बच्चे को उठने को कहें और घेरे के बाहर खड़े होने को बोलें।
- जो बच्चा घेरे के बाहर खड़ा है, वह बच्चा तेज़-तेज़ चलेगा और किसी बच्चे के सिर पर हाथ रख देगा । जिस बच्चे के सिर पर हाथ रखेगा वह बच्चा तुरंत उठकर विपरीत दिशा में तेज़-तेज़ चलेगा।
- चलते-चलते दोनों बच्चे जहाँ मिलेंगे वहाँ हाथ जोड़कर एक-दूसरे को नमस्ते कहते हुए घेरे में खाली जगह (ये खाली जगह वही है जहाँ पर दूसरे बच्चे के सिर पर हाथ रखा गया था) पर पहले पहुँचने का प्रयास करेंगें।
- जो बच्चा पहले पहुँचेगा वह बैठ जायेगा और दूसरा बच्चा इस पूरी प्रक्रिया को फिर से करेगा। इसी प्रकार से यह खेल आगे खेला जाएगा।
- खेल के दौरान शिक्षक इस बात का ध्यान रखें कि बच्चों को चोट न लगे तथा दूसरी कक्षा के बच्चे प्रभावित न हों। इसके लिए शिक्षक गतिविधि की शुरुआत में और ज़रूरत के अनुसार बच्चों द्वारा किए गए वादों को याद करने और उसके अनुसार व्यवहार करने को कहें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस गतिविधि के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- जिन बच्चों को गतिविधि करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग व शब्द पठन

कालांश ① **②** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ 5, कार्यपुस्तिका
- 'त' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'त' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'त' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पाठ 5 'साहसी सीमा' में 'त' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व की कक्षाओं में पठन-पाठन की प्रक्रिया के दौरान चार्ट पर/शब्द दीवार पर लिखे गए शब्दों की तरफ बच्चों का ध्यान आकर्षित करवाएँ और कुछ शब्दों को उच्चारित करें/पढ़ें।
- इसके पश्चात, अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से बनने वाले 4-5 परिचित सरल शब्दों को बोर्ड पर लिखें और इनको एक साथ पढ़ें और फिर बच्चों से दोहराने को कहें। (ध्यान दें कि यहाँ हम वर्णो/अक्षरों को मिलाकर नहीं बल्कि एकसाथ एक शब्द/इकाई के रूप मे पढ़ेंगे।) इसके लिए कार्यपुस्तिका में आज के पाठ से भी कुछ उदाहरण लिए जा सकते हैं।
- इसके बाद बच्चों को 3-4 सरल शब्द देखकर/सुनकर लिखने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 36 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-36

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साझा पठन एवं पढ़ने का अभिनय

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'चिड़िया'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- बच्चों द्वारा बिग बुक को पढ़ने की नकल करने के दौरान आप उनका प्रोत्साहन और प्रशंसा करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर करें। फिर बच्चों को आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगहों पर रुकें जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ।
- आप बच्चों से कहानी पर बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें। जिन कठिन/अपरिचित शब्दों पर आपने पिछले दिन कार्य किया था, उन पर आप फिर से बात करें। कुछ नए बच्चों को इन शब्दों से वाक्य बनाने का मौका दें।
- बाद में, कक्षा के 5-6 बच्चों को बुलाकर बिग बुक पढ़ने को कहें। अंत में चार्टपेपर/बोर्ड पर लिखे हुए शब्दों को बच्चों से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे साझा पठन में हिस्सा ले पा रहे थे? क्या बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उनसे अलग से बात करें और समझने का प्रयास करें कि उन्हें क्या परेशानी हो रही है?

सप्ताह 5
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-3 पाठ 3 'वाह रे चोर'।
- कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सहज-3 के पाठ-3 'वाह रे चोर' कहानी को अपने शब्दों में/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें। खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है। इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर देखने से बचें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

पुनरावृत्ति

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, अक्षर कार्ड (वैकल्पिक), पाठ्यपुस्तक/सहज।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक/सहज में उनको खोजने और अलग-अलग तरीकों से उनको लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व की कक्षाओं में पठन-पाठन की प्रक्रिया के दौरान चार्ट पर/शब्द दीवार पर लिखे गए शब्दों की तरफ बच्चों का ध्यान आकर्षित करवाएँ और कुछ शब्दों को उच्चारित करें/पढ़ें।
- इसके पश्चात, अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले 4-5 परिचित सरल शब्दों को बोर्ड पर लिखें और इनको एकसाथ पढ़ें और फिर बच्चों को दोहराने को कहें। इसके लिए कार्यपुस्तिका में आज के पाठ से भी कुछ उदाहरण लिए जा सकते हैं।
- इसके बाद बच्चों को 3-4 सरल शब्द देखकर/सुनकर लिखने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 37 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-37

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

स्वतंत्र पठन एवं सरल चर्चा

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कार्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी को समझने को कहें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।
- बच्चों को कहानी बताने मे सहयोग करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे किताबें उलट-पलट कर पढ़ने/समझने का प्रयास कर रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और आगे के सत्रों में उनको किताबों के पढ़ने के तरीके से परिचित करवाएँ।

सप्ताह 5
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-3 पाठ 4 'भालू की बस'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप सहज-3 पाठ 4 में दी गई कहानी 'भालू की बस' अपने शब्दों में / स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें। खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है। इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर देखने से बचें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इन पर कार्य करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 33 से 37 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक में दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- इस कार्य को करने में आप बच्चों की सहायता न करें बल्कि उनका प्रोत्साहन करें।
- बच्चों द्वारा सही तरह से पहचाने गए वर्णों/ अक्षरों/ शब्दों पर एक छोटा सा निशान लगा दें और उपयुक्त जगह में उनके द्वारा प्राप्त किए गए अंक लिख दें।
- यदि कोई बच्चा एक भी वर्ण/अक्षर/शब्द सही तरीके से नहीं पढ़ पा रहा हो तो उसके आकलन-पत्रक में (0) अंक देने के स्थान पर (–) का चिन्ह लगा दें।
- प्रत्येक बच्चे के साथ आकलन-पत्रक पर कार्य करने के पश्चात आप उन्हें अपने स्थान पर जाकर बैठने के लिए कहें और 'देखकर/सुनकर लिखो' वाली गतिविधि करने को कहें। 'सुनकर लिखो' वाली गतिविधि, आप सभी बच्चों के द्वारा आकलन-पत्रक पर कार्य पूरा कर लेने के बाद एकसाथ करवाएँ।
- आकलन के परिणाम के अनुसार जिन बच्चों के अंक 50% से कम हों, उनको आप अलग समूह में बिठा लें और उनके साथ मिलकर आवश्यकतानुसार पुनरावृत्ति करें।
- शेष बच्चों से आप आकलन पत्रक के खाली स्थान पर कुछ लिखने/बनाने को कहें या कक्षा में उपलब्ध किताबें पढ़ने को दें। कालांश के अंत के 5-10 मिनट में इन बच्चों से बात करें कि उन्होंने क्या पढ़ा/लिखा या बनाया है।
- इसके पश्चात आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार वर्ण/अक्षर/शब्द की पहचान ठीक से नहीं कर पा रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 6
दिवस 1

बच्चों को एक-दूसरे के साथ का मौका मिलना।

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- गतिविधि के लिए पर्याप्त स्थान।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- इस बात का विशेष ध्यान रखें कि किसी भी बच्चे को चोट न लगे, बच्चों को भी इस बात का ध्यान रखने का निर्देश दें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- गतिविधि की शुरुआत किसी कविता/बालगीत/कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 5–7 मिनट तक कार्य करें।
- अब आप गाएँ– ''पहाड़ी में आग लगी, भागो भागो भागो!'' बच्चों को गोले में धीरे-धीरे दौड़ने को कहें। बच्चों को गोले में थोड़ी देर दौड़ने का मौका दें और फिर बोलें, 'दो-दो में खड़े हो जाओ'।
- सभी बच्चों को दो-दो की संख्या में खड़े होने के लिए पर्याप्त समय दें। इसी प्रकार अलग-अलग निर्देश देते हुए गतिविधि को आगे करवाएँ।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से गतिविधि से जुड़ा कोई चित्र बनाने, रंग भरने को कहें। बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- जिन बच्चों को गतिविधि करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग व शब्द पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ- 4 'तालाब में चाँद'।
- 'ब' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ब' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'ब' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पाठ 4 'तालाब में चाँद' में 'ब' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 38 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-38

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

आदर्श वाचन एवं बच्चों के अनुभव पर बातचीत

कालांश ① ② ❸

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'शेर की गुफा'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बिग बुक के मुख्य पृष्ठ को दिखाते हुए बच्चों के पूर्वज्ञान को सक्रिय करें जिसके लिए आप उनसे उस कहानी से संबंधित 1-2 प्रश्न करें।
- फिर आप बिग बुक की कहानी का आदर्श वाचन करें।
- फिर आप बिग बुक के शीर्षक और चित्रों के आधार पर कहानी पर पुन: चर्चा करें और कहानी से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 6
दिवस 2

चित्र के बारे में अपनी भाषा में सरल बातचीत

कालांश ❶ ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट: खेत, स्थानीय कविता।
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिसका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र चार्ट देखने के लिए कहें। आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/ घटनाओं/गतिविधियों के बारे में सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न पूछें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों से खुले छोर (कल्पना, अनुमान, अनुभव, तर्क आधारित) वाले कुछ और प्रश्न करें।
- बच्चों को अपने घर (क्षेत्रीय/मातृभाषा) की भाषा में बोलने के पर्याप्त मौके दें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग व शब्द पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- सहज -3 पाठ 16 'बोलती चुटकी'
- 'ल' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ल' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'ल' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और सहज-3 पाठ 16 'बोलती चुटकी' में 'ल' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 39 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-39

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साझा पठन और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'शेर की गुफा'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- फिर आप पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर करें।
- फिर आप बिग बुक की कहानी का 2 बार साझा पठन करें और कहानी में आए मुख्य शब्दों को बोर्ड पर लिखें और 2-3 बार पढ़ें।
- इसके बाद एक-एक करके बच्चों को बोर्ड के पास बुलाएँ और इन शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे साझा पठन करने में भागीदारी कर रहे हैं। यदि नहीं तो ऐसे बच्चों की पहचान करें और उनके साथ थोड़ा और अभ्यास करें।

सप्ताह 6
दिवस 3

चित्र के बारे में अपनी भाषा में समृद्ध बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक, चित्र चार्ट: खेत।
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिसका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

चित्र चार्ट पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक में दी गई कोई कविता पूरे हाव-भाव सहित गाएँ।
- सभी बच्चों को एक गोल घेरे में बिठा लें और पिछले दिन की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें। चर्चा को आगे बढ़ाएँ और नए बंद छोर और खुले छोर के प्रश्नों को पूछें।
- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान आप यह सुनिश्चित करें कि आप अधिक से अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछ रहे हैं।
- आप प्रश्न पूछें और बच्चों से जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें। आप बच्चों को यह निर्देश दें कि दोनों ही बच्चों को (प्रश्न का उत्तर) क्या लगता है, इस पर बात करनी है।
- जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो तब आप किन्हीं 2-3 बच्चों से अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें। कोशिश करें कि हर बच्चे को 1-2 बार पूरी कक्षा में अपने उत्तर को साझा करने के मौके मिले हों।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से खेत का चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लिया? यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और उन्हें हो रही परेशानी को समझने और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करने की योजना बनाएँ।

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, अक्षर कार्ड (वैकल्पिक), पाठ्यपुस्तक/सहज।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण/अक्षर पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक/सहज में उनको खोजने और अलग-अलग तरीकों से उनको लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 40 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ–40

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साझा पठन एवं समृद्ध बातचीत

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'शेर की गुफा'।
- साझा पठन के लिए कहानी के उन बिन्दुओं का चयन करें, जहाँ बच्चे शब्द जोड़ पाएँ।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- साझा पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर और सरल चर्चा के द्वारा करें।
- इसके बाद बच्चों से आपके साथ–साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगहों पर रुकें जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें।
- फिर आप मौखिक अभिव्यक्ति से जुड़े प्रश्न बच्चों से करें। जैसे ये कहानी आपको क्यों अच्छी लगी? कहानी में क्या अच्छा लगा? आदि।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे आपके साथ–साथ पढ़ पा रहे थे?
- यदि नहीं तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 6
दिवस 4

कहानी पर चर्चा और शब्दावली विकास

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक, कहानी पोस्टर–'मेंढक का गाना'।
- बंद और खुले छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार करें।

कहानी पोस्टर पर कार्य

- कालांश की शुरुआत आप 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक के पाठ–3 में दी कविता 'बादल किसके काका' को बच्चों के साथ हाव–भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5–7 मिनट का समय दें।
- अब आप बच्चों से कहानी पोस्टर 'मेंढक का गाना' देखकर कहानी के शीर्षक का अनुमान लगाने और चित्रों के माध्यम से कहानी के बारे में अनुमान लगाने के लिए कहें।
- फिर आप बच्चों को आवाज में उतार–चढ़ाव और हाव–भाव के साथ मौखिक रूप से 2 बार

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- जब बच्चे कहानी सुना रहे हों तो उनकी कमियाँ ना बताते हुए, उनका प्रोत्साहन करें।

कहानी को सुनाएँ। इस दौरान बच्चों का ध्यान बनाएँ रखने के लिए कुछ बंद छोर के प्रश्नों को पूछें।

- इसके बाद कहानी के बारे में उनकी राय पूछें कि उन्हें कहानी में क्या अच्छा लगा और क्यों? बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।
- इसके बाद कक्षा के 1-2 बच्चों से कहानी सुनाने को कहें।

लेखन कार्य

- बच्चों से कहानी से संबंधित कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहे। बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। किन्हीं 2-3 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया? जिन बच्चों ने कम प्रतिभाग किया है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग व शब्द पठन

कालांश ① **②** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- सहज -3 पाठ-11 'आम दिवस'।
- 'द' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'द' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'द' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, वर्ण पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और सहज-3 पाठ 11 'आम दिवस' में 'द' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 41 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-41

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

समृद्ध चर्चा एवं रोल प्ले

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'शेर की गुफा'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- बच्चों द्वारा बिग बुक को पढ़ने की नकल करने के दौरान आप उनका प्रोत्साहन और प्रशंसा करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर करें।
- इसके बाद आप बच्चों को छोटे समूह में बाँट दें और कहानी पर आधारित रोल प्ले करने को कहें।
- यहाँ कहानी के पात्रों की नकल करना, उनकी आवाज निकलना, अभिनय करना, अपने शब्दों में डायलॉग बोलना आदि 'रोल प्ले' के दायरे में आएगा ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे रोल प्ले में हिस्सा ले पा रहे थे ?
- यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें। उनसे अलग से बात करें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 6
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-3 पाठ-5 'सियार और ऊँट'।
- कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सहज-3 के पाठ-5 'सियार और ऊँट' कहानी अपने शब्दों में / स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों ?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें। खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है। इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर देखने से बचें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे ? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है ?

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, पाठ्यपुस्तक/सहज, अक्षर कार्ड (वैकल्पिक)।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण/अक्षर पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक/सहज में उनको खोजने और अलग-अलग तरीकों से उनको लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 42 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-42

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

स्वतंत्र पठन एव सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कार्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी समझने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।
- बच्चों को कहानी बताने मे सहयोग करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे किताबें उलट-पलट कर पढ़ने/समझने का प्रयास कर रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और आगे के सत्रों में उनको किताबों के पढ़ने के तरीके से परिचित करवाएँ।

सप्ताह 6
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-3 पाठ-6 'गाजर और गाय'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप सहज-3 पाठ 6 में दी गई कहानी 'गाजर और गाय' अपने शब्दों में स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें। खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है। इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर देखने से बचें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि उन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

साप्ताहिक आकलन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 38 से 42 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक में दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- इस कार्य को करने में आप बच्चों की सहायता न करें बल्कि उनका प्रोत्साहन करें।
- बच्चों द्वारा सही तरह से पहचाने गए वर्णों/ अक्षरों/ शब्दों पर एक छोटा सा निशान लगा दें और उपयुक्त जगह में उनके द्वारा प्राप्त किए गए अंक लिख दें।
- यदि कोई बच्चा एक भी वर्ण/अक्षर/शब्द सही तरीके से नहीं पढ़ पा रहा हो तो उसके आकलन-पत्रक में (0) अंक देने के स्थान पर (-) का चिन्ह लगा दें।
- प्रत्येक बच्चे के साथ आकलन-पत्रक पर कार्य करने के पश्चात आप उन्हें अपने स्थान पर जाकर बैठने के लिए कहें और 'देखकर/सुनकर लिखो' वाली गतिविधि करने को कहें। 'सुनकर लिखो' वाली गतिविधि, आप सभी बच्चों के द्वारा आकलन-पत्रक पर कार्य पूरा कर लेने के बाद एकसाथ करवाएँ।
- आकलन के परिणाम के अनुसार जिन बच्चों के अंक 50% से कम हों (समूह 1), उनको आप अलग समूह में बिठा लें और उनके साथ मिलकर आवश्यकतानुसार पुनरावृत्ति करें।

- शेष बच्चों से आप आकलन पत्रक के खाली स्थान पर कुछ लिखने/बनाने को कहें या कक्षा में उपलब्ध किताबें पढ़ने को दें। कालांश के अंत के 5–10 मिनट में इन बच्चों से बात करें कि उन्होंने क्या पढ़ा/लिखा या बनाया है।
- इसके पश्चात आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार वर्ण/अक्षर/शब्द की पहचान ठीक से नहीं कर पा रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 7
दिवस 1

बच्चों को अपनी बात कहने के अवसर देना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कागज की एक गेंद या खिलौना जिसे बच्चे एक-दूसरे को दे सकें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को बोलने के लिए प्रोत्साहित करें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- कालांश की शुरुआत किसी कविता/बालगीत/कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 5-7 मिनट तक कार्य करें।
- बच्चों को बताएँ कि आप कागज की गेंद घेरे में घुमाएँगे। गेंद जिसके पास भी पहुँचेगी उसे बताना होगा कि आज स्कूल तक आने में किसने-किसने उनकी सहायता की और सुबह से लेकर स्कूल आने तक उन्होंने क्या-क्या किया (उनके आज के अनुभव क्या और कैसे रहे)।
- इस गतिविधि में सभी बारी-बारी से अपनी बात कहेंगे।
- सबसे पहले आप अपने अनुभव बच्चों के साथ साझा करें। इससे बच्चों को पता चलेगा कि अपनी बातों (अनुभवों) को किस तरह से साझा करना है।
- यह सुनिश्चित करें कि इस गतिविधि के अंत तक सभी बच्चों ने अपने अनुभव/बातें साझा कर ली हों।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से किसी भी एक चीज का चित्र बनाने को कहें जो उन्हें स्कूल आते समय दिखी हो। बच्चों से जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

वर्ण/अक्षर पहचान

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ई-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें।
- आप बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे 'न', 'नी '। (ध्यान दें कि अभी हम बच्चों से मात्रा की अवधारणा पर बात नहीं करेंगे, जैसे 'क' और 'ई की मात्रा' (ी) - 'की'। बल्कि हम केवल मात्रा के लगने से ध्वनि में होने वाले परिवर्तन पर बच्चों का ध्यान आकर्षित करेंगे। मात्रा की अवधारणा पर हम 10वें सप्ताह में बातचीत करेंगे।)
- कुछ अन्य वर्ण लिख कर उसमे लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे- क, की, र, री।
- सिखाए गए वर्णों और लक्षित मात्रा से क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड बोर्ड पर बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करें और बच्चों से पहचान करवाएँ।

- अक्षर पहचान की गतिविधि 'मिलकर खोजें' करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन :** अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों और शब्दों से बनने वाले सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से दोहराने को कहें।
- कुछ नए सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और कुछ बच्चों से बोर्ड के पास आकर पढ़ने को कहें।
- बच्चों को छोटे समूहों में बाँट दें और उन्हें कार्यपुस्तिका में दिए वाक्यांश पढ़ने को कहें और आप सभी बच्चों का घूम-घूमकर अवलोकन करें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 43 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-43

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

आदर्श वाचन एवं बच्चों के अनुभव पर बातचीत

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'माँ और बच्चे'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों की बातों को ध्यान से सुने और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बिग बुक के मुख्य पृष्ठ को दिखाते हुए बच्चों के पूर्वज्ञान को सक्रिय करें जिसके लिए आप उनसे उस कहानी से संबंधित 1-2 प्रश्न करें।
- फिर आप बिग बुक की कहानी का आदर्श वाचन करें।
- फिर आप बिग बुक के शीर्षक और चित्रों के आधार पर कहानी पर पुन: चर्चा करें और कहानी से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या बच्चों ने चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 7
दिवस 2

चित्र के बारे में अपनी भाषा में सरल बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट: होली , स्थानीय कविता।
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिसका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र चार्ट देखने के लिए कहें। आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/ घटनाओं/गतिविधियों के बारे में सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न पूछें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों से खुले छोर (कल्पना, अनुमान, अनुभव, तर्क आधारित) वाले कुछ और प्रश्न करें।
- बच्चों को अपने घर (क्षेत्रीय/मातृभाषा) की भाषा में बोलने के पर्याप्त मौके दें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

वर्ण/अक्षर पहचान

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक, पाठ्यपुस्तक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ई' मात्रा की पहचान

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- फिर आप वर्ण मात्रा से लक्षित क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड क्रमशः बनाएं और 4-5 बार उच्चारण करके दिखाएँ। वर्ण-मात्रा से बने इस ग्रिड से पहले आप वर्ण अक्षर पढ़ें और बच्चों को अपने बाद बोलने को कहें। (ध्यान दें कि अभी हम बच्चों से मात्रा की अवधारणा पर बात नहीं करेंगे, जैसे 'क' और 'ई की मात्रा' (ी) - 'की'। बल्कि हम केवल मात्रा के लगने से ध्वनि में होने वाले परिवर्तन पर बच्चों का ध्यान आकर्षित करेंगे। मात्रा की अवधारणा पर हम 11 वें सप्ताह में बातचीत करेंगे।)
- कुछ बच्चों को बारी बारी से बुलाएँ और बोर्ड पर बनी ग्रिड में से आपके द्वारा बताए गए वर्ण/अक्षर को पहचान कर बताने को कहें।
- फिर आप बोर्ड पर 'की' और 'नी' लिख दें और बच्चों से 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक के पाठ 3 'बादल किसके काका' में इनको खोजकर गोला लगाने को कहें।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन :** अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों और शब्दों से बनने वाले सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से दोहराने को कहें।
- कुछ नए सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और कुछ बच्चों से बोर्ड के पास आकर पढ़ने को कहें।
- बच्चों को छोटे समूहों में बाँट दें और उन्हें कार्यपुस्तिका में दिए वाक्यांश पढ़ने को कहें और आप सभी बच्चों का घूम-घूमकर अवलोकन करें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 44 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-44

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साझा पठन और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'माँ और बच्चे'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- साझा पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- फिर आप पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर करें।
- फिर आप बिग बुक की कहानी का 2 बार साझा पठन करें और कहानी में आए मुख्य शब्दों को बोर्ड पर लिखें और 2-3 बार पढ़ें।
- इसके बाद एक-एक करके बच्चों को बोर्ड के पास बुलाएँ और इन शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे साझा पठन करने में भागीदारी कर रहे हैं। यदि नहीं तो ऐसे बच्चों की पहचान करें और उनके साथ थोड़ा और अभ्यास करें।

सप्ताह 7
दिवस 3

चित्र के बारे में अपनी भाषा में समृद्ध बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट: होली।
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिसका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई कविता पूरे हाव-भाव सहित गाएँ।
- सभी बच्चों को एक गोल घेरे में बिठा लें और पिछले दिन की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें। चर्चा को आगे बढ़ाएँ और नए बंद छोर और खुले छोर के प्रश्नों को पूछें।
- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान आप यह सुनिश्चित करें कि आप अधिक से अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछ रहे हैं।
- आप प्रश्न पूछें और बच्चों से जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें। आप बच्चों को यह निर्देश दें कि दोनों ही बच्चों को (प्रश्न का उत्तर) क्या लगता है, इस पर बात करनी है।
- जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो तब आप किन्हीं 2-3 बच्चों से अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें। कोशिश करें कि हर बच्चे को 1-2 बार पूरी कक्षा में अपने उत्तर को साझा करने के मौके मिलें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से होली का चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लिया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और उन्हें हो रही परेशानी को समझने और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करने की योजना बनाएँ।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन व वाक्यांश पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- सहज -3
- 'प' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

'प' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'प' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और सहज-3 के किसी पाठ में 'प' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

- **वाक्यांश पठन :** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 45 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-45

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साझा पठन और समृद्ध बातचीत

कालांश 1 2 **3**

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'माँ और बच्चे'।
- साझा पठन के लिए कहानी के उन बिन्दुओं का चयन करें, जहाँ बच्चे शब्द जोड़ पाएँगे।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- साझा पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर और सरल चर्चा के द्वारा करें।
- इसके बाद बच्चों को आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगहों पर रुकें जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें।
- फिर आप मौखिक अभिव्यक्ति से जुड़े प्रश्न बच्चों से करें। जैसे ये कहानी आपको क्यों अच्छी लगी ? कहानी में क्या अच्छा लगा ? आदि।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे आपके साथ-साथ पढ़ पा रहे थे ?
- यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 7
दिवस 4

कहानी पर चर्चा एवं शब्दावली विकास

कालांश **1** 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक, कहानी पोस्टर- 'राम सहाय की साइकिल'।
- बंद और खुले छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार करें ।

कहानी पोस्टर पर कार्य

- कालांश की शुरुआत 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक के पाठ 6 में दी गई कविता 'सबसे पहले' को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- अब आप बच्चों को कहानी पोस्टर 'राम सहाय की साइकिल' दिखाएँ और कहानी के शीर्षक का अनुमान लगाने और चित्रों के माध्यम से कहानी के बारे में अनुमान लगाने के लिए कहें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- जब बच्चे कहानी सुना रहे हों तो उनकी कमियाँ ना बताते हुए, उनका प्रोत्साहन करें।

- फिर आप बच्चों को आवाज में उतार-चढ़ाव और हाव-भाव के साथ मौखिक रूप से 2 बार कहानी को सुनाएँ। इस दौरान बच्चों का ध्यान बनाए रखने के लिए कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।
- इसके बाद कहानी के बारे में उनकी राय पूछें कि उन्हें कहानी में क्या अच्छा लगा और क्यों? बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।
- इसके बाद कक्षा के 1-2 बच्चों से कहानी सुनाने को कहें।

लेखन कार्य

- बच्चों को कहानी से संबंधित कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। किन्हीं 2-3 बच्चों से अपने चित्र कक्षा को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया? जिन बच्चों ने कम प्रतिभाग किया है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन व वाक्यांश पठन

कालांश ① **②** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ 8 'अगर पेड़ भी चलते होते'।
- 'च' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'च' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'च' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, वर्ण पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पाठ 8 'अगर पेड़ भी चलते होते' में 'च' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन :** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 46 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-46

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

समृद्ध चर्चा और रोल प्ले

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'माँ और बच्चे'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- बच्चों द्वारा बिग बुक को पढ़ने की नकल करने के दौरान आप उनका प्रोत्साहन और प्रशंसा करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर करें।
- इसके बाद आप बच्चों को छोटे समूह में बाँट दें और कहानी पर आधारित रोल प्ले करने को कहें।
- यहाँ कहानी के पात्रों की नकल करना, उनकी आवाज निकालना, अभिनय करना, अपने शब्दों में डायलॉग बोलना आदि 'रोल प्ले' के दायरे में आएगा ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे रोल प्ले में हिस्सा ले पा रहे थे ?
- यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें। उनसे अलग से बात करें और समझने का प्रयास करें कि उन्हें क्या परेशानी हो रही है ?

सप्ताह 7
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका (2020-21)
- कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका (2020-21) कक्षा 1 से किसी कहानी को अपने शब्दों में / स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों ?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें। खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है। इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर देखने से बचें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे ? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है ?

पुनरावृत्ति

कालांश ① **2** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, अक्षर कार्ड (वैकल्पिक), पाठ्यपुस्तक/सहज।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण/अक्षर पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक/सहज में उनको खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन :** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 47 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-47

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

स्वतंत्र पठन एवं सरल चर्चा

कालांश ① ② **3**

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कार्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी समझने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ उसे स्वीकार करें।
- बच्चों को कहानी बताने में सहयोग करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे किताबें उलट-पलट कर पढ़ने/समझने का प्रयास कर रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और आगे के सत्रों में उनको किताबों के पढ़ने के तरीके से परिचित करवाएँ।

सप्ताह 7
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-3 पाठ-9 'पौधों से लगाव'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप सहज-3 पाठ-9 में दी गई कहानी 'पौधों से लगाव' अपने शब्दों में / स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें। खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है। इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर देखने से बचें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

साप्ताहिक आकलन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 43 से 47 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें और परिणामों को नोट करें और आवश्यकतानुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचाने और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 8
दिवस 1

कहानी पर चर्चा एवं शब्दावली विकास

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक, कहानी पोस्टर– 'दो चींटी'।
- बंद और खुले छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार करें ।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- जब बच्चे कहानी सुना रहे हों तो उनकी कमियाँ ना बताते हुए, उनका प्रोत्साहन करें।

कहानी पोस्टर पर कार्य

- कालांश की शुरुआत 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक के पाठ 6 में दी गई कविता 'सबसे पहले' को बच्चों के साथ हाव–भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5–7 मिनट का समय दें।
- अब आप बच्चों को कहानी पोस्टर 'दो चींटी' दिखाएँ और कहानी के शीर्षक का अनुमान लगाने और चित्रों के माध्यम से कहानी के बारे में अनुमान लगाने के लिए कहें।
- फिर आप बच्चों को आवाज में उतार–चढ़ाव और हाव–भाव के साथ मौखिक रूप से 2 बार कहानी को सुनाएँ। इस दौरान बच्चों का ध्यान बनाए रखने के लिए कुछ बंद छोर के प्रश्नों को पूछें।
- इसके बाद कहानी के बारे में उनकी राय पूछें कि उन्हें कहानी में क्या अच्छा लगा और क्यों? बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।
- इसके बाद कक्षा के 1–2 बच्चों से कहानी सुनाने को कहें।

लेखन कार्य

- बच्चों से कहानी से संबंधित कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। किन्हीं 2–3 बच्चों से अपने चित्र कक्षा को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया? जिन बच्चों ने कम प्रतिभाग किया है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्यांश पठन

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ–19 'सुभाष चन्द्र बोस'।
- 'अ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'अ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'अ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, वर्ण पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' के पाठ 19 'सुभाष चन्द्र बोस' में 'अ' वर्ण खोजने और अलग–अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए–नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन :** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2–3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 48 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ–48

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

आदर्श वाचन एवं बच्चों के अनुभव पर बातचीत

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'चिड़िया'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों की बातों को ध्यान से सुने और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/ उठने–बैठने का मौका दें।
- आप बिग बुक के मुख्य पृष्ठ को दिखाते हुए बच्चों के पूर्वज्ञान को सक्रिय करें जिसके लिए आप उनसे उस कहानी से संबंधित 1–2 प्रश्न करें।
- फिर आप बिग बुक की कहानी का आदर्श वाचन करें।
- फिर आप बिग बुक के शीर्षक और चित्रों के आधार पर कहानी पर पुन: चर्चा करें और कहानी से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 8
दिवस 2

चित्र के बारे में अपनी भाषा में सरल बातचीत

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट: मेला, स्थानीय कविता।
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव–भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र चार्ट देखने के लिए कहें। आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न पूछें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों से खुले छोर (कल्पना, अनुमान, अनुभव, तर्क आधारित) वाले कुछ और प्रश्न करें।
- बच्चों को अपने घर (क्षेत्रीय/मातृभाषा) की भाषा में बोलने के पर्याप्त मौके दें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिसका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों से उनके द्वारा द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्यांश पठन

कालांश ① **②** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- सहज-3 पाठ-15 'लोभ'।
- 'ह' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ह' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'ह' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और सहज-3 पाठ 15 'लोभ' में 'ह' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन :** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 49 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-49

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साझा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'चिड़िया'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- साझा पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- फिर आप पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर करें।
- फिर आप बिग बुक की कहानी का 2 बार साझा पठन करें। कहानी में आए मुख्य शब्दों को बोर्ड पर लिखें और 2-3 बार पढ़ें।
- इसके बाद एक-एक करके बच्चों को बोर्ड के पास बुलाएँ और इन शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे साझा पठन करने मे भागीदारी कर रहे हैं। यदि नहीं तो ऐसे बच्चों की पहचान करें और उनके साथ थोड़ा और अभ्यास करें।

सप्ताह 8
दिवस 3

चित्र के बारे में अपनी भाषा में समृद्ध बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट: मेला।
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिसका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई कविता पूरे हाव-भाव सहित गाएँ।
- सभी बच्चों को एक गोल घेरे में बिठा लें और पिछले दिन की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें। चर्चा को आगे बढ़ाएँ और नए बंद छोर और खुले छोर के प्रश्नों को पूछें।
- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान आप यह सुनिश्चित करें कि आप अधिक से अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछ रहे हैं।
- आप प्रश्न पूछें और बच्चों से जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें। आप बच्चों को यह निर्देश दें कि दोनों ही बच्चों को (प्रश्न का उत्तर) क्या लगता है, इस पर बात करनी है।
- जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो तब आप किन्हीं 2-3 बच्चों से अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें। कोशिश करें कि हर बच्चे को 1-2 बार पूरी कक्षा में अपने उत्तर को साझा करने के मौके मिले हों।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से मेले से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लिया ?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और उनकी सहायता करने की योजना बनाएँ।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्यांश पठन

कालांश 1 **2** 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ-21 'घमंडी का बाग'।
- 'ग' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ग' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'ग' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' के पाठ 21 'घमंडी का बाग' में 'ग' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन :** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 50 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-50

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साझा पठन एवं समृद्ध बातचीत

कालांश 1 2 **3**

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'चिड़िया'।
- साझा पठन के लिए कहानी के उन बिन्दुओं का चयन करें, जहाँ बच्चे शब्द जोड़ पाएँ।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर और सरल चर्चा के द्वारा करें।
- इसके बाद बच्चों को आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगहों पर रुकें जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें।
- फिर आप मौखिक अभिव्यक्ति से जुड़े प्रश्न बच्चों से करें। जैसे ये कहानी आपको क्यों अच्छी लगी ? कहानी में क्या अच्छा लगा ? आदि।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- साझा पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे आपके साथ-साथ पढ़ पा रहे थे?
- यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा ज्यादा ध्यान दें।

सप्ताह 8
दिवस 4

आपसी बातचीत को बढ़ाने के लिए अभिनय करना और पहचानना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कुछ संज्ञा/क्रिया शब्दों को पहले से सोच कर रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के अवसर दें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- गतिविधि की शुरुआत किसी कविता/बालगीत/कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 5-7 मिनट तक कार्य करें।
- बच्चों को 2-3 समूहों में बाँटें। सभी समूहों से अभिनय करने के लिए बारी-बारी से एक-एक बच्चा आएगा। आप उसके कान में एक शब्द कहेंगे और वह बच्चा अभिनय द्वारा उस शब्द को बताने की कोशिश करेगा।
- बनाए गए समूहों के बच्चों को वह शब्द पहचानना है, जो समूह शब्द को पहले पहचानेगा, उन्हें 1 अंक मिलेगा।
- अभिनय करने वाले प्रत्येक बच्चे को आप एक शब्द- (संज्ञा या क्रिया) दें। ध्यान दें कि ये परिचित एवं परिवेशीय शब्द हों। जैसे- पीने का पानी, दौड़ना, नाचना, गाना गाना, फूल, हाथी, कलम आदि।

लेखन कार्य

- बच्चों से अभिनय से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें। बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द एवं वाक्यांश

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- सहज-3, पाठ-5 – 'गाजर और गाय'।
- 'आ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

'आ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'आ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और सहज-3 पाठ 5 'गाजर और गाय' में 'आ' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन :** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 51 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-51

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

समृद्ध चर्चा एवं रोल प्ले

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'चिड़िया'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- बच्चों द्वारा बिग बुक को पढ़ने की नकल करने के दौरान आप उनका प्रोत्साहन और प्रशंसा करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराने कुछ प्रश्नों को पूछकर करें।
- इसके बाद बच्चों को छोटे समूह में बाँट दें और कहानी पर आधारित रोल प्ले करने को कहें।
- यहाँ कहानी के पात्रों की नकल करना, उनकी आवाज निकालना, अभिनय करना, अपने शब्दों में डायलॉग बोलना आदि 'रोल प्ले' के दायरे में आएगा ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे रोल प्ले में हिस्सा ले पा रहे थे?
- यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उनसे अलग से बात करें। समझने का प्रयास करें कि उन्हें क्या परेशानी हो रही है?

सप्ताह 8
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ-7 'इसमें क्या शक है!'।
- कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- 'पंखुड़ी' के पाठ-7 'इसमें क्या शक है!' कहानी को अपने शब्दों में / स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें। खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है। इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर देखने से बचें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है।

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, अक्षर कार्ड (वैकल्पिक), पाठ्यपुस्तक/सहज।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण/अक्षर पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक/सहज में उनको खोजने और विभिन्न तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन :** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 52 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-52

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

स्वतंत्र पठन एवं सरल चर्चा

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कार्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी को समझने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ उसे स्वीकार करें।
- बच्चों को कहानी बताने मे सहयोग करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे किताबें उलट-पलट कर पढ़ने/समझने का प्रयास कर रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और आगे के सत्रों में उनको किताबों के पढ़ने के तरीके से परिचित करवाएँ।

सप्ताह 8
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ-10 'बंदर बाँट'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप 'पंखुड़ी' पाठ-10 में दी गई कहानी 'बंदर बाँट' अपने शब्दों में / स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें। खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है। इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर देखने से बचें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है।

साप्ताहिक आकलन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 48 से 52 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें। परिणामों को नोट करें और आवश्यकतानुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचाने और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 9

सावधिक आकलन

बच्चों के सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में अब हम सावधिक आकलन करेंगे। इसके द्वारा हम यह पता लगाएंगे कि बच्चों को सीखने में कहाँ और क्या कठिनाइयाँ हो रही हैं। इनका पता लगने के बाद हम आवश्यकता अनुसार शिक्षण रणनीतियाँ बनाएँगे और बच्चों को लक्षित दक्षताएँ प्राप्त करने के अवसर देंगे।

इस सप्ताह हम डिकोडिंग से संबंधित आकलन करेंगे और मौखिक भाषा से संबंधित अवलोकन। अध्याय 'आकलन एवं पुनरावृत्ति' में इस पर विस्तार से चर्चा की गई है। आइए देखें कि डिकोडिंग एवं मौखिक भाषा विकास में इस सप्ताह किन दक्षताओं पर बच्चों के साथ कार्य किया जाना है।

डिकोडिंग

- कार्यपुस्तिका के सावधिक आकलन (सप्ताह 9) के आकलन प्रपत्र पर कार्य कर पाना।

आकलन और पुनरावृत्ति के चरण

- 'सावधिक आकलन' प्रपत्र का उपयोग करते हुए बच्चों के साथ आकलन पर कार्य करें। इस हेतु आप सप्ताह के पहले दो दिनों के तीनों कलांशों का उपयोग आवश्यकता के अनुसार करें।
- आकलन के परिणामों को संदर्शिका के 'सावधिक आकलन ट्रैकर-1' के 'डिकोडिंग' वाले कॉलम में भरें और समूह का निर्धारण करें। समूह-1 के बच्चों के नाम पर गोला लगाएँ।
- **समूह**-1: जिन बच्चों को आकलन में 50% तक अंक मिले हैं।
- **समूह**-2: जिन बच्चों को आकलन में 50% से अधिक अंक मिले हैं।
- बच्चों के स्तर के अनुसार पुनरावृत्ति की योजना बनाएँ। पुनरावृत्ति का यह कार्य आवश्यकता के अनुसार 8-10 दिनों तक दूसरे और तीसरे कालांश में करें।
- सावधिक आकलन के बाद 'सावधिक पुनरावृत्ति' के पाठ 53 से 57 पर बच्चों के साथ कार्य करें। आप उन्हें कॉपी एवं अन्य शिक्षण सामग्रियों पर भी कार्य दे सकते हैं।
- समूह-1 के बच्चों पर विशेष ध्यान दें, उनकी अतिरिक्त सहायता करें।

मौखिक भाषा विकास

- सुनी हुई कहानी से संबंधित तथ्यात्मक प्रश्नों का 1 वाक्य में उत्तर दे पाना।
- चित्र पर चर्चा के दौरान अपनी बात 1-2 वाक्य में रख पाना।

आकलन और पुनरावृत्ति के चरण

- डिकोडिंग संबधित पुनरावृत्ति का कार्य करने के दिनों में प्रथम कालांश में मौखिक भाषा की दक्षता का आकलन करें। इसके लिए ऊपर दी गई दक्षताओं का अवलोकन अब तक शिक्षण में उपयोग की गई सामग्री/विधियों द्वारा अपने नियमित शिक्षण प्रक्रिया के दौरान करें।
- अवलोकन के परिणामों को संदर्शिका के 'सावधिक आकलन ट्रैकर-1' के 'मौखिक भाषा' वाले कॉलम में भरें।
- उचित दक्षता प्राप्त कर लेने वाले बच्चों के नाम के आगे सही का निशान लगाएँ और जिन बच्चों ने दक्षता प्राप्त नहीं की है, उनके नाम के आगे रिक्त (-) का निशान लगाएँ।
- सभी बच्चों के लिए उचित टिप्पणी लिखें, जो आपको आगे इनके साथ काम करने के लिए सहायता करेगी।

सावधिक आकलन एवं अवलोकन समाप्त होने तक यह सुनिश्चित कर लें कि आपने ट्रैकर के सभी बिन्दुओं को भर लिया है।

सप्ताह 10
दिवस 1

कविता पर चर्चा और शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कविता पोस्टर – हाथी
- कविता को लय से पढ़ना और चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले प्रश्नों का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

कविता पोस्टर पर कार्य

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए दिन की शुरुआत आप स्थानीय खेल से करें।
- फिर आप बच्चों को कविता पोस्टर 'हाथी' दिखाएँ और उस पर बातचीत करें और बच्चों से अनुमान लगाने को कहें कि कविता किसके बारे में हैं, कविता में क्या हो रहा होगा? आदि।
- इसके बाद आप कविता को 2 बार पूरी लय और हाव-भाव के साथ गायें और तीसरी बार बच्चों को अपने पीछे पीछे दोहराने को कहें।
- फिर आप कविता से जुड़े कुछ अर्थ निर्माण- तर्क, कल्पना, अनुमान लगाने से संबंधित विभिन्न प्रश्न बच्चों से पूछें।
- 2-3 बच्चों से कविता सुनाने को कहें।
- आप बोर्ड पर कविता में आए मुख्य शब्दों को लिख दें और बच्चों को शब्द दिखाते हुए पढ़ने और बच्चों से दोहराने को कहें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों को जोड़े में बिठाकर कविता से संबंधित कोई भी चित्र बनाने और उसके बारे में सभी को बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

मात्रा पहचान

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ए-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे 'न', 'ने'। (यहाँ से हम बच्चों के साथ मात्रा की अवधारणा पर बात करेंगे, जैसे 'क' और 'ए की मात्रा' (े) – 'के'। यहाँ हम बच्चों को इन मात्राओं के चिन्हों से परिचित करवाएँगे और आगे भी इसी प्रकार कार्य करेंगे।)
- कुछ अन्य वर्ण लिख कर उसमे लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे – क, के, र, रे।
- सिखाए गए वर्णो और लक्षित मात्रा से क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड बोर्ड पर बनाएं और 4-5 बार उच्चारण करें और बच्चों से पहचान करवाएँ।
- अक्षर पहचान की गतिविधि 'मिलकर खोजें' करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य/वाक्यांश पठन :** कुछ सरल वाक्यांश /वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 58 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-58

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③ पठन 20 मिनट

'सहज' से पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज -1 पाठ 2 'जलेबी', चॉक, बोर्ड
- सहज किताब के पाठ 2 को पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।
- बच्चों को कहानी अपने शब्दों में बताने के मौके दें।

सहज से पठन

20 मिनट

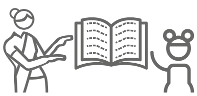

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में सहज से आज का पाठ पढ़ने को कहें।
- आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप आज के पाठ का आदर्श वाचन करें। इसके बाद समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग करें।
- अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 10
दिवस 2

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- विषय- जन्मदिन
- चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले बिन्दुओं का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के अनुभवों को चर्चा में सम्मिलित करें।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम अपने अपने जन्मदिन के बारे में बात करेंगे। सबसे पहले आप स्वयं बताएँ कि आप अपने जन्मदिन पर क्या-क्या करते हैं ? आदि।
- इसके बाद आप एक-एक करके सभी बच्चों से उनके जन्मदिन से जुड़े अनुभव को बताने को कहें। बीच बीच में आप कुछ तथ्यात्मक प्रश्न भी पूछें।
- चर्चा में आए कठिन शब्दों पर बातचीत करें और उनका अर्थ बच्चों की घर की भाषा में पूछें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से अपने जन्मदिन से जुड़ा कोई चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपना चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

मात्रा पहचान

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ए-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- फिर आप वर्ण मात्रा से लक्षित क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड क्रमशः बनाएं और 4-5 बार उच्चारण करके दिखाएँ। वर्ण-मात्रा से बने इस ग्रिड से पहले आप वर्ण अक्षर पढ़ें और बच्चों को अपने बाद बोलने को कहें। (यहाँ से हम बच्चों के साथ मात्रा की अवधारणा पर बात करेंगे, जैसे 'क' और 'ए की मात्रा' (े) - 'के'। यहाँ हम बच्चों को इन मात्राओं के चिन्हों से परिचित करवाएँगे और आगे भी इसी प्रकार कार्य करेंगे।)
- कुछ बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और बोर्ड पर बनी ग्रिड में आपके द्वारा बताए गए वर्ण/अक्षर को पहचान कर बताने को कहें।
- फिर आप बोर्ड पर 'के' और 'ने' लिख दें और बच्चों से 'पंखुड़ी' पाठय पुस्तक के किसी पाठ में इनको खोजकर गोला लगाने को कहें।
- **ब्लेंडिंग** : पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन** : पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन** : अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों और शब्दों से बनने वाले सरल वाक्य

बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2–3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से दोहराने को कहें।

- कुछ नए सरल वाक्य/वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और कुछ बच्चों से बोर्ड के पास आकर पढ़ने को कहें।
- बच्चों को छोटे समूहों में बाँट दें और उन्हें कार्यपुस्तिका में दिए वाक्य को पढ़ने को कहें और आप सभी बच्चों का घूम–घूमकर अवलोकन करें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 59 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ–59

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③ | पठन | 20 मिनट

सहज से पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज -1 पाठ-2 'जलेबी'
- सहज-1 किताब के पाठ 2 को पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन — 20 मिनट

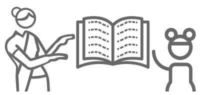

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुनः बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से कल वाला पाठ पुनः पढ़ने को कहें।
- आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें।
- फिर समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें।
- अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 10
दिवस 3

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- विषय- जन्मदिन
- चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले बिन्दुओं का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के अनुभवों को चर्चा में सम्मिलित करें।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम पुन: अपने अपने जन्मदिन के बारे में बात करेंगे। आज के बिन्दु कल हुई चर्चा से आगे के होंगे। जैसे- उनके द्वारा किसी के जन्मदिन मे शामिल होने का अनुभव या वे अपना जन्मदिन कैसे मनाना चाहते हैं ? आदि।
- इसके बाद आप एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभव को बताने को कहें। बीच बीच में आप कुछ तथ्यात्मक और अनुमान व तर्क वाले प्रश्न भी पूछें।
- आप प्रयास करें कि आज उन बच्चों को अधिक बोलने के मौके मिलें जिन्होंने कल की चर्चा में कम प्रतिभाग किया था।

लेखन कार्य कार्य

- आप बच्चों से अपने जन्मदिन से जुड़ा कोई चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द एवं वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ-9 'वाराणसी की यात्रा'
- 'य' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'य' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'य' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, वर्ण पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पाठ -9 'वाराणसी की यात्रा' में 'य' वर्ण खोजने और विभिन्न तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों और शब्दों से बनने वाले सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से दोहराने को कहें।
- कुछ नए सरल वाक्य/वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और कुछ बच्चों से बोर्ड के पास आकर पढ़ने को कहें।
- बच्चों को छोटे समूहों में बाँट दें और उन्हें कार्यपुस्तिका में दिए वाक्य को पढ़ने को कहें और आप सभी बच्चों का घूम-घूमकर अवलोकन करें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-60 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-60

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज -1 पाठ- 3 तितली, चॉक, बोर्ड
- सहज किताब के पाठ-3 को पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।
- बच्चों को कहानी अपने शब्दों में बताने के मौके दें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में सहज से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 10
दिवस 4

आईने की तरह नकल करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- ऐसी क्रियाओं का चुनाव करें जो रोचक हों।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- कालांश की शुरुआत किसी कविता/बालगीत/कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 10-15 मिनट तक कार्य करें।
- बच्चों को बताएँ कि आज उन्हें आइना गतिविधि करनी है। उन्हें आपकी सभी क्रियाओं की आइने की तरह नकल करनी होगी। यदि आप अपना दाहिना हाथ उठाते हैं तो वे अपना बायाँ हाथ उठायेंगे। यदि आप दाहिनी तरफ चलते हैं तो उन्हें अपने बाई तरफ चलना होगा।
- बच्चों को उसी तरह आपकी क्रियाओं की नकल करनी होगी जिस तरह आइने के सामने क्रिया करने पर छवियाँ दिखाई देती हैं।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को क्रिया करने के लिए प्रोत्साहित करें।

- पहले कुछ समय अभ्यास कराएं। इसके लिए बच्चों के सामने कुछ सरल क्रिया करें और उन्हें नकल करने के लिए कहें। यदि वे सही ढंग से नकल करते हैं तो आगे बढ़ें। जब बच्चे इस प्रक्रिया के आदी हो जाएँ तो मनोरंजक हरकतें भी करें।
- आप अपने स्थान पर किसी दूसरे बच्चे को बुला सकते हैं। कक्षा के बाकी बच्चों को इस बच्चे के द्वारा की गई क्रियाओं की आइने की तरह नकल करनी होगी।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस गतिविधि के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द एवं वाक्य पठन

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- सहज -3
- 'ज' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ज' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'ज' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और सहज-3 के किसी पाठ में 'ज' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों और शब्दों से बनने वाले सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से दोहराने को कहें।
- कुछ नए सरल वाक्य/वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और कुछ बच्चों से बोर्ड के पास आकर पढ़ने को कहें।
- बच्चों को छोटे समूहों में बाँट दें और उन्हें कार्यपुस्तिका में दिए वाक्य को पढ़ने को कहें और आप सभी बच्चों का घूम-घूमकर अवलोकन करें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-61 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-61

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज -1
- सहज-1 किताब के पाठ-3 को पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 10
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पृष्ठ संख्या-46 'भलाई की जीत'
- कहानी को पहले से पढ़ लें

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- 'पंखुड़ी' के पृष्ठ संख्या-46 पर दी गई कहानी 'भलाई की जीत' को अपने शब्दों में / स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

पुनरावृत्ति

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, पाठ्यपुस्तक/सहज, अक्षर कार्ड (वैकल्पिक)।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण/ अक्षर पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक/सहज में उनको खोजने और विभिन्न तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-62 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-62

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

स्वतंत्र पठन एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कार्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी समझने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।
- बच्चों को कहानी बताने में सहयोग करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे किताबें उलट-पलट कर पढ़ने/समझने का प्रयास कर रहे थे ? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और आगे के सत्रों में उनको किताबों के पढ़ने के तरीके से परिचित करवाएँ।

सप्ताह 10
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ-21 'घमंडी का बाग'

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप 'पंखुड़ी' पाठ-21 में दी गई कहानी 'घमंडी का बाग' अपने शब्दों में / स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों ?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे ? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है ?

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ–58 से 62 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें। परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचाने और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 11
दिवस 1

संकेतों को समझना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कुछ संकेतों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करें।
- आप ध्यान दें कि किसी को भी चोट न लगे या बच्चों की आपस में टक्कर न हो।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- गतिविधि की शुरुआत किसी कविता/बालगीत/कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 5-7 मिनट तक कार्य करें।
- बच्चों को बताएँ कि आप एक इशारा करेंगे जिसको देखकर उनको एक खास ढंग से चलना होगा।
- बच्चों को धीरे-धीरे और स्पष्ट रूप से निम्नलिखित संकेत दें। गतिविधि की शुरुआत में शिक्षक भी इन संकेतों को करके दिखाएँ-
  - कछुए की तरह धीरे-धीरे चलें। कक्षा के सारे हिस्सों को जा-जाकर देखें।
  - खरगोश की तरह उछल-कूद करें। कक्षा के दूर वाले छोर तक जाकर वापस आएँ।
  - हाथी की तरह चलें। इसका मतलब है कि आप बहुत बड़े हैं और आपको चलने के लिए बहुत सारी जगह की ज़रूरत होनी चाहिए।
  - मेढ़क की तरह उछल-उछल कर चलें।

लेखन कार्य

- गतिविधि में जिन जानवरों के नाम आये हैं, बच्चों से उनमें से किसी एक का चित्र बनाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ-10 'बन्दर बाँट'
- 'ट' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ट' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'ट' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पाठ-10 'बन्दर बाँट' में 'ट' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-63

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज -1, पाठ-4 'भालू की चालाकी'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।
- बच्चों को कहानी अपने शब्दों में बताने के मौके दें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में सहज से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 11
दिवस 2

चित्र के बारे में सरल बातचीत

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट: घाट, स्थानीय कविता
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र चार्ट देखने के लिए कहें। आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/ घटनाओं/गतिविधियों के बारे में सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न पूछें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों से खुले छोर (कल्पना, अनुमान, अनुभव, तर्क आधारित) वाले कुछ और प्रश्न करें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिनका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से चित्र में दिख रही चीजों में से 2-3 चीजों के नाम लिखने और बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश ① **2** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी'
- 'ख' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ख' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'ख' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पृष्ठ संख्या-31 में दी गई कहानी 'खरगोश और हाथी' में 'ख' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-64

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② **3**

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज -1 पाठ-4 'भालू की चालाकी'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुनः बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुनः पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 11
दिवस 3

चित्र के बारे में समृद्ध बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट: घाट
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

चित्र चार्ट पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई कविता पूरे हाव-भाव सहित गाएँ।
- पिछले दिन की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें। चर्चा को आगे बढ़ाएँ और नए बंद छोर और खुले छोर के प्रश्नों को पूछें।
- आप प्रश्न पूछें और बच्चों से जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें। आप बच्चों को यह निर्देश दें कि दोनों ही बच्चों को (प्रश्न का उत्तर) क्या लगता है, इस पर बात करनी है।
- जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो तब आप किन्हीं 2-3 बच्चों को अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें। कोशिश करें कि हर बच्चे को 1-2 बार पूरी कक्षा में अपने उत्तर को साझा करने के मौके मिलें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने, रंग भरने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में समान रूप से भाग लिया ?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और उन्हें हो रही परेशानी को समझने और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करने की योजना बनाएँ।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी'
- 'इ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'इ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'इ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' के किसी पृष्ठ संख्या-में 'इ' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लेखन के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-65

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ-5 'दो चीटिंयां'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।
- बच्चों को कहानी अपने शब्दों में बताने के मौके दें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 11
दिवस 4

भावनाएँ व्यक्त करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- बच्चों को दी जाने वाली स्थितियों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चो को प्रतिक्रिया देने के लिए प्रोत्साहित करें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- गतिविधि की शुरुआत किसी कविता/बालगीत/कहानी से करें। इस पर बच्चों के साथ 5-7 मिनट तक कार्य करें।
- बच्चों को बताएँ कि आप उन्हें कुछ खास स्थितियाँ देंगे और उन्हें उन स्थितियों के अनुसार अपने चेहरे के हाव-भाव के द्वारा अपनी प्रतिक्रिया दिखानी है। जैसे- यदि स्थिति खुशी की है तो वे अपने चेहरे पर खुशी के भाव प्रकट करके दिखाएंगे।
- प्रत्येक स्थिति के लिए 3-4 बच्चों को मौके दें । यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चे को कम से कम 2-3 बार अपनी भावनाओं को प्रकट करके दिखाने के मौके मिलें।
- आप बच्चों को निम्नलिखित स्थिति दें :
  - मम्मी ने गुलाबजामुन बनाये हैं और आपको औरों से ज्यादा गुलाबजामुन मिले हैं।
  - आज सुबह चलते-चलते आप गिर पड़े थे।
  - आपके भाई/बहन/दोस्त ने आपका मनपसन्द खाना खा लिया।
  - आपके किसी परिवार वाले ने आपके जन्मदिन पर कोई गिफ्ट दिया।
  - आपको बहुत सारा होमवर्क करने को मिला।
  - आपके चाचा/मामा आपके लिए एक नयी साईकिल लाए हैं।
  - बारिश हो रही है और बादल गरज रहा है।
- गतिविधि शुरू करने के पहले आप बच्चों को उदाहरण देकर बताएँ कि उन्हें क्या करना है। यदि बच्चे स्थिति नहीं समझ पाएँ तो उन्हें समझाने के लिए कुछ संकेत और विवरण दें।

लेखन कार्य

- बच्चों से गतिविधि में दी गयी स्थितियों से संबंधित कोई चित्र बनाने को कहें। इस चित्र पर आपस में चर्चा करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- जिन बच्चों को गतिविधि करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और सहायता करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी', कार्यपुस्तिका
- 'ई' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

'ई' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'ई' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' के किसी पाठ में 'ई' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-66

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ-5 'दो चींटियाँ'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-3, पाठ-11
- कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- सहज-3 पाठ-11 में दी गई कहानी 'आम दिवस' को अपने शब्दों में / स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी में आए 2-3 शब्दों को चुनकर लिखने व उनसे वाक्य बनाकर आपस में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, पाठ्यपुस्तक/सहज, अक्षर कार्ड (वैकल्पिक)।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण/ अक्षर पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों की ध्वनि एवं प्रतीक, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक/सहज में उनको खोजने और अलग-अलग तरीकों से उनको लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-67

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

स्वतंत्र पठन एवं सरल चर्चा

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कार्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी पढ़ने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ उसे स्वीकार करें।
- बच्चों का कहानी बताने में सहयोग करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे किताबें उलट-पलट कर पढ़ने/समझने का प्रयास कर रहे थे ? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और आगे के सत्रों में उनको किताबों के पढ़ने के तरीके से परिचित करवाएँ।

सप्ताह 11
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-3 पाठ-12 'गुफा'

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप सहज-3 के पाठ-12 में दी गई कहानी 'गुफा' को अपने शब्दों में / स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों ?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

साप्ताहिक आकलन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसको करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-63 से 67 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें। परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचाने और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 12
दिवस 1

कविता पर चर्चा और शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कविता पोस्टर- अलमारी
- कविता को लय से पढ़ना और चर्चा में उपयोग मे लिए जाने वाले प्रश्नों का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिसका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

कविता, पोस्टर पर कार्य

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए दिन की शुरुआत आप स्थानीय खेल से करें।
- फिर आप बच्चों को कविता पोस्टर 'अलमारी' दिखाएँ और उस पर बातचीत करें और बच्चों से अनुमान लगाने को कहें कि कविता किसके बारे में हैं, कविता में क्या हो रहा होगा? आदि।
- इसके बाद आप कविता को 2 बार पूरी लय और हाव-भाव के साथ गायें और तीसरी बार बच्चों को अपने पीछे पीछे दोहराने को कहें।
- फिर आप कविता से जुड़े कुछ अर्थ निर्माण व तर्क, कल्पना, अनुमान लगाने से संबंधित प्रश्न बच्चों से पूछें।
- आप बोर्ड पर कविता में आए मुख्य शब्दों को लिख दें और बच्चों को शब्द दिखाते हुए पढ़ें और बच्चों से दोहराने को कहें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों को जोड़े में बिठाकर कविता से संबंधित कोई चित्र बनाने और उसके बारे में सभी को बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ओ-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे 'न', 'नो'।
- कुछ अन्य वर्ण लिख कर उसमे लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे - क, को, र, रो।
- सिखाए गए वर्णो और लक्षित मात्रा से क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड बोर्ड पर बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करें और बच्चों से पहचान करवाएँ।
- अक्षर पहचान की गतिविधि 'मिलकर खोजें' करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्यांश /वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ–68

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज–1 पाठ–6 'मेंढ़क का गाना'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/उठने–बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी–बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 12
दिवस 2

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- विषय– यात्रा
- चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले बिन्दुओं का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के अनुभवों को चर्चा में सम्मिलित करें।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव–भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम किसी यात्रा के बारे में बात करेंगे। सबसे पहले आप स्वयं आपके द्वारा की गई किसी यात्रा के बारे में बताएँ कि आप कहाँ गए थे ? कब आए थे ? कैसे गए थे ? आदि।
- इसके बाद आप एक–एक करके सभी बच्चों से उनके द्वारा की गई किसी यात्रा से जुड़े अनुभव को बताने को कहें। बीच बीच में आप कुछ तथ्यात्मक प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से उनके द्वारा की गई किसी यात्रा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपना चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी', कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ओ-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- फिर आप वर्ण मात्रा से लक्षित क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड क्रमशः बनाएं और 4-5 बार उच्चारण करके दिखाएँ। वर्ण-मात्रा से बने इस ग्रिड से पहले आप वर्ण अक्षर पढ़ें और बच्चों को अपने बाद बोलने को कहें।
- कुछ बच्चों को बारी बारी से बुलाएँ और बोर्ड पर बनी ग्रिड में से आपके द्वारा बताए गए वर्ण/अक्षर को पहचान कर बताने को कहें।
- फिर आप बोर्ड पर 'को' और 'नो' लिख दें और बच्चों से 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक के किसी पाठ में इनको खोजकर गोला लगाने को कहें।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-69

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज -1 पाठ-6 'मेंढ़क का गाना'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 12
दिवस 3

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- विषय- यात्रा
- चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले बिन्दुओं का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के अनुभवों को चर्चा में सम्मिलित करें।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम फिर से अपने द्वारा की गई किसी यात्रा के बारे में बात करेंगे। आज के बिन्दु कल हुई चर्चा से आगे के होंगे।
- इसके बाद आप एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभव को बताने को कहें। बीच बीच में आप कुछ तथ्यात्मक और अनुमान व तर्क वाले प्रश्न भी पूछें।
- आप प्रयास करें कि आज उन बच्चों को अधिक बोलने के मौके मिलें जिन्होंने कल की चर्चा में कम प्रतिभाग किया था।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से उनके द्वारा की गई किसी यात्रा के बारे में चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- जो बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं पाए हों उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश ① **②** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी'
- 'ए' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ए' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत एक कविता से करें। बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'ए' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' के किसी पाठ में 'ए' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-70

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② **③**

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ-7 'भालू और मदारी'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।
- बच्चों को कहानी अपने शब्दों में बताने के मौके दें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में सहज से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 12
दिवस 4

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- विषय का चुनाव कर लें, उनकी सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को वाक्य बनाने में सहायता करें, प्रोत्साहित करें।

गतिविधि : मुझे कुछ कहना है

- कालांश की शुरुआत किसी स्थानीय कविता/गीत को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- बच्चों को गोल घेरे में बिठा दें और आप गोल घेरे के बाहर घूमते हुए बोले- अक्कड़-बक्कड़ बम्बे बो अस्सी नब्बे पूरे सौ.......
- यह बोलते हुए आप, जिस बच्चे के ऊपर सौ आए, उस बच्चे को किसी विषय पर 2-3 वाक्य बोलने को कहें।
- इसी क्रम में गतिविधि तब तक करवाएँ जब तक सभी बच्चों को बोलने का मौका न मिल जाए।
- आप बच्चों की रुचि के अनुसार रोचक विषय का चुनाव कर सकते हैं। किसी विषय पर क्या बोला जा सकता है उसका उदाहरण बच्चों को दें।

लेखन कार्य

- बच्चों से चर्चा से जुड़ा चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी को बताने को कहें। 3-4 बच्चों से कक्षा के सभी बच्चों को चित्र दिखाकर उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने गतिविधि में प्रतिभागिता की ?
- जो बच्चे कम बोल रहें हों उनकी पहचान कर लें और आगे उनको बोलने के अधिक मौके प्रदान करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी'
- 'छ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'छ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'छ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' के किसी पाठ में 'छ' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-71

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ-7 'भालू और मदारी'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 12
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ-9 'वाराणसी की यात्रा'
- कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- 'पंखुड़ी' के पाठ-9 'वाराणसी की यात्रा' अपने शब्दों में / स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी में आए 2-3 शब्दों को चुनकर लिखने व उनसे वाक्य बनाकर आपस में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, पाठ्यपुस्तक/सहज, अक्षर कार्ड (वैकल्पिक)

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण/अक्षर/मात्रा पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/मात्राओं की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक/सहज में उनको खोजने तथा विभिन्न तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-72

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

स्वतंत्र पठन एवं सरल चर्चा

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कार्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी पढ़ने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।
- बच्चों को कहानी बताने में सहयोग करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे किताबें उलट-पलट कर पढ़ने/समझने का प्रयास कर रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और आगे के सत्रों में उनको किताबों के पढ़ने के तरीके से परिचित करवाएँ।

सप्ताह 12
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ-13 'सीख'

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछें गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप 'पंखुड़ी' के पाठ-13 में दी गई कहानी 'सीख' को अपने शब्दों में स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका,
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-68 से 72 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें। परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचाने और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 13
दिवस 1

निर्देश समझना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- आप 1-2 कविता हाव-भाव सहित तैयार कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करें।
- सभी बच्चों को गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

तोता कहता है

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए दिन की शुरुआत कविता या गीत हाव-भाव के साथ गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- फिर आप बच्चों को गोले में खड़ा करे और बताएँ कि आपको तोते के द्वारा दिए गए निर्देशों को मानना है बाकी निर्देशों को नहीं। जैसे- यदि आप बोलें- 'तोता कहता है- 'बैठो' तो सभी बच्चों को बैठ जाना है। किन्तु यदि आप बोलें- 'बैठो' तो नहीं बैठना है।
- आप 1-2 बार अभ्यास करवाएँ और अलग-अलग निर्देशों जैसे- कूदो, नाचो, हँसो आदि द्वारा खेल करवाएँ। जो बच्चा सही न करे उसको खेल संचालित करने का मौका दिया जाए।

लेखन कार्य

- बच्चों से तोते का चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी को 2-3 वाक्य बताने को कहें। 3-4 बच्चों से सभी को चित्र दिखाकर उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने गतिविधि में प्रतिभागिता की ?
- जिन बच्चों को निर्देश समझने में परेशानी हो रही हो उनकी पहचान कर लें और उनको प्रोत्साहन दें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी'
- 'थ' और 'ऐ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'थ' और 'ऐ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'थ' और 'ऐ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' के किसी पृष्ठ संख्या-में 'थ' और 'ऐ' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार

लेखन कार्य

पाठ-73

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ-8 'शेरू'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।
- बच्चों को कहानी अपने शब्दों में बताने के मौके दें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में सहज से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 13
दिवस 2

चित्र के बारे में सरल बातचीत

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट: दंगल/कुश्ती, स्थानीय कविता
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिसका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र चार्ट 'दंगल/कुश्ती' देखने के लिए कहें। आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/ घटनाओं/ गतिविधियों के बारे में सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न पूछें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों के खुले छोर (कल्पना, अनुमान, अनुभव, तर्क आधारित) वाले कुछ और प्रश्न करें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चित्र में दिख रही चीजों में से 2-3 चीजों के नाम लिखने और बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश 1 **2** 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- सहज-3
- 'व' और 'ड' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'व' और 'ड' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'व' और 'ड' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और सहज -3 के किसी पृष्ठ संख्या-में 'व' और 'ड' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-74

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 **3**

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ-8 'शेरू'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 13
दिवस 3

चित्र के बारे में समृद्ध बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट: दंगल/कुश्ती
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- उन बच्चों को अधिक मौका दें जिन्होंने पिछले दिन कम प्रतिभाग किया हो।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई कविता पूरे हाव-भाव सहित गाएँ।
- पिछले दिन चित्र चार्ट 'दंगल/कुश्ती' पर की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें। चर्चा को आगे बढ़ाएँ और नए बंद छोर और खुले छोर के प्रश्नों को पूछें।
- आप प्रश्न पूछें और बच्चों से उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें। आप बच्चों को यह निर्देश दें कि दोनों ही बच्चों को (प्रश्न का उत्तर) क्या लगता है, इस पर बात करनी है।
- जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो तब आप किन्हीं 2-3 बच्चों से अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें। प्रयास करें कि हर बच्चे को 1-2 बार पूरी कक्षा में अपने उत्तर को साझा करने के मौके मिलें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से 'दंगल/कुश्ती' से जुड़ा कोई चित्र बनाने, रंग भरने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में समान रूप से भाग लिया ? यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस चर्चा में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और उन्हें हो रही परेशानी को समझने और आवश्यकता अनुसार उनकी सहायता करने की योजना बनाएँ।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- सहज-3
- 'उ' और 'झ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

'उ' और 'झ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'उ' और 'झ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और सहज -3 के किसी पृष्ठ संख्या-में 'उ' और 'झ' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-75

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ-9 'पतंग और बकरी'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।
- बच्चों को कहानी अपने शब्दों में बताने के मौके दें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में सहज से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 13
दिवस 4

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कागज की गेंद, बच्चों की संख्या के अनुसार वस्तुएँ, आँख पर पट्टी बाँधने के लिए कपड़ा/रुमाल।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- परिवेशीय वस्तुओं का ही चयन करें।
- बच्चों को वाक्य बनाने में सहायता करें, प्रोत्साहित करें।
- ऐसी वस्तुओं का चुनाव करें जिससे बच्चों को चोट न लगे और उन्हें कोई हानि न पहुँचे।

गतिविधि : वस्तु के बारे में बताना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए दिन की शुरुआत कविता या गीत को हाव-भाव के साथ गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- बच्चों को गोल घेरे में बिठा दें और कुछ चीजें जैसे- आलू, पत्थर, चाक, डस्टर, किताब इत्यादि बच्चों को दिखाते हुए एक झोले में डाल दें।
- अब कागज की गेंद को कोई कविता गाते हुए गोले में घुमाएँ।
- कविता खत्म होने पर जिस बच्चे के पास गेंद होगी, उसकी आँख में पट्टी बांधे। वह बच्चा झोले में से कोई एक वस्तु निकालेगा और उसे छूकर बताएगा कि वह वस्तु क्या हैं? वस्तु पहचानने के लिए बच्चे को एक मिनट का समय दे।
- इस दौरान कक्षा के अन्य बच्चे रंग, आकार और उपयोग के आधार पर वस्तु के बारे में कोई बात बता सकते हैं- जैसे तुम्हारे हाथ में जो वस्तु है वह भूरे रंग की हैं? और इस प्रकार अपने दोस्त की सहायता कर सकते हैं।

लेखन कार्य

- बच्चों से उनके द्वारा निकाली गई वस्तु का चित्र बनाने, उसके बारे में अपने साथी से बताने को कहें। 3-4 बच्चों से कक्षा के सभी बच्चों को चित्र दिखाकर उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने गतिविधि में प्रतिभागिता किया?
- जो बच्चे कम बोल रहें हों उनकी पहचान कर लें और आगे उनको बोलने के अधिक मौके प्रदान करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- सहज-3
- 'ओ' और 'ढ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ओ' और 'ढ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'ओ' और 'ढ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और सहज -3 के किसी पृष्ठ संख्या-में 'ओ' और 'ढ' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ–76

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज–1 पाठ–9 'पतंग और बकरी'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुनः बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुनः पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी–बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 13
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज–3, पाठ–13
- कहानी को पहले से पढ़ लें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव–भाव के साथ गाएँ।
- सहज–3 पाठ–13 में दी गई कहानी 'नाव की सवारी' अपने शब्दों में स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच–बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3–4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों ?

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी में आए 2-3 शब्दों को चुनकर लिखने एवं उनसे वाक्य बनाकर आपस में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

पुनरावृत्ति

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, पाठ्यपुस्तक/सहज अक्षर कार्ड (वैकल्पिक)

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण/अक्षर/मात्रा पहचान :** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/मात्राओं की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक/सहज में उनको खोजने तथा अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-77

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

स्वतंत्र पठन एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कार्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी पढ़ने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।
- बच्चों का कहानी बताने मे सहयोग करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे किताबें उलट-पलट कर पढ़ने/समझने का प्रयास कर रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और आगे के सत्रों में उनको किताबों के पढ़ने के तरीके से परिचित करवाएँ।

सप्ताह 13

दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-3 पाठ-14 'मेरा गाँव'

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) के उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप सहज-3 के पाठ-14 'मेरा गाँव' अपने शब्दों में स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- बच्चों से अपने गाँव का कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका,
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ–73 से 77 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें। परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचाने और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 14
दिवस 1

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- गतिविधि के लिए कुछ उदाहरण तैयार कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को सरल संकेत दें।
- बच्चों को वाक्य बनाने में सहायता करें, प्रोत्साहित करें।

गतिविधि : क्या-क्या होता ....

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए दिन की शुरुआत कविता या गीत को हाव-भाव के साथ गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- बच्चों को गोल घेरे में खड़ा कर लें और आप घेरे के बीच में आ जाएं, बच्चे गोल घेरे में रेलगाड़ी की तरह चलें । आप बोले
- 'क्या-क्या होता लाल-लाल'?
- बच्चे भी आपके पीछे-पीछे दोहराएँ-
- 'क्या-क्या होता लाल-लाल'?
- आप गोले में से किसी एक बच्चे के सिर पर हाथ रखकर पूछें- 'क्या-क्या होता लाल-लाल ?'
- अब वह बच्चा किसी लाल चीज का नाम बोलेगा जैसे- 'टमाटर होता लाल-लाल'। इसके बाद बच्चा टमाटर के बारे में एक वाक्य बोलेगा, जैसे- 'टमाटर एक सब्जी है।'
- इसे 3-4 बार अलग-अलग बच्चों के साथ दोहराएँ। फिर किसी और विशेषता को लेकर इस गतिविधि को आगे बढ़ाएँ। जैसे- खट्टा, मीठा, तीखा, काला, पीला, लंबा, गोला, इत्यादि।

लेखन कार्य

- बच्चों को गतिविधि से जुड़ी किसी वस्तु का चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी को बताने को कहें। 3-4 बच्चों से कक्षा के सभी बच्चों को चित्र दिखाकर उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने गतिविधि में प्रतिभागिता की ? जो बच्चे कम बोल रहें हों उनकी पहचान कर लें और आगे उनको बोलने के अधिक मौके प्रदान करें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'उ-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे 'न', 'नु'।
- कुछ अन्य वर्ण लिख कर उसमे लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे - क, कु, ल, लु।
- सिखाए गए वर्णो और लक्षित मात्रा से क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड बोर्ड पर बनाएं और 4-5 बार उच्चारण करें और बच्चों से पहचान करवाएँ।
- अक्षर पहचान की गतिविधि 'मिलकर खोजें' करवाएँ।

- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-78

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ-10 'रीता की गुड़िया'
- पाठ पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 14
दिवस 2

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- विषय– शादी समारोह
- चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले बिन्दुओं का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के अनुभवों को चर्चा में सम्मिलित करें।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव–भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम किसी शादी समारोह मे शामिल होने के बारे में बात करेंगे। सबसे पहले आप स्वयं किसी शादी समारोह से जुड़े अपने अनुभव के बारे में बताएँ कि किसकी शादी थी, क्या क्या हुआ था शादी में, शादी कैसे हुई ? आदि।
- इसके बाद आप एक–एक करके सभी बच्चों से उनके शादी समारोह से जुड़े अनुभव बताने को कहें। बीच बीच में आप कुछ तथ्यात्मक प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से शादी समारोह से जुड़ा कोई चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें। फिर किन्हीं 3–4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक, 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'उ-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/ उठने–बैठने का मौका दें।
- फिर आप वर्ण मात्रा से लक्षित क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड क्रमशः बनाएँ और 4–5 बार उच्चारण करके दिखाएँ। वर्ण–मात्रा से बने इस ग्रिड से पहले आप वर्ण अक्षर पढ़ें और बच्चों को अपने बाद बोलने को कहें।
- कुछ बच्चों को बारी बारी से बुलाएँ और बोर्ड पर बनी ग्रिड में से आपके द्वारा बताए गए वर्ण/अक्षर को पहचान कर बताने को कहें।
- फिर आप बोर्ड पर 'कु' और 'नु' लिख दें और बच्चों से 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक के किसी पाठ में इनको खोजकर गोला लगाने को कहें।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए–नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2–3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-79

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ-10 'रीता की गुड़िया'
- किताब के पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 14
दिवस 3

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- विषय- शादी समारोह
- चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले बिन्दुओं का चयन करना।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम फिर से किसी शादी समारोह के बारे में बात करेंगे। (आज के बिन्दु कल हुई चर्चा से आगे के होंगे।)
- इसके बाद आप एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभव को बताने को कहें। बीच बीच में आप कुछ तथ्यात्मक और अनुमान, तर्क वाले प्रश्न भी पूछें।
- आप प्रयास करें कि आज उन बच्चों को अधिक बोलने के मौके मिलें जिन्होंने कल की चर्चा में कम प्रतिभाग किया था।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के अनुभवों को चर्चा में सम्मिलित करें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से शादी समारोह के बारे में 2-3 शब्द लिखने और उन पर वाक्य बनाकर अपने साथी को बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश ① **②** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- सहज-3
- 'ठ' और 'श' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ठ' और 'श' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'ठ' और 'श' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और सहज -3 के किसी पृष्ठ संख्या-में 'ठ' और 'श' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखना के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-80

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② **③**

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज -1 पाठ-11 'बड़ा गुब्बारा'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में सहज से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।
- बच्चों को कहानी अपने शब्दों में बताने के मौके दें।

- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 14
दिवस 4

कविता पर चर्चा और शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कविता पोस्टर- 'काशीफल'
- कविता को लय से पढ़ना और चर्चा में उपयोग मे लिए जाने वाले प्रश्नों का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिसका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

कविता पोस्टर पर कार्य

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए दिन की शुरुआत आप स्थानीय खेल से करें।
- फिर आप बच्चों को कविता पोस्टर 'काशीफल' दिखाएँ और उस पर बातचीत करें और बच्चों से अनुमान लगाने को कहें कि कविता किसके बारे में है ?, कविता में क्या हो रहा होगा ? आदि।
- इसके बाद आप कविता को 2 बार पूरी लय और हाव-भाव के साथ गायें और तीसरी बार बच्चों को अपने पीछे-पीछे दोहराने को कहें।
- फिर आप कविता से जुड़े कुछ अर्थ निर्माण एवं तर्क, कल्पना, अनुमान लगाने से संबंधित विभिन्न प्रश्न बच्चों से पूछें।
- फिर आप कविता में आए मुख्य शब्दों को बोर्ड पर लिख दें और बच्चों को शब्द दिखाते हुए पढ़ें और बच्चों से दोहराने को कहें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों को जोड़े में बैठाकर कविता से संबंधित कोई चित्र बनाने और उसके बारे में सभी को बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- सहज-3
- 'ड़' और 'फ' वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ड़' और 'फ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'ड़' और 'फ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और सहज -3 के किसी पृष्ठ संख्या-में 'ड़' और 'फ' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-81

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ-11 'बड़ा गुब्बारा'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 14
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-3 पाठ-15 'लोभ'
- कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।

मौखिक कहानी

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- सहज-3 से पाठ-15 'लोभ' अपने शब्दों में / स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी में आए 2-3 शब्दों को चुनकर लिखने व उनसे वाक्य बनाकर आपस में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, पाठ्यपुस्तक/सहज, अक्षर कार्ड (वैकल्पिक)

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण/अक्षर/मात्रा पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/मात्राओं की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक/सहज में उनको खोजने तथा अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-82

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

स्वतंत्र पठन एवं सरल चर्चा

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कार्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी पढ़ने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे किताबें उलट-पलट कर पढ़ने/समझने का प्रयास कर रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और उनकी सहायता करें।

सप्ताह 14
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका (2020-21) कक्षा-1

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछें गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका (2020-21) कक्षा-1 से कोई कहानी अपने शब्दों में / स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें की इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

साप्ताहिक आकलन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका,
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ–78 से 82 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें। परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचाने और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 15
दिवस 1

कविता पर चर्चा और शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कविता पोस्टर – बरसात
- कविता को लय से पढ़ना और चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले प्रश्नों का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिसका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

कविता पोस्टर पर कार्य

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए दिन की शुरुआत आप स्थानीय खेल से करें।
- फिर आप बच्चों को कविता पोस्टर 'बरसात' दिखाएँ और उस पर बातचीत करें और बच्चों से अनुमान लगाने को कहें कि कविता किसके बारे में हैं?, कविता में क्या हो रहा होगा? आदि।
- इसके बाद आप कविता को 2 बार पूरी लय और हाव-भाव के साथ गायें और तीसरी बार बच्चों को अपने पीछे-पीछे दोहराने को कहें।
- फिर आप कविता से जुड़े कुछ अर्थ निर्माण एवं तर्क, कल्पना, अनुमान लगाने से संबंधित विभिन्न प्रश्न बच्चों से पूछें।
- फिर आप कविता में आए मुख्य शब्दों को बोर्ड पर लिख दें और बच्चों को शब्द दिखाते हुए पढ़े और बच्चों से दोहराने को कहें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों को जोड़े में बैठाकर कविता से संबंधित कोई भी चित्र बनाने और उसके बारे में सभी को बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ऊ-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे 'न', 'नू'।
- कुछ अन्य वर्ण लिख कर उसमें लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे – क, कू, ल, लू।
- सिखाए गए वर्णो और लक्षित मात्रा से क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड बोर्ड पर बनाएं और 4-5 बार उच्चारण करें और बच्चों से पहचान करवाएँ।
- अक्षर पहचान की गतिविधि 'मिलकर खोजें' करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ–83

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 **3**

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज –1 पाठ–12 'झूला'
- पाठ पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/उठने–बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में सहज से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी–बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 15
दिवस 2

चित्र के बारे में सरल बातचीत

कालांश **1** 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट: यातायात, स्थानीय कविता
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव–भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र चार्ट देखने के लिए कहें। आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/ घटनाओं/ गतिविधियों के बारे में सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न पूछें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों से खुले छोर (कल्पना, अनुमान, अनुभव, तर्क आधारित) वाले कुछ और प्रश्न करें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिसका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चित्र में दिख रही चीजों में से 3-4 चीजों के नाम लिखने और बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, 'पंखुड़ी', बोर्ड, चॉक

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ऊ-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- फिर आप वर्ण मात्रा से लक्षित क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड क्रमशः बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करके दिखाएँ। वर्ण-मात्रा से बने इस ग्रिड से पहले आप वर्ण अक्षर पढ़ें और बच्चों को अपने बाद बोलने को कहें।
- कुछ बच्चों को बारी बारी से बुलाएँ और बोर्ड पर बनी ग्रिड में से आपके द्वारा बताए गए वर्ण/अक्षर को पहचान कर बताने को कहें।
- फिर आप बोर्ड पर 'कू' और 'नू' लिख दें और बच्चों से 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक के किसी पाठ में इनको खोजकर गोला लगाने को कहें।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-84

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 **3**

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज -1 पाठ-12 'झूला'
- किताब के पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 15
दिवस 3

चित्र के बारे में समृद्ध बातचीत

कालांश **1** 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट: यातायात
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- उन बच्चों को अधिक मौका दें जिन्होंने पिछले दिन कम प्रतिभाग किया हो।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई कविता पूरे हाव-भाव सहित गाएँ।
- पिछले दिन की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें। चर्चा को आगे बढ़ाएँ और नए बंद छोर और खुले छोर के प्रश्नों को पूछें।
- आप प्रश्न पूछें और बच्चों से जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें। आप बच्चों को यह निर्देश दें कि दोनों ही बच्चों को (प्रश्न का उत्तर) क्या लगता है, इस पर बात करनी है।
- जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो तब आप किन्हीं 2-3 बच्चों से अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें। प्रयास करें कि हर बच्चे को 1-2 बार पूरी कक्षा में अपने उत्तर को साझा करने के मौके मिलें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से यातायात से जुड़ा कोई चित्र बनाने, रंग भरने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में समान रूप से भाग लिया ?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें और उन्हें हो रही परेशानी को समझने और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करने की योजना बनाएँ।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- सहज-3
- 'भ', 'ऊ' और 'ण' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'भ' 'ऊ' और 'ण' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'भ', 'ऊ' और 'ण' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और सहज -3 के किसी पृष्ठ संख्या-में 'भ', 'ऊ' और 'ण' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएह्व।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-85

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 से अतिरिक्त पाठ - 'ऊँट और साँप'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में सहज से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।
- बच्चों को कहानी अपने शब्दों में बताने के मौके दें।

- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 15
दिवस 4

कविता पर चर्चा और शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कविता पोस्टर – चींटी
- कविता को लय से पढ़ना और चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले प्रश्नों का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जिसका अर्थ अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

कविता पोस्टर पर कार्य

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए दिन की शुरुआत आप स्थानीय खेल से करें।
- फिर आप बच्चों को कविता पोस्टर 'चींटी' दिखाएँ और उस पर बातचीत करें और बच्चों से अनुमान लगाने को कहें कि कविता किसके बारे में है, कविता में क्या हो रहा होगा ? आदि।
- इसके बाद आप कविता को 2 बार पूरी लय और हाव-भाव के साथ गायें और तीसरी बार बच्चों को अपने पीछे-पीछे दोहराने को कहें।
- फिर आप कविता से जुड़े कुछ अर्थ निर्माण एवं तर्क, कल्पना, अनुमान लगाने से संबंधित विभिन्न प्रश्न बच्चों से पूछें।
- बोर्ड पर कविता में आए मुख्य शब्दों को लिख दें और बच्चों को शब्द दिखाते हुए पढ़े और बच्चों से दोहराने को कहें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों को जोड़े में बिठाकर कविता से संबंधित कोई भी चित्र बनाने और उसके बारे में सभी को बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश ① **2** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- सहज-3
- 'घ', 'अं' और 'ध' से शुरू होने वाले

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'घ', 'अं' और 'ध' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'घ', 'अं' और 'ध' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और सहज -3 के किसी पृष्ठ संख्या-में 'घ', 'अं' और 'ध' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएह्न।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-86

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② **3**

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 से अतिरिक्त पाठ - 'ऊँट और साँप'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 15
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-3 पाठ-16 'बोलती चुटकी'
- कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- सहज-3 से पाठ-16 'बोलती चुटकी' अपने शब्दों में / स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों ?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी में आए 2-3 शब्दों को चुनकर उनको लिखने और उनसे वाक्य बनाकर आपस में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे ? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है ?

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, पाठ्यपुस्तक/सहज, अक्षर कार्ड (वैकल्पिक)

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण/अक्षर/मात्रा पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/मात्राओं की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक/सहज में उनको खोजने तथा अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-87

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

स्वतंत्र पठन एवं सरल चर्चा

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कार्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी पढ़ने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे किताबें उलट-पलट कर पढ़ने/समझने का प्रयास कर रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और उनकी सहायता करें।

सप्ताह 15
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-3 पाठ-17 'लायक कौन?'

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक से अधिक बच्चों को पूछें गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप सहज-3 पाठ-17 'लायक कौन?' कहानी को अपने शब्दों में / स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

साप्ताहिक आकलन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-83 से 87 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें। परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचाने और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 16
दिवस 1

अपने दोस्तों की सहायता के लिए प्रेरित करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- बच्चों में प्रचलित सुपर हीरो के नाम व उनकी शक्तियों की एक सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- एक से अधिक बच्चे एक ही सुपरहीरो चरित्र या सुपरपावर को चुन सकते हैं।
- बच्चों को उनकी बात कहने के भरपूर मौके दें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव - सुपर हीरो की शक्ति

- कालांश की शुरुआत किसी स्थानीय कविता/गीत बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- आप बच्चों से बात करना शुरू करें और बच्चों से पूछें कि यदि वे सुपरहीरो होते तो कौन सी सुपर पावर (विशेष शक्ति) लेना चाहते।
- फिर आप बच्चों से कहें कि कुछ समय के लिए वे खुद को सुपरहीरो की तरह देखें और मान लें कि उनके पास अपनी इच्छा की सुपर पावर आ गई है। अब उन्हें एक सुपरहीरो की तरह व्यवहार करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- बच्चों से पूछें कि वे अपनी-अपनी सुपर पावर की सहायता से क्या करना चाहते हैं और किसकी सहायता करना चाहते हैं।
- बच्चों को सुपरहीरो की तरह व्यवहार करने दें। शुरुआत में आप स्वयं किसी सुपर हीरो और उसकी सुपर पावर की सहायता से किसकी और क्या सहायता करना चाहते हैं उसका उदाहरण दें।

लेखन कार्य

- बच्चों से उनके पसंद के सुपर हीरो का चित्र बनाने और उसके बारे में 2-3 वाक्य सभी को बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने गतिविधि में सक्रिय सहभागिता की? जिन बच्चों को गतिविधि करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'इ-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे 'न', 'नि'।
- कुछ अन्य वर्ण लिख कर उसमें लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे - क, कि, ल, लि।
- सिखाए गए वर्णों और लक्षित मात्रा से क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड बोर्ड पर बनाएं और 4-5 बार उच्चारण करें और बच्चों से पहचान करवाएँ।
- अक्षर पहचान की गतिविधि 'मिलकर खोजें' करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए

वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-88

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 से अतिरिक्त पाठ- 'हाथी आया गाँव में'
- पाठ पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में सहज से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 16
दिवस 2

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझ पाना

कालांश 1 2 3 | मौखिक भाषा | 40 मिनट

चित्र कहानी पोस्टर पर चर्चा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र कहानी पोस्टर -1
- आप पहले से चित्र कहानी पोस्टर के आधार पर 6-7 वाक्यों वाली एक कहानी तैयार कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें ।

चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य

20-25 मिनट

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट दें।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र कहानी पोस्टर देखने के लिए कहें।
- सभी बच्चों को चित्र कहानी पोस्टर देखने के लिए समय दें।
- इसके बाद आप बच्चों से चित्र कहानी में दिख रहे चारों चित्रों पर एक-एक करके बात करें और उनके बारे में सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न पूछें। जैसे-
  - पहले चित्र में कौन-कौन हैं ?
  - पहले चित्र में क्या हो रहा है ?
- इसके बाद आप बच्चों को चित्र को समग्रता से देखने के लिए कहें। चारों चित्रों को मिलाकर एक कहानी बनाएँ और बच्चों को मौखिक रूप से 2 बार सुनाएं। इस दौरान आप चित्रों की ओर बच्चों का ध्यान दिलाएँ। ध्यान दें कि ये कहानी 6-7 छोटे वाक्यों वाली ही हो।
- इसके बाद आप कुछ बच्चों से कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें।
- चूँकि ये शुरुआत है इसलिए आप अभी बच्चों से सही और सटीक कहानी की अपेक्षा न करें बल्कि बच्चों को कहानी सुनाने के लिए प्रेरित करें और उनका आवश्यकता के अनुसार सहयोग करें।

लेखन कार्य

10-15 मिनट

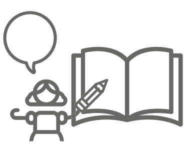

- आप बच्चों से चित्र कहानी पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें।
- आप बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए 3-5 मिनट का समय दें।
- फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र को सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में समान रूप से भाग लिया ?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस चर्चा में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश ① **②** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक, 'पंखुड़ी'

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'इ-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- फिर आप वर्ण मात्रा से लक्षित क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड क्रमशः बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करके दिखाएँ। वर्ण-मात्रा से बने इस ग्रिड से पहले आप वर्ण अक्षर पढ़ें और बच्चों को अपने बाद बोलने को कहें।
- कुछ बच्चों को बारी बारी से बुलाएँ और बोर्ड पर बनी ग्रिड में से आपके द्वारा बताए गए वर्ण/अक्षर को पहचान कर बताने को कहें।
- फिर आप बोर्ड पर 'कि' और 'नि' लिख दें और बच्चों से 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक के किसी पाठ में इनको खोजकर गोला लगाने को कहें।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-89

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② **③**

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 से अतिरिक्त पाठ- 'हाथी आया गाँव में'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुनः बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुनः पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 16
दिवस 3

चित्रात्मक घटनाक्रम को अपने शब्दों में बता पाना

कालांश 1 2 3 | मौखिक भाषा | 40 मिनट

कहानी पोस्टर पर चर्चा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र कहानी पोस्टर -1

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें ।

चित्र कहानी पोस्टर पर चर्चा

20-25 मिनट

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट दें।
- बच्चों को एक बार पुन: चित्र कहानी पोस्टर दिखाएँ।
- पिछले दिन चित्र कहानी पोस्टर पर की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें। आपके द्वारा चित्र कहानी के आधार पर कल सुनाई गई कहानी को एक बार पुन: सुनाएं।
- आप बच्चों को 4-5 समूहों में बाँट दें और निर्देश दें कि आपके समूह को चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर एक कहानी बनानी है। आपने जो कहानी बच्चों को सुनाई है, बच्चे उसमें कुछ और बिन्दु भी जोड़ सकते हैं।
- बच्चों को कार्य करने का समय दें और जब बच्चे कार्य कर रहे हों तब घूम-घूम कर आप उनका अवलोकन करें।
- अब प्रत्येक समूह को अपनी-अपनी कहानी सुनाने को कहें। बच्चों के समूह के द्वारा बनाई गई किसी भी प्रकार की कहानी को स्वीकार करें और उसकी प्रशंसा करें।
- बच्चों को अपनी भाषा में कहानी सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य

10-15 मिनट

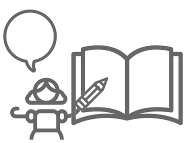

- आप बच्चों से चित्र कहानी से संबंधित 2-3 शब्द या 1 वाक्य लिखने के लिए कहें।
- बच्चों से उनके द्वारा लिखे वाक्य को अपने साथी को बताने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूम कर उनकी आपस की बातचीत को सुनें।
- फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों से सभी के साथ अपने शब्दों और वाक्यों पर बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में समान रूप से भाग लिया ?
- अगर कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और उन्हें हो रही परेशानी को समझने और आवश्यकता के अनुसार उनकी मदद करने की योजना बनाएँ।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश ① **2** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- सहज-3
- 'ज्ञ', 'औ' और 'ॠ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ज्ञ', 'औ' और 'ॠ' की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ। बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'ज्ञ', 'औ' और 'ॠ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और सहज -3 के किसी पृष्ठ संख्या-में 'ज्ञ', 'औ' और 'ॠ' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्यांश /वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से

लेखन कार्य

पाठ-90

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② **3**

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 से अतिरिक्त पाठ- 'राम सहाय की साइकिल'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।
- बच्चों को कहानी अपने शब्दों में बताने के मौके दें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में सहज से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 16
दिवस 4

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कुछ उदाहरण तैयार कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को सरल संकेत दें।
- बच्चों को वाक्य बनाने में सहायता करें, प्रोत्साहित करें।

गतिविधि : पहचानो, कौन हूँ मैं?

- कालांश की शुरुआत किसी स्थानीय कविता/गीत को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- आप बच्चों से कहें कि आप अपने दिमाग में एक जानवर के बारे में सोच रहे हैं। आपके संकेत सुन कर उन्हें बताना है कि वह कौन-सा जानवर है?
- आप कुछ ऐसे संकेत दे सकते हैं, जैसे- यह जानवर कार से भी बड़ा है। स्लेटी जैसा रंग है, लेकिन इसके पंख नहीं हैं। इसके शरीर पर बाल भी नहीं हैं। पंखे जैसे दो बड़े-बड़े कान हैं। पूँछ से लंबी इसकी नाक है। वजन इतना है कि धम-धम चलता है।
- जो बच्चा सही बता दे, उसे अपनी जगह पर बुलाएँ और खेल को आगे बढ़ाने के लिए कहें। आप उस बच्चे की जगह जाकर बैठ जाएँ और जानवर पहचानने में बच्चों की सहायता करें।
- इसी प्रकार यह गतिविधि अन्य वस्तुओं (सजीव/निर्जीव) के साथ भी करवा सकते हैं। जैसे- पेड़, फल, मौसम, इस्तेमाल में आने वाली वस्तुएँ इत्यादि।

लेखन कार्य

- बच्चों को किसी जानवर का चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी को बताने को कहें। 3-4 बच्चों से कक्षा के सभी बच्चों को चित्र दिखाकर उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने गतिविधि में प्रतिभागिता की?
- जो बच्चे कम बोल रहें हों उनकी पहचान कर लें और आगे उनको बोलने के अधिक मौके प्रदान करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- सहज-3
- 'क्ष', 'ष' और 'त्र' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'क्ष', 'ष' और 'त्र' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को 'क्ष', 'ष' और 'त्र' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और सहज -3 के किसी पृष्ठ संख्या-में 'क्ष', 'ष' और 'त्र' वर्ण खोजने और अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ–91

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 **3**

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज–1 से अतिरिक्त पाठ–18 'राम सहाय की साइकिल'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुनः बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुनः पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी–बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 16
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश **1** 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज–3 पाठ–18 'शेर और खरगोश'
- कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव–भाव के साथ गाएँ।
- सहज–3 से पाठ–18 'शेर और खरगोश' को अपने शब्दों में / स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच–बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3–4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों ?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी में आए 2-3 शब्दों को चुनकर उनको लिखने और उनसे वाक्य बनाकर आपस में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

पुनरावृत्ति

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, पाठ्यपुस्तक/सहज, अक्षर कार्ड (वैकल्पिक)

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण/अक्षर/मात्रा पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों/मात्राओं की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक/सहज में उनको खोजने तथा अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-92

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

स्वतंत्र पठन एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 **3**

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कार्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी पढ़ने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे किताबें उलट-पलट कर पढ़ने/समझने का प्रयास कर रहे थे ? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और उनकी सहायता करें।

सप्ताह 16
दिवस 6

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश **1** 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- विषय- गर्मी के दिनों से जुड़े अनुभव
- चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले बिन्दुओं का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के अनुभवों को चर्चा में सम्मिलित करें।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों से गर्मी के दिनों से जुड़े उनके अनुभवों के बारे में बातचीत करें।
- बच्चों से कुछ तथ्यात्मक प्रश्न और कुछ अनुमान, तर्क आधारित प्रश्न करें। जैसे-
  - गर्मी के दिनों में मौसम कैसा होता है ?
  - आपको गर्मी का मौसम कैसा लगता है ?
  - खाने-पीने की वो क्या चीजें हैं जो केवल गर्मी के दिनों में ही मिलती हैं ?
  - गर्मी से बचने के लिए आप क्या क्या करते हैं ?
  - यदि गर्मी का मौसम न हो तो क्या होगा ? आदि।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से गर्मी के दिनों से जुड़ा कोई चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ–88 से 92 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें। परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचाने और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 17
दिवस 1

अपनी भावनाओं को प्रकट करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कागज, पेंसिल, रंग आदि, बच्चों के नाम वाली पर्चियाँ, एक पहले से तैयार ग्रीटिंग कार्ड
- बच्चों के नाम वाली पर्चियाँ व एक ग्रींटिग कार्ड पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों के साथ मिलकर आप भी एक ग्रीटिंग कार्ड बनाकर दिखाएँ।
- सभी बच्चों को गतिविधि में प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- बच्चों की सहायता करें।

शुभकामना संदेश (ग्रीटिंस कार्ड) बनाना

- कालांश की शुरुआत किसी स्थानीय कविता/गीत को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- आप बच्चों के नाम की पर्चियाँ एक जगह पर रखें। अब एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें एक एक पर्ची उठाने के लिए कहें।
- आप बच्चों को बताएँ कि पर्ची पर उनके जिस दोस्त का नाम लिखा है उन्हें उसके लिए ग्रीटिंग कार्ड बनाना हैं। आप पहले से बनाकर लाए गए ग्रीटिंग कार्ड को बच्चों को दिखाएँ।
- अब ग्रीटिंग काड्र्स बनाने के लिए जरूरी चीजें बाँट दें और बच्चों को ग्रीटिंग कार्ड बनाने का समय दे।
- बच्चों को ग्रीटिंग कार्ड अपने दोस्त को देने के लिए कहें। सभी बच्चों को एक-दूसरे के द्वारा बनाए गए ग्रीटिंग कार्ड देखने के लिए कहें। बच्चों को अपने-अपने ग्रीटिंग कार्ड घर ले जाने दें।

लेखन कार्य

- बच्चे ने अपने जिस दोस्त के लिए ग्रीटिंग कार्ड बनाया, उसका चित्र बनाने के लिए कहें और पर्ची में से देखकर उसका नाम लिखने के लिए कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने गतिविधि में सक्रिय सहभागिता की ?
- जिन बच्चों को गतिविधि करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ऐ-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे 'न', 'नै'।
- कुछ अन्य वर्ण लिख कर उसमे लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे – क, कै, ल, लै।
- सिखाए गए वर्णो और लक्षित मात्रा से क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड बोर्ड पर बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करें और बच्चों से पहचान करवाएँ।
- अक्षर पहचान की गतिविधि 'मिलकर खोजें' करवाएँ।

- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-93

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-2 पाठ-1 'साइकिल'
- पाठ पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में सहज से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 17
दिवस 2

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझ पाना

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र कहानी पोस्टर-2
- आप पहले से चित्र कहानी पोस्टर के आधार पर 6-7 वाक्यों वाली एक कहानी तैयार कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।

चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र कहानी पोस्टर देखने के लिए कहें।
- इसके बाद आप बच्चों से चित्र कहानी में दिख रहे चारों चित्रों पर एक-एक करके बात करें और उनके बारे में सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न पूछें।
- इसके बाद आप बच्चों को चित्र को समग्रता से देखने के लिए कहें।
- चारों चित्रों को मिलाकर एक कहानी बनाएँ और बच्चों को मौखिक रूप से 2 बार सुनाएँ। इस दौरान आप चित्रों की ओर बच्चों का ध्यान दिलाएँ। ध्यान दें कि ये कहानी 6-7 छोटे वाक्यों वाली ही हो।
- इसके बाद आप कुछ बच्चों से कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें। चूँकि ये शुरुआत है, इसलिए आप अभी बच्चों से सही और सटीक कहानी की अपेक्षा न करें बल्कि बच्चों को कहानी सुनाने के लिए प्रेरित करें और उनका आवश्यकता के अनुसार सहयोग करें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चित्र कहानी से जुड़ा चित्र बनाने और जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने के लिए कहें। फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी', कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'ऐ-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- फिर आप वर्ण मात्रा से लक्षित क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड क्रमशः बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करके दिखाएँ। वर्ण-मात्रा से बने इस ग्रिड से पहले आप वर्ण अक्षर पढ़ें और बच्चों को अपने बाद बोलने को कहें।
- कुछ बच्चों को बारी बारी से बुलाएँ और बोर्ड पर बनी ग्रिड में से आपके द्वारा बताए गए वर्ण/अक्षर को पहचान कर बताने को कहें।

- फिर आप बोर्ड पर 'कै' और 'नै' लिख दें और बच्चों से 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक के किसी पाठ में इनको खोजकर गोला लगाने को कहें।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-94

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज -2 पाठ-1 ' साइकिल'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 17
दिवस 3

चित्रात्मक घटनाक्रम को अपने शब्दों में बता पाना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र कहानी पोस्टर-2

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें ।

चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- बच्चों को एक बार पुन: चित्र कहानी पोस्टर दिखाएँ। पिछले दिन चित्र कहानी पोस्टर पर की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें। आपके द्वारा चित्र कहानी के आधार पर कल सुनाई गई कहानी को एक बार पुन: सुनाएँ।
- आप बच्चों को 4-5 समूहों में बाँटें और निर्देश दें कि आपके समूह को चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर कहानी बनानी है। आपने जो कहानी बच्चों को सुनाई है, बच्चे उसमें कुछ और बिन्दु भी जोड़ सकते हैं।
- प्रत्येक समूह को अपनी-अपनी कहानी सुनाने को कहें। बच्चों के समूह के द्वारा सुनाई गई कहानी की प्रशंसा करें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चित्र कहानी से संबंधित 2-3 शब्द और 1 वाक्य लिखने और उनके द्वारा लिखे वाक्य अपने साथी को बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'औ-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे 'न', 'नौ'।
- कुछ अन्य वर्ण लिख कर उसमें लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे- क, कौ, ल, लौ।
- सिखाए गए वर्णो और लक्षित मात्रा से क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड बोर्ड पर बनाएं और 4-5 बार उच्चारण करें और बच्चों से पहचान करवाएँ।
- अक्षर पहचान की गतिविधि 'मिलकर खोजें' करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए

वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-95

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 **3**

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-2 पाठ-2 'कौए की भूख'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।
- बच्चों को कहानी अपने शब्दों में बताने के मौके दें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में सहज से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 17
दिवस 4

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश **1** 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कागज की गेंद, बच्चों की संख्या के अनुसार वस्तुएँ।

गतिविधि : वस्तुओं पर बातचीत

- कालांश की शुरुआत किसी स्थानीय कविता/गीत को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- बच्चों को गोल घेरे में बिठा दें और कुछ वस्तुएं घेरे के बीच में डाल दें। एक गेंद अपने पास

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- परिवेशीय वस्तुओं का ही चयन करें।
- बच्चों को वाक्य बनाने में सहायता करें, प्रोत्साहित करें।

रखें और किसी भी बच्चे को घेरे के बीच में बुलाएँ और गेंद उछालने को कहें।

- जिसकी तरफ भी गेंद जाएगी, वह बच्चा घेरे के बीच में आएगा और वहाँ रखी किसी एक वस्तु को उठाकर उसके बारे में 2-3 वाक्य बोलेगा।
- जैसे गेंद गई सचिन के पास तो सचिन बीच में आएगा और एक वस्तु उठाएगा। उदाहरण के लिए सचिन ने उठाई- चॉक। सचिन चॉक बारे में 2-3 वाक्य बोलेगा, जैसे- चॉक बोर्ड पर लिखने के कार्य आती है। यह पतली और लंबी होती है। यह रंगबिरंगी भी होती है। तोड़ने पर पाउडर बन जाती है। यह आसानी से टूट जाती है।
- यही बच्चा वाक्य बताने के बाद धीरे से गेंद उछालेगा और जिसकी तरफ गेंद जाएगी वह बच्चा आगे आएगा और कोई दूसरी वस्तु उठाकर उसके बारे में 2-3 वाक्य बोलेगा।

लेखन कार्य

- बच्चों को घेरे में रखी किसी भी वस्तु का चित्र बनाने, उसके बारे में अपने साथी को बताने को कहें। 3-4 बच्चों से सभी को चित्र दिखाकर उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने गतिविधि में प्रतिभागिता की ?
- जो बच्चे कम बोल रहें हों उनकी पहचान कर लें और आगे उनको बोलने के अधिक मौके प्रदान करें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक, 'पंखुड़ी'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'अनुस्वार' की पहचान

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- फिर आप वर्ण मात्रा से लक्षित क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड क्रमशः बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करके दिखाएँ। वर्ण-मात्रा से बने इस ग्रिड से पहले आप वर्ण अक्षर पढ़ें और बच्चों को अपने बाद बोलने को कहें।
- कुछ बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और बोर्ड पर बनी ग्रिड में से आपके द्वारा बताए गए वर्ण/अक्षर को पहचान कर बताने को कहें।
- फिर आप बोर्ड पर 'कं' और 'नं' लिख दें और बच्चों से 'पंखुड़ी' पाठ्यपुस्तक के किसी पाठ में इनको खोजकर गोला लगाने को कहें।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-96

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-2 पाठ-2 'कौए की भूख'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 17
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-2 पाठ-14 ' भूरा की गेंद'
- कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- सहज-2 से पाठ-14 'भूरा की गेंद' को अपने शब्दों में स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी में आए 2-3 शब्दों को चुनकर लिखने एवं उनसे वाक्य बनाकर आपस में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे ? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है ?

पुनरावृत्ति

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, पाठ्यपुस्तक/सहज, अक्षर कार्ड (वैकल्पिक)

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण/अक्षर/मात्रा पहचान :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों/मात्राओं की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक/सहज में उनको खोजने तथा अलग-अलग तरीकों से लिखने के अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग :** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन :** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णो/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-97

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कार्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी पढ़ने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे किताबें उलट-पलट कर पढ़ने/समझने का प्रयास कर रहे थे ? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और उनकी सहायता करें।

सप्ताह 17
दिवस 6

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- विषय- सर्दी के दिनों से जुड़े अनुभव
- चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले बिन्दुओं का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के अनुभवों को चर्चा में सम्मिलित करें।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों से सर्दी के दिनों से जुड़े उनके अनुभवों के बारे में बातचीत करें।
- बच्चों से कुछ तथ्यात्मक और कुछ अनुमान आधारित प्रश्न करें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से केवल सर्दी के दिनों में मिलने वाले किसी फल का चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका,
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-93 से 97 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें। परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएं।
- इसके पश्चात आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचाने और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 18

सावधिक आकलन

बच्चों के सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में अब हम सावधिक आकलन करेंगे। इसके द्वारा हम यह पता लगाएंगे कि बच्चों को सीखने में कहाँ और क्या कठिनाइयाँ हो रही हैं। इनका पता लगने के बाद हम आवश्यकता अनुसार शिक्षण रणनीतियाँ बनाएँगे और बच्चों को लक्षित दक्षताएँ प्राप्त करने के अवसर देंगे।

इस सप्ताह हम डिकोडिंग से संबंधित आकलन करेंगे और मौखिक भाषा से संबंधित अवलोकन। अध्याय 'आकलन एवं पुनरावृत्ति' में इस पर विस्तार से चर्चा की गई है। आइए देखें कि डिकोडिंग एवं मौखिक भाषा विकास में इस सप्ताह किन दक्षताओं पर बच्चों के साथ कार्य किया जाना है।

डिकोडिंग

- कार्यपुस्तिका के सावधिक आकलन (सप्ताह 18) के आकलन प्रपत्र पर कार्य कर पाना।

मौखिक भाषा विकास

- सुनी हुई कहानी से संबंधित खुले छोर के प्रश्नों का 1 वाक्य में उत्तर दे पाना।
- अपने अनुभव को 1-2 वाक्य में बता पाना।

आकलन और पुनरावृत्ति के चरण

- 'सावधिक आकलन' प्रपत्र का उपयोग करते हुए बच्चों के साथ आकलन पर कार्य करें। इस हेतु आप सप्ताह के पहले दो दिनों के तीनों कलांशों का उपयोग आवश्यकता के अनुसार करें।
- आकलन के परिणामों को संदर्शिका के 'सावधिक आकलन ट्रैकर-2' के 'डिकोडिंग' वाले कॉलम में भरें और समूह का निर्धारण करें। समूह-1 के बच्चों के नाम पर गोला लगाएँ।
- **समूह**-1: जिन बच्चों को आकलन में 50% तक अंक मिले हैं।
- **समूह**-2: जिन बच्चों को आकलन में 50% से अधिक अंक मिले हैं।
- बच्चों के स्तर के अनुसार पुनरावृत्ति की योजना बनाएँ। पुनरावृत्ति का यह कार्य आवश्यकता के अनुसार 8-10 दिनों तक दूसरे और तीसरे कालांश में करें।
- सावधिक आकलन के बाद 'सावधिक पुनरावृत्ति' के पाठ-98 से 102 पर बच्चों के साथ कार्य करें। आप उन्हें कॉपी एवं अन्य शिक्षण सामग्रियों पर भी कार्य दे सकते हैं।
- समूह-1 के बच्चों पर विशेष ध्यान दें, उनकी अतिरिक्त सहायता करें।

आकलन और पुनरावृत्ति के चरण

- डिकोडिंग संबधित पुनरावृत्ति का कार्य करने के दिनों में प्रथम कालांश में मौखिक भाषा की दक्षता का आकलन करें। इसके लिए ऊपर दी गई दक्षताओं का अवलोकन अब तक शिक्षण में उपयोग की गई सामग्री/विधियों द्वारा अपने नियमित शिक्षण प्रक्रिया के दौरान करें।
- अवलोकन के परिणामों को संदर्शिका के 'सावधिक आकलन ट्रैकर-2' के 'मौखिक भाषा' वाले कॉलम में भरें।
- उचित दक्षता प्राप्त कर लेने वाले बच्चों के नाम के आगे सही का निशान लगाएँ और जिन बच्चों ने दक्षता प्राप्त नहीं की है, उनके नाम के आगे रिक्त (-) का निशान लगाएँ।
- सभी बच्चों के लिए उचित टिप्पणी लिखें, जो आपको आगे इनके साथ काम करने के लिए सहायता करेगी।

सावधिक आकलन एवं अवलोकन समाप्त होने तक यह सुनिश्चित कर लें कि आपने ट्रैकर के सभी बिन्दुओं को भर लिया है।

सप्ताह 19
दिवस 1

बच्चों का आपस में तालमेल बढ़ाना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- गतिविधि करवाने के लिए पर्याप्त स्थान।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- ध्यान दें कि गतिविधि के दौरान किसी बच्चे को चोट न लगे।

गतिविधि - सुरंग बनाओ

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए दिन की शुरुआत कविता या गीत हाव-भाव के साथ गाकर करें।
- कुछ बच्चों को एक-दूसरे के सामने खड़ा करके, उन्हें अपने सामने वाले बच्चे का हाथ पकड़कर एक सुरंग जैसा बनाने को कहें।
- अब आप किसी एक बच्चे को उस सुरंग से गुजरने को बोलें।
- हर बार जब सुरंग से एक नया बच्चा गुजरेगा तो सुरंग बनाये बच्चे अपने हाथ को नीचे करते जायेंगे और सुरंग को छोटा करते जायेंगे।
- धीरे-धीरे सुरंग से निकलने के पहले बच्चों को झुकना, फिर बैठना और लेटना पड़ सकता है, ध्यान रहे कि जो बच्चा सुरंग से निकल रहा हो उसके शरीर का कोई हिस्सा सुरंग बने बच्चों के हाथ से नहीं लगना चाहिए। ऐसा होने पर वह बच्चा गतिविधि से बाहर हो जाएगा।

लेखन कार्य

- बच्चों को गतिविधि से जुड़ा कोई चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी को बताने के लिए कहें। 3-4 बच्चों से अपना चित्र सभी बच्चों को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लिया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

मात्रा पहचान, आदर्श वाचन एवं मार्गदर्शित पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'अनुनासिक' मात्रा और पाठ पर कार्य

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से 'अनुनासिक' मात्रा की पहचान पर कार्य करें।
- इसके बाद आप कार्यपुस्तिका के पाठ-103 के पहले अभ्यास में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और 2-3 बार पढ़ें।
- फिर आप बच्चों को जोड़ों में बैठाकर कार्यपुस्तिका की सहायता से इन शब्दों को पढ़ने को कहें और आप घूम-घूमकर अवलोकन करें तथा जिन बच्चों को सहायता चाहिए हो उनकी सहायता करें।
- फिर आप दूसरे अभ्यास में दिए गए पाठ से संबंधित चित्र पर चर्चा करें और पाठ का 2 बार आदर्श पठन करें, उस पर चर्चा करें। चर्चा हेतु तथ्यात्मक मौखिक सवाल करें।
- आप पुन: बच्चों को जोड़ों में बिठा दें और पाठ पढ़ने को कहें और आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें। (मार्गदर्शन में पठन)
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई हो रही हो उनकी पहचान कर लें।

लेखन कार्य

पाठ–103

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज –2 पाठ–3 'माही और सुरेश की पतंग'
- पाठ पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/उठने–बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में सहज से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी–बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 19
दिवस 2

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझ पाना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र कहानी पोस्टर–3
- आप पहले से चित्र कहानी पोस्टर के आधार पर 6–7 वाक्यों वाली एक कहानी तैयार कर लें।

चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव–भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएं और चित्र कहानी पोस्टर देखने के लिए कहें।
- इसके बाद आप बच्चों से चित्र कहानी में दिख रहे चारों चित्रों पर एक–एक करके बात करें और उनके बारे में सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न पूछें।
- इसके बाद आप बच्चों को चित्र को समग्रता से देखने के लिए कहें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें ।

- चारों चित्रों को मिलाकर एक कहानी बनाएँ और बच्चों को मौखिक रूप से 2 बार सुनाएं। इस दौरान आप चित्रों की ओर बच्चों का ध्यान दिलाएं। ध्यान दें कि ये कहानी 6-7 छोटे वाक्यों वाली ही हो।
- इसके बाद आप कुछ बच्चों से कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें। चूँकि यह शुरुआत है, इसलिए आप अभी बच्चों से सही और सटीक कहानी की अपेक्षा न करें बल्कि बच्चों को कहानी सुनाने के लिए प्रेरित करें और उनका आवश्यकता के अनुसार सहयोग करें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चित्र कहानी से जुड़ा चित्र बनाने और जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने के लिए कहें। फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

मार्गदर्शित पठन एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① **②** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पाठ पर कार्य

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सबसे पहले आप कार्यपुस्तिका के पाठ-104 के पहले अभ्यास में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और मिलाकर पढ़ें। जैसे /ऐ/.../न/.../क/... 'ऐनक'। फिर बच्चों से इन शब्दों को मिलाकर पढ़ने को कहें। आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें।
- फिर आप कल पढ़ाए गए पाठ का 1 बार आदर्श पठन करें और बच्चों से जोड़ों में पाठ पढ़ने को कहें और आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें। (मार्गदर्शन में पठन)
- इसके बाद सभी बच्चों से पाठ पढ़ने को कहें और जो बच्चे न पढ़ पाएँ उनकी पहचान कर लें।

लेखन कार्य

पाठ-104

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 **3**

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज -2 पाठ-3 'माही और सुरेश की पतंग'
- किताब के पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 19
दिवस 3

चित्रात्मक घटनाक्रम को अपने शब्दों में बता पाना

कालांश **1** 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र कहानी पोस्टर-3

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें ।

चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने से के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- बच्चों को एक बार पुन: चित्र कहानी पोस्टर दिखाएँ। पिछले दिन चित्र कहानी पोस्टर पर की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें। आपके द्वारा चित्र कहानी के आधार पर कल सुनाई गई कहानी को एक बार पुन: सुनाएँ।
- आप बच्चों को 4-5 समूहों में बाँटें और निर्देश दें कि आपके समूह को चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर कहानी बनानी है। आपने जो कहानी बच्चों को सुनाई है, बच्चे उसमें कुछ और बिन्दु भी जोड़ सकते हैं।
- प्रत्येक समूह को अपनी-अपनी कहानी सुनाने को कहें। बच्चों के समूह द्वारा सुनाई गई कहानी की प्रशंसा करें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चित्र कहानी से संबंधित 2-3 शब्द और 1 वाक्य लिखने और अपने साथी को बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

आदर्श वाचन एवं मार्गदर्शित पठन

कालांश ① **2** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पाठ पर कार्य

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सबसे पहले आप कार्यपुस्तिका के पाठ-105 के पहले अभ्यास में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और 2-3 बार पढ़ें।
- फिर आप बच्चों को जोड़ों में बिठाकर पाठ्यपुस्तक की सहायता से इन शब्दों को पढ़ने को कहें और आप घूम-घूम कर अवलोकन करें तथा जिन बच्चों को सहायता चाहिए हो उनकी सहायता करें।
- फिर आप दूसरे अभ्यास में दिए गए पाठ से संबंधित चित्र पर चर्चा करें और पाठ का 2 बार आदर्श पठन करें, उस पर चर्चा करें। चर्चा हेतु तथ्यात्मक मौखिक सवाल करें।
- आप पुन: बच्चों को जोड़ों में बिठा दें और पाठ पढ़ने को कहें और आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें। (मार्गदर्शन में पठन)
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई हो रही हो उनकी पहचान कर लें।

लेखन कार्य

पाठ-105

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② **3**

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-2 पाठ-4 'बंदर का चश्मा'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में सहज से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।
- बच्चों को कहानी अपने शब्दों में बताने के मौके दें।

- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 19
दिवस 4

मौखिक भाषा विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कागज की गेंद

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- वाक्य बनाने में बच्चों की सहायता करें।

वाक्य बनाओ गेंद बढ़ाओ

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए दिन की शुरुआत कविता या गीत हाव-भाव के साथ गाकर करें।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम सब एक गतिविधि करेंगे जिसमें सभी बच्चे एक गोल घेरे में बैठेंगे और उनमें से किसी एक बच्चे को एक गेंद दी जाएगी।
- जब आप किसी बच्चे को गेंद देंगे तब एक शब्द बोलेंगे। उस बच्चे को दिए गए शब्द का उपयोग करके 2 वाक्य बनाकर बोलने होंगे और अगले साथी को गेंद और वाक्य बनाने के लिए कोई शब्द देना होगा।
- इसी प्रकार यह गतिविधि चलेगी जब तक कि सभी बच्चों को वाक्य बनाने का मौका कम से कम 2 बार न मिल जाए।

लेखन कार्य

- बच्चों को उनके द्वारा बोले गए वाक्यों/ शब्दों को लिखने और दिखाने के लिए कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लिया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

मार्गदर्शित पठन एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।

पाठ पर कार्य

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सबसे पहले आप कार्यपुस्तिका के पाठ-106 के पहले अभ्यास में दिए गए शब्दों को बोर्ड

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पर लिखें और मिलाकर पढ़ें। फिर बच्चों से जोड़ों में इन शब्दों को मिलाकर पढ़ने को कहें। आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें।

- फिर आप कल पढ़ाए गए पाठ का 1 बार आदर्श पठन करें और बच्चों से जोड़ों में पाठ पढ़ने को कहें और आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें। (मार्गदर्शन में पठन)
- इसके बाद सभी बच्चों से पाठ पढ़ने को कहें और जो बच्चे न पढ़ पाएँ उनकी पहचान कर लें।

लेखन कार्य

पाठ-106

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज -2 पाठ-4 'बंदर का चश्मा'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 19
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-2 पाठ-15 'कोयल का घोंसला'
- कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- सहज-2 से पाठ-15 'कोयल का घोंसला' अपने शब्दों में / स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी में आए 2-3 शब्दों को लिखने और उनसे वाक्य बनाकर आपस में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

पुनरावृत्ति

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सबसे पहले आप कार्यपुस्तिका के पाठ-107 के पहले अभ्यास में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और 2-3 बार पढ़ें।
- फिर आप बच्चों को जोड़ों में बिठाकर कार्यपुस्तिका की सहायता से इन शब्दों को पढ़ने को कहें और आप घूम-घूम कर अवलोकन करें तथा जिन बच्चों को सहायता चाहिए हो उनकी सहायता करें।
- फिर आप दूसरे अभ्यास में दिए गए पाठ से संबंधित चित्र पर चर्चा करें और पाठ का 2 बार आदर्श पठन करें, उस पर चर्चा करें। चर्चा हेतु तथ्यात्मक मौखिक सवाल करें।
- आप पुन: बच्चों को जोड़ों में बिठा दें और पाठ पढ़ने को कहें और आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें। (मार्गदर्शन में पठन)

लेखन कार्य

पाठ-107

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

स्वतंत्र पठन एवं समृद्ध चर्चा

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कार्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी पढ़ने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे किताबें उलट-पलट कर पढ़ने/समझने का प्रयास कर रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और उनकी सहायता करें।

सप्ताह 19
दिवस 6

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- विषय- बरसात के दिनों से जुड़े अनुभव।
- चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले बिन्दुओं का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के अनुभवों को चर्चा में सम्मिलित करें।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों से बरसात के दिनों से जुड़े उनके अनुभवों के बारे में बातचीत करें। बच्चों से कुछ तथ्यात्मक और कुछ अनुमान, तर्क आधारित प्रश्न करें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से बरसात के दिन का चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपना चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 103 से 107 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें। परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएं।
- इसके पश्चात आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचाने और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 20
दिवस 1

बच्चों को कक्षा में सहज बनाना।

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय / क्षेत्रीय भाषा का गीत/कविता

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- ऐसा गीत/कविता चुने, जिसे बच्चे पहले से जानते हों।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- गीत/कविता गाने के समय बच्चों से कहें कि वे आपके हाथ को ध्यान से देखें और जब आपका हाथ ऊपर जाता है तो आवाज ऊँची करें और जब हाथ नीचे जाता है तो आवाज को नीची कर लें।
- बच्चों को गायन शुरू करने के लिए कहें। गाने के दौरान आप धीरे-धीरे अपना हाथ ऊपर ले जाएँ। यह इसका संकेत होगा कि बच्चे गाने की आवाज बढ़ाएँ। आवाज नीची करने के लिए हाथ नीचे लाएँ। अपने हाथ को दो-तीन बार बिना किसी क्रम के ऊपर-नीचे करें।
- बच्चों को यह गतिविधि अच्छी तरह समझ में आ जाए, इसके लिए पहले उन्हें संक्षेप में करके दिखाएँ।

लेखन कार्य

- बच्चों से अपनी पसन्द का चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें। 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- जिन बच्चों को गतिविधि करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

आदर्श वाचन एवं मार्गदर्शित पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, 'पंखुड़ी'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पाठ पर कार्य

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सबसे पहले आप कार्यपुस्तिका के पाठ 108 के पहले अभ्यास में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और 2-3 बार पढ़ें।
- फिर आप बच्चों को जोड़ों में बिठाकर कार्यपुस्तिका की सहायता से इन शब्दों को पढ़ने को कहें और आप घूम-घूम कर अवलोकन करें तथा जिन बच्चों को सहायता चाहिए हो उनकी सहायता करें।
- फिर आप दूसरे अभ्यास में दिए गए पाठ से संबंधित चित्र पर चर्चा करें और पाठ का 2 बार आदर्श पठन करें, उस पर चर्चा करें। चर्चा हेतु तथ्यात्मक मौखिक सवाल करें।
- आप पुन: बच्चों को जोड़ों में बिठा दें और पाठ पढ़ने को कहें और आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें। (मार्गदर्शन में पठन)
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई हो रही हो उनकी पहचान कर लें।

लेखन कार्य

पाठ–108

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज -2 पाठ-5 'मेंढ़की और चिड़िया'।
- पाठ पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/उठने–बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी–बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 20
दिवस 2

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझ पाना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र कहानी पोस्टर-4
- आप पहले से चित्र कहानी पोस्टर के आधार पर 6-7 वाक्यों वाली एक कहानी तैयार कर लें।

चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव–भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएं और चित्र कहानी पोस्टर देखने के लिए कहें।
- इसके बाद आप बच्चों से चित्र कहानी में दिख रहे चारों चित्रों पर एक–एक करके बात करें और उनके बारे में सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न पूछें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें ।

- इसके बाद आप बच्चों को चित्र को समग्रता से देखने के लिए कहें।
- चारों चित्रों को मिलाकर एक कहानी बनाएं और बच्चों को मौखिक रूप से 2 बार सुनाएँ। इस दौरान आप चित्रों की ओर बच्चों का ध्यान दिलाएँ। ध्यान दें कि ये कहानी 6-7 छोटे वाक्यों वाली ही हो।
- इसके बाद आप कुछ बच्चों से कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें। चूँकि यह शुरुआत है इसलिए आप अभी बच्चों से सही और सटीक कहानी की अपेक्षा न करें बल्कि बच्चों को कहानी सुनाने के लिए प्रेरित करें और उनका आवश्यकता के अनुसार सहयोग करें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चित्र कहानी से जुड़ा चित्र बनाने और जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने के लिए कहें। फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

मार्गदर्शित पठन एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① **2** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, 'पंखुड़ी'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पाठ पर कार्य

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सबसे पहले आप कार्यपुस्तिका के पाठ-109 के पहले अभ्यास में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और मिलाकर पढ़ें। फिर बच्चों से इन शब्दों को मिलाकर पढ़ने को कहें। आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें।
- फिर आप कल पढ़ाए गए पाठ का 1 बार आदर्श पठन करें और बच्चों से जोड़ों में पाठ पढ़ने को कहें और आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें। (मार्गदर्शन में पठन)
- इसके बाद सभी बच्चों से पाठ को पढ़ने को कहें और जो बच्चे न पढ़ पाएँ उनकी पहचान कर लें।

लेखन कार्य

पाठ-109

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज -2 पाठ-5 'मेंढकी और चिड़िया'।
- किताब के पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 20
दिवस 3

चित्रात्मक घटनाक्रम को अपने शब्दों में बता पाना

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र कहानी पोस्टर-4

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें ।

चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने से के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत को पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- बच्चों को एक बार पुन: चित्र कहानी पोस्टर दिखाएँ। पिछले दिन चित्र कहानी पोस्टर पर की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें। आपके द्वारा चित्र कहानी के आधार पर कल सुनाई गई कहानी को एक बार पुन: सुनाएं।
- आप बच्चों को 4-5 समूहों में बाँटें और निर्देश दें कि आपके समूह को चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर कहानी बनानी है। आपने जो कहानी बच्चों को सुनाई है, बच्चे उसमें कुछ और बिन्दु भी जोड़ सकते हैं।
- प्रत्येक समूह को अपनी-अपनी कहानी सुनाने को कहें। बच्चों के समूह के द्वारा सुनाई गई कहानी की प्रशंसा करें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चित्र कहानी से संबंधित 2-3 शब्द और 1 वाक्य लिखने और उनके द्वारा लिखे वाक्य को अपने साथी को बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

आदर्श वाचन एवं मार्गदर्शित पठन

कालांश ① **2** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, 'पंखुड़ी'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पाठ पर कार्य

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सबसे पहले आप कार्यपुस्तिका के पाठ-110 के पहले अभ्यास में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और 2-3 बार पढ़ें।
- फिर आप बच्चों को जोड़ों में बैठाकर पाठ्यपुस्तक की सहायता से इन शब्दों को पढ़ने को कहें और आप घूम-घूम कर अवलोकन करें तथा जिन बच्चों को सहायता चाहिए हो उनकी सहायता करें।
- फिर आप दूसरे अभ्यास में दिए गए पाठ से संबंधित चित्र पर चर्चा करें और पाठ का 2 बार आदर्श पठन करें, उस पर चर्चा करें। चर्चा हेतु तथ्यात्मक मौखिक सवाल करें।
- आप पुन: बच्चों को जोड़ों में बिठा दें और पाठ पढ़ने को कहें और आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें। (मार्गदर्शन में पठन)
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई हो रही हो उनकी पहचान कर लें।

लेखन कार्य

पाठ-110

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② **3**

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज -2 पाठ-6 'मोनू बछड़ा'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में सहज से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।
- बच्चों को कहानी अपने शब्दों में बताने के मौके दें।

पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 20
दिवस 4

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- 'शब्द-अंत्याक्षरी' के लिए कुछ शब्दों का चयन करें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में प्रतिभाग करने का मौका दें।
- परिचित/ परिवेशीय शब्दों का उपयोग करें।

मौखिक शब्दावली विकास- शब्द-अंत्याक्षरी

- कालांश की शुरुआत किसी स्थानीय कविता/गीत को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- इसके बाद आप बच्चों को गोल घेरे में बिठाएँ और आप स्वयं भी बैठ जाएँ।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम 'शब्द-अंत्याक्षरी' खेलेंगे। आप एक शब्द बोलेंगे और आपके बगल में बैठा हुआ बच्चा उस शब्द के अंतिम अक्षर से कोई नया शब्द बोलेगा। इस क्रम में बच्चे बारी-बारी से बोले गए शब्द के अंतिम अक्षर से शुरू होने वाला कोई नया शब्द बोलेंगे।
- आप बच्चों को एक-दो उदाहरण के माध्यम से गतिविधि को स्पष्ट करें।
- अब आप बच्चों को कोई शब्द बोलें। जैसे- मोर अब आपके बगल में बैठा हुआ बच्चा 'र' से शुरू होने वाला कोई शब्द बोलेगा। जैसे- रस्सी।
- इसी क्रम में खेल तब तक जारी रखें जब तक कि कक्षा के सभी बच्चों को 2-3 बार शब्द बोलने का मौका ना मिल जाएं।

लेखन कार्य

- बच्चे से गतिविधि के आधार पर किसी भी सरल वस्तु का चित्र बनाने और अपने साथी को उसके बारे में बताने को कहें। 2-3 बच्चों से कक्षा के सभी बच्चों को अपना चित्र दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने गतिविधि में सक्रिय सहभागिता की?
- जिन बच्चों को गतिविधि करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित पठन एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① **②** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पाठ पर कार्य

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सबसे पहले आप कार्यपुस्तिका के पाठ-111 के पहले अभ्यास में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और मिलाकर पढ़ें। फिर बच्चों से इन शब्दों को मिलाकर पढ़ने को कहें। आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें।
- फिर आप कल पढ़ाए गए पाठ का 1 बार आदर्श पठन करें और बच्चों से जोड़ों में पाठ पढ़ने को कहें और आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें। (मार्गदर्शन में पठन)
- इसके बाद सभी बच्चों से पाठ पढ़ने को कहें और जो बच्चे न पढ़ पाएँ उनकी पहचान कर लें।

लेखन कार्य

पाठ-111

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② **③**

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज -2 पाठ-6 'मोनू बछड़ा'।
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुनः बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुनः पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 20
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-2 पाठ-16 'मोर'
- कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।

मौखिक कहानी सुनना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- सहज-2 से पाठ-16 'मोर' अपने शब्दों में स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी में आए 2-3 शब्दों को चुनकर उनको लिखने एवं उनसे वाक्य बनाकर आपस में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें की इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सबसे पहले आप कार्यपुस्तिका के पाठ-112 के पहले अभ्यास में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और 2-3 बार पढ़ें।
- फिर आप बच्चों को जोड़ों में बिठाकर कार्यपुस्तिका की सहायता से इन शब्दों को पढ़ने को कहें और आप घूम घूमकर अवलोकन करें तथा जिन बच्चों को सहायता चाहिए हो उनकी सहायता करें।
- फिर आप दूसरे अभ्यास में दिए गए पाठ से संबंधित चित्र पर चर्चा करें और पाठ का 2 बार आदर्श पठन करें, उस पर चर्चा करें। चर्चा हेतु तथ्यात्मक मौखिक सवाल करें।
- आप पुन: बच्चों को जोड़ों में बिठा दें और पाठ पढ़ने को कहें और आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें। (मार्गदर्शन में पठन)
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई हो रही हो उनकी पहचान कर लें।

लेखन कार्य

पाठ-112

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

स्वतंत्र पठन एवं समृद्ध चर्चा

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कार्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी पढ़ने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे किताबें उलट-पलट कर पढ़ने/समझने का प्रयास कर रहे थे ? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और उनकी सहायता करें।

सप्ताह 20
दिवस 6

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- विषय- त्योहार से जुड़े अनुभव
- चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले बिन्दुओं का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के अनुभवों को चर्चा में सम्मिलित करें।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों से किसी त्योहार से जुड़े उनके अनुभवों के बारे में बातचीत करें। बच्चों से कुछ तथ्यात्मक और कुछ अनुमान, तर्क आधारित प्रश्न करें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से किसी त्योहार से जुड़ा चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका,
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ–108 से 112 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक–एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन–पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें। परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएं।
- इसके पश्चात आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचाने और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 21
दिवस 1

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को प्रश्न पूछनें में सहायता करें, प्रोत्साहित करें।

बूझो मैंने क्या देखा ?

- कालांश की शुरुआत किसी स्थानीय कविता/गीत को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- किसी एक बच्चे को कक्षा से बाहर भेजें।
- वह बाहर से कोई भी एक चीज देखकर आए और उस चीज का नाम न लेते हुए उसके बारे में एक वाक्य बताए। उदाहरण के लिए, बच्चा बोला 'मैंने एक भूरी चीज देखी।
- बाकी बच्चे कुछ प्रश्न पूछ कर अंदाज़ा लगाने की कोशिश करेंगे कि वह चीज क्या है। प्रश्न ऐसे हों जिनका जवाब केवल हाँ / नहीं में दिया जा सके।
- उदाहरण के लिए, बच्चों ने पूछा- क्या वह स्कूल के अंदर है? नहीं। क्या वह कोई जानवर है? हाँ। क्या तुमने गिलहरी देखी? नहीं। क्या वह कोई चिड़िया है? नहीं। क्या हम उस जानवर को पालते हैं? हाँ। क्या वह कुत्ता है? नहीं। क्या वह गाय है? हाँ। अब बच्चा बताए कि मैंने बाहर एक भूरी गाय देखी।
- इसी तरह अलग-अलग बच्चों को बाहर जाने का और सवालों के जवाब देने का मौका दें। शुरुआत में आप स्वयं इसको कर के दिखाएँ।

लेखन कार्य

- बच्चों को उनके द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर से जुड़ा चित्र बनाने, उसके बारे में अपने साथी को बताने को कहें। 3-4 बच्चों से कक्षा के सभी बच्चों को चित्र दिखाकर उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने गतिविधि में प्रतिभागिता की ?
- जो बच्चे प्रश्न न कर रहे हों, प्रतिभाग न कर रहें हों उनकी पहचान कर लें और आगे उनको बोलने के लिए प्रोत्साहित करें।

आदर्श वाचन एवं मार्गदर्शित पठन

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पाठ पर कार्य

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सबसे पहले आप कार्यपुस्तिका के पाठ-113 के पहले अभ्यास में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और 2-3 बार पढ़ें।
- फिर आप बच्चों को जोड़ों में बैठाकर कार्यपुस्तिका की सहायता से इन शब्दों को पढ़ने को कहें और आप घूम-घूम कर अवलोकन करें तथा जिन बच्चों को सहायता चाहिए हो उनकी सहायता करें।
- फिर आप दूसरे अभ्यास में दिए गए पाठ से संबंधित चित्र पर चर्चा करें और पाठ का 2 बार आदर्श पठन करें, उस पर चर्चा करें। चर्चा हेतु तथ्यात्मक मौखिक सवाल करें।

- आप पुनः बच्चों को जोड़ों में बिठा दें और पाठ को पढ़ने को कहें और आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें। (मार्गदर्शन में पठन)
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई हो रही हो उनकी पहचान कर लें।

लेखन कार्य

पाठ–113

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज –2 पाठ–7 'चीकू और मीकू'
- पाठ पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/उठने–बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में सहज से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी–बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 21
दिवस 2

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझ पाना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र कहानी पोस्टर–5

चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव–भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र कहानी पोस्टर देखने के लिए कहें।

- आप पहले से चित्र कहानी पोस्टर के आधार पर 6–7 वाक्यों वाली एक कहानी तैयार कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें ।

- इसके बाद आप बच्चों से चित्र कहानी में दिख चारों चित्रों पर एक-एक करके बात करें और उनके बारे में सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न पूछें।
- इसके बाद आप बच्चों को चित्र को समग्रता से देखने के लिए कहें।
- चारों चित्रों को मिलाकर एक कहानी बनाएं और बच्चों को मौखिक रूप से 2 बार सुनाएँ। इस दौरान आप चित्रों की ओर बच्चों का ध्यान दिलाएँ। ध्यान दें कि ये कहानी 6–7 छोटे वाक्यों वाली ही हो।
- इसके बाद आप कुछ बच्चों से कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें। चूंकि ये शुरुआत है इसलिए आप अभी बच्चों से सही और सटीक कहानी की अपेक्षा न करें बल्कि बच्चों को कहानी सुनाने के लिए प्रेरित करें और उनका आवश्यकता के अनुसार सहयोग करें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चित्र कहानी से जुड़ा चित्र बनाने और जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने के लिए कहें। फिर, किन्हीं 3–4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

मार्गदर्शित पठन एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 **2** 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पाठ पर कार्य

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सबसे पहले आप कार्यपुस्तिका के पाठ-114 के पहले अभ्यास में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और मिलाकर पढ़ें। फिर बच्चों से इन शब्दों को मिलाकर पढ़ने को कहें। आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें।
- फिर आप कल पढ़ाए गए पाठ का 1 बार आदर्श पठन करें और बच्चों से जोड़ों में पाठ पढ़ने को कहें और आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें।
- इसके बाद सभी बच्चों से पाठ पढ़ने को कहें और जो बच्चे न पढ़ पाएँ उनकी पहचान कर लें।

लेखन कार्य

पाठ-114

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज -2 पाठ-7 'चीकू और मीकू'
- किताब के पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 21
दिवस 3

चित्रात्मक घटनाक्रम को अपने शब्दों में बता पाना

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र कहानी पोस्टर-5

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें ।

चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत को पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- बच्चों को एक बार पुन: चित्र कहानी पोस्टर दिखाएँ। पिछले दिन चित्र कहानी पोस्टर पर की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें। और आपके द्वारा चित्र कहानी के आधार पर कल सुनाई गई कहानी को एक बार पुन: सुनाएँ।
- आप बच्चों को 4-5 समूहों में बाँटें और निर्देश दें कि आपके समूह को चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर कहानी बनानी है। आपने जो कहानी बच्चों को सुनाई है, बच्चे उसमें कुछ और बिन्दु भी जोड़ सकते हैं।
- प्रत्येक समूह को अपनी अपनी कहानी सुनाने को कहें। बच्चों के समूह के द्वारा सुनाई गई कहानी की प्रशंसा करें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चित्र कहानी से संबंधित 2-3 शब्द और 1 वाक्य लिखने और उनके द्वारा लिखे वाक्य को अपने साथी को बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

आदर्श वाचन एवं मार्गदर्शित पठन

कालांश ① **2** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पाठ पर कार्य

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सबसे पहले आप कार्यपुस्तिका के पाठ-115 के पहले अभ्यास में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और 2-3 बार पढ़ें।
- फिर आप बच्चों को जोड़ों में बैठाकर कार्यपुस्तिका की सहायता से इन शब्दों को पढ़ने को कहें और आप घूम घूमकर अवलोकन करें तथा जिन बच्चों को सहायता चाहिए हो उनकी सहायता करें।
- फिर आप दूसरे अभ्यास में दिए गए पाठ से संबंधित चित्र पर चर्चा करें और पाठ का 2 बार आदर्श पठन करें, उस पर चर्चा करें। चर्चा हेतु तथ्यात्मक मौखिक सवाल करें।
- आप पुन: बच्चों को जोड़ों में बिठा दें और पाठ को पढ़ने को कहें और आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें।

लेखन कार्य

पाठ-115

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② **3**

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज -2 पाठ-8 'जादुई बीज'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।
- बच्चों को कहानी अपने शब्दों में बताने के मौके दें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में सहज से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 21
दिवस 4

बच्चों को अभिव्यक्ति के मौके देना।

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सभी बच्चों को अपनी-अपनी जगह आराम से बैठने के लिए कहें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- आप सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे इसमें प्रतिभाग करें।
- बच्चों को आपनी भाषा में बात कहने के भरपूर मौके दें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- बच्चों से पूछें कि दुनिया में उनका सबसे पसंदीदा व्यक्ति कौन है? उन्हें कौन सबसे ज्यादा पसंद है?
- उनसे इस बारे में सोचने को कहें कि उस व्यक्ति का व्यवहार कैसा है, वह कैसे चलता/चलती है, उनकी अन्य हरकतें कैसी होती हैं।
- बच्चों को अपने पसंदीदा व्यक्ति की तरह व्यवहार करने के लिए प्रोत्साहित करें। उनका व्यवहार, उनकी बातचीत, चाल-ढाल और दूसरी चीजों की नकल करने को कहें।
- उन्हें उस व्यक्ति के व्यक्तित्व की छोटी से छोटी चीजों की नकल करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- यदि आपको परेशानी न हो तो आप भी इस गतिविधि की शुरुआत अपने पसंदीदा व्यक्ति की तरह अभिनय के साथ कर सकते हैं। इससे बच्चों को भी सहभागिता के लिए प्रोत्साहन और आत्मविश्वास मिलेगा।
- बच्चों को एक सुरक्षित वातावरण मुहैया कराएँ ताकि वे गतिविधि में सक्रिय रूप से हिस्सा ले सकें।

लेखन कार्य

- बच्चों से उस व्यक्ति से जुडी कोई स्मृति या चीज जो उसे पसंद हो उसका चित्र बनाने को कहें। इस चित्र पर वह अपने सहपाठियों के साथ जोड़ों में भी चर्चा कर सकते हैं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- जिन बच्चों को गतिविधि करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित पठन एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पाठ पर कार्य

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सबसे पहले आप कार्यपुस्तिका के पाठ-116 के पहले अभ्यास में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और मिलाकर पढ़ें। फिर बच्चों से इन शब्दों को मिलाकर पढ़ने को कहें। आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें।
- फिर आप कल पढ़ाए गए पाठ का 1 बार आदर्श पठन करें और बच्चों से जोड़ों में पाठ पढ़ने को कहें और आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें। (मार्गदर्शन में पठन)
- इसके बाद सभी बच्चों से पाठ पढ़ने को कहें और जो बच्चे न पढ़ पाएँ उनकी पहचान कर लें।

लेखन कार्य

पाठ–116

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज –2 पाठ–8 'जादुई बीज'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी–बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 21
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज–2 पाठ–12 'बबलू हाथी'
- कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव–भाव के साथ गाएँ।
- सहज–2 से पाठ–12 'बबलू हाथी' अपने शब्दों में स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच–बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3–4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों ?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी में आए 2-3 शब्दों को चुनकर उनको लिखने एवं उनसे वाक्य बनाकर आपस में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

पुनरावृत्ति

कालांश ① **2** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सबसे पहले आप कार्यपुस्तिका के पाठ-117 के पहले अभ्यास में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और 2-3 बार पढ़ें।
- फिर आप बच्चों को जोड़ों में बिठाकर कार्यपुस्तिका की सहायता से इन शब्दों को पढ़ने को कहें और आप घूम घूमकर अवलोकन करें तथा जिन बच्चों को सहायता चाहिए हो उनकी सहायता करें।
- फिर आप दूसरे अभ्यास में दिए गए पाठ से संबंधित चित्र पर चर्चा करें और पाठ का 2 बार आदर्श पठन करें, उस पर चर्चा करें। चर्चा हेतु तथ्यात्मक मौखिक सवाल करें।
- आप पुन: बच्चों को जोड़ों में बिठा दें और पाठ पढ़ने को कहें और आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें।

लेखन कार्य

पाठ-117

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

स्वतंत्र पठन एवं समृद्ध चर्चा

कालांश ① ② **3**

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कार्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी पढ़ने को कहें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे किताबें उलट-पलट कर पढ़ने/समझने का प्रयास कर रहे थे ? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और उनकी सहायता करें।

सप्ताह 21
दिवस 6

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- विषय – मेले से जुड़े अनुभव
- चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले बिन्दुओं का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के अनुभवों को चर्चा में सम्मिलित करें।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों से मेले से जुड़े उनके अनुभवों के बारे में बातचीत करें। बच्चों से कुछ तथ्यात्मक और कुछ अनुमान, तर्क आधारित प्रश्न करें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से मेले से जुड़ा चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

साप्ताहिक आकलन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 113 से 117 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें। परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएं।
- इसके पश्चात आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचाने और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 22
दिवस 1

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, बोर्ड, चॉक/मार्कर आदि।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- परिवेशीय चित्र बनाएं।
- बच्चों को चित्र पहचानने के लिए प्रोत्साहित करें।

पहचानो और बताओ?

- कालांश की शुरुआत किसी स्थानीय कविता/गीत को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- आप बोर्ड पर किसी वस्तु से मिलता-जुलता कोई चित्र बनाएँ और बच्चों को अनुमान लगाकर पहचानने को कहें। चित्र घर के सामान, पक्षी, जानवर इत्यादि के हो सकते हैं।
- ध्यान दें कि चित्र इतना अस्पष्ट हो कि बच्चों को पहचानने में थोड़ी चुनौती मिले।
- बच्चे चित्र पहचानकर उसके बारे में 2-3 वाक्य बताएँ। हर बच्चे को बोलने का मौका दें।
- यदि कोई बच्चा कुछ अलग पहचानता है तो भी उसे वाक्य बोलने को कहें।

लेखन कार्य

- बच्चों को गतिविधि से जुड़ा चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी को बताने को कहें। 3-4 बच्चों से कक्षा के सभी बच्चों को चित्र दिखाकर उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने गतिविधि में प्रतिभागिता की? जो बच्चे प्रश्न नहीं कर रहे हों, प्रतिभाग नहीं कर रहे हों उनकी पहचान कर लें और आगे उनको बोलने के लिए प्रोत्साहित करें।

आदर्श वाचन एवं मार्गदर्शित पठन

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पाठ पर कार्य

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सबसे पहले आप कार्यपुस्तिका के पाठ-118 के पहले अभ्यास में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और 2-3 बार पढ़ें।
- फिर आप बच्चों को जोड़ों में बैठाकर कार्यपुस्तिका की सहायता से इन शब्दों को पढ़ने को कहें और आप घूम-घूम कर अवलोकन करें तथा जिन बच्चों को सहायता चाहिए हो उनकी सहायता करें।
- फिर आप दूसरे अभ्यास में दिए गए पाठ से संबंधित चित्र पर चर्चा करें और पाठ का 2 बार आदर्श पठन करें, उस पर चर्चा करें। चर्चा हेतु तथ्यात्मक मौखिक सवाल करें।
- आप पुन: बच्चों को जोड़ों में बिठा दें और पाठ पढ़ने को कहें और आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें।

लेखन कार्य

पाठ-118

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 **3**

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-2 पाठ-9 ' बरसात का मौसम'
- पाठ पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में सहज से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 22
दिवस 2

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश **1** 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- 'पंखुड़ी' पाठ-11 एवं सहज-1 से पहेलियाँ

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें ।
- आप बच्चों से भी स्थानीय पहेलियाँ पूछने को कह सकते हैं।

बूझो तो जानें

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- फिर आप बच्चों को बताएँ कि आज हम सब एक गतिविधि करेंगे जिसका नाम है 'बूझो तो जानें'। बच्चों से अनुमान लगाने को कहें कि इस गतिविधि में क्या होगा ?
- आप बच्चों को 2 समूहों में बाँट दें और बताएँ कि वे एक-एक करके समूह से पहेली पूछेंगे और यदि वह समूह उत्तर नहीं बता पाएगा तो दूसरे समूह को उत्तर देना होगा। सही उत्तर बताने वाले समूह को 1 अंक मिलेगा। इस प्रकार अंत में जिस समूह के अधिक अंक होंगे उसको जीता हुआ माना जाएगा।
- पहेलियों में आए मुख्य शब्दों को आप बोर्ड पर लिख दें और बच्चों को शब्द दिखाते हुए पढ़कर बोलें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से आपस में चर्चा करके पहेलियों से जुड़े 1-2 वाक्य लिखने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

मार्गदर्शित पठन एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① **②** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पाठ पर कार्य

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सबसे पहले आप कार्यपुस्तिका के पाठ-119 के पहले अभ्यास में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और मिलाकर पढ़ें। फिर बच्चों से इन शब्दों को मिलाकर पढ़ने को कहें। आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें।
- फिर आप कल पढ़ाए गए पाठ का 1 बार आदर्श पठन करें और बच्चों से जोड़ों में पाठ पढ़ने को कहें और आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें।
- इसके बाद सभी बच्चों से पाठ पढ़ने को कहें और जो बच्चे न पढ़ पाएँ उनकी पहचान कर लें।

लेखन कार्य

पाठ-119

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② **③**

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-2 पाठ-9 'बरसात का मौसम'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुनः बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुनः पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक

सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले सत्र में उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 22
दिवस 3

मौखिक शब्दावली विकास।

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-2 पृष्ठ संख्या-34 एवं सहज-3 पृष्ठ संख्या-36 से पहेलियाँ

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- आप बच्चों से भी स्थानीय पहेलियाँ पूछने को कह सकते हैं।

बूझो तो जानें

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- फिर आप बच्चों को बताएँ कि आज हम सब फिर से 'बूझो तो जानें' गतिविधि करेंगे।
- आप बच्चों को 2 समूहों में बाँट दें और बताएँ कि वे एक-एक करके समूह से पहेली पूछेंगे और यदि वह समूह उत्तर नहीं बता पाएगा तो दूसरे समूह को उत्तर देना होगा। सही उत्तर बताने वाले समूह को 1 अंक मिलेगा। इस प्रकार अंत में जिस समूह के अधिक अंक होंगे उसको जीता हुआ माना जाएगा।
- पहेलियों में आए मुख्य शब्दों को आप बोर्ड पर लिख दें और बच्चों को शब्द दिखाते हुए पढ़कर बोलें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से आपस में चर्चा करके ऐसी पहेलियों से जुड़े 1-2 वाक्य लिखने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

आदर्श वाचन एवं मार्गदर्शित पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।

पाठ पर कार्य

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सबसे पहले आप कार्यपुस्तिका के पाठ-120 के पहले अभ्यास में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और 2-3 बार पढ़ें।
- फिर आप बच्चों को जोड़ों में बैठाकर कार्यपुस्तिका की सहायता से इन शब्दों को पढ़ने को

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

कहें और आप घूम घूमकर अवलोकन करें तथा जिन बच्चों को सहायता चाहिए हो उनकी सहायता करें।

- फिर आप दूसरे अभ्यास में दिए गए पाठ से संबंधित चित्र पर चर्चा करें और पाठ का 2 बार आदर्श पठन करें, उस पर चर्चा करें। चर्चा हेतु तथ्यात्मक मौखिक सवाल करें।
- आप पुन: बच्चों को जोड़ों में बिठा दें और पाठ पढ़ने को कहें और आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें।

लेखन कार्य

पाठ–120

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-2 पाठ-10 'गुड़िया की बिल्ली'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।
- बच्चों को कहानी अपने शब्दों में बताने के मौके दें।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में सहज से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ कार्य करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 22
दिवस 4

कक्षा से जुड़ाव

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कुछ क्रिया/संज्ञा शब्दों को पहले से सोच कर रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को प्रतिभाग करने का अवसर दें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- कालांश की शुरुआत किसी कविता/बालगीत/कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 5-7 मिनट तक कार्य करें।
- बच्चों को 2-3 समूहों में बाँटें। सभी समूहों से अभिनय करने के लिए बारी-बारी से एक-एक बच्चा आएगा। आप उस बच्चे के कान में एक शब्द कहेंगे और वह बच्चा अभिनय द्वारा उस शब्द को बताने की कोशिश करेगा।
- बनाए गए समूहों के बच्चों को वह शब्द पहचानना है, जो समूह शब्द को पहले पहचानेगा, उसे 1 अंक मिलेगा।
- अभिनय करने वाले प्रत्येक बच्चे को आप एक शब्द- (संज्ञा या क्रिया) दें। ध्यान दें कि ये परिचित एवं परिवेशीय शब्द हों। जैसे- पीने का पानी, दौड़ना, नाचना, गाना गाना, फूल, हाथी, कलम, आदि।

लेखन कार्य

- बच्चों को अभिनय से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें। बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- जिन बच्चों को गतिविधि करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित पठन एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पाठ पर कार्य

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सबसे पहले आप कार्यपुस्तिका के पाठ-121 के पहले अभ्यास में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और मिलाकर पढ़ें। फिर बच्चों से इन शब्दों को मिलाकर पढ़ने को कहें। आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें।
- फिर आप कल पढ़ाए गए पाठ का 1 बार आदर्श पठन करें और बच्चों से जोड़ों में पाठ पढ़ने को कहें और आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें।
- इसके बाद सभी बच्चों से पाठ पढ़ने को कहें और जो बच्चे न पढ़ पाएँ उनकी पहचान कर लें।

लेखन कार्य

पाठ-121

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज -2 पाठ-10 'गुड़िया की बिल्ली'
- पाठ को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें ।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में सहज से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ कार्य करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप बच्चों से पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 22
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-2 पाठ-13 'चिड़िया के बच्चे'
- कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- सहज-2 से पाठ-13 'चिड़िया के बच्चे' अपने शब्दों में स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी में आए 2-3 शब्दों को चुनकर लिखने और उनसे वाक्य बनाकर आपस में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

पुनरावृत्ति

कालांश ① **②** ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- सबसे पहले आप कार्यपुस्तिका के पाठ-122 के पहले अभ्यास में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और 2-3 बार पढ़ें।
- फिर आप बच्चों को जोड़ों में बिठाकर कार्यपुस्तिका की सहायता से इन शब्दों को पढ़ने को कहें और आप घूम घूमकर अवलोकन करें तथा जिन बच्चों को सहायता चाहिए हो उनकी सहायता करें।
- फिर आप दूसरे अभ्यास में दिए गए पाठ से संबंधित चित्र पर चर्चा करें और पाठ का 2 बार आदर्श पठन करें, उस पर चर्चा करें। चर्चा हेतु तथ्यात्मक मौखिक सवाल करें।
- आप पुन: बच्चों को जोड़ों में बिठा दें और पाठ को पढ़ने को कहें और आवश्यकता के अनुसार बच्चों की सहायता करें।

लेखन कार्य

पाठ-122

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

स्वतंत्र पठन एवं समृद्ध चर्चा

कालांश ① ② **③**

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कार्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी पढ़ने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे किताबें उलट-पलट कर पढ़ने/समझने का प्रयास कर रहे थे? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और उनकी सहायता करें।

सप्ताह 22
दिवस 6

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- विषय : स्कूल में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम से जुड़े अनुभव
- चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले बिन्दुओं का चयन करना

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के अनुभवों को चर्चा में सम्मिलित करें।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों से स्कूल में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम से जुड़े उनके अनुभवों के बारे में बातचीत करें। बच्चों से कुछ तथ्यात्मक और कुछ अनुमान, तर्क आधारित प्रश्न करें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम से जुड़ा चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हों तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

साप्ताहिक आकलन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-118 से 122 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें। परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएं।
- इसके पश्चात आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचाने और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

व्यवधान प्रबंधन की रणनीति

इस बात की संभावना अभी भी बनी हुई है कि कोरोना के कारण इस वर्ष भी स्कूलों को कुछ समय के लिए बंद करने की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। स्कूलों के अचानक बंद होने से बच्चों के सीखने में बाधा आती है और अधिगम क्षति होती है। पिछले दो वर्षों में हम सभी ने इसके उदाहरण देखे हैं। इसलिए, अब हमारे पास इस प्रकार के संभावित व्यवधानों और उससे होने वाले नुकसानों से बचने और निपटने की प्रभावी योजना होनी चाहिए। यह योजना इस प्रकार की होनी चाहिए जिससे हम बच्चों में अधिगम क्षति का आकलन कर पाएं एवं आकलन के आधार पर रेमिडियल कार्य या पुनरावृत्ति/अभ्यास पर कार्य कर पाएं। इसके साथ–साथ बच्चों को घर पर भी सीखने के अवसर प्राप्त होते रहें, इसके लिए भी अभिभावकों के साथ नियमित रूप से संवाद करते रहें।

इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष की कार्यपुस्तिका में **'व्यवधान प्रबंधन कार्य'** के अंतर्गत न्यूनतम शिक्षण सप्ताहों (22 सप्ताह) को 4 इकाइयों में बाँटा गया है। अगर कोई व्यवधान होता है तो इकाइयों के आधार पर कार्य करने की योजना है। इस पर आगे विस्तृत चर्चा की जा रही है।

सप्ताह 1–6
इकाई 1
इकाई आकलन एवं रेमेडियल/पुनरावृत्ति पाठ
1 2 3 4 5

सप्ताह 7–11
इकाई 2
इकाई आकलन एवं रेमेडियल/पुनरावृत्ति पाठ
6 7 8 9 10

सप्ताह 12–16
इकाई 3
इकाई आकलन एवं रेमेडियल/पुनरावृत्ति पाठ
11 12 13 14 15

सप्ताह 17–22
इकाई 4
इकाई आकलन एवं रेमेडियल/पुनरावृत्ति पाठ
16 17 18 19 20

- प्रत्येक इकाई में आकलन के लिए 1 प्रपत्र है और 5 रेमेडियल/पुनरावृत्ति पाठ हैं। इस प्रकार की कुल 4 इकाइयां हैं।
- कार्यपुस्तिका में व्यवधान प्रबंधन कार्य हेतु कुल 4 आकलन प्रपत्र (मैंने सीख लिया) हैं और 20 रेमेडियल /पुनरावृत्ति पाठ हैं।
- यदि किसी व्यवधान की वजह से स्कूल कुछ समय के लिए बंद होते हैं तब बच्चे जिस इकाई की पढ़ाई कर रहे होंगे, आप उसकी और उसके पूर्व सीखी गई दक्षताओं का एक आकलन (इकाई आकलन द्वारा) करें और आकलन के आधार पर बच्चों को 2 समूहों में बाँटकर कार्य करें।

  समूह 1 में वे बच्चें होंगे जिन्होंने आकलन में 50% से कम अंक प्राप्त किए होंगे । इन बच्चों के साथ आप रेमेडियल कार्य करेंगे।

  समूह 2 में वे बच्चें होंगे जिन्होंने आकलन में 50% से अधिक अंक प्राप्त किए होंगे। इन बच्चों के साथ आप पुनरावृत्ति/अभ्यास कार्य करेंगे।

- इस योजना पर आप आवश्यकतानुसार 6–10 दिनों तक कार्य करें। प्रत्येक इकाई के पाठों पर व्यवधान की गंभीरता एवं बच्चों के साथ उनके तत्कालीन अधिगम स्तरों के अनुसार कार्य करें।
- कार्यपुस्तिका से व्यवधान प्रबंधन पर कार्य करने के साथ–साथ मौखिक भाषा विकास, ध्वनि जागरूकता एवं पठन की गतिविधियों पर भी कार्य करें। व्यवधान होने के 1–2 सप्ताह पहले की शिक्षण योजना पूरी कक्षा के साथ दोहराएं।

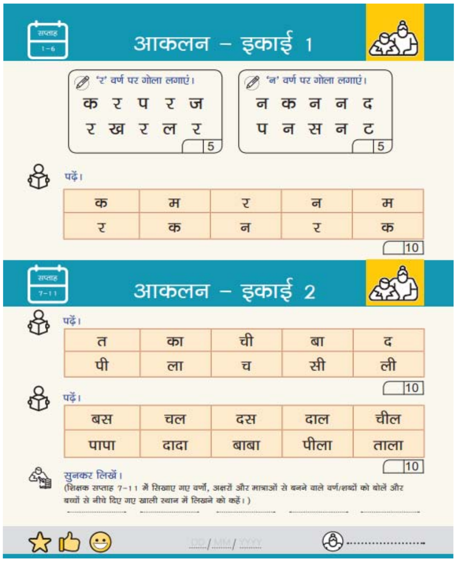

आकलन प्रपत्र

- बच्चों के साथ व्यक्तिगत रूप से आकलन करना
- आकलन के अंकों को अपने लिए दर्ज करना
- आकलन के आधार पर समूह का निर्धारण करना : समूह 1 एवं समूह 2

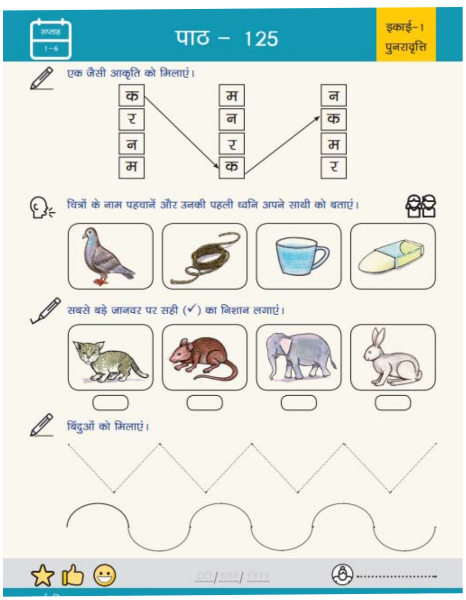

रेमेडियल / पुनरावृत्ति पाठ

समूह 1 : रेमेडियल कार्य

- जो बच्चे लक्षित दक्षताएं प्राप्त नहीं कर रहे हैं, उनके साथ छोटे–छोटे समूहों में कार्य करना
- इन बच्चों को अभ्यास के पर्याप्त मौके देना
- आवश्यकतानुसार, बच्चों के साथ कॉपी एवं पाठों पर कार्य करना

समूह 2 : पुनरावृत्ति कार्य

- जो बच्चे लक्षित दक्षताएं प्राप्त कर रहें हैं, उन्हें स्वतंत्र रूप से पाठों पर कार्य करने देना
- बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने के मौके देना
- बच्चों को कॉपी एवं पाठों पर कार्य करने देना, अवलोकन करना और जरूरी मदद देना

कक्षा प्रबंधन

कक्षा प्रबंधन एक विशेष प्रकार की रणनीति एवं तकनीक है जो सभी बच्चों को सक्रिय रूप से कक्षा में हो रही गतिविधियों से जोड़कर रखती है। कक्षा प्रबंधन की एक सीमित या पारंपरिक परिभाषा 'अनुपालन' की ओर इंगित करती है, जैसे कि बच्चे अपनी जगह पर बैठे हों और शिक्षक द्वारा दिए गए दिशा–निर्देशों को सुन रहे हों आदि। परंतु एक प्रभावी कक्षा प्रबंधन इससे कहीं आगे बढ़कर होता है।

प्रभावी कक्षा प्रबंधन में वह सभी चीजें हैं जो सीखने में मदद करें जैसे शिक्षक का व्यवहार एवं कक्षा का वातावरण (बच्चों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण, उनकी बातों को कक्षा में जगह देना), वास्तविक अपेक्षाएं (बच्चों से अपेक्षित कार्य की जानकारी बच्चों को साझा करना), अधिगम शिक्षण सामग्री का उपयोग (सार्थक एवं विभिन्न शिक्षण सामग्री का उपयोग), गतिविधियों एवं शिक्षण कार्य में विविधता, समय प्रबंधन/नियोजन आदि ।

प्रभावी कक्षा प्रबंधन में जिन मुख्य बिंदुओं को शामिल किया जा सकता है, उन्हें नीचे देखा जा सकता है :

1. बैठक व्यवस्था

- बैठक की व्यवस्था, कक्षा–कक्ष में हो रही गतिविधियों के अनुसार करना उचित रहता है। सामूहिक कार्यों जैसे – कहानी सुनाने के दौरान, बच्चे शिक्षक के समीप गोल घेरे में बैठ सकते हैं। जबकि अन्य गतिविधियों के दौरान, बच्चे फैलकर, छोटे–छोटे समूहों में बैठ सकते हैं।
- बैठक की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें सभी बच्चों को घुल–मिलकर बैठने के अवसर मिलें। लड़कियों को भी समान अवसर मिले।
- जो बच्चे शर्मीले हैं या जो बच्चे कक्षा में पीछे की तरफ बैठने की कोशिश करते हैं, आप उन्हें आगे बैठने के लिए प्रोत्साहित करें।
- शिक्षण के समय बच्चों और बोर्ड के बीच में दूरी कम हो तो बेहतर होता है।

2. बच्चों के साथ जुड़ाव

- कक्षा में शिक्षण के दौरान, आप जब भी बच्चों के साथ बातचीत करें तो उनकी भावनाओं के प्रति सचेत और संवेदनशील रहें। ऐसी बातचीत के कुछ उदाहरण यहाँ नीचे देखे जा सकते हैं :
    - आज आपको कैसा लग रहा है?
    - आज स्कूल तक आने में किन–किन लोगों ने आपकी मदद की या आपके लिए कुछ किया ?
- ऐसी बातचीत में सभी बच्चों को मौका दें, लेकिन यह संभव है कि रोज ऐसी बातचीत के लिए आपके पास पर्याप्त समय न हो। इसलिए, आप कोशिश करें कि अलग–अलग दिनों में अलग–अलग बच्चों के साथ ऐसी बातचीत करते रहें।

3. सहज वातावरण

- कक्षा के सभी बच्चों को अपनी बात रखने के भरपूर मौके दें। इसके लिए आप अलग–अलग रणनीतियों का प्रयोग कर सकते हैं। जैसे – वर्णमाला के क्रमानुसार बच्चों को बोलने के मौके देना, कागज की पर्चियों में बच्चों के नाम लिखना और पर्चियों की मदद से बच्चों को मौके देना, किसी एक बच्चे का नाम लेना और उसे कक्षा के किसी दूसरे बच्चे का नाम लेने के लिए बोलना जिन्हें अगली बार बोलने का मौका दिया जा सके और इसे आगे बढ़ाना, आदि।
- कक्षा–व्यवस्था संबंधी नियमों को आप बच्चों के साथ मिलकर तय करें, जैसे –
    - जब एक बच्चा बोल रहा हो तो सभी उसकी बातों/विचारों को ध्यान से सुनेंगे।
    - सभी बच्चे अपनी बारी का इंतेजार करेंगे और जब उनकी बारी आएगी तभी बातचीत करेंगे।
    - सभी बच्चे सीखने में एक–दूसरे की मदद करेंगे और एक–दूसरे का मजाक नहीं उड़ाएंगे आदि।
- शिक्षण कार्य के दौरान, आप बच्चों के साथ बराबरी का व्यवहार करने की कोशिश करें, जैसे –
    - अगर बच्चे दरी पर बैठे हों तो आप भी उनके साथ दरी पर ही बैठें।
    - बच्चों को अपने घर की भाषा में संवाद के पर्याप्त मौके दें।

4. समय प्रबंधन/नियोजन

- बेहतर शिक्षण के लिए यह समझना आवश्यक है कि बच्चों को 'इंतजार का समय' (wait meạ) और 'काम का समय' (me` on task) कितना मिला।
- इंतजार का समय वह समय होता है जिसमें बच्चों को सोचने का समय दिया जाता है और काम के समय में बच्चे किसी गतिविधि आदि पर समय लगाते हैं।
- कक्षा में बच्चों को अभ्यास करने के भरपूर मौके दें।
- कक्षा की शुरुआत छोटी कविता/कहानी/खेल गतिविधि या चलने–फिरने/उठने–बैठने की गतिविधि के साथ करें।
- कक्षा में आप जिन गतिविधियों एवं अधिगम शिक्षण सामग्रियों को काम में लेते हुए शिक्षण कार्य करने वाले हैं, इन्हें पहले से ही इकट्ठा कर लें।
- शिक्षण योजनाओं को कक्षा में क्रियान्वयन करने से एक दिन पहले अवश्य पढ़े एवं आवश्यक तैयारी कर लें।
- बहुकक्षीय शिक्षण की अवस्था में शिक्षक को अपने समय–संतुलन पर भी खास ध्यान देना चाहिए।

प्रिंट रिच वातावरण

पढ़ने–लिखने के शुरूआती चरणों में बच्चों को जितनी अलग–अलग तरह की शिक्षण अधिगम सामग्री और प्रिंट की चीजें मिलती हैं, उनका पढ़ना उतना ही रोचक हो जाता है। अलग–अलग प्रकार की प्रिंट सामग्री से (चित्र/कहानी/कविता पोस्टर, दीवार पत्रिका, बच्चों द्वारा बनाए चित्र, चित्र कहानी पोस्टर आदि) समृद्ध कक्षा–कक्ष बच्चों के पढ़ने–लिखने, कक्षा और अपने सहपाठियों से जुड़कर कार्य करने एवं झिझक दूर करने में काफी मददगार होता है।

प्रिंट रिच कक्षाएं जहाँ तरफ बच्चों की पढ़ने–लिखने में रूची बढ़ाती हैं, वही ऐसी कक्षाएं उन बच्चों की और ज्यादा मदद करती हैं जिनके घरों में प्रिंट सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है।

कक्षा–कक्ष को प्रिंट रिच बनाने के लिए कुछ सामग्रियों का उपयोग किया जा सकता है, जिनका विवरण नीचे दिया गया है :

1. किताबों का कोना

- बच्चों के स्तर की किताबों को कक्षा के किसी कोने में सजाकर इस तरह रखें कि बच्चे उसे लेकर देख सकें। इसके लिए विद्यालय में उपलब्ध किताबों का उपयोग करें। दीवार में रस्सी टाँगकर भी कुछ किताबों को रखा जा सकता है।

2. चित्र चार्ट

- इनको कक्षा में इस तरह दीवारों और खिड़कियों के सहारे रखें कि ये सबको दिख जाएँ। इन्हें दीवारों पर न चिपकाएं क्योंकि चित्र पर चर्चा के लिए इन्हें बच्चों के बीच में रखकर कार्य करना पड़ता है। यह सामग्री आपकी कक्षा में पहले से ही उपलब्ध है।

2. कविता/कहानी पोस्टर

- आपके विद्यालय में पहले से ही कविता और कहानी पोस्टर भेजे गए हैं। इन्हें दीवारों पर लगाएं। जमीन से इनकी ऊँचाई ऐसी हो कि बच्चे आसानी से इन्हें देख सकें और इनके साथ कार्य कर सकें।

4. लेबलिंग

- कक्षा में मौजूद वस्तुओं के नाम कागज पर लिखकर प्रत्येक वस्तु के पास चिपकाए जा सकते हैं। जैसे–दरवाजा, खिड़की, अलमारी आदि।

5. बच्चों का कोना

- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को दीवार पर प्रदर्शित करने के लिए एक निश्चित जगह चुनें। उस पर उनके नाम सहित उनके द्वारा बनाए गए चित्रों को चिपकाएं या टांग दें। आगे चलकर, बच्चे अगर कुछ शब्द लिखते हैं तो उन्हें भी चिपकाया जा सकता है। बच्चों के इन कार्यों को एक निश्चित अंतराल पर बदलते रहें।

6. शब्द दीवार

- दीवारों पर कई तरह के शब्द चार्ट लगाए जा सकते हैं –
    - बच्चों के नाम और उनके पसंद की चीजें
    - बच्चों के जन्मदिन का चार्ट
    - पढ़ाई गई कहानियों के नाम
    - कहानी और कविता
    - स्थानीय कविता और कहानी
    - बोलचाल के स्थानीय शब्द
    - कहानी / बातचीत / साझा पठन में आए चित्र
    - कोई चित्र और उसका वर्णन

ऐसे चार्ट एक निश्चित अंतराल पर बदलते रहने चाहिए।

अभिभावकों की भूमिका

शिक्षकों के साथ बातचीत

'गृहकार्य' को घर पर करवाना

बच्चों के साथ बातचीत

बच्चे निरंतर रूप से सीखने की प्रक्रियाओं में शामिल हों इसके लिए जरुरी है कि कक्षा–कक्ष में जहाँ एक तरफ शिक्षक उनके साथ काम करें, वहीं दूसरी तरफ अभिभावक भी घर पर उन्हें पर्याप्त समय दें और व्यवस्थित ढंग से उनके साथ काम करें। इसलिए हम शिक्षकों को सभी बच्चों के अभिभावकों के साथ नियमित रूप से बातचीत एवं चर्चा करनी चाहिए। स्कूल में आयोजित अभिभावक एवं शिक्षकों की बैठकों (PTM) में अभिभावकों से यह बात करें कि उनके सक्रिय और सकारात्मक जुड़ाव से बच्चों के सीखने की गति बेहतर होती जाती है।

इस भाग में हम यह देखने और समझने की कोशिश करेंगे कि एक अभिभावक की पूरी शिक्षण प्रक्रिया में क्या भूमिका हो सकती है। आप अभिभावकों तक यह बात पहुँचाएं कि बच्चों के सीखने की प्रक्रिया में उनकी भूमिका को 3 मुख्य भागों में बाँटकर देखा जा सकता है। इन पर हम विस्तार से आगे बात करेंगे :

1. शिक्षकों के साथ बातचीत

आप अभिभावकों को बताएं कि उनके लिए अपने बच्चों की प्रगति पर ध्यान रखना अच्छा होगा ताकि बच्चों को समय से ज़रूरी मदद मिल सके। साथ में ही, उनसे अपेक्षा है कि वह विद्यालय के शिक्षकों से लगातार संवाद बनाएं रखें और अपने बच्चे के बारे में संवाद करते रहें। विद्यालय से जुड़े कार्यों में अभिभावकों की भूमिका को नीचे देखा जा सकता है –

- वार्षिक लक्ष्य और बच्चों की प्रगति पर बात करना।
- बच्चों को विद्यालय और सीखने में हो रही कठिनाइयों पर शिक्षक के साथ नियमित रूप से बात करना।
- बच्चों को घर में कक्षा के कार्यों को दोहराने में प्रतिदिन मदद करना।
- कक्षा में किए गए कार्य के बारे में पूछना।
- गृहकार्य के बारे में पूछना।

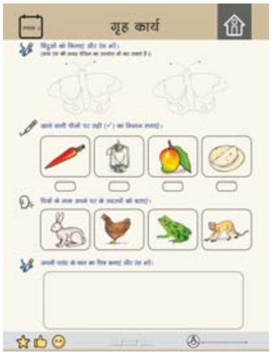

2. साप्ताहिक रूप से गृहकार्य के पत्रक को घर पर करवाना

आप अभिभावकों को बच्चों से उनके विद्यालय में बिताए गए समय और उनके सीखने के अनुभवों के बारे में बातचीत कर, गृहकार्य को पूरा करने में सहयोग के लिए प्रेरित करें। इससे संबंधित अभिभावकों की भूमिका को नीचे देखा जा सकता है –

- बच्चों से आपके द्वारा दिए गए निर्देश के बारे में पूछना।
- बच्चों के साथ बैठकर गृहकार्य को पूरा करवाना।
- बच्चों के साप्ताहिक कार्य और कार्यपुस्तिका ट्रैकर को देखना।
- बच्चों को विद्यालय और सीखने में हो रही कठिनाइयों को समझने का प्रयास करना।

3. बच्चों के साथ बातचीत

अभिभावक किन–किन सामान्य बातों का ध्यान रख सकते हैं, इसे नीचे देखा जा सकता है –

- बच्चे मजे के साथ सीख सकें, इसके लिए घर पर अनुकूल वातावरण बनाना।
- बच्चों के सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को सराहना और उन्हें प्रोत्साहित करना।
- बच्चों के साथ खेलना, समय व्यतीत करना और लगातार संवाद करना।
- बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना और उन्हें टहलने, खेलने आदि के लिए प्रोत्साहित करना।
- बच्चों के मौखिक भाषा विकास हेतु उनके साथ अलग–अलग मुद्दों पर लगातार संवाद करते रहना, दिन में एक बार कहानी या कविता सुनाने का प्रयास करना।
- कहानी या कविता के बारे में बच्चों से छोटे–छोटे सवाल करना : जैसे कि इसमें तुम्हे क्या अच्छा लगता है, इसमें से तुम क्या बनना चाहोगे, अगर ऐसा होता तो क्या होता? आदि। बच्चों को भी कहानी सुनाने के लिए प्रोत्सहित करना।
- बच्चों से चित्रकारी, रंग भरवाने, आटे, मिट्टी या कागज़ से कुछ आकृतियां या चीज बनाने को कहना।
- अपने परिवेश, घर की आवश्यक वस्तुओं के बारे में बताना कि वे कहाँ से आती हैं और उनका क्या उपयोग होता है आदि।

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 1

हर सप्ताह
दिवस 6

प्रत्येक सप्ताह डिकोडिंग से संबंधित आकलन एवं मौखिक भाषा विकास से संबंधित अवलोकन करें।

डिकोडिंग : बच्चों द्वारा प्राप्त अंकों को दर्ज करें। समूह 1 के बच्चों द्वारा लाए गए अंक पर गोला लगाएं एवं रेमेडियल कार्य करें। समूह 2 के बच्चों के साथ पुनरावृत्ति/अभ्यास कार्य करें।

क स म डिकोडिंग   मौखिक भाषा

सप्ताह

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	1		2		3		4	
		क स म		क स म		क स म		क स म	
1									
2									
3									
4									
5									
6									
7									
8									
9									
10									
11									
12									
13									
14									
15									
16									
17									
18									
19									
20									
21									

मौखिक भाषा विकास : मौखिक भाषा विकास का आकलन हम अंकों में दर्ज नहीं करेंगे। जो बच्चे लक्षित दक्षताएं प्राप्त कर पा रहे हैं, उनके नाम के आगे सही (✓) का निशान लगाएं और जो बच्चे लक्षित दक्षताएं प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं, उनके नाम के आगे '–' चिह्न लगाएं और उनके साथ अलग से कार्य करें। यह आपको अपने दैनिक शिक्षण प्रक्रिया की नियमित समीक्षा एवं अवलोकन द्वारा करना है। यह याद रखें कि कम से कम 4 सप्ताहों में प्रत्येक बच्चे का व्यक्तिगत रूप से 2 बार अवलोकन करें और इस ट्रैकर में अपने अवलोकन के अनुसार टिप्पणी लिखें। इस पर अध्याय 'आकलन एवं पुनरावृत्ति' में विस्तार से चर्चा की गई है।

सप्ताह

5		6		7		8		टिप्पणी

डिकोडिंग   मौखिक भाषा

सप्ताह

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	1		2		3		4	
		डिकोडिंग	मौखिक भाषा	डिकोडिंग	मौखिक भाषा	डिकोडिंग	मौखिक भाषा	डिकोडिंग	मौखिक भाषा
22									
23									
24									
25									
26									
27									
28									
29									
30									
31									
32									
33									
34									
35									
36									
37									
38									
39									
40									
41									
42									
43									
44									
45									
46									

सप्ताह

5		6		7		8		टिप्पणी

सप्ताह 9

सावधिक आकलन ट्रैकर 1

सावधिक आकलन करने के बाद आकलन ट्रैकर भरें और समूह का निर्धारण करें ।

डिकोडिंग : बच्चों द्वारा प्राप्त अंकों को दर्ज करें। समूह 1 के बच्चों द्वारा लाए गए अंक पर गोला लगाएं।

मौखिक भाषा विकास : अगर बच्चे लक्षित दक्षताएं प्राप्त कर पा रहे हैं, उनके नाम के आगे सही (✓) का निशान लगाएं और जो बच्चे लक्षित दक्षताएं प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं, उनके नाम के आगे '–' चिह्न लगाएं और उनके साथ अलग से कार्य करें। इस पर अध्याय 'आकलन एवं पुनरावृत्ति' में विस्तार से चर्चा की गई है।

जिला ______________ **ब्लॉक** ______________ **स्कूल** ______________________ **कक्षा** ______

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	डिकोडिंग	मौखिक भाषा	टिप्पणी
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				
17				
18				
19				
20				
21				

जिला ______________ ब्लॉक ______________ स्कूल ______________________ कक्षा ______

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	डिकोडिंग	मौखिक भाषा	टिप्पणी
22				
23				
24				
25				
26				
27				
28				
29				
30				
31				
32				
33				
34				
35				
36				
37				
38				
39				
40				
41				
42				
43				
44				
45				
46				

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 2

हर सप्ताह
दिवस 6

प्रत्येक सप्ताह डकोडिंग से संबंधित आकलन एवं मौखिक भाषा विकास से संबंधित अवलोकन करें। **डिकोडिंग :** बच्चों द्वारा प्राप्त अंकों को दर्ज करें। समूह 1 के बच्चों द्वारा लाए गए अंक पर गोला लगाएं एवं रेमेडियल कार्य करें। समूह 2 के बच्चों के साथ पुनरावृत्ति/अभ्यास कार्य करें।

डिकोडिंग   मौखिक भाषा

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	सप्ताह 10		11		12		13	
		डिकोडिंग	मौखिक भाषा	डिकोडिंग	मौखिक भाषा	डिकोडिंग	मौखिक भाषा	डिकोडिंग	मौखिक भाषा
1									
2									
3									
4									
5									
6									
7									
8									
9									
10									
11									
12									
13									
14									
15									
16									
17									
18									
19									
20									
21									

मौखिक भाषा विकास : मौखिक भाषा विकास का आकलन हम अंकों में दर्ज नहीं करेंगे। जो बच्चे लक्षित दक्षताएं प्राप्त कर पा रहे हैं, उनके नाम के आगे सही का निशान लगाएं और जो बच्चे लक्षित दक्षताएं प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं, उनके नाम के आगे '–' चिह्न लगाएं और उनके साथ अलग से कार्य करें। यह आपको अपने दैनिक शिक्षण प्रक्रिया की नियमित समीक्षा एवं अवलोकन द्वारा करना है। यह याद रखें कि कम से कम 4 सप्ताहों में प्रत्येक बच्चे का व्यक्तिगत रूप से 2 बार अवलोकन करें और इस ट्रैकर में अपने अवलोकन के अनुसार टिप्पणी लिखें। इस पर अध्याय 'आकलन एवं पुनरावृत्ति' में विस्तार से चर्चा की गई है।

सप्ताह

14		15		16		17		टिप्पणी
क स म		क स म		क स म		क स म		

डिकोडिंग   मौखिक भाषा

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	सप्ताह 10		सप्ताह 11		सप्ताह 12		सप्ताह 13	
22									
23									
24									
25									
26									
27									
28									
29									
30									
31									
32									
33									
34									
35									
36									
37									
38									
39									
40									
41									
42									
43									
44									
45									
46									

सप्ताह

14		15		16		17		टिप्पणी
क स म		क स म		क स म		क स म		

सप्ताह 18

सावधिक आकलन ट्रैकर 2

सावधिक आकलन करने के बाद आकलन ट्रैकर भरें और समूह का निर्धारण करें ।

डिकोडिंग : बच्चों द्वारा प्राप्त अंकों को दर्ज करें। समूह 1 के बच्चों द्वारा लाए गए अंक पर गोला लगाएं।

मौखिक भाषा विकास : अगर बच्चे लक्षित दक्षताएं प्राप्त कर पा रहे हैं, उनके नाम के आगे सही (✓) का निशान लगाएं और जो बच्चे लक्षित दक्षताएं प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं, उनके नाम के आगे '–' चिह्न लगाएं और उनके साथ अलग से कार्य करें। इस पर अध्याय 'आकलन एवं पुनरावृत्ति' में विस्तार से चर्चा की गई है।

जिला ______________ ब्लॉक ______________ स्कूल ______________________ कक्षा ______

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	डिकोडिंग	मौखिक भाषा	टिप्पणी
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				
17				
18				
19				
20				
21				

जिला ______________ ब्लॉक ______________ स्कूल ______________________ कक्षा ______

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	डिकोडिंग	मौखिक भाषा	टिप्पणी
22				
23				
24				
25				
26				
27				
28				
29				
30				
31				
32				
33				
34				
35				
36				
37				
38				
39				
40				
41				
42				
43				
44				
45				
46				

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 3

हर सप्ताह
दिवस 6

प्रत्येक सप्ताह डिकोडिंग से संबंधित आकलन एवं मौखिक भाषा विकास से संबंधित अवलोकन करें। डिकोडिंग से संबंधित आकलन के अंकों को इस ट्रैकर में दर्ज करें और जो बच्चे समूह 1 में हैं, उनके द्वारा लाए गए अंक पर गोला लगाएं। मौखिक भाषा विकास से संबंधित अवलोकन नियमित रूप से करें और जिन बच्चों को अधिक मदद की आवश्यकता है, उनके नाम के आगे '–' चिह्न का निशान लगाएं।

डिकोडिंग   मौखिक भाषा

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	सप्ताह 19		सप्ताह 20		सप्ताह 21		सप्ताह 22	
		डिकोडिंग	मौखिक भाषा	डिकोडिंग	मौखिक भाषा	डिकोडिंग	मौखिक भाषा	डिकोडिंग	मौखिक भाषा
1									
2									
3									
4									
5									
6									
7									
8									
9									
10									
11									
12									
13									
14									
15									
16									
17									
18									
19									
20									
21									

डिकोडिंग मौखिक भाषा

सप्ताह

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	19		20		21		22	
		डिकोडिंग	मौखिक भाषा	डिकोडिंग	मौखिक भाषा	डिकोडिंग	मौखिक भाषा	डिकोडिंग	मौखिक भाषा
22									
23									
24									
25									
26									
27									
28									
29									
30									
31									
32									
33									
34									
35									
36									
37									
38									
39									
40									
41									
42									
43									
44									
45									
46									

नोट्स

नोट्स

नोट्स

1	2	3	4	5	6
भाषा	भाषा	भाषा	गणित	गणित	गणित

भाषा एवं गणित की कक्षा के लिए प्रतिदिन 3–3 कालांश प्रस्तावित हैं।

22 सप्ताह

14 दक्षताएँ

- कहानी सुनने के बाद कहानी पर चर्चा में अपनी प्रतिक्रिया दे पाना।
- कहानी सुनकर घटनाओं को क्रम से सुना पाना।
- टायर–2 के शब्दों (जैसे– ईमानदारी, उदारता आदि) के अर्थ समझना और बातचीत में घर की भाषा में उपयोग कर पाना।
- चित्र कहानी को हाव–भाव और शब्दावली का उपयोग करते हुए अपनी भाषा में कहानी के रूप में सुना पाना।
- शब्द की प्रथम और अंतिम ध्वनि को बदलकर नया शब्द बना पाना।
- 3–5 वर्ण/अक्षर वाले शब्द प्रवाह के साथ पढ़ पाना।
- 40–50 शब्द वाले पाठ को प्रवाह के साथ पढ़ पाना।
- कहानी की किताबों को देखकर पाठ के बारे अनुमान लगाना और कुछ शब्दों को पहचान पाना।
- 6–8 सरल वाक्यों (50–60) वाले पाठ को पढ़ना और सीधे तथ्य वाले प्रश्नों के उत्तर दे पाना।
- पाठ पढ़कर सीधे सरल निष्कर्ष वाले प्रश्नों के उत्तर दे पाना।
- पाठ को पढ़कर पुनः अपने शब्दों में सुना पाना।
- पाठ से जुड़े प्रश्नों के उत्तर एक सरल वाक्य में लिख पाना।
- अपने अनुभव, विचार या किसी चित्र के बारे में 1–2 वाक्य लिख पाना।

अकादमिक शिक्षण योजना

1 2 3 — 3 कालांशों में कार्य

शिक्षण योजना

ट्रैकर

वार्षिक ट्रैकर (2022–2023)

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर

सावधिक आकलन ट्रैकर

राष्ट्रगान

जन–गण–मन अधिनायक जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
पंजाब–सिंध–गुजरात–मराठा
द्राविड़–उत्कल–बंग
विंध्य–हिमाचल–यमुना–गंगा
उच्छल–जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा
जन–गण–मंगल दायक जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे!

2022-2023

आवरण पृष्ठ के कागज का विशिष्टीकरण: प्रयुक्त कागज................ वर्जिन पल्पयुक्त 175 जी0एस0एम0 का आर्ट पेपर का प्रयोग किया गया है। जिसमें कागज का बर्स्ट इण्डेक्स–न्यूनतम 0.9, वैक्स पिक्स–नो पिक्स ऑन 5ए, ग्लास परसेंट–न्यूनतम 55, ब्राइटनेस न्यूनतम 72 प्रतिशत और सरफेस पी0एच0 5.5 से 8.0 है। कागज की अन्य विशिष्टियाँ बी0आई0एस0 कोड आई0एस0–4658–1988 के अनुसार हैं एवं कागज 53.34 सेमी x 78.74 सेमी है। आवरण पृष्ठ का बाहरी भाग चार रंगों तथा अन्दर का भाग एक रंग में मुद्रित है।

उ0प्र0, बेसिक शिक्षा परिषद्

R9R6L3

निःशुल्क वितरण हेतु